फाल्गुन शुक्ल पक्ष एकादशी
विक्रम संवत 2080

लखनऊ, बरेली, मुरादाबाद, हल्द्वानी, अयोध्या व कानपुर से प्रकाशित

बुधवार, 20 मार्च 2024
वर्ष -2, अंक -209, पृष्ठ -16
2 राज्य, 6 संस्करण
मूल्य - 5 रुपये

अमृत विचार

कानपुर नगर

एक सम्पूर्ण अखबार

www.amritvichar.com

ट्रंप मौलिक स्वतंत्रता के लिए खतरा : कमला हैरिस 16

फिल्म बड़की माई में नजर आएंगी मणि और रक्षा 15

गृह विभाग के भी प्रमुख बने दीपक कुमार

● चुनाव आयोग ने तीन वरिष्ठ अफसरों के पैनल से चुना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग के आदेश पर मंगलवार को वित्त विभाग के अपर मुख्य सचिव दीपक कुमार ने गृह विभाग की बागडोर भी संभाल ली। उन्हें इस पद पर तैनात रहे प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने लोकभवन स्थित कार्यालय में विधिवत कार्यभार सौंपा।

भारत निर्वाचन आयोग ने सोमवार को उप्र समेत छह राज्यों के मुख्यमंत्री सचिवालय में तैनात वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों से गृह विभाग का दायित्व वापस लेने का आदेश दिया था। यह विभाग सौंपने के लिए मुख्य सचिव से तीन वरिष्ठ आईएएस अधिकारियों का पैनल मांगा गया था। मुख्य सचिव दुर्गा शंकर मिश्र ने सोमवार को ही अपर मुख्य सचिव वित्त दीपक कुमार, प्रमुख सचिव खेल आलोक कुमार और प्रमुख सचिव पीडब्ल्यूडी अजय चौहान के नाम का पैनल चुनाव आयोग को भेज दिया था।

निर्वाचन आयोग के सचिव राकेश कुमार ने मंगलवार को जारी आदेश में मुख्य सचिव को पैनल में पहले स्थान पर शामिल दीपक कुमार को गृह विभाग का कार्यभार शाम पांच बजे तक सौंपने का आदेश दिया। इसकी मुख्य सचिव के साथ राज्य के मुख्य निर्वाचन अधिकारी से भी रिपोर्ट मांगी गई। आदेश के अनुपालन में नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग की ओर से कार्यभार ग्रहण कराने का निर्देश आते ही कार्यभार सौंप दिया गया। दीपक कुमार 1990 बैच के आईएएस अधिकारी हैं, वे वित्त विभाग के प्रमुख बने रहेंगे। जबकि संजय प्रसाद मुख्यमंत्री के प्रमुख सचिव और सूचना एवं जनसंपर्क विभाग के मुखिया बने रहेंगे।

पश्चिम बंगाल में फिर बदलाव, अब संजय मुखर्जी नए डीजीपी

कोलकाता। निर्वाचन आयोग ने मंगलवार को 1989 बैच के आईपीएस अधिकारी संजय मुखर्जी को तत्काल प्रभाव से पश्चिम बंगाल का पुलिस महानिदेशक (डीजीपी) नियुक्त कर दिया। इससे पहले, सोमवार को डीजीपी राजीव कुमार को पद से हटाकर उनकी जगह विवेक सहाय को नया डीजीपी नियुक्त किया गया था लेकिन उन्हें भी 24 घंटे के भीतर पद से हटा दिया गया है। आयोग ने एक अधिसूचना में कहा कि उसने पश्चिम बंगाल के पुलिस महानिरीक्षक एवं महानिदेशक पद के लिए संजय मुखर्जी के नाम को मंजूरी दे दी है। आयोग ने मंगलवार को राज्य सरकार द्वारा भेजे गए तीन अधिकारियों के पैनल में से संजय मुखर्जी के नाम को मंजूरी दे दी।

पशुपति पारस का केंद्रीय मंत्रिमंडल से इस्तीफा

नई दिल्ली, एजेंसी

केंद्रीय मंत्री पशुपति कुमार पारस ने मंगलवार को केंद्र सरकार से इस्तीफा दे दिया और आरोप लगाया कि भाजपा लोकसभा चुनाव के लिए बिहार में सीट बंटवारे की बातचीत में शामिल नहीं करके उनकी राष्ट्रीय लोक जनशक्ति पार्टी (रालोजपा) के साथ नाइंसाफी कर रही है। पारस ने एक संवाददाता सम्मेलन में यह घोषणा की। इससे एक दिन पहले ही भाजपा के नेतृत्व वाले राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) ने राज्य में अपने सीट-बंटवारा समझौते की घोषणा की थी और

● भाजपा पर सीट बंटवारे में नाइंसाफी करने का आरोप

चिराग पासवान के नेतृत्व वाली लोजपा (रामविलास) को पांच सीट देने का एलान किया था। पारस ने संवाददाता सम्मेलन में अपने इस्तीफे के बारे में संक्षिप्त बयान दिया, लेकिन अपनी भविष्य की योजनाओं के बारे में कुछ नहीं बताया। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के मंत्रिमंडल में शामिल भाजपा के किसी सहयोगी दल के एकमात्र नेता पारस ने सीट-बंटवारे को लेकर नाखुशी जताने से पहले प्रधानमंत्री को बड़ा नेता बताते हुए उनका आभार जताया। पारस ने कहा कि उन्होंने ईमानदारी और निष्ठा के साथ राजग की सेवा की लेकिन उनके साथ नाइंसाफी हुई। पारस की पार्टी के प्रवक्ता श्रवण अग्रवाल ने कहा कि पार्टी नेता जल्द मिलकर आगे की कार्रवाई के बारे में निर्णय लेंगे। उन्होंने साफ किया कि पारस चुनाव लड़ेंगे।

झामुमो छोड़ भाजपा में शामिल हुईं सीता सोरेन

रांची/नई दिल्ली। पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन की भाभी और जामा से झारखंड मुक्ति मोर्चा (झामुमो) की विधायक सीता सोरेन ने पार्टी को झटका देते हुए मंगलवार को इस्तीफा दे दिया और लोकसभा चुनाव से कुछ सप्ताह पहले भाजपा में शामिल हो गईं। उन्होंने नई दिल्ली में भाजपा महासचिव विनोद तावड़े और झारखंड के चुनाव प्रभारी लक्ष्मीकांत बाजपेई की मौजूदगी में पार्टी की सदस्यता ली। पार्टी सुप्रीमो और अपने ससुर शिबू सोरेन को लिखे इस्तीफे में सीता ने कहा कि उनके पति दुर्गा सोरेन के निधन के बाद पार्टी ने उन्हें तथा उनके परिवार को पर्याप्त सहयोग नहीं दिया। उन्होंने कहा कि वह झामुमो में उपेक्षित महसूस कर रही थीं।

सुप्रीम कोर्ट का सीएए पर रोक से इनकार, केंद्र सरकार को नोटिस

● तीन सप्ताह में पक्ष रखने को कहा अगली सुनवाई नौ अप्रैल को

● 237 याचिकाओं पर जवाब दाखिल करने को केंद्र ने मांगे 4 सप्ताह

नई दिल्ली, एजेंसी

उच्चतम न्यायालय ने नागरिकता संशोधन अधिनियम (सीएए)-2019 और नागरिक संशोधन नियम- 2024 (11 मार्च 2024 को अधिसूचित) के कार्यान्वयन पर रोक लगाने की मांग वाली याचिकाओं पर मंगलवार को केंद्र सरकार को नोटिस जारी करते हुए अगली सुनवाई की तारीख नौ अप्रैल मुकर्रर की। मुख्य न्यायाधीश डीवाई चंद्रचूड़, न्यायमूर्ति जेबी पारदीवाला और न्यायमूर्ति मनोज मिश्रा की पीठ ने संबंधित पक्षों की दलीलें सुनने के बाद तत्काल रोक लगाने से इनकार करते हुए केंद्र सरकार को जवाब देने का निर्देश दिया।

पीठ ने सीएए अधिनियम और नियमों के तहत नागरिकता देने से केंद्र सरकार को रोकने का निर्देश देने की याचिकाकर्ताओं की गुहार ठुकराते हुए कहा कि हम कोई प्रथम दृष्टया विचार व्यक्त नहीं कर रहे हैं। शीर्ष अदालत ने हालांकि, केंद्र सरकार को नोटिस जारी करके उसे अपना पक्ष तीन सप्ताह के भीतर रखने का निर्देश दिया। पीठ के समक्ष केंद्र की ओर से पेश सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता ने दलील देते हुए जबाव के लिए चार सप्ताह का समय देने की गुहार लगाई। उन्होंने पीठ के समक्ष कहा कि दो सौ 37 याचिकाएं हैं। रोक (सीएए पर) लगाने की मांग करते हुए 20 आवेदन हैं। मुझे जवाब दाखिल करने के लिए समय चाहिए। कहा कि अधिनियम (सीएए) किसी की नागरिकता नहीं छीनता है। याचिकाकर्ताओं के प्रति कोई पूर्वाग्रह नहीं है।

..तो अपरिवर्तनीय हो जाएगी पूरी प्रक्रिया

याचिकाकर्ताओं की ओर से वरिष्ठ अधिवक्ताओं कपिल सिब्बल, इंदिरा जयसिंह और विजय हंसारिया ने चार सप्ताह का समय देने की केंद्र के अनुरोध का विरोध किया। अधिवक्ताओं ने पीठ से बार -बार अनुरोध किया कि कहा कि वह सॉलीसीटर जनरल मेहता से बयान देने को कहें कि इस बीच (याचिकाओं पर फैसला होने तक) किसी को नागरिकता नहीं दी जाएगी, क्योंकि एक बार नागरिकता मिलने के बाद पूरी प्रक्रिया अपरिवर्तनीय हो जाएगी और मामला निरर्थक हो जाएगा। इस पर सॉलिसिटर जनरल मेहता ने कहा कि ' 'मैं कोई बयान नहीं देने जा रहा हूं।

मुस्लिम लीग व अन्य ने दायर की हैं याचिकाएं

याचिकाकर्ताओं की दलीलें सुनने के बाद पीठ ने केंद्र को नोटिस जारी करते हुए मामले को नौ अप्रैल के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया। याचिकाएं इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग और अन्य की ओर से दायर की गई थी। शीर्ष अदालत ने 15 मार्च को इंडियन यूनियन मुस्लिम लीग का पक्ष रख रहे सिब्बल की शीघ्र सुनवाई की गुहार स्वीकार करते हुए मामले को 19 मार्च के लिए सूचीबद्ध करने का निर्देश दिया था। याचिका में अदालत से केंद्र सरकार को यह निर्देश देने की गुहार लगाई गई है कि मौजूदा रिट याचिका पर फैसला आने तक किसी भी धर्म या संप्रदाय के सदस्य के खिलाफ कोई कठोर कार्रवाई नहीं हो सकती।

एक नजर

संजय सिंह ने राज्यसभा सदस्यता की ली शपथ

नई दिल्ली। आम आदमी पार्टी के नेता संजय सिंह ने मंगलवार को राज्यसभा की सदस्यता की शपथ ली। सिंह दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े एक मामले में जेल में बंद हैं और शपथ लेने के लिए उन्हें जेल से लाया गया था। शपथ लेने के बाद उन्हें दोबारा जेल ले जाया गया। उप राष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने संजय सिंह को उच्च सदन की सदस्यता की शपथ दिलायी। सिंह दिल्ली आबकारी नीति से जुड़े धन शोधन मामले में पिछले वर्ष अक्टूबर से जेल में हैं।

कार से पांच किग्रा अफीम बरामद, एक गिरफ्तार

अजमेर। राजस्थान में अजमेर संभाग के केकड़ी जिले के भिनाय थाना क्षेत्र में पुलिस ने मंगलवार को कार से पांच किलोग्राम अफीम बरामद कर एक व्यक्ति को गिरफ्तार किया है।

पतंजलि के भ्रामक विज्ञापन से संबंधित मामला

मानहानि नोटिस का जवाब नहीं देने पर सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु को किया तलब

नई दिल्ली, एजेंसी

● अदालत ने कहा-बाबा रामदेव, आचार्य बालकृष्ण कोर्ट में व्यक्तिगत रूप से हाजिर होकर रखें अपना पक्ष

सुप्रीम कोर्ट ने योग गुरु बाबा रामदेव को पतंजलि आयुर्वेद के भ्रामक विज्ञापनों के मामले में उनके खिलाफ अदालत की अवमानना कार्रवाई के तहत जारी कारण बताओ नोटिस का जवाब दाखिल नहीं करने पर व्यक्तिगत रूप से अदालत में पेश होने का मंगलवार को निर्देश दिया। न्यायमूर्ति हिमा कोहली और न्यायमूर्ति अहसानुद्दीन अमानुल्लाह की पीठ ने रामदेव और आचार्य बालकृष्ण के जवाब दाखिल करने में विफलता पर नाराजगी व्यक्त की और उनके बारे में कहा कि वे विज्ञापन के मामले में प्रथम दृष्ट्या दोषी करार दिए गए थे। इस पर उनका पक्ष रख रहे वरिष्ठ अधिवक्ता मुकुल रोहतगी ने कड़ी आपत्ति जताई।

पीठ ने रोहतगी से कहा कि आप हमारे आदेशों की अवहेलना कैसे कर सकते हैं...पहले हमारे हाथ बंधे हुए थे। पीठ ने उनसे कहा कि आप नोटिस का जवाब नहीं दे रहे और प्रेस कॉन्फ्रेंस आयोजित की गई थी। शीर्ष अदालत ने रोहतगी की राहत देने संबंधी तमाम दलीलें खारिज करते हुए कहा कि आदेश में संशोधन का कोई सवाल ही नहीं है। शीर्ष अदालत ने इंडियन मेडिकल एसोसिएशन की याचिका पर 29 फरवरी को सुनवाई करते हुए संबंधित कंपनी और उसके एमडी आचार्य बालकृष्ण को कारण बताओ अवमानना नोटिस जारी करते हुए कहा था कि पूरे देश को धोखा दिया जा रहा है। पीठ ने केंद्र सरकार को विज्ञापन मामले में कानून के अनुसार कार्रवाई नहीं करने लिए फटकार लगाई थी और कहा था कि चेतावनी के बावजूद भ्रामक विज्ञापनों के माध्यम से लोगों के स्वास्थ्य के साथ खिलवाड़ किया जा रहा है। शीर्ष अदालत ने पतंजलि को बीपी, मधुमेह, अस्थमा और कुछ अन्य बीमारियों से संबंधित सभी विज्ञापन जारी करने पर अंतरिम रोक लगा दी थी। शीर्ष अदालत ने कथित तौर पर भ्रामक विज्ञापन जारी रखने के लिए पतंजलि आयुर्वेद और उसके प्रबंध निदेशक (एमडी) आचार्य बालकृष्ण को अदालत की अवमानना का कारण बताओ नोटिस जारी किया था। पीठ ने कहा था कि अदालत बाबा रामदेव और आचार्य बालकृष्ण को अवमानना कार्रवाई मामले में पक्षकार बनाएगी, क्योंकि दोनों की तस्वीरें विज्ञापन में हैं। शीर्ष अदालत ने पतंजलि आयुर्वेद को कई बीमारियों के इलाज के लिए उसकी दवाओं के विज्ञापनों में झूठे और भ्रामक दावे करने के लिए पिछले साल नवंबर में आगाह किया था।

फर्रुखाबाद रोड पर हादसा, बारातियों की कार डंपर में घुसी, 3 लोगों की मौत

संवाददाता, छिबरामऊ-कन्नौज

● मृतकों में दूल्हे का मामा भी शामिल, एक घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया

● तालग्राम के पलिया बूंचपुर गांव से फर्रुखाबाद गई थी बारात डंपर चालक फरार

अमृत विचार : छिबरामऊ-फर्रुखाबाद रोड पर काली नदी पुल के पास सोमवार रात एक बजे बारातियों से भरी कार रोड के किनारे खड़े डंपर में पीछे से घुस गई। हादसे में दूल्हे के मामा व कार चालक समेत तीन लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। एक युवक घायल हुआ है, जिसे अस्पताल में भर्ती कराया गया है। हादसे के बाद डंपर चालक फरार हो गया।

तालग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम पलिया बूंचपुर से तिलक सिंह शाक्य के बेटे प्रवीण की बारात सोमवार की शाम फर्रुखाबाद के सातनपुर मंडी गांव में गई थी। देर रात कुछ बाराती कार से घर लौट रहे थे। फर्रुखाबाद-छिबरामऊ मार्ग पर काली नदी पुल के पास चालक को झपकी आने से एक कार रोड के किनारे खड़े डंपर में घुस गई। हादसे में छिबरामऊ कोतवाली क्षेत्र के ग्राम कसावा निवासी कार चालक रामखेलावन उर्फ दीपू कश्यप, तालग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम बूंचपुर निवासी रामजीत प्रजापति तथा दूल्हे के मामा विशुनगढ़ थाना क्षेत्र के ग्राम मोहकमपुर निवासी अनमोल शाक्य की मौके पर ही मौत हो गई। हादसे में तालग्राम थाना क्षेत्र के ग्राम नगला नुनार असेह निवासी शिवम शाक्य गंभीर रूप से घायल हो गया। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस बल मौके पर पहुंच गया। प्रभारी निरीक्षक जितेंद्र प्रताप सिंह ने बताया कि घटनास्थल फर्रुखाबाद जिले के थाना जहानगंज के अंतर्गत आता है, इसलिए एफआईआर वहीं दर्ज की जाएगी।

पहले चरण के लिए आज जारी होगी अधिसूचना

लखनऊ। प्रदेश में पहले चरण चरण में 8 लोकसभा सीटों के लिए बुधवार (20 मार्च) को चुनाव की अधिसूचना जारी की जाएगी। इस चरण में 19 अप्रैल को मतदान होगा। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने बताया कि प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष, शांतिपूर्ण, भयमुक्त, प्रलोभनमुक्त, समावेशी व सुरक्षित मतदान कराने के लिए 20 मार्च से चुनाव की प्रक्रिया शुरू हो रही है। प्रथम चरण में 8 सीटों के लिए निर्वाचन की अधिसूचना जारी होगी। इसके साथ ही, इन निर्वाचन क्षेत्रों में नामांकन प्रक्रिया शुरू हो जाएगी।

लोकसभा चुनाव

घर में घुसकर दो भाइयों का गला काटा, हत्यारोपी मुठभेड़ में ढेर

कार्यालय संवाददाता, बदायूं

● 10 और छह साल के हैं दोनों भाई गुस्साई भीड़ ने लगाई आग, बवाल

अमृत विचार : सैलून चलाने वाले युवक ने पड़ोस के घर में घुसकर 10 और छह साल के दो भाइयों की चाकू और उस्तरा से गला काटकर हत्या कर दी। तीसरे भाई को भी मारने का प्रयास किया लेकिन वह बचकर भाग गया। हत्या करने के बाद आरोपी वहां से निकल भागा। पुलिस ने उसका पीछा किया और शेखूपुर जंगल के पास आरोपी को मुठभेड़ में मार गिराया। इधर दो बच्चों की हत्या से गुस्साये लोगों ने मंडी पुलिस चौकी पर प्रदर्शन किया। पुलिसकर्मियों से धक्का-मुक्की हुई। खोखों में आग लगा दी, पथराव किया। सांप्रदायिक तनाव उत्पन्न हो गया। डीएम, एसएसपी मौके पर पहुंच गए। केंद्रीय पुलिस बल और सात थानों की पुलिस ने स्थिति को नियंत्रण में किया। देर रात आईजी डॉ. राकेश कुमार भी पहुंच गए। बच्चों की हत्या की वजह का पता नहीं चल सका है।

कोतवाली सिविल लाइन क्षेत्र की बाबा कॉलोनी नई बस्ती निवासी विनोद कुमार रुद्रपुर में रहकर ठेकेदारी करते हैं। उनकी पत्नी और तीन बेटे आयुष (10), आहन प्रताप (6) और पीयूष घर पर रहते हैं। मंगलवार देर शाम विनोद के घर के सामने नाई की दुकान करने वाला साजिद पुत्र बाबू उनके घर पहुंचा। विनोद की पत्नी से कहा कि उसकी पत्नी गर्भवती है और अस्पताल में भर्ती है। उसका मन नहीं लग रहा। कुछ देर के लिए यहीं रुक जाता हूं। इसी बीच वह तीसरी मंजिल पर चला गया। वहां अचानक आयुष और आहन प्रताप का गला छुरे और उस्तरे से काट दिया। चीख सुनकर तीसरा भाई पीयूष वहां पहुंचा तो साजिद ने उस पर भी छुरे से हमला किया लेकिन वह नीचे भाग गया। हत्या करने के बाद आरोपी भाग निकला। इधर दूसरे समुदाय के युवक द्वारा दो भाइयों की हत्या की जानकारी लोगों को हुई तो आक्रोश फैल गया। डीएम मनोज कुमार और एसएसपी आलोक प्रियदर्शी पहुंच गए और लोगों को समझाने का प्रयास किया। इसी बीच गुस्साए लोग केन में पेट्रोल लेकर मंडी चौकी पहुंच गए। वहां दुकानों में आग लगाने का प्रयास किया। पुलिस ने सख्ती की तो भीड़ वहां से हत्यारोपी की दुकान पर पहुंची। गुस्साए लोगों ने मंडी समिति में एक खोखे में आग लगा दी। सीआरपीएफ बुलाई गई। पुलिस ने हत्यारोपी साजिद की तलाश करते हुए शेखूपुर के पास घेर लिया। खुद को घिरता देख उसने तमंचे से पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस ने भी जवाबी फायरिंग की जिसमें गोली लगने से साजिद ढेर हो गया। शहर में पुलिस और केंद्रीय बल तैनात कर दिया गया है।

> दो बच्चों की हत्या हुई थी। खून से लथपथ आरोपी वहां से निकल गया। पुलिस टीम को पता चला तो उसका पीछा किया। शेखूपुर जंगल के पास उसने पुलिस पर फायर करके भागने का प्रयास किया। पुलिस ने भी जवाबी फायर किया जिससे आरोपी की मौत हो गई है। घटना के कारणों की जानकारी की जा रही है।
>
> **-डॉ. राकेश सिंह,** आईजी

भाजपा, कांग्रेस, सपा व बसपा को पुनः नोटिस भेजने का आदेश

लखनऊ, विधि संवाददाता

जातीय रैलियों का मामला

अमृत विचार: हाईकोर्ट की लखनऊ बेंच ने उत्तर प्रदेश में जातीय रैलियों पर रोक लगाने की मांग वाली जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए, भाजपा, कांग्रेस, सपा व बसपा को नई नोटिस भेजने का आदेश दिया है। न्यायालय ने पाया कि 11 नवंबर 2022 के आदेश के अनुपालन में भेजी गई नोटिस इन राजनीतिक दलों को प्राप्त नहीं हो सकी लिहाजा नई नोटिसें भेजी जाएं।

यह आदेश मुख्य न्यायमूर्ति अरुण भंसाली व न्यायमूर्ति जसप्रीत सिंह की खंडपीठ ने स्थानीय अधिवक्ता मोतीलाल यादव द्वारा वर्ष 2013 में दाखिल जनहित याचिका पर सुनवाई करते हुए पारित किया। वहीं सुनवाई के दौरान चुनाव आयोग की ओर से न्यायालय को बताया गया कि उसने ऑनलाइन जवाबी हलफ़नामा दाखिल कर दिया है। हालांकि न्यायालय के रिकॉर्ड पर उक्त हलफ़नामा नहीं पाया गया। इस पर न्यायालय ने आयोग को जवाबी हलफ़नामा दाखिल करने का अंतिम अवसर देते हुए, मामले की अग्रिम सुनवाए एके लिए 10 अप्रैल की तिथि तय की है। याची के अनुसार न्यायालय ने पूर्व के आदेश में चुनाव आयोग समेत केंद्र व राज्य सरकारों को जातीय रैलियों के विरुद्ध गाइडलाइंस बनाने का आदेश दिया था।

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना प्रमुख राज ठाकरे ने गृहमंत्री अमित शाह से की मुलाकात

एनडीए गठबंधन में शामिल हो सकती है मनसे

नई दिल्ली, एजेंसी

महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) के नेता राज ठाकरे ने मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात की। यह मुलाकात इस बात का संकेत है कि भाजपा महाराष्ट्र में लोकसभा चुनाव में अपने गठबंधन को मजबूत करने के लिए राज ठाकरे के साथ गठबंधन की इच्छुक है। ठाकरे सोमवार को यहां पहुंचे और जब वह शाह से मिले तब भाजपा के राष्ट्रीय महासचिव विनोद तावड़े भी मौजूद थे। अगर गठबंधन हो जाता है तो मनसे को मुंबई में एक सीट दी जा सकती है जहां उनके चचेरे भाई उद्धव ठाकरे की अगुवाई वाले शिवसेना के गुट का कुछ प्रभाव है। जब शिवसेना एकजुट थी तब राज ठाकरे ने इससे नाता तोड़ लिया था। बाद में शिवसेना की अगुवाई उद्धव ठाकरे ने की। राज ठाकरे के अच्छा वक्ता होने के बावजूद उनकी मनसे खासा प्रभाव नहीं डाल सकी। राज ठाकरे की ओर से उत्तर भारतीयों को लेकर अतीत में दिए गए विवादित बयानों की भाजपा समेत विभिन्न राजनीतिक दलों के नेताओं ने तीखी आलोचना की थी।

महाराष्ट्र सरकार के मंत्री छगन भुजबल ने मंगलवार को कहा कि अगर राज ठाकरे की अगुवाई वाली महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) भाजपा नेतृत्व की महायुति में शामिल हो जाती है तो इससे सत्तारूढ़ गठबंधन और मजबूत होगा और राज्य विधानसभा एवं स्थानीय निकाय चुनावों में उसकी संभावनाएं बढ़ जाएंगी। महायुति में सत्तारूढ़ भाजपा, महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री एकनाथ शिंदे की अगुवाई वाली शिवसेना और अजित पवार की अगुवाई वाली राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (राकांपा) शामिल हैं।

● भाजपा भी महाराष्ट्र में गठबंधन को मजबूत करने को इच्छुक

राज ठाकरे-शाह की मुलाकात आश्चर्यजनक नहीं : राकांपा

राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी (शरदचंद्र पवार) ने कहा कि राज ठाकरे की केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह से मुलाकात आश्चर्यजनक नहीं है क्योंकि पहले से ही महाराष्ट्र नवनिर्माण सेना (मनसे) प्रमुख की भाजपा से निकटता के संकेत थे। राकांपा प्रवक्ता क्लाइड क्रैस्टो ने दावा किया कि मनसे नेता ठाकरे केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में हैं और वह अपनी पार्टी को बचाने की कोशिश करते रहे हैं। दावा किया कि ठाकरे की मनसे लड़खड़ा रही है और बैठक उन्हें बचा सकती है।

वाणिज्य कर के उपायुक्त घूस लेते रंगे हाथ गिरफ्तार

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● सतर्कता अधिष्ठान ने की कार्रवाई, दो लाख मांगे थे

अमृत विचार : सतर्कता अधिष्ठान ने वाणिज्य कर उपायुक्त को रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार किया है। कार्रवाई अधिष्ठान द्वारा जारी हेल्पलाइन नंबर पर एक कंपनी की शिकायत पर की गई। जीएसटी में संसोधन कर लाभ पहुंचाने के उद्देश्य से उपायुक्त पर दो लाख रुपये रिश्वत मांगने के आरोप था।

अधिकारियों ने बताया कि रिश्वत विरोधी हेल्प लाइन पर एक एक्सपोर्ट कम्पनी के प्रतिनिधि ने कॉल करके बताया कि वाणिज्य कर के डिप्टी कमिश्नर (जीएसटी) धनेंद्र कुमार पांडेय द्वारा उनकी कम्पनी के जीएसटी रिफण्ड पास करने के एवज में दो लाख रुपये की रिश्वत मांगी जा रही है। शिकायतकर्ता को कार्यालय बुलाकर पुलिस अधीक्षक, अभिसूचना डॉ.अरविन्द चतुर्वेदी ने पूछताछ की, कंपनी प्रतिनिधि ने बताया कि उनकी कंपनी आर्डेम डेटा सर्विसेज प्रालि कई वर्षों से अमेरिका की कम्पनी से उपलब्ध कराए गए स्कैन्ड डाटा शीट्स को एक डैशबोर्ड में डिजिटल फार्म में तैयार कर वापस भेजती है। उक्त कार्य के लिए कंपनी ने जीएसटी में 20 लाख रिफण्ड क्लेम किया था।

एक नजर

क्रेडिट कार्ड से 49 हजार ठगे

कानपुर। बाबूपुरवा बगाही निवासी राकेश कुमार के क्रेडिट कार्ड से 49 हजार रुपये निकल गये। पीड़ित के मुताबिक उन्होंने क्रेडिट का कार्ड का उपयोग नहीं किया फिर भी तीन माह पहले उनके खाते से रुपये निकल गये। बैंक से फोन आने पर जानकारी हुई। पीड़ित ने अज्ञात के खिलाफ बाबूपुरवा थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी ने बताया आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच की जा रही है।

अपहरण के आरोप में रिपोर्ट

कानपुर। बाबूपुरवा थानाक्षेत्र निवासी युवक ने 14 वर्षीय भतीजी के अपहरण के आरोप में विजय नगर निवासी करन नागर के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। पीड़ित के मुताबिक आरोपी भतीजी को साथ ले गया था। काफी ढूंढ़ने के बाद भतीजी डरी सहमी मिली। पीड़ित ने उसके साथ कुछ गलत होने की आशंका जताई है। बाबूपुरवा थाना प्रभारी ने बताया मामले की रिपोर्ट दर्ज कर कार्रवाई की जा रही है।

पुष्पा अग्रवाल अध्यक्ष अनिल दादू बने सचिव

कानपुर। भारत विकास परिषद की बजरंग शाखा का स्थापना दिवस समारोह साकेत नगर स्थित कमला वधावन इंटर कॉलेज में मनाया गया। संगठन के चुनाव भी हुए। इसमें पुष्पा अग्रवाल को अध्यक्ष, अनिल दादू को सचिव, रवि जौहरी को उपाध्यक्ष, आनंद पुरवार को वित्त सचिव, अर्चना गुप्ता को संगठन सचिव व अर्चना रानी को महिला संयोजिका बनाया गया।

अब हैलट में डिवाइस तकनीक से हार्निया का ऑपरेशन होगा आसान

प्रदेश में पहली बार फासिओटेंस एब्डोमेन डिवाइस से होंगे हार्निया के ऑपरेशन

एक्सक्लूसिव

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। हैलट अस्पताल में अब फासिओटेंस एब्डोमेन डिवाइस तकनीक से हार्निया के ऑपरेशन होंगे। इन तकनीक का लाभ उन मरीजों को सबसे अधिक मिलेगा, जिनके हार्निया काफी बड़े हो जाते हैं। डिवाइस की मदद से हार्निया का ऑपरेशन करना आसान होगा।

प्रदेश के किसी भी जिले में अभी तक फासिओटेंस एब्डोमेन डिवाइस की सुविधा नहीं है। मेडिकल कॉलेज में बड़े हार्निया की ओपन सर्जरी या लेप्रोस्कोप विधि से सर्जरी की जाती है। नई तकनीक की मदद से एब्डोमेन के सिकुड़े वॉल को चिपकाना आसान होता है। सर्जरी के विभागाध्यक्ष डॉ.जीडी यादव ने बताया कि बड़े हार्निया का ऑपरेशन कर उनकी वॉल आपस में चिपकाना काफी कठिन होता है। कुछ हिस्सा सिकुड़कर पीछे चला जाता है। ऐसे में यह डिवाइस सहायक होगी।

किसी को भी हो सकती है यह बीमारी

- विभागाध्यक्ष डॉ .जीडी यादव ने बताया कि हार्निया एक ऐसी बीमारी है, जो बच्चों से लेकर वृद्ध किसी को भी हो सकती है। ज्यादा वजन के मोटे व वयस्क लोगों में यह बीमारी ज्यादा पाई जाती है। इसका इलाज ऑपरेशन से ही संभव है। कुछ वर्ष पहले तक पेट में लंबा चीरा लगाकर हर्निया का ऑपरेशन किया जाता था। अब लेप्रोस्कोपिक से छोटा सा चीरा लगाकर ऑपरेशन किया जाता है।

इस वजह से होती दिक्कत

- हार्निया की समस्या तब होती है, जब पेट के अंदर से कोई अंग या मांसपेशी या ऊतक किसी छेद के जरिए बाहर आने लगता है। उदाहरण के लिए बहुत बार आंत, पेट की कमजोर दीवार में छेद करके बाहर आ जाती है। पेट में हार्निया होना आम बात है, लेकिन यह जांघ के ऊपरी हिस्से, पेट के बीच और ग्रोइन क्षेत्रों (पेट और जांघ के बीच के भाग) में भी हो सकता है। मांसपेशियों की कमजोरी हार्निया की मुख्य वजह है।

विदेशी डॉक्टर देंगे प्रशिक्षण

- विभागाध्यक्ष डॉ .जीडी यादव ने बताया कि 13 व 14 अप्रैल को हैलट अस्पताल में फासिओटेंस एब्डोमेन वॉल रिपेयर के संबंध में दो दिवसीय कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिनमें यूएस व अन्य विदेशी डॉक्टर शामिल होंगे। विदेश से आकर डॉक्टर फासिओटेंस एब्डोमेन डिवाइस की जानकारी देंगे और मरीजों का ऑपरेशन डिवाइस की मदद से करना मेडिकल कॉलेज के डॉक्टरों को सिखाएंगे।

हार्निया के कारण

- चोट लगना, गर्भावस्था, मोटापा, उम्र बढ़ना, ज्यादा वजन उठाना, लंबे समय तक खांसी आना, पेट में तरल पदार्थ जमा हो जाना, ज्यादा वजन उठाकर व्यायाम करना, पालीसिस्टिक ओवरी डिजीज, जन्म के दौरान शिशु का वजन कम होना, धूम्रपान, सर्जरी के दौरान जटिलता, कब्ज व लगातार छींक आना या आनुवंशिक कारणों से यह बीमारी होती है।

मर्ज के लक्षण

- पुरुषों में दर्द सहित या दर्द रहित हार्निया प्रभावित हिस्से का उभरना, मल-मूत्र त्याग में समस्या, कमर व शरीर के अन्य भाग में सूजन, भारीपन महसूस होना, ज्यादा समय तक खड़े रहने में परेशानी, प्रभावित हिस्से में दर्द महसूस होना, जी मिचलाना, बार-बार उल्टी होना, पेट साफ न होना, मल के साथ खून आना, सीने में दर्द रहना आदि इसके लक्षण हैं।

चरस तस्कर को 10 साल कैद, एक लाख जुर्माना

कानपुर। बिहार निवासी चरस तस्कर को मंगलवार को एडीजे 12 की कोर्ट ने 10 साल कैद व एक लाख जुर्माने की सजा सुनाई। वर्ष 2020 में एसओजी व बेकनगंज पुलिस की संयुक्त टीम ने आरोपी को पेंचबाग रोड से गिरफ्तार किया था। उससे पुलिस ने चार किलो चरस बरामद की थी।

तत्कालीन यतीमखाना चौकी इंचार्ज नईम खान ने 24 फरवरी 2020 को बेकनगंज थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। नईम खान ने बताया कि 24 फरवरी रात करीब आठ बजे एसओजी के दरोगा मो. आसिफ के साथ मिलकर संदिग्ध युवक को पेंचबाग वाली रोड के पास से गिरफ्तार किया। आरोपी ने अपना नाम बिहार, गोपाल गंज के मतियान नंदलाल निवासी मैनुद्दीन आलम बताया। तलाशी में आरोपी के पास से नौ पैकेट में चार किलो 700 ग्राम चरस बरामद हुई। मामला एडीजे 12 परमेश्वर प्रसाद की कोर्ट में विचाराधीन था। एडीजीसी इंद्रलता शुक्ला ने बताया कि कोर्ट ने मैनुद्दीन को दोषी पाते हुए 10 साल का कारावास व एक लाख जुर्माने की सजा सुनाई।

एडीजे 12 की कोर्ट ने सुनाया फैसला

नवीन मार्केट-चुन्नीगंज के बीच ट्रैक निर्माण शुरू

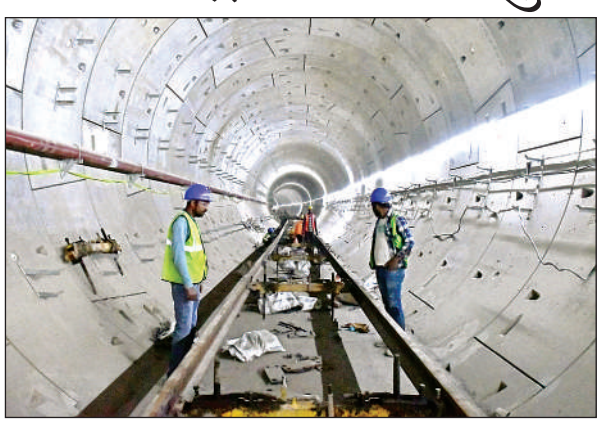

मंगलवार से शुरू की गई ट्रैक स्लैब की ढलाई। अमृत विचार

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- रेल पटरियों की वेल्डिंग के बाद शुरू की गई ट्रैक स्लैब की ढलाई

अमृत विचार। कानपुर मेट्रो रेल परियोजना के पहले कॉरिडोर (आईआईटी से नौबस्ता) के अंतर्गत निर्माणाधीन चुन्नीगंज-नयागंज भूमिगत सेक्शन में टनल निर्माण का कार्य पूरा हो गया है। मंगलवार से अब ट्रैक निर्माण का कार्य भी शुरू हो गया है। बड़ा चौराहा से नवीन मार्केट के बीच 'अप-लाइन' पर ट्रैक निर्माण भी पूरा हो चुका है। चुन्नीगंज स्टेशन से नवीन मार्केट तक लगभग 730 मीटर लंबे 'अपलाइन'टनल में रेल की पटरियों के वेल्डिंग और उन्हें बिछाने की प्रक्रिया पूरी की गई। पटरियों के नीचे स्लैब के ढलाई का कार्य भी शुरू कर दिया गया।

एक किमी. लंबे भूमिगत टनल के 'अपलाइन'और 'डाउन लाइन' में ट्रैक निर्माण पहले ही पूरा किया जा चुका है।

बड़ा चौराहा से नवीन मार्केट के बीच 'अप-लाइन' पर ट्रैक निर्माण भी पूरा हो चुका है। चुन्नीगंज स्टेशन से नवीन मार्केट तक लगभग 730 मीटर लंबे 'अपलाइन'टनल में रेल की पटरियों के वेल्डिंग और उन्हें बिछाने की प्रक्रिया पूरी की गई। पटरियों के नीचे स्लैब के ढलाई का कार्य भी शुरू कर दिया गया।

गंगा किनारे हरे पेड़ काट डाले, जांच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सिविल लाइंस में गंगा के किनारे खड़े करीब आधा दर्जन पेड़ लोगों ने काट दिए और लकड़ियां झाड़ियों में छिपाकर भाग निकले। खबर पाकर कोतवाली और वन विभाग की टीम भी मौके पर पहुंची। वन विभाग की टीम के अनुसार पेड़ काटने वाले का पता लगाया जा रहा है।

गंगा के किनारे बबूल और चिलबिल के पेड़ों को सोमवार रात किसी ने काट दिया। मंगलवार सुबह क्षेत्रीय लोगों ने सूचना कोतवाली पुलिस को दी। खबर पाकर वन विभाग के वन दरोगा रामबाबू दोहरे भी मौके पर पहुंचे। जानकारी वन रेंजर एमके जैन को दी गई। वन

जांच करते वन विभाग के अधिकारी। अमृत विचार

दरोगा ने बताया कि जो हरे पेड़ काटे गए हैं वह प्रतिबंधित नहीं हैं। देखना यह है कि जिस जमीन पर पेड़ लगे थे वह सरकारी है या प्राइवेट। अगर प्राइवेट है तो कार्रवाई नहीं होगी। सरकारी जमीन पर अगर पेड़ काटा गया है तो मुकदमा किया जाएगा।

उधर, मौके पर क्षेत्रीय लोगों में चर्चा होती रही कि इस जमीन की कीमत करोड़ों रुपये में है। किसी ने जमीन पर कब्जा करने के इरादे से पेड़ कटवाए हैं।

बैंक के अंदर मुख्य प्रबंधक को पीटा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। काकादेव थानाक्षेत्र के यूनियन बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय में एनपीए खाता धारक ने मुख्य प्रबंधक को मारापीटा। उसे जान से मारने की धमकी भी दी। पूरी घटना वहां लगे सीसीटीवी में कैद हो गई। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर दो आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है।

पांडु नगर स्थित यूनियन बैंक के क्षेत्रीय कार्यालय में प्रशांत कुमार मुख्य प्रबंधक के पद पर कार्यरत हैं। उन्होंने पुलिस को बताया कि मंगलवार शाम करीब छह बजे उप महाप्रबंधक के केबिन में एनपीए खाता धारक विक्रांत सिंह कुशवाहा साथी श्रेयस के साथ पहुंचे थे। बातचीत के दौरान विक्रांत ने साथी संग मिलकर उन्हें पीट दिया। पूरी घटना सीसीटीवी में कैद हो गई। साथियों ने उन्हें छुड़वाया और काकादेव पुलिस को सूचना दी। मौके पर पहुंची पुलिस आरोपियों को थाने ले आयी। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक काली प्रसाद गौड़ ने बताया कि मुख्य प्रबंधक की तहरीर पर सरकारी कार्य में बाधा, मारपीट, गाली-गलौज व धमकी संबंधी धारा में रिपोर्ट दर्ज की गई है। दोनों को गिरफ्तार कर कार्रवाई की जा रही है।

कंटेनर को डाक पार्सल बना तस्करी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चकेरी पुलिस ने घेराबंदी कर रोका तो गाड़ी चढ़ाकर जान से मारने का प्रयास किया
- पुलिस ने दो शातिरों को किया गिरफ्तार, कंटेनर में 54 मवेशी ठूंसकर भरे थे

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में पुलिस ने घेराबंदी करके डाक पार्सल कंटेनर रोका तो शातिरों ने गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस ने रोकने के बाद दो मवेशी तस्करों को गिरफ्तार किया। डाक पार्सल लिखे कंटेनर में 54 मवेशी ठूंस-ठूंस कर भरे हुए थे। पुलिस को चकमा देने के लिए सामान्य कंटेनर को रंगकर डाक पार्सल बनाया गया था। पशु तस्करी का कार्य एक संगठित अपराधी गिरोह तथा कथित पत्रकारों की मिलीभगत से किया जा रहा था।

डीसीपी पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि मुखबिर की सूचना पर चकेरी पुलिस ने अहिरवां में कंटेनर को रोकने का प्रयास किया तो तस्करों ने गाड़ी चढ़ाने का प्रयास किया। पुलिस ने घेराबंदी करके कंटेनर रोक लिया और उसमें मौजूद दो तस्करों को गिरफ्तार कर लिया। तस्करों ने अपनी पहचान जिला मुरादाबाद के थाना मनाठेर निवासी भीगनपुर निवासी मुस्तफा हुसैन और बिहार थाना शामली निवासी तौफीक बताई। मवेशियों को स्लाटर हाउस में काटने के लिए भेजा जा रहा था। सामान्य कंटेनर को डाक पार्सल लिखकर पोत दिया था। डीसीपी ने बताया कि कंटेनर खोला गया तो 54 मवेशी ठूंस-ठूंस कर भरे गए थे। सींघ और पैर रस्सी से बंधे हुए थे। कंटेनर ऊपर से काटकर जाली लगाई गई थी जिससे मवेशी सांस ले सकें। आरोपियों को हत्या के प्रयास, पशु क्रूरता अधिनयम समेत अन्य गंभीर धाराओं में गिरफ्तार करके जेल भेज दिया गया।

चकेरी पुलिस ने पकड़े मवेशी तस्कर।

पासिंग आउट परेड की तैयारियां देखीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- पीआरडी प्रशिक्षण कैंप आवासीय व्यवस्था, खानपान मेस का निरीक्षण किया

अमृत विचार। चकरपुर में आयोजित पीआरडी स्वयंसेवकों के 15 दिवसीय मंडलीय प्रशिक्षण शिविर का निरीक्षण मंगलवार को उपनिदेशक युवा कल्याण शिल्पी पाण्डेय ने किया। यह शिविर आठ से 22 मार्च तक आयोजित होगा। आखिरी दिन पासिंग आउट परेड होगी।

पीआरडी मंडलीय प्रशिक्षण केंद्र युवा केंद्र में आयोजित मंडलीय प्रशिक्षण शिविर में मंगलवार को उपनिदेशक युवा कल्याण (कैंप कमांडेंट) पहुंचीं। उनका स्वागत जिला युवा कल्याण अधिकारी आरती जायसवाल ने किया। उपनिदेशक युवा कल्याण ने पीआरडी स्वयंसेवकों की परेड का निरीक्षण कर 22 मार्च को होने वाली पासिंग आउट परेड की रिहर्सल तैयारियों का जायजा लिया। प्रशिक्षण के दौरान अनुशासन में रहने वाली टोली के कमांडर व बेहतर प्रतिभागिता के लिए पीआरडी स्वयंसेवकों को पुरस्कृत भी किया गया। इस दौरान उन्होंने कैंप का निरीक्षण किया। आवासीय व्यवस्था, खानपान, मेस व अन्य व्यवस्थाओं का भी जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान जिला पंचायत राज अधिकारी कमल किशोर, जिला पिछड़ा वर्ग कल्याण अधिकारी कोमिल द्विवेदी, जिला कार्यक्रम अधिकारी दुर्गेश प्रताप सिंह, जिला प्रोबेशन अधिकारी जयदीप, जिला विधि अधिकारी रागिनी कटियार, कैंप मेजर राघवेंद्र सिंह भदोरिया आदि रहे।

यूपी बोर्ड मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार करते हुए शिक्षक। अमृत विचार

शिक्षकों ने बोर्ड कॉपियां चेक नहीं कीं

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- शिक्षक की हत्या के विरोध में मूल्यांकन का बहिष्कार

अमृत विचार। उत्तर प्रदेश माध्यमिक शिक्षक संघ 'शर्मा गुट' की ओर से मंगलवार को मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किया गया। शिक्षकों ने बिना जांचे कॉपियों को वापस कर दिया। केंद्रों में शिक्षकों ने शोक सभाएं कीं। सभा के बाद मांग की गई कि शिक्षक की हत्या के बाद उनके परिवार को सरकार आर्थिक सहायता प्रदान करे। शिक्षक की पत्नी को राजकीय सेवा में नौकरी दी जाए। जब तक उनकी मांगें पूरी नहीं होतीं, मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार जारी रहेगा।

मूल्यांकन केंद्रों में हुई सभा में शिक्षकों ने कहा कि बोर्ड परीक्षा संबंधी कार्यों में लगे चंदौली निवासी सहायक अध्यापक धर्मेंद्र कुमार के साथ में ड्यूटी कर रहे आरक्षी चंद्रप्रकाश ने उनकी गोली मारकर हत्या कर दी। इसके विरोध में मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार किया गया है। नगर के पांचों मूल्यांकन केंद्रों में एक भी कॉपी नहीं जांची गई है। मांग की कि मृतक के परिवार को तत्काल एक करोड़ रुपए की अनुग्रह राशि प्रदान की जाए। सभा के दौरान संगठन के प्रदेशीय उपाध्यक्ष हेमराज सिंह गौर, राकेश तिवारी, अनिल सचान, मोहित मनोहर तिवारी, एनपी सिंह गौर, मनीष मिश्रा, रामकुमार सहित अन्य शिक्षकों ने विचार व्यक्त किए।

ससुरालीजनों पर घर से निकालने का आरोप

कानपुर। नौबस्ता राजीव विहार का एक वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हुआ जिसमें एर महिला अपने दो बच्चों के साथ गृहस्थी का सामान लिए घर के बाहर बैठी हुई है। महिला ने पति समेत ससुरालीजनों पर घर में घुसने न देने का आरोप लगाया।

नौबस्ता चंदीपुरवा निवासी निष्ठा पांडेय ने बताया कि उनका विवाह करीब 10 साल पूर्व राजीव विहार निवासी आकाश पांडेय के साथ हुआ था। उनके दो बच्चे हैं। वह ससुराल में रहने आई तो कि ससुरालीजनों ने उसे निकाल दिया। ससुरालीजनों ने आरोप लगाया कि वह आत्महत्या का प्रयास कर चुकी है, जिस कारण उसे पति समेत अलग कर दिया है। थाना प्रभारी ने बताया कि महिला बिना पति को बताए किराये का मकान खाली कर ससुराल पहुंच गई थी।

अमृत विचार
एक सम्पूर्ण अखबार

क्लासीफाइड

वर्गीकृत विज्ञापन हेतु अमृत विचार अखबार के कार्यालय में सम्पर्क करें

सूचना

यह कि मेरे पुत्र अवनीश कुमार का चाल चलन सही न होने कारण उससे संबध विच्छेद कर चल अचल संपत्ति से बेदखल कर दिया है। उसके किसी कार्य की मेरी कोई जिम्मेदारी नहीं होगी। वह अपने कार्यो का स्वयं जिम्मेदार होगा। **अनीता पत्नी स्व. राधेलाल निवासी भखरा, तहसील तिर्वा, जनपद कन्नौज**

सूचना

पहले मेरा नाम MAHESH था अब मैने बदलकर अपना नाम MAHESH KANAUJIYA रख लिया है भविष्य में मुझे इसी नाम से जाना व पहचाना जाए। S/O: CHANTU R/O: GADIYA KHEDA POST KADSADA PS MALIHABAD, LUCKNOW

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मेरे चार पुत्र हैं। मेरा तीसरे नंबर का बेटा राम बहादुर सिंह का चाल चलन ठीक नहीं है। वह घर पर भी नहीं रहता है। मेरे कहने सुनने में नहीं है। पैतृक संपत्ति बेच डाला है। अपनी पत्नी व बच्चों से भी कोई वास्ता नहीं रखता है। यदि राम बहादुर सिंह के द्वारा कोई लेनदेन या अनैतिक कृत्य/आपराधिक कृत्य किया जाता है, तो मुझसे व मेरे अन्य बेटों से कोई लेना देना नहीं है। मैं उसे अपनी संपत्ति से बेदखल करती हूं। **–पारसपती पत्नी स्वर्गीय कालीचरन सिंह, निवासी– ग्राम–मलेथू बुजुर्ग मजरे जगदीशपुर, थाना इनायत नगर, तहसील–मिल्कीपुर,जिला– अयोध्या**

सूचना

सूचित हो कि मैं वीरेन्द्र प्रसाद शुक्ला एवं सुरेन्द्र प्रसाद शुक्ला पुत्रगण स्व0 श्री रामेश्वर प्रसाद शुक्ला, निवासी– 536/265क, मदेहगंज, सीतापुर रोड, लखनऊ, मकान सं0 एम.एस.– 102, सेक्टर–डी, अलीगंज, लखनऊ को श्री विजय कुमार पुत्र स्व0 श्री रामेश्वर सहाय एवं श्रीमती ऊषा पत्नी श्री विजय कुमार से दिनांक 19.01.2013 को बजरिये बैनामा क्रय किया था। उक्त मकान का मूल आवंटन पत्र वास्तव में खो गया है।

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र मुकेश रावत और पुत्रवधू प्रीति रावत को उनके गलत आचरण के कारण अपनी समस्त चल और अचल संपत्ति बेदखल कर दिया भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी गलत कृत्य के लिए स्वयं जिम्मेदार होंगे मेरा व मेरे परिवार का कोई लेनदेन नहीं होगा। **– जुगरा पत्नी भगवानदीन, निवासी– 307, उत्तरधोना, तिवारीगंज, लखनऊ**

सूचना

सूचित हो कि मैं **अश्वनी कुमार, पता–107, बलुआ घाट, प्रयागराज,** मेरी पुत्री का घर में पुकराने वाला नाम (Nitya Kasera) है। जबकि मेरी पुत्री का वास्तविक व सही नाम (Anushree Kasera) है जो कि पुत्री के आधार कार्ड में भी अंकित है। अतः मेरी पुत्री को आज से (Nitya Kasera) के स्थान पर (Anushree Kasera) के नाम से जाना व पहचाना जाय।

सूचना

सूचित हो कि मैं **चांदनी त्रिपाठी पत्नी अभय कुमार त्रिपाठी, निवासी– ग्राम व पोस्ट–जगतापुर, थाना– हुजूरपुर जनपद बहराइच** का आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड से 5 लाख रूपया कर्जा हो रहा है। अभय कुमार त्रिपाठी की गाटा संख्या 159 को गारंटी के तौर पर लिया जा रहा है। यदि किसी भी बैंक को आपत्ति हो तो 7 दिन के अंदर प्रस्तुत कर सकता है। **आधार हाउसिंग फाइनेंस लिमिटेड बहराइच**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा हाई स्कूल वर्ष 2007 अनुक्रमांक 1917304 अंकपत्र सह प्रमाण पत्र वास्तव में खो गया है। **– शंशाक शेखर अवस्थी पुत्र चन्द्र शेखर अवस्थी, निवासी– धन्नी पुरवा नेवादा, थाना– राम गांव, जिला– बहराइच**

सूचना

सूचित किया जाता है कि मेरा नाम रिलाइन्स निपान लाइफ एन्श्योरेंश को लि. पालिसी संख्या 19798957 में रफीक अहमद पुत्र कुदरत अली दर्ज हो गया है। जबकि मेरा सही नाम शफीक अहमद पुत्र कुदरत अली है। अतः मेरा सही नाम शफीक अहमद ही पढ़ा व समझा जाये। **– शफीक अहमद पुत्र कुदरत अली, पता – 438 गुल्लावीर रोड पानी टंकी सलारगंज, बहराइच**

स्क्वैश टूर्नामेंट चार दिनी टूर्नामेंट में लगेगा प्रतिभाओं का मेला, सोशल मीडिया पर होगा लाइव प्रसारण

17 राज्यों के 200 से ज्यादा खिलाड़ी आएंगे

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। शहर में पहली बार 17 राज्यों के 200 से अधिक पुरुष व महिला खिलाड़ी द स्पोर्टस हब टीएसएच में स्क्वैश टूर्नामेंट में अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन करेंगे। अखिल भारतीय स्क्वैश प्रतियोगिता का आयोजन टीएसएच में 21 से 24 मार्च तक होगा।

द स्पोर्टस हब के डायरेक्टर पीके श्रीवास्तव व स्क्वैश रैकेट एसोसिएशन के सचिव विनय पांडेय ने प्रेसवार्ता में बताया कि शहर में पहली बार स्क्वैश टूर्नामेंट का आयोजन हो रहा है। प्रतियोगिता में 11 कैटेगरी खेलों में महिला व पुरुष और अंडर-15 गर्ल्स, अंडर-15 ब्वायज, अंडर-11 ब्वायज, अंडर-

पत्रकारों से बात करते निदेशक पीके श्रीवास्तव व अन्य। अमृत विचार

13 ब्वायज, अंडर-17 ब्वायज, अंडर-19 ब्वायज, पुरुष ओवर 35 व 45 और 65 की प्रतियोगिता होगी। टूर्नामेंट नाकआउट आधारित होगा। पुरुष कैटेगरी में एशियाई खेलों में देश का प्रतिनिधित्व करने वाले रवि दीक्षित का भी खेल देखने को मिलेगा। उन्होंने बताया कि प्रतियोगिता में भाग ले रहे सभी खिलाड़ी नेशनल स्क्वैश टूर्नामेंट में खेल चुके हैं। आंशू और अंजली चंडीगढ़ से आ रहीं हैं। प्रयागराज के मोहम्मद साबिर व कादिर को नेशनल फेडरेशन ने टूर्नामेंट ऑब्जर्बर नियुक्त किया है। मास्टर्स कैटेगरी में कैश प्राइज दिए जाएंगे। स्पोर्टस हब के निदेशक प्रणीत अग्रवाल ने कहा कि यहां खिलाड़ियों को प्रोत्साहन मिलने के बाद उन्हें राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शन का अवसर मिलेगा।

टीएसएच के डायरेक्टर आपरेशंस पीके श्रीवास्तव ने बताया कि स्क्वैश रैकेट एसोसियेशन से मान्यता प्राप्त फर्स्ट ऑल इंडिया द स्पोर्ट्स हब स्क्वैश टूर्नामेंट का उद्घाटन 21 मार्च को पुलिस आयुक्त अखिल कुमार करेंगे, सीआईआई के पूर्व अध्यक्ष मनोज गुप्ता विशिष्ट अतिथि होंगे। प्रतियोगिता का समापन और पुरस्कार वितरण 24 मार्च को होगा। इस मौके पर कानपुर जोन के अपर पुलिस महानिदेशक आलोक सिंह मुख्य अतिथि और नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन विशिष्ट अतिथि होंगे।

महिलाओं ने पार किए एक लाख रुपये

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- बैंक में लगे सीसीटीवी कैमरे में महिलाएं कैद

अमृत विचार। हमीरपुर रोड स्थित एसबीआई में रुपये निकालने गये युवक के झोले से शातिर महिलाओं ने एक लाख रुपये पार कर दिए। पूरी घटना सीसीटीवी कैमरे में कैद हो गई। हनुमंत विहार पुलिस रिपोर्ट दर्ज महिलाओं की तलाश में जुटी है।

हनुमंत विहार थानाक्षेत्र के यशोदा नगर निवासी मो.सफी ने बताया कि उनका खाता हमीरपुर रोड स्थित एसबीआई की शाखा में है। बीते गुरुवार को वह बैंक से डेढ़ लाख रुपये निकालने गये थे। कैशियर से रुपये लेने के बाद उन्होंने एक लाख रुपये झोले में रख लिए व 50 हजार रुपये जेब में डाल लिए। इसके बाद वह पासबुक में इंट्री कराने लगे, तभी दो महिलाएं उनके बगल में खड़ी हो गईं। इस दौरान वह इंट्री करा कर बाहर निकले तो झोले में रुपये गायब मिले।

उन्होंने घटना की जानकारी बैंक मैनेजर को दी। इसके बाद सीसीटीवी खंगाले गए जिसमें महिलाएं झोले से रुपये पार करते हुए कैद हो गईं। पीड़ित ने हनुमंत विहार थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई है। थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह ने बताया कि सीसीटीवी फुटेज के आधार पर महिलाओं की तलाश की जा रही है।

आज का मौसम
हल्के से मध्यम बादल छाए रहने की संभावना।

28.8⁰	11.6⁰
अधिकतम तापमान	न्यूनतम तापमान
सूर्योदय 06 : 12	सूर्यास्त 06 : 20

रमजान मुबारक

इफ्तार (बुधवार)	सहरी (गुरुवार)
सुन्नी-06 :19	सुन्नी-04 :55
शिया-06 :32	शिया-04 :40

नोट : रोजेदारों की सुविधा के लिए सहरी का समय एक दिन आगे का दिया जा रहा है।

शहर में आज

- शोभायात्रा : श्री श्याम जी महिमा प्रचार मंडल द्वारा शोभायात्रा तपेश्वरी देवी मंदिर हनुमान प्रांगण से सुबह 10 बजे।
- लेक्चर : डीएवी कॉलेज में पापुलर लेक्चर सीरिज के द्वितीय व्याख्यान का आयोजन सुबह 11 बजे से।
- कार्यक्रम : शिक्षाविद अल्पना शुक्ला द्वारा लिटिल शेफ में होली कार्निवाल दोपहर साढ़े तीन बजे से ।
- सम्मेलन : गठबंधन के प्रत्याशी राजाराम पाल के समर्थन में कार्यकर्ता सम्मेलन छोटी पाली शिवा सम्मी गार्डन में तीन बजे।
- कथा : कथा वाचक चंद्रदास महाराज द्वारा आवास विकास नौबस्ता में श्रीमद्भागवत कथा शाम चार बजे से।
- उत्सव : जेके मंदिर में श्रीकृष्ण व राधा रानी के साथ भक्तों द्वारा होगा होली उत्सव शाम पांच बजे से।
- बैठक : भाजपा किसान मोर्चा की बड़ी बैठक मसवानपुर पक्का तालाब स्थित बांके बिहारी गेस्ट हाउस में शाम पांच बजे।

एक नजर

समाचार पत्र वितरक के पिता का निधन

कानपुर। सर्वोदय नगर निवासी समाचार पत्र वितरक अनिल यादव के पिता 76 वर्षीय परशुराम यादव का मंगलवार को निधन हो गया। बेटे अनिल ने बताया कि वह काफी समय से अस्वस्थ चल रहे थे। पूरा परिवार शोकाकुल है। वह अपने पीछे दो बेटे व एक बेटी छोड़ गए हैं।

सीएम दर्पण डैशबोर्ड पोर्टल की समीक्षा

कानपुर। पुलिस कार्यालय के सभागार कक्ष में अपर पुलिस आयुक्त (अपराध एवं मुख्यालय) विपिन कुमार मिश्रा के निर्देश पर अपर पुलिस उपायुक्त व स्टाफ ऑफिसर अमिता सिंह ने सीएम दर्पण डैशबोर्ड पोर्टल की समीक्षा बैठक की। कस्टमर संतुष्टि सूचकांक, ग्रेड व रैंकिंग में सुधारात्मक कार्यवाही के सम्बन्ध में निर्देश दिए। गोष्ठी में सभी एसीपी तथा समस्त थानों पर नियुक्त सीएम दर्पण डैशबोर्ड पोर्टल के नोडल अधिकारी व डाटा फीडिंग के लिए नियुक्त कम्प्यूटर ऑपरेटर व हेड कांस्टेबल मौजूद रहे। थाना प्रभारियों ने जूम एप के माध्यम से प्रतिभाग किया।

वृद्ध ने रोशनी जाने के डर से दी जान

कानपुर। बिठूर थानाक्षेत्र में नारामऊ निवासी 62 वर्षीय प्रमोद कुमार तिवारी ने आंखों की रोशनी जाने के डर की वजह से फांसी लगाकर जान दे दी। परिजनों ने बताया कि वह घर पर ही रहते थे। बताया कि वह मधुमेह के मरीज थे। डॉक्टर ने उन्हें दोनों आंखों का ऑपरेशन बताया था। आंखों की रोशनी भी चली जाने के लिए सचेत किया था। मंगलवार को उनका ऑपरेशन होना था। परिजनों ने बताया कि सोमवार को उनकी बहन की बारादेवी में तेरहवीं थी जिसमें घर के सभी परिजन गए थे। लौट कर आये तो वह गमछे से लटके मिले।

श्रमशक्ति में बुजुर्ग यात्री की मौत

कानपुर। जिला उन्नाव के अजगैन निवासी 69 वर्षीय मोहम्मद नजीर पेंटिंग का काम करते थे। उन्हें श्वांस संबंधी परेशानी थी। सोमवार रात वह अपने भांजे रहमत अली के साथ दिल्ली से कानपुर आने के लिए श्रम शक्ति से निकले। सुबह गाड़ी स्टेशन पर रुकी तो वह उठे नहीं। भांजे ने देखा तो उनकी सांस थम चुकी थी। परिजनों ने बीमारी से मौत की आशंका जताई है।

इरफान पर फैसला टला, अब 22 मार्च की तारीख

कड़ी सुरक्षा व्यवस्था में सपा विधायक समेत अन्य आरोपी कोर्ट में हुए पेश, रंगदारी के मामले में कोर्ट में आरोप तय किए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सपा विधायक इरफान सोलंकी के खिलाफ मंगलवार को आगजनी कांड में आने वाला फैसला न्यायाधीश की अनुपस्थिति के कारण एक बार फिर से टल गया। मामले में अगली सुनवाई की तिथि 22 मार्च निर्धारित की गई है। उधर, उनके खिलाफ आचार संहिता मामले में भी सुनवाई की गई, जिसमें चार अप्रैल की तिथि निर्धारित की गई। इसके अलावा जाजमऊ थाने में सपा विधायक के खिलाफ दर्ज रंगदारी मामले में भी आरोप तय किए गए।

डिफेंस कॉलोनी निवासी नजीर फातिमा की झोपड़ी में आगजनी कांड में बीते गुरुवार को फैसला आना था। लेकिन फैसला टल गया था। एमपीएमएलए सेशन सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी की कोर्ट ने 19 मार्च की तिथि निर्धारित कर सपा विधायक इरफान सोलंकी समेत उनके भाई रिजवान सोलंकी, इजरायल आटेवाला, शौकत अली व मो. शरीफ को कोर्ट में तलब करने के निर्देश दिए गए थे। मंगलवार दोपहर पौने 12 बजे सपा विधायक को महाराजगंज जेल से लेकर पुलिस कोर्ट पहुंची। बचाव पक्ष के अधिवक्ता करीम सिद्दीकी ने बताया कि एमपीएमएलए न्यायाधीश सत्येंद्र नाथ त्रिपाठी के अवकाश पर होने के कारण फैसला टाल दिया गया है। इसके बाद सपा विधायक की स्पेशल जज एससीएसटी एक्ट में पेशी कराई गई, जिस पर आगजनी कांड में अगली तिथि 22 मार्च निर्धारित कर दी गई। वहीं मंगलवार को एमपीएमएलए लोअर आलोक यादव की कोर्ट में आचार संहिता मामले में सुनवाई की गई। कोर्ट ने सुनवाई की तिथि चार अप्रैल निर्धारित की। उधर, एमपीएमएलए लोअर कोर्ट में इरफान सोलंकी, हाजी वसी व कमर आलम के खिलाफ रंगदारी मांगने के केस में आरोप तय किए गए। इस केस में अगली सुनवाई की तिथि चार अप्रैल निर्धारित की गई।

रंगदारी मामले में आरोप तय : 25 दिसंबर 2022 को जाजमऊ, दुर्गा विहार निवासी विमल कुमार ने सपा विधायक इरफान सोलंकी, बिल्डर हाजी वसी, शाहिद लारी व कमर आलम के खिलाफ रंगदारी, धोखाधड़ी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा दर्ज कराया था।

विमल ने बताया था कि उसकी जमीन पर हाजी वसी, कमर आलम व शाहिद लारी ने कब्जा कर लिया। उन्होंने जब सपा विधायक से शिकायत की तो उन्होंने उक्त लोगों के पक्ष में रजिस्ट्री करने की बात कही थी। आरोप है कि इरफान के इशारे पर हाजी वसी समेत अन्य ने फर्जी कागजात तैयार कर जमीन पर कब्जा कर लिया।

आरोप लगाया कि जमीन वापस मांगने पर इरफान सोलंकी, शाहिद लारी, हाजी वसी व कमर आलम ने जान से मारने की धमकी देकर रंगदारी मांगी। जिसके बाद पीड़ित ने जाजमऊ थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। मामला एमपीएमएलए लोअर कोर्ट में विचाराधीन है। मंगलवार को मामले की सुनवाई के दौरान इरफान सोलंकी, हाजी वसी व कमर आलम के खिलाफ कोर्ट में आरोप तय किए गए।

भारी फोर्स के साथ कचहरी लाए गए सपा विधायक इरफान सोलंकी। अमृत विचार

रिजवान सोलंकी को भी कोर्ट लाया गया। अमृत विचार

दर्जनों गाड़ियां पहुंचने से कचहरी के पास जाम लगा रहा। अमृत विचार

मुस्कुराते हुए पुलिस वैन से उतरे और बोले, दुआ में याद रखना

- मंगलवार सुबह कोर्ट परिसर में आने के बाद सपा विधायक इरफान सोलंकी मुस्कुराते हुए वैन से उतरे। इरफान हाथ में कुरान लिए हुए थे, जिसे चूमते हुए उन्होंने लोगों का हाथ हिलाकर अभिवादन स्वीकार किया। सपा विधायक कोर्ट परिसर में मौजूद पत्नी व बच्चों से मिले। इस दौरान वह भावुक नजर आए। करीब दो घंटे तक कोर्ट में रहने के बाद सपा विधायक महाराजगंज जेल जाने के लिए रवाना हुए तो उन्होंने कहा कि दुआ में याद रखना। वहीं पेशी पर आए रिजवान सोलंकी ने कहा कि कोई चाहे जितने आरोप लगा दे, लेकिन ऊपर वाला साथ है, इंसाफ होकर रहेगा और इसी दरवाजे से इंसाफ होगा। उन्होंने कहा कि हम दोनों भाई बेकसूर हैं।

इरफान के लिए दुआ करने पर जाएगी नोटिस

कानपुर। महाराजगंज जेल में बंद सीसामऊ से सपा विधायक इरफान सोलंकी की मुश्किलें लगातार बढ़ती जा रही हैं। 19 मार्च को आने वाले उनके फैसले को लेकर एक दिन पहले हलीम कॉलेज ग्राउंड में उनके लिए दुआ करने का वीडियो वायरल हुआ था।

वायरल वीडियो में दुआ पढ़ते हुए मौलवी ने इरफान सोलंकी को बेकसूर बता डाला था। इसके साथ ही उन पर चल रहे मुकदमों को भी फर्जी बताते हुए मौलवी ने कहा कि नाजायज मुकदमों में बेकसूर इरफान सोलंकी को रिहाई फरमा। अब पुलिस ने कार्रवाई के लिए प्रक्रिया शुरू कर दी है।

पुलिस और एलआईयू मामले की जांच कर रही हैं। अब तक की जांच में यह सामने आया है कि किसी ने पर्ची देकर इरफान सोलंकी के लिए दुआएं करने को कहा था। इस संबंध में संयुक्त पुलिस आयुक्त कानून व्यवस्था हरीश चन्दर ने बताया कि तरावीह के बाद इरफान सोलंकी के लिए कुछ लोगों ने पर्ची में दुआ लिखकर दी थी जिसे पढ़ा गया था। दुआ पढ़ने वाले इमाम से भी संपर्क किया गया है और साथ ही साथ जिसने ये पर्ची दी थी उसे भी पुलिस नोटिस देकर कार्रवाई की जाएगी।

www.amritvichar.com
पर भी खबरें पढ़ें

संपर्कक्रांति दुर्घटना से बची, हटाया गया कोच

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- कोच का धुरा जाम होने से उठीं चिंगारियां, जांच के आदेश
- बिना स्टॉपेज टूंडला स्टेशन पर रोकी गई ट्रेन, की गई जांच
- कानपुर सेंट्रल पर दूसरा कोच जोड़ा गया, पौन घंटे बाद ट्रेन रवाना

अमृत विचार। कोच में धुरा जाम होने से चिंगारी उठने पर नई दिल्ली से दरभंगा जा रही 12566 बिहार संपर्कक्रांति एक्सप्रेस मंगलवार को दुर्घटनाग्रस्त होने से बच गई। धुरा जाम (हॉट एक्सल) देख गैंगमैन की सूचना पर ट्रेन को टूंडला स्टेशन पर रोका गया। परीक्षण के बाद एसी टू कोच को ट्रेन से अलग किया गया। यात्रियों को थर्ड एसी कोच में शिफ्ट कराकर कानपुर रवाना किया गया। सेकेंड एसी कोच के यात्रियों के हंगामा करने पर कानपुर सेंट्रल पर ट्रेन रोकी गई। रिजर्व लाइन से दूसरा सेकेंड एसी कोच मंगवाकर जोड़ा गया। इस चक्कर में सेंट्रल पर करीब पौन घंटे ट्रेन खड़ी रही। जांच के आदेश दिए गए हैं।

बिहार संपर्कक्रांति एक्सप्रेस मंगलवार दोपहर टूंडला स्टेशन पहुंचने वाली थी, तभी सेकेंड एसी कोच से चिंगारी उठने लगीं। गैंगमैन की नजर चिंगारी पर पड़ी तो उसने अधिकारियों को सूचना दी। इसके बाद ट्रेन को टूंडला स्टेशन पर बिना स्टापेज के रोका गया। कोच चेक करने पर पता चला कि सेकेंड एसी कोच का धुरा जाम है। इस पर कोच हटाकर यात्रियों को बी-वन कोच में शिफ्ट कराया गया। इस चक्कर में ट्रेन टूंडला से ढाई घंटे विलंब से चल सकी। इधर हटाए गए कोच के यात्रियों को शिफ्ट तो किया गया, मगर दिक्कत होने पर यात्री हो-हल्ला करने लगे। रात 9:10 बजे सेंट्रल के प्लेटफार्म नंबर आठ पर ट्रेन पहुंची। यहां पहले से प्लेटफार्म पर मौजूद एसीएम संतोष कुमार त्रिपाठी ने फोर्स और चेकिंग दल बुलाकर यात्रियों को थर्ड एसी और अन्य कूपों से नीचे उतरवाया। रिजर्व लाइन से दूसरा सेकेंड एसी कोच मंगाकर ट्रेन में जोड़ा गया। इसके बाद यात्रियों को नए डिब्बे में बैठाया गया। इसके बाद ट्रेन लगभग पौन घंटे बाद रवाना हो सकी।

पनकीधाम पर भी आधा घंटा फंसी ट्रेन

- दिल्ली से आ रही बिहार संपर्कक्रांति एक्सप्रेस को पनकीधाम स्टेशन पर रोककर राजधानी एक्सप्रेस को गुजारा गया। इस चक्कर में पनकीधाम पर भी ट्रेन आधे घंटे खड़ी रही। कोच में खचाखच भरे यात्रियों ने पनकीधाम स्टेशन पर भी हंगामा किया। यात्री नीचे नहीं उतरे, लेकिन अंदर से ही हो-हल्ला करते रहे।

लिटिल शेफ में आज होगी होली

कानपुर। शिक्षाविद अल्पना शुक्ला द्वारा बुधवार को सिविल लाइंस स्थित लिटिल शेफ में दोपहर साढ़े तीन बजे से रात नौ बजे तक होली कार्निवाल का आयोजन किया गया है। जिसमें बच्चे व उनके परिवार के सदस्यों के लिए शानदार उत्सव होगा। अल्पना शुक्ला ने बताया कि होली कार्निवाल में बच्चों के साथ सभी आयु वर्गों के लिए एक अविस्मरणीय अनुभव करने का अवसर है। इसमें रोमांचक गतिविधियां, खेल, संगीत व भोजन की व्यवस्था की गई है। बच्चों के लिए कई गतिविधियां होंगी। मधुराज हॉस्पिटल, गोल्डी मसाले, ऐलन हाउस, ऐलन किड्स, ब्राइट व मयूर ग्रुप शामिल होकर शोभा बढ़ाएंगे।

मामा तालाब पर गंगा बैराज की तरह लाइट शो

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। मामा तालाब में गंगा बैराज की तरह लाइट शो जल्द होगा। यहां पर्यटन को बढ़ावा देने और लोगों को आकर्षित करने के लिए केडीए वीसी ने म्यूजिक और लाइट एंड साउंड शो की व्यवस्था कराने के निर्देश दिए हैं। इसके साथ ही रुके हुये कार्यों को जल्द ही पूरा करने को भी कहा है। मौके पर अभी 70 फीसदी कार्य हो चुका है। केडीए अधिकारियों की माने तों एक माह में काम पूरा कर लिया जायेगा। केडीए तालाब का सुंदरीकरण 4.66 करोड़ रुपये से करा रहा है।

कानपुर विकास प्राधिकरण मसवानपुर में 24 हजार 490 वर्गमीटर में स्थित ऐतिहासिक 'मामा तालाब का विकास एवं सौन्दर्यीकरण कार्य कर रहा है। तालाब पर भू-गर्भ जल का संरक्षण, वर्षा जल संचयन, पर्यावरण संरक्षण, सालिड वेस्ट वॉटर प्रबन्धन के उद्देश्य से कार्य कराये जा रहे हैं। मामा तालाब का रखरखाव न होने के कारण इसकी दुर्दशा हो गई और लोगों ने इसपर कब्जा भी कर लिया था।

लेकिन, अब जल्द ही यह तालाब शहर का पर्यटन हब बनेगा।

मामा तालाब पर निर्माण कार्य जारी। अमृत विचार

ये कार्य हो रहे हैं

तालाब में वॉटर बाडी का प्राकृतिक निर्माण, प्राकृतिक पाथवे, किड्स प्ले एरिया, रेनवॉटर हार्वेस्टिंग, टू-व्हीलर/फोर-व्हीलर पार्किंग, प्रवेश/निकास गेट का निर्माण, लैंड-स्केपिंग, वृक्षारोपण कार्य, लाइटिंग, बाउंड्रीवाल रेलिंग

- केडीए तालाब का सुंदरीकरण 4.66 करोड़ से करा रहा
- 70 फीसदी कार्य हुआ पूरा जलकुंभी की होगी सफाई

मसवानपुर स्थित यह तालाब करीब 100 साल पुराना है।

मुख्य द्वार के साथ बाउंड्रीवॉल का काम लगभग पूरा हो गया है। तालाब के आस-पास सुंदरीकरण का काम जारी है। यहां पार्किंग, फूट कोर्ट, पेयजल व्यवस्था, बैठने के लिए बेंच, आधुनिक लाइटें, सेल्फी प्वाइंट की भी व्यवस्था होगी। केडीए के अधिकारियों के अनुसार यह कार्य एक माह में पूरा कर लिया जायेगा जिसके बाद जनता के लिये मामा तालाब का द्वार खोल दिया जायेगा।

24 मिनट पहले आई बेंगलुरु की फ्लाइट

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- जनवरी महीने से बंद चल रही थी यह फ्लाइट
- पहले दिन मंगलवार को 179 यात्री आए और 111 गए

अमृत विचार। शहरवासियों के लिए बेंगलुरु की फ्लाइट दोबारा शुरू हो गई है। यह फ्लाइट जनवरी महीने से बंद चल रही थी। मंगलवार को फ्लाइट 24 मिनट पहले एयरपोर्ट पर लैंड हुई। पहले दिन फ्लाइट से 179 यात्री आए जबकि 111 यात्रियों ने बेंगलुरु के लिए उड़ान भरी।

उड़ान को बगैर किसी कारण बंद किए जाने से शहरियों की नाराजगी बढ़ती जा रही थी। कारोबारियों और उद्यमियों ने भी इसको लेकर आवाज उठाई थी। अब मंगलवार को उड़ान दोबारा शुरू की गई है। दोपहर बाद 3.40 बजे बेंगलुरु से शहर आने वाली फ्लाइट 24 मिनट पहले यानि 3:16 बजे लैंड हो गई। कानपुर से बेंगलुरु जाने वाली उड़ान अपने निर्धारित समय 4:10 बजे उड़ी। एयरपोर्ट से जुड़े अधिकारियों ने बताया कि यह फ्लाइट हफ्ते में तीन दिन मंगलवार, गुरुवार और शनिवार को उड़ान भरेगी। इससे पहले यह फ्लाइट सप्ताह के सभी दिन उड़ती थी। माना जा रहा है कि फ्लाइट के शिड्यूल में अगले महीने से कुछ परिवर्तन हो सकता है।

महापौर को ज्ञापन देते व्यापारी। अमृत विचार

कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स का प्रस्ताव वापस लें

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- भारतीय उद्योग व्यापार मंडल व कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल ने दिया ज्ञापन

अमृत विचार। कलक्टरगंज मे नगर निगम की ओर से प्रस्तावित कॉमर्शियल कॉम्प्लेक्स के प्रस्ताव को वापस लिए जाने की मांग को लेकर व्यापारियों ने मंगलवार को महापौर ज्ञापन सौंपा। महापौर ने दो तीन बाद व्यापारियों व अधिकारियों के साथ बैठक करने व व्यापारियों के हक में कार्य करने का आश्वासन दिया। व्यापारियों ने तय किया कि अगर आवश्यकता हुई तो सांसद, विधायक व सभी जनप्रतिनधियों को ज्ञापन दिया जायेगा।

भारतीय उद्योग व्यापार मंडल के प्रदेश वरिष्ठ महामंत्री व कलक्टरगंज उद्योग व्यापार मंडल के मुख्य संरक्षक ज्ञानेश मिश्र ने कहा कि यहां वर्षों से व्यापार कर रहे व्यापारियों को उजाड़कर कॉमर्शियल काम्प्लेक्स के प्रस्ताव को नगर निगम ने पास किया है। कलक्टरगंज के व्यापारी अपने बाबा व पिता के साथ सौ वर्षों से अधिक समय से व्यापार कर रहे हैं। इस मौके पर कलक्टरगंज व्यापार मंडल अध्यक्ष आशीष मिश्र अनुराग जायसवाल, पवन गुप्ता, अरुण पांडे, कुंजबिहारी गुप्ता, शंकरलाल राठौर, अशोक केसरमल, रमेश अग्रहरी, रूद्र कुमार गुप्ता, राजा गुप्ता, संजय राठौर, सावन मौर्य आदि मौजूद रहे।

परीक्षा 19 केंद्रों में हुई

कानपुर। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय की ओर से अकादमिक सत्र 2023-24 के सेकेंड मिड सेमेस्टर की परीक्षाओं की शुरुआत मंगलवार से हुई। संस्थान परिसर के 19 केंद्रों में चार पालियों में शुरू हुई परीक्षाओं में कड़ी सुरक्षा व्यवस्था रही। विश्वविद्यालय कैंपस परीक्षा सेल के प्रभारी डॉ बीपी सिंह ने बताया कि परीक्षाओं में द्वितीय, चतुर्थ, छठे और आठवें सेमेस्टर के 9500 से अधिक छात्र उपस्थित हुए। परीक्षा 23 मार्च तक जारी रहेगी।

अब घर बैठे आपके जीवन की जटिल समस्याओं का 100% पक्का समाधान
फ्री सलाह
अभी फोन करें :
GURU AADIL JI
9717810465
1% विश्वास आप करें
99% विश्वास हम बनाएंगे
स्पेशलिस्ट – प्रेम विवाह, पति-पत्नी में अनबन, दुश्मनों से छुटकारा, कारोबार में रुकावट, मनचाहा प्यार, रूठे प्रेमी को मनाना, वशीकरण आदि।

विकास की ओर

केडीए के अधिकारी मैसूर जाकर करेंगे अध्ययन, फिर आगे बढ़ेगा काम

मैसूर के शुका वाना पार्क जैसा होगा बॉटनिकल गार्डेन

अभिषेक वर्मा, कानपुर

अमृत विचार। गंगा बैराज पर प्रस्तावित बॉटनिकल गार्डेन मैसूर के शुका वाना पार्क की तर्ज पर विकसित किया जायेगा। केडीए के अधिकारी मैसूर जाकर इसका अध्ययन करेंगे। मंडलायुक्त अमित गुप्ता ने केडीए के अधिकारियों को इसके निर्देश दिये हैं। योजना के तहत आरएफपी (रिक्वेस्ट फॉर प्रपोजल) समय से तैयार करके प्रस्तुत करने को भी कहा है।

गंगा बैराज स्थित बॉटनिकल गार्डेन को एक बार फिर से पिकनिक स्पॉट के रूप में विकसित करने की तैयारी शुरू हो गई है। केडीए ने सात सालों बाद नए सिरे से गार्डेन को विकसित करने का प्लान बनाया है। आर्किटेक्ट के चयन के लिए टेंडर डाले जा चुके हैं। केडीए वीसी के अनुसार वर्तमान समय में परियोजना को डीबीओटी यानि डिजाइन, बिल्ट, ऑपरेट और ट्रांसफर मॉडल के तर्ज पर 10 वर्ष की अवधि के चयन के लिये एक्सप्रेशन ऑफर इंटरेसट ईओई आमंत्रित करने की योजना तैयार कर ली गई है। इसका परीक्षण एनजीटी की गाइड लाइन के अनुसार है या नहीं इसका भी परीक्षण कराया जा रहा है। मंडलायुक्त ने केडीए के अधिकारियों से कहा कि पूरी परियोजना का कांसेप्ट क्या है इसको प्रस्तुत करने के साथ ही मैसूर स्थित शुका वाना पार्क का भी भ्रमण कर अध्ययन कर लें।

क्या है शुका वाना पार्क

- शुका वाना कर्नाटक के मैसूर में स्थित है। शुका वाना बर्ड एवियरी अपनी सुंदरता और पक्षी जीवन की विविधता के प्रमाण के रूप में खड़ा है। दुर्लभ और विदेशी पक्षी प्रजातियों के विशाल संग्रह के साथ, सावधानीपूर्वक डिजाइन किए गए बाड़े, और संरक्षण पर ध्यान दिया गया है। यह उन पक्षियों के लिए पुनर्वास केंद्र है जो घायल और दुर्व्यवहार का शिकार होते हैं। यह गिनीज बुक ऑफ वर्ल्ड रिकॉर्ड्स में भी शामिल है।

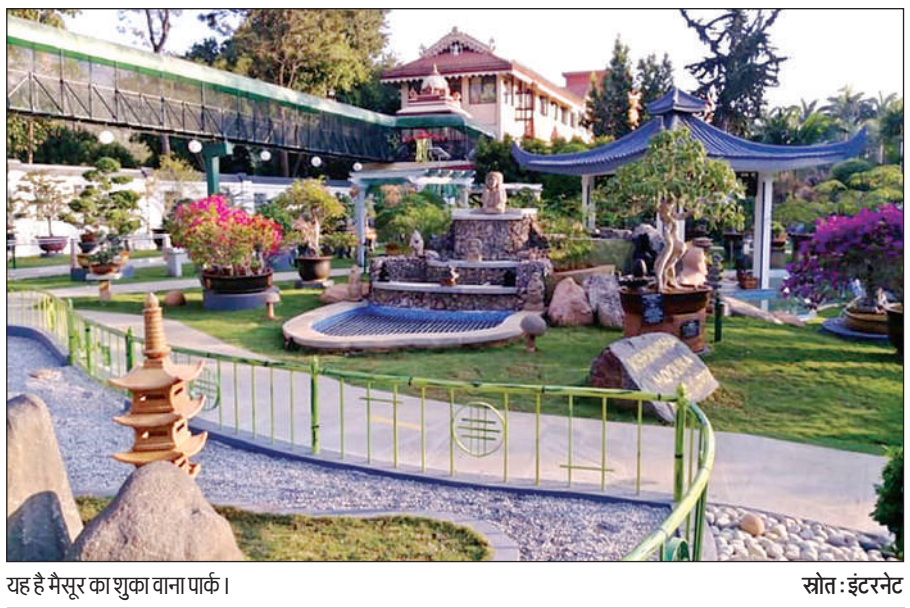

यह है मैसूर का शुका वाना पार्क। स्रोत : इंटरनेट

यह है पूर्व में बनी योजना

पूर्व की योजना के अनुसार गार्डेन का निर्माण तीन चरणों में किया जाना था। इसमें क्षेत्र में स्थित तालाब और गंगा प्रवेश बिंदु की डी-सिल्टिंग (गाद हटाने) का कार्य, दूसरे चरण में क्षेत्र में बड़े पैमाने पर पौधरोपण करना, तीसरे चरण में शौचालय, पार्किंग क्षेत्र, गंगा गैलरी, गंगा पथ (गैलरी), गंगा प्रदर्शनी केंद्र का निर्माण करना, झूले, फूड कोर्ट, गंगा संरक्षण, स्वच्छता और अविरल गंगा के लिए जन जागरुकता काम होना था। हालांकि, अब नये सिरे से बॉटनिकल गार्डेन को विकसित करने की तैयारी है।

सभी सीएचसी में पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीनें

अब मरीजों को एक्सरे कराने के लिए नहीं जाना होगा बाहर

खुशखबरी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सड़क हादसों में घायल और गंभीर बीमार मरीजों को एक्सरे के लिए स्ट्रेचर पर लेटकर अब निजी डायग्नोस्टिक सेंटर की दौड़ नहीं लगानी पड़ेगी। मरीजों का बेड पर ही एक्सरे किया जाएगा। इसके लिए जिले के सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन उपलब्ध हो चुकी हैं।

जिले में बिल्हौर, घाटमपुर, चौबेपुर, शिवराजपुर, बिधनू, भीतरगांव, सरसौल, कल्यानपुर समेत 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र हैं। इनमें से अधिकांश स्वास्थ्य केंद्र

पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन।

हाइवे किनारे बने हुए है। इसलिए प्रतिदिन 20 से 25 लोग सड़क हादसों में घायल होकर पहुंचते हैं। 18 से 20 मरीज गंभीर बीमारी से ग्रस्त पहुंचते हैं।

10 सीएचसी में से कुछ सीएचसी में एक्सरे की सुविधा नहीं होने से मरीजों को निजी डायग्नोस्टिक सेंटरों के चक्कर लगाने पड़ जाते थे। कुछ को उर्सला या हैलट रेफर कर दिया जाता है। लेकिन अब ऐसा नहीं हो सकेगा। शासन ने सभी 10 सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीनें उपलब्ध करा दी हैं।

> शासन से कुछ माह पहले ही पोर्टेबल डिजिटल एक्सरे मशीन उपलब्ध कराई गई हैं, जो सभी सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में भेजी जा चुकी हैं, जिनका संचालन भी शुरू हो गया है। अब गंभीर मरीजों का बेड पर ही एक्सरे होगा।
>
> **डॉ .आलोक रंजन, सीएमओ**

डॉक्टर की सलाह पर ही लें आयुर्वेदिक दवा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सोशल मीडिया पर पौरुष शक्ति बढ़ाने, रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने, सेक्स पॉवर बढ़ाने आदि के नाम पर आयुर्वेद दवाओं की बाढ़ आई हुई है। इनमें तमाम दवाएं घटिया और मानक के विपरीत हैं। नकली भी पाई गई हैं। ऐसी दवाओं के संबंध में आयुर्वेद एवं यूनानी औषधि टीम ने कार्रवाई की तैयारी की है। आयुर्वेदिक दवाओं का सेवन बिना डॉक्टर की सलाह पर बिल्कुल नहीं करना चाहिए।

कई मेडिकल स्टोर संचालक इन दवाओं की बिक्री धड़ल्ले कर रहे हैं। आयुर्वेद एवं यूनानी औषधि के क्षेत्रीय अधिकारी डॉ.बृजेश सिंह कटियार ने ऐसी दवाओं की बिक्री करने और बनाने वाली कंपनी के खिलाफ कार्रवाई की तैयारी की है। उन्होंने बताया कि कार्रवाई करने के संबंध में मंगलवार को अपर सचिव से वार्ता की जाएगी। उनको दवाओं की जानकारी देकर उन्हें प्रतिबंध करने की अनुमति ली जाएगी। दवाओं के संबंध में टीम के साथ कानपुर समेत आसपास के क्षेत्रों में स्थित आयुर्वेदिक एवं यूनानी सेंटरों और मेडिकल स्टोरों में चेकिंग की गई है। इन जगहों से टीम ने कुछ आयुर्वेदिक दवाओं की जांच के लिए नमूने लिए और उनको लखनऊ स्थित विश्लेषक औषधि परीक्षण प्रयोगशाला भेजा है।

ये दवाएं की जा चुकीं प्रतिबंधित

डॉ.बृजेश सिंह कटियार ने बताया कि गौतमबुद्ध नगर के देव फार्मेसी की पौरुष जीवन कैप्सूल, इंदौर की मेडविन फार्माटेक की गुड हेल्थ कैप्सूल और उज्जैन की कंपनी सिमको आर्गेनिक की गुड हेल्थ कैप्सूल अधोमानक पाई गई थीं। जांच में स्टेराइड व कार्टिको स्टेराइड की मात्रा मिली, जो स्वास्थ्य के लिए काफी हानिकारक है। इसलिए तीनों कंपनी की दवाओं को पूरे उत्तर प्रदेश में प्रतिबंध कर दिया गया है।

स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम में शामिल बच्चों के साथ चिकित्सक व अभिभावक। अमृत विचार

स्वर्ण प्राशन कराने के फायदे बताए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● सीएसजेएमयू के स्वास्थ्य केंद्र ने किया आयोजन

अमृत विचार। छत्रपति शाहू जी महाराज विश्वविद्यालय के स्कूल ऑफ हेल्थ साइंसेस के तहत संचालित स्वास्थ्य केंद्र की ओर से स्वर्ण प्राशन कार्यक्रम आयोजित किया गया। यह आयोजन राजकीय बाल गृह और आरोग्य क्लीनिक में निशुल्क किया गया। लगभग सौ बच्चों को स्वर्ण प्रासन्न ग्रहण कराया गया।

शुरुआत आयुर्वेदाचार्य डॉ. वंदना पाठक ने की। उन्होंने कहाकि आयुर्वेद की यह विधा बच्चों की रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में काफी कारगर है। अभिभावकों से आहार में काली मिर्च के उपयोग के सेवन पर जोर दिया। इससे स्वास्थ्य पर बेहतर असर होता है। बासी भोजन करने की मनाही की गई। इस दौरान निरंकार गोयल, डॉ प्रवीण कटियार, सुमन वर्मा ने भी स्वर्ण प्रासन्न के लाभ से अवगत कराया।

कहा कि यह बच्चों को शारीरिक और मानसिक रूप से विकसित करने में सहायक है। स्वर्णप्राशन स्वर्ण भस्म, वच, गिलोय, ब्राह्मी, गौघृत, मधु आदि द्रव्यों के सम्मिश्रण से बनाया जाता है।

एक नजर

सीढ़ियों से गिरकर बुजुर्ग महिला की मौत

कानपुर। बर्रा थानाक्षेत्र के कर्रही निवासिनी 65 वर्षीया कमलेश की सीढ़ियों से गिरकर मौत हो गई। बेटे विकास के अनुसार वह घर पर सीढ़ियां चढ़ते समय संतुलन खोने से नीचे आ गिरीं। घायल हालत में उन्हें अस्पताल में भर्ती कराया। जहां इलाज के दौरान मौत हो गई। बर्रा पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया।

कल्याणपुर में बीच सड़क मारपीट, वीडियो वायरल

कानपुर। सोमवार देर रात कल्याणपुर थाना क्षेत्र में पुराना शिवली रोड पर सड़क पर युवकों का एक गुट आपस में भिड़ गया। लगभग 10 से 15 मिनट तक बीच सड़क पर मारपीट चलती रही। मारपीट का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद पुलिस मौके पहुंची। आसपास के सीसीटीवी खंगाले गए। लोगों ने बताया कि मारपीट कर रहे युवक कल्याणपुर रेलवे स्टेशन के आसपास के निवासी हैं। कल्याणपुर थाना प्रभारी कुशल पाल सिंह ने बताया कि उपद्रवियों की पहचान की जा रही है।

ई-रिक्शे की टक्कर से घायल युवक की मौत

कानपुर। काकादेव थानाक्षेत्र में सेवायोजन कार्यालय के पास 10 मार्च को तेज रफ्तार ई-रिक्शे ने बाइक सवार 22 वर्षीय छोटू निवासी कवि नगर नौबस्ता को टक्कर मार दी थी। जिसके बाद स्थानीय लोगों की मदद से उसे हैलट अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान उसने दम तोड़ दिया। पुलिस ने मामले की जांच कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

चोरी करते मजदूर को पकड़ा

कानपुर। अरमापुर स्थित आयुध निर्माणी के कार्यवेक्षक ने संविदाकर्मी के खिलाफ चोरी की धारा में रिपोर्ट दर्ज कराई है। कार्यवेक्षक ब्रजमोहन श्रीवास्तव ने बताया कि कांशीराम कालोनी पनकी बहादुर नगर निवासी आनन्द संविदाकर्मी है। 14 मार्च को वह सुबह 11 बजे करीब काम पर आया था। रात आठ बजे करीब वापस जाते समय आयुध निर्माणी के गेट से बाहर निकलते समय सुरक्षाकर्मियों ने उसके बैग से तोप के गोले में उपयोग होने वाले कॉपर के छह रिंग बरामद किए।

फूलों की होली खेली, लगाया गुलाल...

क्रेजी कुटुंब की ओर से मंगलवार को एक रेस्टोरेंट में होली मिलन समारोह का आयोजन हुआ। समारोह का शुभारंभ राधा-कृष्ण की होली से हुआ। जिसका संचालक कंचन सिंह ने किया। समारोह में मौजूद लोगों ने स्वादिष्ट व्यंजन का आनंद उठाया। जमकर डांस किया और विभिन्न प्रकार के गेम में प्रतिभाग किया। एक दूसरे से गुलाल, रंगों के साथ फूलों की होली खेली। समारोह में अनु, भगवती, पूजा, अनुष्का आदि मौजूद रहीं।

सहेली के साथ लापता किशोरी कन्नौज में मिली

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● मां की डांट से क्षुब्ध होकर घर से चली गई थी

अमृत विचार। मां की डांट से क्षुब्ध होकर किशोरी अपनी सहेली संग सोमवार शाम घर से लापता हो गई। परिजनों ने तलाश शुरू की तो परिचित ने उन्हें एक साथ जाते हुए देखने की जानकारी दी। परिजनों ने बर्रा पुलिस को सूचना दी। मंगलवार को कन्नौज में किशोरियां बरामद हुईं, पुलिस ने उन्हें चाइल्ड केयर को सौंप दिया।

बर्रा सात निवासी प्राइवेट कर्मी ने बताया कि उनकी 13 वर्षीय बेटी की पड़ोस में रहने वाली हमउम्र किशोरी से मित्रता है। मंगलवार शाम पत्नी सो रही थी,इसी दौरान घर के बगल में रहने वाली किशोरी घर आई और बेटी को साथ ले गई। शाम पांच बजे पत्नी की आंख खुली तो बेटी की तलाश शुरू की। पड़ोसियों से पूछताछ की तो उन्होंने बाईपास के ओर जाते हुए देखने की जानकारी दी। परिजनों ने मामले की जानकारी बर्रा पुलिस को दी। मंगलवार को कन्नौज पुलिस ने दोनों किशोरियों को बरामद कर चाइल्ड लाइन के सुपुर्द कर बर्रा पुलिस को सूचना दी। परिजनों ने मुताबिक पड़ोसी किशोरी मां की डांट से क्षुब्ध रहती थी। मंगलवार को भी मां ने किसी बात को लेकर डांट दिया तो वह लापता हो गई।

सार-संक्षेप

निरीक्षण करते सीडीओ सुधीर कुमार। अमृत विचार

नियमित की जाए धार्मिक स्थलों की सफाई

कानपुर। सीडीओ ने मंगलवार को कानपुर दर्शन के तहत बिठूर क्षेत्र के धार्मिक स्थलों का निरीक्षण किया। टिकैत राय शिवमंदिर, ध्रुव टीला, गणेश मंदिर आदि स्थलों का जायजा लेकर साफ-सफाई व रखरखाव से संबंधित निर्देश दिए। धार्मिक स्थलों पर गंदगी इधर उधर पड़ी देख सीडीओ सुधीर कुमार ने पर्याप्त संख्या में डस्टबिन लगाए जाने और स्वच्छता के प्रति लोगों को जागरुक करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि मंदिर परिसर में स्वच्छता संबंधी साइन बोर्ड व दीवारों पर संदेश लिखवाएं। सीडीओ ने कहा सभी धार्मिक स्थलों पर साफ-सफाई नियमित होनी चाहिए। यह दिशा निर्देश नगर पंचायत बिठूर व जिला पंचायत राज अधिकारी को दिए। गंगा नदी में प्रदूषण फैलाने वालों पर जुर्माना लगाने को कहा। कहा कि प्रति व्यक्ति 21,000 का जुर्माना लगाया जाए।

गुंडा टैक्स दो, नहीं तो मारकर गंगा में फेंक दूंगा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● काकादेव के छात्र को दबंग ने दी धमकी, रिपोर्ट

अमृत विचार। काकादेव में रहकर परीक्षाओं की तैयारी कर रहे छात्र को दबंग ने गुंडा टैक्स न देने पर मारकर गंगा में बहाने की धमकी दी है। पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज की है।

महोबा थाना श्रीनगर निवासी अभिषेक ने पुलिस को बताया कि वह काकादेव बदनाम वाली गली से जा रहा था। इस दौरान वहां पर खड़े अमन यादव ने उसे रोका और शराब के लिए पैसे मांगे और बोला कि काकादेव में रहना है तो गुंडा टैक्स देना होगा। आरोप लगाया कि उसने इस बात का विरोध किया कि उसे मारा और हॉस्टल जाकर गाली-गलौज किया। कहा कि काकादेव में रात नौ बजे के बाद दिखे तो गोली मारकर गंगा बैराज में फेंक देंगे। नहीं तो गुंडा टैक्स दो। इसके बाद से उसी अपनी जान को खतरा है। इस संबंध में काकादेव थाना प्रभारी ने बताया कि आरोपी अमन यादव के खिलाफ कार्रवाई की जा रही है।

अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश

■ कानपुर। पुलिस उपायुक्त पूर्वी श्रवण कुमार सिंह ने थाना महाराजपुर में सभी विवेचकों के साथ मीटिंग की। लंबित विवेचनाओं व अन्य प्रकरणों के निस्तारण करने के लिए निर्देशित किया गया। संवेदनशील मतदान केन्द्रों का भ्रमण करने के दिशा निर्देश दिए गए। अपराधियों पर शिकंजा कसने के निर्देश दिए। ऑपरेशन त्रिनेत्र के अंतर्गत चौराहों और घर-घर कैमरे लगवाने के निर्देश दिए गए। आम जनमानस से संवाद स्थापित करने के दिशा निर्देश दिए गए।

अस्पताल में बवाल, धरना दिया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। नौबस्ता फ्लाईओवर पर मार्ग दुर्घटना में घायल युवक की आठ दिन बाद नौबस्ता के निजी अस्पताल में मौत हो गई। परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगा हंगामा किया और अस्पताल प्रबंधन पर कार्रवाई की मांग की। धरने पर बैठ गए। हंगामे की सूचना पर मौके पर पहुंची पुलिस ने कार्रवाई की आश्वासन देकर परिजनों को शांत कराया।

कानपुर देहात भाऊपुर निवासी नितिन गुप्ता ने बताया कि उनका छोटा भाई आनंद गुप्ता पथरी की बीमारी से ग्रसित है, जिसके ऑपरेशन के लिए उसे नौबस्ता बाईपास स्थित धनवंतरि अस्पताल में भर्ती कराया था। बीते मंगलवार को बड़े भाई दीपचंद्र गुप्ता उर्फ दीपू पत्नी रीना के साथ आनंद को देखने अस्पताल आ रहे थे। तभी नौबस्ता फ्लाईओवर पर अज्ञात वाहन की टक्कर से भाई गंभीर रूप से घायल

अस्पताल में धरने पर बैठे परिजन। अमृत विचार

● धनवंतरि अस्पताल में आठ दिन पहले भर्ती हुआ था युवक
● मौत होने पर परिजनों ने लापरवाही का आरोप लगाया

हो गए थे, जबकि भाभी के पैर व हाथ में चोट लगी थी। नितिन ने आरोप लगाया कि भाभी के हाथ पैर में फर्जी फ्रेक्चर बता कर अस्पताल प्रबंधन ने प्लॉस्टर चढ़ा कर पैसे ऐठे। साथ ही भाई को कई दिनों से आईसीयू में रख कर मोटी रकम वसूल रहे थे। बताया कि बुधवार को वह भाई को लखनऊ ले जाने के लिए अस्पताल प्रबंधन से डिस्चार्ज करने को कहा, जिस पर उन्होंने भाई को मृत घोषित कर दिया। जिसके बाद परिजनों ने इलाज में लापरवाही कर रुपये ऐंठने का आरोप लगा हंगामा शुरू कर दिया। हंगामे की सूचना पर हनुमंत विहार थाना प्रभारी उदय प्रताप सिंह मौके पर पहुंचे और परिजनों को कार्रवाई का आश्वासन देकर शांत कराया।

लापरवाही बरतने में लिपिक निलंबित हुआ

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● उच्च न्यायालय में विचाराधीन याचिका में ढीली पैरवी की
● मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी का भी वेतन रोका

अमृत विचार। नगर आयुक्त शिवशरणप्पा जीएन ने उच्च न्यायालय में विचाराधीन याचिका में प्रभावी कदम न उठाने पर मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग के वरिष्ठ लिपिक मनोज कुमार निलंबित कर दिया। इसके साथ ही मुख्य नगर स्वास्थ्य अधिकारी संध्या रानी को इसी याचिका के शपथ पत्र पर हस्ताक्षर से मना करने पर एक माह का वेतन रोकने और उनको कानपुर नगर निगम से दूसरी जगह स्थानांतरण किए जाने के लिये प्रमुख सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य को पत्र भेज दिया। इस कार्रवाई से हड़कंप मच गया है।

नगर आयुक्त ने इसकी जानकारी महानिदेशक चिकित्सा एवं स्वास्थ्य उत्तर प्रदेश को भी दे दी है। उन्होंने समस्त विभागाध्यक्ष और विभागीय अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिए हैं कि नगर निगम से संबंधित मामलों में प्रभावी पैरवी सुनिश्चित न करने पर संबंधित लिपिक के साथ-साथ विभागाध्यक्ष एवं विभागीय अधिकारियों पर भी अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी।

प्रशिक्षण राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मुरादाबाद से आए किसानों को किया गया प्रशिक्षित

गन्ना किसानों को कृषि करने के नए तरीके बताए गए

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

● खेती को नुकसान पहुंचाने वाले कीट व रसायनों की भी जानकारी दी गई

अमृत विचार। राष्ट्रीय शर्करा संस्थान में मंगलवार को मुरादाबाद के किसानों ने आकर गन्ने की खेती संबंधित जानकारियां हासिल की। इस दौरान किसानों को खेती को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न कीटों के बारे में भी बताया गया। किसानों को विशेषज्ञों ने उन्नत खेती के तरीकों को भी विस्तार से बताया।

प्रशिक्षण के दौरान संस्थान के निदेशक, प्रो.डी. स्वाईन ने किसानों को बताया कि किसान तो अन्नदाता हैं। ये अन्नदाता अपने खेतों में गन्ने की फसल उगाकर चीनी मिलों को सप्लाई करते हैं। गन्ने की पेराई के उपरांत बचे अवशेष (खोई) से बिजली का उत्पादन किया जाने लगा है। इस प्रकार अन्नदाता अब ऊर्जादाता भी हो गये हैं।

कार्यक्रम में कृषि रसायन के सहायक आचार्य डॉ.अशोक कुमार ने गन्ने की उपजाऊ प्रजातियों के साथ मिट्टी की जांच तथा उसके अनुरूप ऊर्वरकों के प्रयोग संबंधी जानकारी दी।

डॉ.अशोक कुमार ने किसानों को कई उन्नत तकनीकों के बारे में भी बताया जिनका उपयोग कर किसान कम मेहनत और कम समय में ज्यादा कार्य कर सकते हैं। किसानों के दल को संबोधित करते हुये संस्थान के कनिष्ठ वैज्ञानिक अधिकारी डॉ. लोकेश बाबर ने कम लागत में एवं अपेक्षाकृत कम क्षेत्रफल एवं कम पानी में अधिक उत्पादन देने वाली गन्ने की विभिन्न प्रजातियों से किसानों को अवगत करवाया।

डॉ. बाबर ने गन्ना उत्पादन के दौरान आने वाली विभिन्न समस्याओं, गन्ने को नुकसान पहुंचाने वाले विभिन्न कीटों के उपचार आदि के बारे में भी विस्तार से जानकारी दी।

जैव रसायन अनुभाग प्रमुख, प्रो. डॉ. सीमा परोहा ने कहा कि अंधाधुंध रासायनिक ऊर्वरकों का प्रयोग प्रकृति और खेत दोनों के लिये घातक हो सकता है।

यह सिंचाई के दौरान पानी में मिलकर जमीन में जा रहा है, जिससे भूजल बहुत अधिक दूषित हो रहा है और उससे तमाम बीमारियां उत्पन्न हो रही हैं।

किसानों को उन्नत खेती की जानकारी देते विशेषज्ञ। अमृत विचार

डॉलर की चाहत में 70 हजार गए

कानपुर। फजलगंज थानाक्षेत्र में रुपये के बदले डॉलर की चाहत में युवक 70 हजार की साइबर ठगी का शिकार हो गया। पुलिस आईटी एक्ट की धारा में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच कर रही है।

गुमटी नंबर पांच निवासी शिवोहम तिवारी ने पुलिस को दी गई तहरीर में बताया कि पांच मार्च को एप पर रुपये को डॉलर में पाने की कोशिश कर रहे थे। लेनदेन के लिये उन्हें लोकेश कुमार मीणा नाम के युवक को भुगतान करना था। यूपीआई आईडी पर उन्होंने 70 हजार रुपये भुगतान किया। आरोप है कि युवक ने फोन किया की वह लेनदेन करने में असमर्थ है और ट्रांजेक्शन रद्द करने को कहा। पीड़ित के अनुसार तब तक आरोपी के खाते में रुपये चले गये थे। आरोप है कि आरोपी ने उनके 70 हजार रुपये हड़प लिए। पीड़ित ने अज्ञात यूपीआई आईडी धारक लोकेश मीणा के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कराई है। फजलगंज थाना प्रभारी सुनील कुमार ने बताया तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की।

प्रवेश प्रारम्भ
प्रवेश प्रारम्भ
वरुण अर्जुन विश्वविद्यालय
वरुण अर्जुन कॉलेज ऑफ नर्सिंग
उत्तर प्रदेश मेडिकल फैकल्टी से मान्यता प्राप्त
बी.एस.सी. नर्सिंग
(4 वर्षीय डिग्री कोर्स)
शैक्षिक योग्यता : इण्टरमीडिएट साइंस (बायोलॉजी) के साथ
पोस्ट बेसिक नर्सिंग
(2 वर्षीय कोर्स, योग्यता जी.एन.एम. पास आउट)
जी.एन.एम.
(3 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
ए.एन.एम.
(2 वर्षीय नर्सिंग कोर्स, शैक्षिक योग्यता-इंटरमीडिएट 10+2)
प्रवेश हेतु संपर्क करें :-
मो. 9412151327, 7521001992
पता
वरुण अर्जुन मेडिकल कॉलेज एवं रोहिलखण्ड हॉस्पिटल
NH-24, बन्थरा, जिला शाहजहाँपुर

एक नजर

33,479 होर्डिंग, पोस्टर और बैनर हटाए

कानपुर। नगर निगम दस्तों ने आचार संहिता लगने के तीन दिनों के अंदर शहर में लगे 33,479 पोस्टर, बैनर और होर्डिंग हटाए हैं। नगर निगम विज्ञापन प्रभारी राजेश कुमार ने बताया कि नगर निगम ने सभी 6 जोनों में कार्रवाई की है जो जारी है। अब बिना परमीशन पोस्टर, बैनर लगाने पर आचार संहिता उल्लंघन की कार्रवाई भी होगी। उन्होंने बताया कि करीब 800 वॉल पेंटिंग को काले रंगों से कवर किया गया है।

सरकारी दफ्तरों से हटेंगी राजनीतिक फोटो और पोस्टर

कानपुर देहात। लोकसभा चुनाव को लेकर आदर्श आचार संहिता लागू हो गई है। ऐसे में योजनाओं के प्रचार में लगी राजनीतिक नेताओं की फोटो व नाम हटाए जाने का आदेश अपर मुख्य सचिव जितेंद्र कुमार ने सभी विभागों के विभागाध्यक्षों एवं जिलाधिकारियों को दिया है। राष्ट्रपति एवं राज्यपाल की तस्वीर के अतिरिक्त अन्य समस्त राजनेताओं की तस्वीरें सभी जगह से हटाई जाएगी। आदेश के बाद से सक्रिय विभाग के कर्मचारी होर्डिंग्स से फोटो और नाम हटाने में लग गए हैं। वहीं जनपद में पोस्टर-बैनर हटाने का कार्य चल रहा। जिला निर्वाचन अधिकारी के आदेश के अनुसार राजनीतिक दृष्टिकोण से किसी भी प्रकार का स्लोगन, प्रचार, सामग्री, बैनर, पंपलेट, पोस्टर प्रदर्शित नहीं होगा।

त्रिकोणीय संघर्ष में भोले और पाल, कौन करेगा कमाल

जीते तो भोले की हैट्रिक होगी, जातीय गणित पर गठबंधन प्रत्याशी राजाराम ताल ठोंक रहे, बसपा ने राजेश द्विवेदी को उतारा

महेश शर्मा, अमृत विचार

कानपुर। अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में प्रमुख पार्टियों भाजपा, सपा-कांग्रेस गठबंधन और बसपा के प्रत्याशी घोषित किए जा चुके हैं। यहां चुनावी जंग का माहौल बन चुका है। भाजपा ने एक बार देवेंद्र सिंह भोले पर भरोसा जताया है। नतीजा पक्ष में आने पर भोले की यह हैट्रिक पारी होगी। भाजपा के टिकट पर वह पहली बार 1991 में डेरापुर विधानसभा क्षेत्र से चुनाव जीते थे। कल्याण सिंह सरकार में स्वास्थ राज्यमंत्री भी थे। उनके मुकाबले सपा-कांग्रेस के कद्दावर नेता पूर्व सांसद राजाराम पाल हैं, बसपा ने भी ठाकुर और पिछड़ी जाति के प्रत्याशी के मुकाबले राजेश द्विवेदी को टिकट देकर ब्राह्मण कार्ड खेला है।

अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र भाजपा के साथ ही बसपा और कांग्रेस का मजबूत किला माना जाता है। हालांकि जातीय गणित और पार्टी के वोट के बूते इतरा रहा गठबंधन और बसपा अबकी लड़ाई को त्रिकोणीय संघर्ष बनाने की कोशिश कर भोले की घेराबंदी में जुटा है। भोले के पक्ष में राममंदिर, लाभार्थी वोट और विकास कार्य हैं। जातीय गणित पर गठबंधन प्रत्याशी राजाराम जीत का दावा कर रहे हैं। बसपा प्रत्याशी भी पुराने नतीजों के आधार पर लड़ाई में होने का दावा करते हैं। 2014 के लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की एंट्री हुई तब राजनाथ सिंह भाजपा अध्यक्ष थे। उनकी नजर भाजपा के कद्दावर नेता कहे जाने वाले देवेंद्र सिंह भोले पर पड़ी। भोले यूपी सरकार में मंत्री थे। अकबरपुर से भाजपा ने भोले पर दांव खेला जो बिलकुल सटीक बैठा। इस चुनाव में भोले ने 4,81,584 वोट पाकर बसपा के अनिल शुक्ला वारसी को करीब पौने तीन लाख से पराजित कर दिया। अनिल शुक्ला वारसी को 2,02,587 वोट मिले। 2019 के चुनाव में सपा-बसपा गठबंधन प्रत्याशी निशा सचान मुकाबले में थीं। यह चुनाव भी भोले ने पौने तीन लाख से ज्यादा वोटों से जीत लिया। भोले को 5,81,282 वोट मिला जो 2014 को चुनाव के मुकाबले एक लाख से ज्यादा वोट था जबकि निशा सचान को 3,06,140 वोट मिला। भोले ने वोट भी बढ़ाया और जीत का अंतर भी। प्रत्याशी बदलने की चर्चा और ठाकुर दावेदारों की बढ़ती संख्या के बीच भाजपा नेतृत्व ने एक बार फिर भोले पर भरोसा जताया और मैदान में उतार दिया। गठबंधन और बसपा के जनाधार को वह चुनौती नहीं मानते हैं। उनका कहना है कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की उनके काम के बूते जनस्वीकार्यता के आगे कोई नहीं टिक सकेगा। अबकी बार-400 पार में उनकी सीट भी होगी।

2019 चुनाव में भाजपा का वोट 56.69 फीसदी

- अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र पहले बिल्हौर हुआ करता था पर परिसीमन के बाद अकबरपुर सीट हुई तो डेमोग्राफी भी थोड़ा-बहुत बदली। 2009 में यहां से कांग्रेस के राजाराम पाल सांसद चुने गए थे। दूसरे नंबर पर बसपा थी और तीसरे पर भाजपा। क्षेत्र में मतदान का प्रतिशत बढ़ता गया तो लाभ भाजपा को मिला। 2009 के चुनाव में भाजपा तीसरे नंबर 21.56 फीसदी वोट पाकर रही। इस चुनाव के बाद मतदाताओं के रुझान में बड़ा बदलाव आया। भाजपा का वोट प्रतिशत बढ़कर 49.57 फीसदी हो गया। इस चुनाव में बसपा दूसरे, सपा तीसरे और कांग्रेस चौथे पर पहुंच गयी। सपा और कांग्रेस के वोट मिलाकर भी देखें तो भी बहुत फर्क आता है। इसके बाद 2019 के चुनाव में भाजपा का वोट बढ़कर 56.69 फीसदी तक पहुंच गया। यह चुनाव सपा-बसपा ने मिलकर लड़ा। इनका वोट प्रतिशत 29.86 फीसदी ही रह गया। कांग्रेस गिरकर 10.57 फीसदी पर आ गयी। तब भी राजाराम ही प्रत्याशी थे।

आंकड़ों की कहानी

2009		2014		2019	
कांग्रेस	1,92,549	भाजपा	4,81,584	भाजपा	5,81,282
बसपा	1,60,506	बसपा	2,02,587	सपा-बसपा	
भाजपा	1,36,907	सपा	1,47,002	गठबंधन	3,06,140
सपा	1,14,820 वोट	कांग्रेस	96,887	कांग्रेस	1,08,341

क्या है जातीय गणित

अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में जातिगत आंकड़ा इस प्रकार है। कुलमतदाता लगभग 18 लाख हैं। इनमें सामान्य श्रेणी के मतदाता 5,70,000 हैं जबकि ओबीसी सबसे ज्यादा 6,70,000, अनुसूचित जाति 4,50,000 वहीं मुस्लिम मतदाताओं की संख्या 1,25,000 के आस-पास बतायी जाती है। 2008 में हुए परिसीमन के बाद अस्तित्व में आया अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र पहले बिल्हौर हुआ करता था। यहां से भाजपा के श्यामबिहारी मिश्रा ने राम मंदिर आंदोलन के दौरान जीत की शुरुआत की थी। अकबरपुर की चार विधानसभा सीटों पर भाजपा के ही विधायक हैं। जबकि घाटमपुर (सु) में सरोज कुरील भाजपा समर्थित अपना दल की विधायक हैं। विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना का महाराजपुर क्षेत्र इसी लोकसभा क्षेत्र में आता है। मंत्री प्रतिभा शुक्ला भी रनियां-अकबरपुर विधानसभा से जीती थीं। बिठूर से सांगा और कल्याणपुर से पूर्व मंत्री नीलिमा कटियार विधायक हैं।

8000 पुलिस कर्मियों को दी जाएगी ट्रेनिंग

कानपुर। कानपुर कमिश्नरेट में तैनात पुलिस कर्मियों ने शस्त्र व्यायाम शुरू कर दिया है। कानपुर में वर्तमान में सभी सेल को मिलाकर तकरीबन 8,000 पुलिस कर्मी हैं। तीन चरणों में शासन ने इनकी ट्रेनिंग के आदेश दिए हैं। आर्मरी में तमाम तरह के 2926 शस्त्र हैं, जबकि 25,140 दंगा निरोधी शस्त्र हैं।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिन शस्त्रों को ऑपरेट करना ट्रेनिंग को दौरान नहीं सिखाया जाता है या ऑर्मरी में जो नए शस्त्र आए हैं, उनकी जानकारी जवानों को दी जाएगी। वैसे समय-समय पर शस्त्रों की सर्विस होती रहती है लेकिन चुनाव के मद्देनजर फिर सभी शस्त्र जांचें जाएंगे।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि 17 कंपनी सीपीएमएफ (सेंट्रल पैरा मिलिट्री फोर्स) की मांग चुनाव सेल के माध्यम से केंद्र को भेजी गई है। कानपुर में इस समय एक कंपनी सीपीएमएफ मौजूद है। कानपुर संवेदनशील जिलों की सूची में शामिल है। इसलिए पुलिस, पीएसी के साथ सेंट्रल पैरा मिलिट्री फोर्स हर बार तैनात की जाती है।

भाजपा-कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र कार्यालय में राहुल के विरोध में पाठ करते नेता।

सनातन विरोधी और असुर समर्थक हैं राहुल गांधी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। सनातन संस्कृति पर हमला करने के लिए इंडी गठबंधन के नेता अभ्यस्त हो चुके हैं। कांग्रेस के युवराज इसे आगे बढ़ा रहे हैं। राहुल ने शक्ति को पराजित करने का बयान देकर यह साबित कर दिया कि राहुल और विपक्ष सनातन विरोधी और असुर समर्थक हैं। यह बात मंगलवार को भाजपा-कानपुर बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कही। भाजपा महिला मोर्चा की ओर से क्षेत्रीय कार्यालय पर राहुल गांधी द्वारा शक्ति पर दिए गए विवादित बयान के विरोध में या देवी सर्वभूतेषु शक्ति-रूपेण संस्थिता, नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमस्तस्यै नमो नमः का 108 बार जाप किया गया और उनकी सद्बुद्धि के लिये प्रार्थना की गई।

प्रकाश पाल ने कहा कि राहुल गांधी ने हिंदू शक्ति से निपटने की बात एक जनसभा में की, उससे प्रमाणित होता है की वह सनातन संस्कृति से कितना चिढ़ते हैं। देश में हिंदू धर्म में शक्ति का अर्थ मातृ शक्ति नारी शक्ति है। महिला नेताओं ने शक्ति का जाप करने के बाद कहा कि लगातार सनातन का अपमान करने पर इंडी गठबंधन के नेता उतारू हो गए हैं और इनकी अगुवाई कांग्रेस के युवराज कर रहे हैं।

मुंह फुलाये भाजपाइयों को सम्मेलन में मनाएंगे

बड़े सम्मेलन में गृहमंत्री अमित शाह को बुलाने की तैयारी, केंद्र के चेहरे भी होंगे शामिल

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। भाजपा में विपक्षियों की ज्वाइनिंग का सिलसिला जारी है। लगातार बढ़ रही भीड़ से पार्टी के मूल कार्यकर्ता नाखुश हैं। सामने तो नहीं पर पीठ पीछे वह इसे अति बता रहे हैं। इसी खटास को दूर करने के लिये अब पार्टी जल्द ही बड़ा सम्मेलन कराने की तैयारी कर रही है। जिसमें संगठन पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, कार्यकर्ता व नए शामिल हुये नेताओं को बुलाया जाएगा। सम्मेलन में गृहमंत्री अमित शाह को भी बुलाने की तैयारी है।

भाजपा में लगातार दूसरे दलों के नेताओं का समावेश हो रहा है। केंद्रीय स्तर, प्रदेश व क्षेत्र स्तर के साथ ही जिले में भी सपा, कांग्रेस और बसपा से रूठे नेताओं की ज्वाइनिंग कराई जा रही है। इससे पार्टी के मूल कार्यकर्ताओं में नाराजगी है। एक भाजपा नेता ने बताया कि इसी तरह अगर ज्वाइनिंग होती रही तो पार्टी के लिये वर्षों से पसीना बहा रहा कार्यकर्ता तो मर जायेगा। नए पंजीरी खाएंगे और हमको वेटिंग लिस्ट में डाल दिया जायेगा। उन्होंने कहा कि बीते दिनों ऐसे कई नेता भी शामिल हुये हैं, जो पार्टी की विचारधारा से मेल नहीं खाते हैं।

ऐसे रुष्ठ जनप्रतिनिधि, संगठन पदाधिकारी और कार्यकर्ता नए मेहमानों के स्वागत समारोह में शामिल होने से बच रहे हैं। वह पार्टी के साथ खड़े रहकर खुद को दूर रख गुस्सा दिखा रहे हैं।

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र के अध्यक्ष प्रकाश पाल ने कहा कि हम जल्द बड़ा कार्यक्रम करेंगे जिसमें सभी जिला कमेटियों के साथ ही भाजपा के नए सदस्यों को बुलाया जायेगा। पार्टी के एक अन्य पदाधिकारी ने बताया कि जल्द ही एक बड़ा कार्यकर्ता सम्मेलन आयोजित होगा।

जिसमें नये मेहमानों को बुलाया जायेगा। इस कार्यक्रम में गृहमंत्री अमित शाह के साथ ही अन्य केंद्र व राज्य मंत्रियों को भी बुलाने की तैयारी है। चुनाव से पहले विपक्षी पार्टी के नेता भाजपा की ताकत देखकर हैरान रह जायेंगे।

कई दलों के नेता, कार्यकर्ता और अधिवक्ता भाजपा में शामिल हुए। अमृत विचार

कांग्रेस, सपा, बसपा से जुड़े अधिवक्ता भाजपा में शामिल

कानपुर। उत्तर जिला अध्यक्ष दीपू पांडे ने मंगलवार को कांग्रेस, सपा, बसपा से जुड़े अधिवक्ताओं को भाजपा की सदस्यता दिलाई। उन्होंने कहाकि उत्तर प्रदेश में 80 की 80 सीटें जीतकर नरेंद्र मोदी को फिर से पीएम बनाना है। पूर्व रनर प्रत्याशी संयुक्त मंत्री एडवोकेट संतोष धीवान, पूर्व नगर अध्यक्ष यूथ कांग्रेस आशीष श्रीवास्तव, प्रीति कुमारी, सपा के पूर्व नगर सचिव संदीप सिंह, बसपा से अजीत कुमार, जितेन कुमार, शंभू निगम, पुष्पलता, आदित्य शर्मा, मनोज कनौजिया, हिमांशु शर्मा, दुष्यंत सिंह चंदेल, पंकज सविता, शुभम, रीतेश शर्मा, राहुल सोनी, जितेंद्र कुमार समेत अन्य एडवोकेट भाजपा में शामिल हुये।

भोले ने पटका पहनाकर विपक्षियों का किया स्वागत

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। अकबरपुर लोकसभा प्रत्याशी के कार्यालय में मंगलवार को बड़ी संख्या में विभिन्न दलों के कार्यकर्ताओं को लोकसभा प्रत्याशी देवेंद्र सिंह भोले ने संयोजक दिनेश राय, जिला अध्यक्ष शिवराम सिंह, दीपू पांडे के नेतृत्व में भाजपा की सदस्यता ग्रहण कराई। भोले ने कार्यकर्ताओं को केसरिया रंग का पटका पहनाकर स्वागत किया। पूर्व पार्षद सौरभ तिवारी, पूर्व पार्षद राम सिंह यादव, पूर्व पार्षद आलोक तिवारी अप्पू, पूर्व प्रत्याशी बसपा महाराजपुर सुरेंद्र सिंह गौतम ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की। विकास सिंह भोले, उमेश निगम, राम जी शुक्ला, श्यामू तिवारी, महेंद्र कुमार बबलू, अकबरपुर मीडिया प्रभारी अशोक सिंह दद्दा रहे।

भाजपा कल्याणपुर विधानसभा के कार्यकर्ताओं की आवास विकास में हुई बैठक में सांसद का स्वागत करने पहुंचे कार्यकर्ताओं का स्वयं पटका पहनाकर स्वागत करते हुए लोकसभा प्रत्याशी भोले ने कहा कार्यकर्ता अब स्वागत करने की जगह स्वागत कराने की आदत डालें।

विपक्षी दलों के कार्यकर्ता भाजपा में आए। अमृत विचार

चुनाव नजदीक, 504 हिस्ट्रीशीटर लापता

लापरवाही

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। लोकसभा चुनाव के मद्देनजर पुलिस ने जोनवार अपराधियों की धरपकड़ करना शुरू कर दिया है। पुलिस के रिकार्ड में 504 हिस्ट्रीशीटर ऐसे हैं, जो अभी तक लापता हैं। इनके बारे में पुलिस रोजाना पता लगा रही है। पुलिस और एलआईयू ने उच्चाधिकारियों को रिपोर्ट सौंपी है।

पुलिस अधिकारियों ने बताया कि इनकी तलाश में इंटेलीजेंस और मैन्युअल पूछताछ के साथ सर्विलांस टीम के साथ पुलिस की टीम लगाई गई हैं। जेल से जमानत पर छूटने के बाद से फरार हुए हिस्ट्रीशीटरों की तलाश की जा रही है। उनके जमानतगीरों की तलाश की जा रही है। उनके परिवार के सदस्यों से पूछताछ की जा रही है। पुलिस की कई टीमों के साथ बीट पुलिस कर्मी भी फरार हिस्ट्रीशीटरों की तलाश में छापेमारी कर रहे हैं। हिस्ट्रीशीटरों के न मिलने पर उनके जमानतगीरों के खिलाफ कार्रवाई का आदेश दिया गया है।

पुलिस रिकॉर्ड के अनुसार कानपुर कमिश्नरेट में कुल 2258 हिस्ट्रीशीटर हैं। जिनमें से 59 की मौत हो चुकी है। 1432 की निगरानी पुलिस विभिन्न माध्यमों से करा रही है। 263 हिस्ट्रीशीटर जेल में हैं, जबकि 504 लापता हैं। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि जिनके खिलाफ राजनीतिक मामले ज्यादा दर्ज हैं, उनकी जानकारी होना जरूरी है। आसपास के जिलों में भी तलाश की जा रही है।

जोन	हिस्ट्रीशीटर	लापता
सेंट्रल	522	143
पूर्वी	476	109
पश्चिम	432	089
दक्षिण	728	163

● हिस्ट्रीशीटरों की तलाश में लगाए गए बीपीओ और टीमें

504 लापता हिस्ट्रीशीटरों की तलाश में टीमें लगाई गई हैं। सर्विलांस और इंटेलीजेंस लगातार इनकी तलाश कर रही है।

-अखिल कुमार, पुलिस कमिश्नर

जिला निर्वाचन अधिकारी ने दिए निर्देश। अमृत विचार

कंट्रोल रूम का किया निरीक्षण

कानपुर। जिला निर्वाचन अधिकारी राकेश कुमार सिंह ने मंगलवार को कलक्ट्रेट स्थित प्रतीक्षालय कक्ष में स्थापित चुनाव कंट्रोल रूम का निरीक्षण किया। प्रभारी अधिकारी कंट्रोल रूम उप निदेशक कृषि को निर्देशित किया कि आने वाली समस्त शिकायतों का निस्तारण गुणवत्तापूर्ण किया जाए। प्राप्त शिकायतों को रजिस्टर पर दर्ज कर संबंधित अधिकारी को तत्काल अवगत कराएं। कंट्रोल रूम 24 घंटे संचालित है। शिफ्टवार कर्मचारियों की ड्यूटी लगाई जाती है। लोकसभा चुनाव से संबंधित शिकायतें 0512-2985080 और टोलफ्री नंबर 1950 पर प्राप्त हो रही हैं।

सार-संक्षेप

सपा कार्यालय में प्रशिक्षण के दौरान मौजूद सपाई। अमृत विचार

समाजवादी घर आकर देंगे होली की बधाई

कानपुर। नवीन मार्केट स्थित सपा कार्यालय में मंगलवार को समाजवादी एससी-एसटी सभा व गोविंद नगर विधानसभा क्षेत्र के बूथ प्रभारियों और अधिवक्ताओं को जिलाध्यक्ष हाजी फजल महमूद ने बूथ का प्रशिक्षण दिया। साथ ही आचार संहिता के नियमों की जानकारी भी दी। उन्होंने कहा कि एससी-एसटी समाजवादी सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता, पीडीए बूथों पर अधिवक्ता और विधानसभा के सेक्टर साथियों के साथ होली पर भी सक्रिय रहेंगे। कार्यकर्ता व पदाधिकारी होली पर लोगों के घर जाएंगे और उनको होली की बधाई देंगे। 21 मार्च से फ्रंटल व बूथ प्रभारी परिवारों से आंशिक संपर्क शुरू करेंगे। 23 मार्च को समाजवादी योद्धा और लोकतंत्र के सजग प्रहरी डॉ. राम मनोहर लोहिया का जन्मदिन भव्यता के साथ सपा कार्यालय में मनाया जाएगा। इस दौरान प्रदेश सचिव केके शुक्ला, महानगर वरिष्ठ उपाध्यक्ष शैलेंद्र यादव मिंटू, महासचिव संजय सिंह बंटी सेंगर, आनंद शुक्ला, सत्यनारायण गहरवार, आकाश यादव, रोहित वर्मा, सुधीर बाजपेई, सुनील यादव, राजेंद्र सोनकर, हरभजन यादव व अनिल चौबे समेत आदि लोग रहे।

नौशाद आलम कानपुर कांग्रेस के अध्यक्ष

नौशाद को पत्र देते अजय राय। अमृत विचार

कानपुर। शहर कांग्रेस कमेटी उत्तर जिला के अध्यक्ष नौशाद आलम मंसूरी को दक्षिण जिला का भी दायित्व सौंप दिया गया है। यह जानकारी शहर महामंत्री संगठन दिलीप शुक्ल ने दी। कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय ने संगठन को अच्छे ढंग से चलाने पर नौशाद को पूरे कानपुर का अध्यक्ष बनाया है। उन्हें इस आशय का पत्र भी सौंप दिया है। अभी तक वे उत्तर कांग्रेस के अध्यक्ष थे। पार्टी के दक्षिण जिला अध्यक्ष रहे शैलेन्द्र दीक्षित के कांग्रेस छोड़कर भाजपा में शामिल होने के बाद यह पद खाली चल रहा था।

बीती बातें जो नेता मजदूरों को भा गया, वही लोकसभा जा पहुंचा, एसएम बनर्जी, हरिहरनाथ, राजाराम, मनोहरलाल, सुभाषिनी अली जीती थीं

कानपुर से अब तक आठ मजदूर नेता जीतकर लोकसभा पहुंचे

विशेष संवाददाता, अमृत विचार

कानपुर। कभी कपड़ा मजदूरों का गढ़ कहा जाने वाले कानपुर संसदीय क्षेत्र से लोकसभा में प्रतिनिधित्व कौन करेगा, यह मजदूरों का ही वोट तय किया करता था। खास बात यह रही कि लाल झंडे के प्रभाव वाले इस संसदीय क्षेत्र का मजदूर किसी एक दल का कभी नहीं रहा। शुरुआत इंटक (भारतीय राष्ट्रीय मजदूर कांग्रेस) के संस्थापक सदस्य हरिहरनाथ शास्त्री (1952) को जिताकर लोकसभा भेजने से हुई थी। लेकिन प्लेन क्रैश में उनकी मृत्यु के बाद हुए उपचुनाव में फ्रीडम फाइटर शिवनारायण टंडन को संसद भेजा। टंडन ने म्योर मिल की तालाबंदी खत्म कराने के प्रयास में विफल रहने से क्षुब्ध होकर इस्तीफा दे दिया था।

किस्सा रोचक है। टंडन ने नवीन मार्केट के निकट म्योर मिल की गेट मीटिंग में मजदूरों से वादा किया था कि वह प्रधानमंत्री जवाहरलाल नेहरू से कहकर ताला खुलवा देंगे नहीं तो इस्तीफा देंगे। नेहरू के इंकार से क्षुब्ध टंडन ने लोकसभा की सदस्यता छोड़ दी थी। इसके बाद फिर हुए उपचुनाव में कानपुर के मजदूरों ने प्रजा सोशलिस्ट पार्टी के राजाराम शास्त्री को चुनकर लोकसभा भेजा। दिग्गज मजदूर नेता होने के बाद भी वे मजदूरों को बहुत ज्यादा फीलगुड नहीं करा सके।

दूसरा चुनाव 1957 में हुआ तो रक्षा यूनियन के जाने माने नेता एसएम बनर्जी कोलकाता से चुनाव लड़ने कानपुर आए। उन्हें कम्युनिस्ट पार्टी ऑफ इंडिया का समर्थन प्राप्त था। तब भाकपा और माकपा एक ही थी। कम्युनिस्टों की यूनियन एटक का बोलबाला था। कांग्रेस ने बनर्जी के मुकाबले प्रत्याशी खड़ा किया था, पर वह टिक नहीं सका। बनर्जी जीते। 1962 में फिर एसएम बनर्जी पर मजदूर मेहरबान हो गया। कांग्रेस फिर हारी। यही नहीं 1967 में भी यही हश्र हुआ।

आखिरकार 1971 में कांग्रेस ने भी उन्हें समर्थन दे दिया। इमरजेंसी के बाद 1977 के चुनाव में जनता पार्टी के प्रत्याशी मनोहरलाल जीते। 1980 में कांग्रेस का खाता खुला। जनता पार्टी के बिखराव का लाभ लेते हुए कांग्रेस के दिल्ली से भेजे गए बहराइच के नेता आरिफ मोहम्मद खान चुनाव जीत गए। 1984 में इंदिरा लहर में कांग्रेस के नरेश चंद्र चतुर्वेदी लोकसभा पहुंचे। मतदान के दौरान दोपहर बाद जनता पार्टी के सैयद शहाबुद्दीन को हराने के लिए आरएसएस के लोग नरेश दादा के समर्थन में वोट डलवाने लग गए थे।

1989 के चुनाव में जनता दल समर्थित माकपा के मजदूर संगठन सीटू की ट्रेड यूनियन लीडर सुभाषिनी अली सहगल कानपुर से जीतकर लोकसभा पहुंच गयीं। इस चुनाव में उन्होंने भाजपा के जगतवीर द्रोण को पराजित किया था। तब तक कांग्रेस के पांव उखड़ चुके थे। बाद में द्रोण तीन बार सांसद रहे। 1999 के चुनाव में उन्हें कांग्रेस के श्रीप्रकाश जायसवाल ने शिकस्त दी। वह लगातार 2014 तक सांसद रहे। मोदी लहर में कांग्रेस फिर डगमगा गयी। मुरली मनोहर जोशी ने जायसवाल को हरा दिया। 2019 में जायसवाल भाजपा के सत्यदेव पचौरी से हार गए।

अधिवक्ताओं ने दस हजार वाहनों की समस्या की बात कही, पेंशन और चेंबर की समस्या को भी बताया महत्वपूर्ण मुद्दा

कचहरी में पार्किंग बने तो सभी को सुविधा

जनता का मुद्दा

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। चुनावों की दस्तक पर कचहरी के अधिवक्ताओं ने भी अपने मुद्दों की सूची तैयार कर ली है। अमृत विचार के साथ संवाद के दौरान उन्होंने कचहरी के लिए पार्किंग की समस्या को बड़ा मुद्दा बताया है। अधिवक्ताओं ने खुद से जुड़े मुद्दों के साथ ही शहर में आम नागरिकों की समस्याएं भी सिलसिलेवार गिनाईं। कहा कि, जनप्रतिनिधि ऐसा हो जो गंभीरता के साथ आम लोगों के हित के लिए कार्य करे। सांसद निधि का उपयोग समस्या के समाधान के लिए होना चाहिए।

कचहरी में संवाद के दौरान सेंट्रल बार एसोसिएशन कानपुर के महामंत्री एडवोकेट प्रवीण फाइटर, दीपक शुक्ला, राजीव श्रीवास्तव, शिव शंकर गुप्ता व आशीष शुक्ला ने बताया कि कचहरी परिसर के आस-पास पार्किंग एक बहुत बड़ी समस्या है। इसके लिए कई बार योजनाएं बन चुकी है लेकिन आज तक पार्किंग नहीं बनी। परिसर में रोजाना लगभग दस हजार वाहन आते हैं। कोई व्यवस्था न होने के चलते परिसर के चारो ओर वाहन खड़ा करना वाहन सवारों की मजबूरी बन जाता है। इससे कचहरी के आस-पास जाम रहता है।

अधिवक्ताओं ने अपनी मांगें रखीं। अमृत विचार

श्रमिक कॉलोनियां ठीक हों

- अधिवक्ताओं ने कहा कि शहर की श्रमिक कॉलोनियों में लगभग 4 लाख की आबादी निवास करती है। वहां की अव्यवस्थाओं को लेकर किसी भी जनप्रतिनिधि ने आज तक गंभीरता के साथ इसे मुद्दों में शामिल नहीं किया। इन कॉलोनियों में बिजली, पानी, सफाई व सीवरभराव जैसी समस्याएं हैं।

ईरिक्शे की अराजकता कम हो

- अधिवक्ताओं ने कहा कि ऐसी व्यवस्था बनाई जानी चाहिए जिससे ईरिक्शा संचालकों की रोजी-रोटी भी बनी रहे और यातायात व्यवस्था भी बेहतर हो सके। ईरिक्शा को मुख्य मार्ग से हटाकर दूसरे रास्तों पर स्थानांतरित किया जाना चाहिए।

अधिवक्ताओं को मिले पेंशन

- अधिवक्ताओं ने यह भी कहा कि प्रैक्टिस छोड़ने के बाद उनके पास किसी तरह की आर्थिक आय नहीं होती है। ऐसे में सरकार को अधिवक्ताओं के लिए पेंशन कानून लागू करना चाहिए। जनप्रतिनिधियों से भी उन लोगों ने अपील की है कि उनकी बात सरकार तक पहुंचानी चाहिए। बुजुर्ग और प्रैक्टिस छोड़ चुके अधिवक्ताओं को आर्थिक गारंटी मिल सकेगी।

शहर के भी रखे मुद्दे

- लक्ष्मी नारायण सोनी, प्रदीप श्रीवास्तव, प्रदीप सोनी, रवींद्र सिंह व आशीष खन्ना ने कहा कि शहर में जाम और अव्यवस्थित यातायात एक बड़ी समस्या है। जाम के लिए कारगर योजना बनाई जानी चाहिए। जाम से हर वर्ग मुसीबत उठता है। टाटमिल चौराहे का जाम सिर्फ बस अड्डे के कुशल प्रबंधन से काफी हद तक कम किया जा सकता है।

वकीलों को मिलें चेंबर

- अधिवक्ताओं ने कहा कि उन लोगों की चेंबर की समस्या का भी निदान जल्द होना चाहिए। इसके लिए कचहरी परिसर में जगह तय कर मल्टीस्टोरी भवन बनना चाहिए। एक कमेटी निर्धारित कर सभी अधिवक्ताओं को चेंबर का लाभ दिया जाना चाहिए। प्रैक्टिस कर रहे कई नए अधिवक्तओं के पास बैठने तक के लिए जगह नहीं है।

पुलों की संख्या बढ़नी चाहिए

- शहर में वाहनों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। अधिवक्ताओं ने जाम का मुद्दा उठाते हुए कहा कि अव्यवस्थित यातायात व्यवस्था की एक वजह यह भी है कि वाहन बढ़ते जा रहे हैं और सड़कें पहले जैसी ही हैं। शहर की आबादी 50 लाख पार हो चुकी है। ऐसे में शहर में कई और फ्लाईओवरों का निर्माण होना चाहिए। इससे वाहन सवारों को वैकल्पिक रास्ते मिल सकेंगे।

पोलिंग बूथ का निरीक्षण कर दिशा निर्देश देते पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार।

पुलिस कमिश्नर ने बच्चों से बात कर मन टटोला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- चुनाव को देखते हुए दो विद्यालयों की व्यवस्थाएं देखीं

अमृत विचार। मंगलवार को पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार ने पोलिंग बूथों का निरीक्षण किया। ग्वालटोली थाना क्षेत्र के तहत प्राथमिक विद्यालय परमट व हडसन मेमोरियल गर्ल्स स्कूल का निरीक्षण किया। उन्होंने कहा कि मतदान की सभी तैयारियां समय रहते गुणवत्ता के साथ पूरी हो जानी चाहिए।

पुलिस कमिश्नर अखिल कुमार जब परमट स्थित प्राइमरी स्कूल में बनाए गए पोलिंग बूथ का निरीक्षण करने पहुंचे तो उन्हें भी अपने स्कूल के दिनों की याद आ गई। पुलिस कमिश्नर ने बच्चों से बच्चे बनकर बात की। कमिश्नर ने नन्हें-मुन्ने बच्चों से हाथ मिलाया और उन्हें आशीर्वाद दिया।

परमट प्राइमरी स्कूल पोलिंग बूथ के निरीक्षण के दौरान पुलिस आयुक्त ने प्राथमिक विद्यालय परमट में अध्ययनरत बच्चों से बातचीत की। उन्होंने ब्लैक बोर्ड पर लिखे हुए शब्दों का मिलान पूछा तो बच्चों ने सहजता से जवाब दिया।

मुस्तैदी

फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का कराया एहसास : लोकसभा चुनाव व आगामी त्योहारों के दृष्टिगत पुलिस उपायुक्त सेंट्रल राम सेवक गौतम ने एसीपी अनवरगंज इंद्रपाल सिंह, प्रभारी निरीक्षक बजरिया अजय कुमार सिंह, प्रभारी निरीक्षक चमनगंज हामिद तथा थानाध्यक्ष सीसामऊ हिमांशु चौधरी व आईटीबीपी फोर्स के साथ फ्लैग मार्च कर सुरक्षा का एहसास कराया। अमृत विचार

हाईटेक चुनाव : एप पर एक क्लिक करके लीजिए पूरी जानकारी

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। इस बार चुनाव में मतदाता, प्रत्याशी और निर्वाचन अधिकारी करीब दस एप की मदद लेंगे। एप की मदद से घर बैठे मतदाता सूची देख सकते हैं। आचार संहिता या फिर फंड का उल्लंघन होता है तो एप से इसकी शिकायत की जा सकेगी। शिकायत के बाद 100 मिनट के अंदर रिस्पॉन्स मिलेगा। इसके साथ ही कई ऐसे एप भी हैं जिनमें ऑल इन वन सुविधाएं एक क्लिक पर मिल सकती हैं।

डिजिटल तकनीक के सहयोग से इस बार चुनाव हाईटेक होगा। देखा जाए तो चुनाव से संबंधित करीब दो दर्जन से अधिक एप हैं। मगर बेहद उपयोगी एप 10 हैं। जिसमें छह एप विशेषकर मतदाताओं के लिए बने हैं। इनमें सबसे उपयोगी एप वोटर हेल्पलाइन है। इस एप के माध्यम से 18 वर्ष से अधिक उम्र के लोग घर बैठे मतदाता सूची में नाम अपना शामिल कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

इस एप से ई-मतदाता पहचान पत्र डाउनलोड कर सकते हैं। समस्या होने पर एप के माध्यम से अपनी शिकायत दर्ज कराई जा सकती है। चुनाव की ताजी जानकारी एक क्लिक पर मिल सकती है। प्रत्याशियों को भी एप से सहूलियत दी गई है। जैसे चुनावी सभा, रैली इत्यादि के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं।

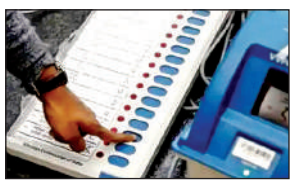

केवाईसी पोर्टल : चुनाव आयोग ने मतदाता सुविधा को ध्यान में रखते हुए केवाईसी पोर्टल भी लांच किया है। इस पोर्टल की मदद से मतदाता अपने क्षेत्र के प्रत्याशी का हलफनामा और उसका आपराधिक रिकार्ड चेक कर सकते हैं।

सबसे ज्यादा कारगर वोटर हेल्पलाइन

वोटर हेल्पलाइन एप मतदाताओं के लिए ऑल-इन-वन एप है। इस एप पर एक क्लिक पर कई सुविधाएं एक साथ मिलती हैं। 2019 में चुनाव आयोग ने इस एप को लॉच किया था। इस एप की मदद से मतदाता सूची में अपना नाम खोज सकते हैं। यह भी चेक कर सकते है कि वह वोट डालने के योग्य हैं या नहीं। इस एप की मदद से मतदाता चुनावी सूची में अपना वोट रजिस्टर कर सकते हैं। रजिस्ट्रेशन तथ्यों में सुधार कर सकते हैं। इसी एप से मतदाता स्लिप तैयार कर डाउनलोड किया जा सकता है। प्रिंट निकालकर अपने मताधिकार का प्रयोग कर सकते हैं। मतदान केंद्र की जानकारी भी मिल सकती है। मतदाता चुनाव से जुड़ी जानकारियां, परिणाम अपडेट और उम्मीदारों के बारे में जानकारी ले सकते हैं।

सक्षम ईसीआई एप

इस एप का प्रयोग दिव्यांग मतदाता कर सकते हैं। सक्षम एप के माध्यम से दिव्यांग मतदाता मतदाता सूची में अपना नाम दर्ज कराने के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकते हैं। इसके माध्यम से दिव्यांग मतदाता व्हील चेयर के लिए अनुरोध कर सकता है।

ई-लर्निंग एप की सुविधा

मतदाताओं को जागरूक करने के लिए इस एप का इस्तेमाल किया जा रहा है। इस एप का उद्देश्य मतदान का प्रतिशत बढ़ाना रहेगा। इस एप का इस्तेमाल स्कूलों में पीटीएम (पैरेंट्स टीचर मीटिंग) में ज्यादा किया जाता है। अभिभावकों व अन्य लोगों को जागरूक किया जाता है।

वोटर टर्न आउट

मतदान के बाद यह एप सक्रिय होता है। मतगणना के समय इस एप की भूमिका होती है। इस एप के माध्यम से मतगणना से संबंधित जानकारी घर बैठे ली जा सकती है। कौन पार्टी या कौन प्रत्याशी की स्थिति क्या है। गिनती कितनी हो गई कितनी होनी है। इन सबकी जानकारी मिल सकती है।

नो योर कैंडिडेट

यह एप विशेष रूप से प्रत्याशियों से संबंधित होता है। इस एप के माध्यम से संसदीय क्षेत्र में चुनाव लड़ने वाले प्रत्याशियों के नाम, प्रत्याशी ने कहां तक शिक्षा ग्रहण की है, प्रत्याशी का आपराधिक रिकार्ड क्या है। उसपर कितने मुकदमें दर्ज हैं या एक भी नहीं आदि की जानकारी ली जा सकती है।

सुविधा कैंडिडेट

चुनावी जनसभा व रैली के लिए यह एप है। जिसका प्रयोग प्रत्याशियों की ओर से किया जाता है। इस एप के माध्यम से प्रत्याशी चुनावी सभा, रैली आदि की स्वीकृति के लिए ऑनलाइन आवेदन कर सकता है। इसके साथ ही नामांकन प्रक्रिया में भी यह एप प्रत्याशियों के लिए मददगार साबित होगा।

सी विजिल एप

अगर कहीं आचार संहिता या फिर फंड का उल्लंघन होता है तो इस एप की मदद से शिकायत की जा सकती है। शिकायत के 100 मिनट के अंदर रिस्पॉन्स मिलेगा। शिकायत करने वाले का नाम गोपनीय रखा जाएगा। इस एप पर उल्लंघन दिखने पर वीडियो या फोटो भी अपलोड की जा सकती है।

अधिकारियों के लिए एप

चुनाव अधिकारी भी एप की सुविधा से कार्यों को बेहतर निपटा सकते हैं। जैसे इनकोर (ईएनसीओआरई), ईएसएमएस (इलेक्शन सीजर मैनेजमेंट सिस्टम) व आब्जर्वर एप का इस्तेमाल चुनाव प्रबंधन के लिए अधिकारी कर सकते हैं।

तीरंदाज

मुंहफट अड़ेबाज नेता का सोशलिस्टिक पंच

बात ज्यादा पुरानी नहीं है। राजनीतिक गपशप का स्थायी अड्डा ऐसा है जहां पर हर दल के चर्चित नेताओं की बैठक लगती है। यहां विचारों पर बहस के साथ ही कभी-कभी राजनीतिक व्यक्ति विशेष की खिंचाई भी हो जाती है। लेकिन उस दिन तो कमाल ही हो गया। कानपुर की करवट में एक संसदीय क्षेत्र के प्रत्याशी से मोबाइल पर वार्ता हुई और फोन पकड़ा दिया किसी दूसरे नेता को। न जाने बातचीत का टर्निंग प्वाइंट क्या था, दुतरफा गालियों की बौछार होने लगी। बात बढ़ते-बढ़ते थाना चौकी तक जा पहुंची। चूंकि जिस फोन पर गरियाव हो रहा था वह कद्दावर समाजवादी नेता का था तो बाद में मैटर जैसे-तैसे सुलटा लिया गया। यही तो है चुनाव संवेदनशीलता का मामला। बहुत सोच-विचार कर बातचीत करनी चाहिए। वरना बात बे-बात की बतकही और उससे बतंगड़ बन जाता है।

'आप' यहां आए किसलिए

जबसे संजय सिंह अंदर गए हैं, कनपुरिए आपिये परेशान हैं। कभी अध्यक्ष बदलना तो कभी महामंत्री, आधार बढ़ाने के बजाय बस पदों को लेकर उठापटक चल रही है। हालांकि नगर निगम चुनाव में एक पार्षद जिताकर जनता ने 'आप' का खाता खोल दिया है। पर पार्टी भी तो जनता के बीच ग्राफ बढ़ाए। एक सिनेमा हाल में पार्टी का दफ्तर खोल गया था। पर सुना है कि पुराने बकैत की बकैती के चलते यह दफ्तर बन्द हो गया है। कोई स्थायी दफ्तर पार्टी को नहीं मिल रहा है। 'आपिये' भी शांत होकर बैठ गए हैं। हां, गठबंधन का धर्म निभाना नहीं भूले। बैठकों में इक्का-दुक्का लोग पहुंच कर लाज बचा लेते हैं। ईडी, सीबीआई वाले जो न करें वही थोड़ा। संजय फंस गए, मनीष फंस गये, फंसे केजरीवाल/नेताओं का हाल देखकर वर्कर हैं बेहाल.. जोगीरा साराराराार।

पार्टी में मचिगा भगमच्छर हुई छीछालेदर दफ्तर की

पार्टी के दादा कहे जाते हैं। बकइती वाले दादा नहीं, बड़े भाई, चाचा, बाबा वाले दादा। काहे कि दादा आम बोलचाल का ऐसा शब्द है जो अपनापन का एहसास करा देता है। गरमी में परमानेंट कुरता पाजापा, जाड़े में खादी की सदरी या बंद गले का कोट, सिर पर वीपी सिंह (उनके पुराने सहयोगी रहे) ब्रांड वाली फर की टोपी, दादा की ड्रेस रहती है। राजनीतिक इतिहास का ज्ञान होने के कारण उनकी हम उम्र वाले उन्हें 'ज्ञान पांड़े' कहकर चिग्घी भी ले लेते हैं। दादा बुरा नहीं मानते। अबहूं रुमाल में पैसा कौड़ी बांधकर लाते हैं। यह पैसा वह कंप्यूटर घसीट (कलम घसीट का जमाना गा) पत्रकारों के लिए चायपानी पर खर्चा कर देते हैं। वह वर्षों से पार्टी के दफ्तर की निगहबानी करते हैं। कुछ नेताओं के व्यंग्य बाण उन्हें नहीं सुहाते। कब तक बर्दाश्त करते। एक दिन हो गया विस्फोट। वही वाली कहावत, 'सास बहू मा ठन गयी लड़ते बीती रात, बढ़ते बढ़ते बढ़ गयी सिर्फ जरा सी बात खटोला वहीं बिछेगा। तो भइया दादा का खटोला फुटपाथ पर बिछ गवा।

चुनाव सामग्री का ब्योरा देंगे प्रिंटिंग प्रेस संचालक

अधिकारियों के साथ बैठक करते उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार।

कानपुर देहात। जिला निर्वाचन अधिकारी आलोक सिंह व उप जिला निर्वाचन अधिकारी अमित कुमार की अध्यक्षता में मंगलवार को कलेक्ट्रेट में प्रिंटिंग प्रेस संचालकों के साथ बैठक हुई। इस दौरान निर्देश दिए गए कि जो भी प्रत्याशी चुनाव सामग्री का मुद्रण उनके यहां से कराता है। उसका पूरा ब्योरा प्रेस संचालक जिला निर्वाचन अधिकारी कार्यालय को अवश्य दें। चुनाव आयोग ने राजनीतिक दल व प्रत्याशियों के साथ ही प्रिंटिंग प्रेस के लिए भी निर्देश जारी किए हैं। इसमें चुनाव प्रचार संबंधी सामग्री जैसे पोस्टर, पंपलेट आदि प्रकाशित कराई जाती है तो उस पर होने वाले व्यय के संबंध में पूरी सूचना देने में लोक प्रतिनिधित्व अधिनियम 1951 का अनुपालन करेंगे। मुद्रित होने वाली सामग्री पर मुद्रक व प्रकाशक का नाम, पता, मोबाइल नंबर तथा प्रतियों की संख्या स्पष्ट रूप से उल्लेख की जाएगी।

कच्ची और तीस क्वार्टर अंग्रेजी शराब समेत दो गिरफ्तार

पुखरायां। भोगनीपुर कोतवाली पुलिस ने दो अलग-अलग जगहों से शराब बरामद करते हुए आरोपियों को गिरफ्तार किया है। चौकी इंचार्ज पुखरायां धीरेंद्र सिंह ने बताया कि वह गश्त पर थे। तभी अकोढ़ी मोड़ के समीप सामने की ओर से एक व्यक्ति संदिग्ध हालात में आता दिखाई दिया। शक होने पर उसे रोककर उसके पास मौजूद पिपिया की तलाशी ली तो 20 लीटर कच्ची शराब बरामद हुई। पकड़े गए व्यक्ति ने अपना नाम श्याम निवासी सनाया खेड़ा थाना मूसानगर बताया है। इसी प्रकार देवीपुर चौकी इंचार्ज धर्मेंद्र मलिक ने बताया कि वह पुलिस बल के साथ गश्त पर थे। तभी बरौर रोड पर एक युवक संदिग्ध हालात में आता दिखाई दिया। शक होने पर झोले की तलाशी लेने पर 30 क्वार्टर ट्विन टावर शराब के बरामद हुए। पूछताछ में पकड़े गए युवक ने अपना नाम रजत संखवार निवासी भज्जापुर थाना भोगनीपुर बताया है। दोनों के खिलाफ कार्रवाई की गई है।

दो लोगों से पकड़ा गया 5.96 लाख रुपया

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- स्टेटिक टीम और पुलिस कर रही दोनों से पूछताछ

अमृत विचार। मंगलवार रात कल्याणपुर थानाक्षेत्र में प्रॉपर्टी डीलर और एक अन्य व्यक्ति को पुलिस ने नकदी के साथ पकड़ लिया। डीसीपी पश्चिम विजय ढुल ने बताया कि टीम ने दोनों के पास से कुल पांच लाख छियानबे हजार रुपये बरामद किए हैं। पूछताछ में अपना नाम प्रॉपर्टी डीलर पंकज शुक्ला बताया है। मौके से रुपये के विषय में वह कोई कागजात नहीं दिखा पाए। वहीं दूसरे व्यक्ति से पूछताछ चल रही है। उन लोगों को थाने पहुंचकर रुपये से संबंधित कागजात दिखाने के लिए कहा गया है।

एसीपी कल्याणपुर अभिषेक कुमार पांडेय ने बताया कि आईआईटी मेट्रो स्टेशन के नीचे चुनाव को लेकर बैरियर बनाए गए हैं, वहां पर चेकिंग की जा रही थी। तभी दो अलग-अलग लोगों से कैश बरामद हुआ है। जिसमें एक व्यक्ति से 4.60 लाख रुपये व दूसरे से 1.36 लाख रुपये पकड़े गए हैं। दोनों व्यक्तियों से पूछताछ की जा रही है। स्टेटिक टीम को बुलाया गया है। चुनाव आयोग के निर्धारित नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। डीसीपी विजय ढुल ने बताया कि आचार संहिता लगी हुई है। ऐसे में टीमें कैश ले जा रहे लोगों को धरपकड़ के लिए लगाई गई हैं। स्टेटिक टीम और पुलिस चेकिंग में पकड़ती है तो वह रुपये का ब्यौरा दे दे। अगर सामने वाला लिखा पढ़ी में ब्यौरा नहीं दे पाता है तो उसका रुपया जब्त कर कार्रवाई की जाएगी।

टूर्नामेंट

लीग मैच में महिला और पुरुष टीम के बीच भी हुआ मुकाबला

केडीएमए लीग : एंजेल वूमैन और एमयूसी ने जीता मैच

खेल के मैदान से

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार। कानपुर क्रिकेट एसोसिएशन (केसीए) की ओर से आयोजित केडीएमए क्रिकेट लीग में मंगलवार को मुकाबला रोमांचक रहा। लड़कों की टीम के साथ लड़कियों ने अपना दमखम दिखाया और मैच जीत लिया। मंगलवार को कुल दो मैच खेले गए।

सेमीफाइनल में पहुंचा आदर्श क्लब

कानपुर। केसीए से संबद्ध खेरापति एथलेटिक्स एसोसिएशन की ओर से आयोजित प्रथम राजेंद्र कुमार कुरील स्मारक टी-20 क्रिकेट प्रतियोगिता में मंगलवार को पालिका मैदान पर दो टीमें भिड़ीं। जिसमें आदर्श क्लब ने जीत दर्ज कराई और सेमीफाइनल में प्रवेश किया। टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी साउथ जिमखाना टीम ने 20 ओवर में छह विकेट के नुकसान पर 138 रन बनाए। टीम के राघवेंद्र कुमार ने 37, अमरजीत ने 20 व दिव्यांश कुमार ने नाबाद 32 रन बनाए। जवाब में उतरी आदर्श क्लब ने 19.3 ओवर सात विकेट खोकर 139 रन बनाए। टीम के देवेश तिवारी ने 26, कपिल यादव ने 20, अमित कुमार ने नाबाद 27 रनों का योगदान दिया। इस तरह आदर्श क्लब ने तीन विकेट से मैच जीतकर सेमीफाइनल में प्रवेश किया।

पहला मुकाबला एमयूसी और इलेवेन स्टार के बीच रामकली मैदान पर खेला गया। एमयूसी ने 40 ओवर में पांच विकेट के नुकसान पर 221 रन बनाए। टीम के सौरभ झा ने 29, त्रित्व सिंह ने 140 रन नाबाद, सुएब अली ने 39 रन का योगदान दिया। जवाब में उतरी इलेवेन स्टार ने 28.4 ओवर में ऑल आउट होकर 187 रन ही बना सकी। टीम के आयुष यादव ने 109 रन बनाए। उसके बाद सभी खिलाड़ी एक के बाद एक पवेलियन लौटते गए।

इस तरह एमयूसी ने 34 रनों से यह मैच जीत लिया। दूसरा मुकाबला साउथ ए मैदान पर एंजेल वूमैन और स्काई क्लब के बीच खेला गया। एंजेल वूमैन ने 40 ओवर में नौ विकेट के नुकसान पर 159 रन बनाए। जिसमें एकता सिंह ने 40, बबीता यादव ने 31, वर्षा शर्मा ने 22 रन बनाए। लक्ष्य का पीछा करने उतरी स्काई क्लब ने 39.2 ओवर में ऑल आउट होकर 157 रन बनाए।

टीम के अमन यादव ने 48, ईशान कुमार ने 31 व विवेक कुमार ने 29 रनों की पारी खेली। इस तरह एंजेल वूमैन ने यह मुकाबला दो रनों से जीत लिया।

रेल पटरी के किनारे मिला छात्र का शव, हत्या का आरोप

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

हर्षित।

- घर से स्कूल के लिए निकला था साइकिल गायब

अमृत विचार। चकेरी थानाक्षेत्र में अहिरवां के पास रेलवे ट्रैक किनारे छात्र का शव पड़ा मिला। पुलिस ने पास मिले मोबाइल से शव की पहचान कर परिजनों को घटना की जानकारी दी तो चीखपुकार मच गई। परिजनों ने हत्या का आरोप लगाया।

चकेरी के सनिगवां स्थित घुरवाखेड़ा निवासिनी सरस्वती गुप्ता ने पुलिस को बताया कि उनके पति गुलाब चंद्र की मौत हो चुकी है। उनके चार बच्चे दीपक, विशाल, राहुल और 16 वर्षीय हर्षित हैं। हर्षित 10 वीं का छात्र था। मंगलवार सुबह करीब सात बजे वह साइकिल लेकर घर से स्कूल के लिए निकला था। दोपहर बाद उसके कोचिंग संचालक ने हादसे की जानकारी दी। तब उन्होंने थाने पहुंचकर शव की पहचान की। परिजनों ने छात्र की हत्या कर शव रेलवे ट्रैक किनारे फेंकने का आरोप लगाया। छात्र की साइकिल भी पुलिस को नही मिली। इस संबंध में प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार दुबे ने बताया कि छात्र की गंभीर हालत देखकर रेलवे पुलिस ने उसे कांशीराम ट्रांमा सेंटर में भर्ती कराया था। जहां छात्र की मौत होने के बाद चकेरी पुलिस को सूचना दी गई है। पोस्टमार्टम रिपोर्ट आने के बाद ही मौत का कारण स्पष्ट होगा।

अबूझ पहेली बनकर रह गईं चार लाशें

अलग-अलग स्थानों पर मिलीं लावारिस लाशें अबूझ पहेली बनकर रह गई हैं। घाटमपुर, साढ़ और सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्रों में एक महीने के भीतर मिलीं चार लाशों की अभी तक पुलिस शिनाख्त नहीं करा पाई है। इनमें दो महिलाओं की लाशें शामिल हैं, जो अर्धनग्न हालात में मिली थीं। इनके बारे में भी पुलिस कोई भी सुराग नहीं लगा पाई। इन दोनों ही महिलाओं के साथ दुराचार के बाद हत्या की आशंका जताई गई, लेकिन 72 घंटे तक शिनाख्त की कोशिश करने के बाद पुलिस भुला बैठी है। अब तो कोई प्रयास नहीं दिख रहा है।

युवती की मौत का राज अभी तक नहीं खुला

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

- साढ़ क्षेत्र में 27 फरवरी को मिला था युवती का शव

अमृत विचार: साढ़ क्षेत्र के रामगंगा नहर में अर्द्धनग्न मिले युवती के शव की भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस प्रधानों और आसपास के जनपदों को महिला की फोटो भेजकर शिनाख्त कराने का प्रयास करती रही, लेकिन कोई कामयाबी नहीं मिली। शव को 72 घंटे मर्च्युरी में रखने के बाद पोस्टमार्टम कराया गया।

साढ़ थाना क्षेत्र से निकली रामगंगा नहर में 27 फरवरी को बरईगढ़ पुल से लगभग 100 मीटर की दूरी पर एक अर्द्धनग्न युवती का शव ग्रामीणों ने उतराता देखा था। ग्रामीणों की सूचना पर मौके पर पहुंची साढ़ पुलिस ने ग्रामीणों की मदद से शव को नहर से बाहर निकाला था। उसकी उम्र करीब 25 वर्ष के आसपास बताई गई, लेकिन उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी। युवती के शरीर में सिर्फ अंडर गारमेंट्स था और पैर में तोड़ियां पहने थी।

पानी में शव बहने के कारण फूल गया था। शरीर में कई जगह चोट के निशान भी दिखाई दे रहे थे। लोगों का मानना है कि दुराचार करने के बाद हत्या कर शव फेंका गया है। अलबत्ता, पानी में पड़े रहने से शव में सड़न सी पैदा होने से पोस्टमार्टम में भी दुराचार की पुष्टि हो पाना नामुमकिन रहा। साढ़ पुलिस 72 घंटे तक शिनाख्त होने का इंतजार करती रही। उप निरीक्षक ब्रजेश कुमार ने बताया कि युवती की शिनाख्त नहीं हो सकी है।

महिला के अर्धनग्न शव को भुला बैठी पुलिस

घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के संचितपुर से ककरहिया जाने वाले बंबे में पुल के नीचे 12 फरवरी को एक महिला का अर्धनग्न शव बरामद हुआ था। महिला का अर्धनग्न शव बरामद होने के बाद पुलिस के साथ एसीपी रंजीत कुमार सिंह और फोरेंसिक टीम ने मौके पर पहुंचकर छानबीन की थी, लेकिन अभी तक पुलिस उसकी शिनाख्त नहीं कर सकी है। ककरहिया बंबा पुल के नीचे देर शाम महिला का शव बरामद होने के बाद गांव वालों ने पुलिस को सूचना दी ती। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची थी और फोरेंसिक टीम को बुलाकर मौके से कुछ नमूने संकलित किए थे। पुलिस ने गांव वालों से शव की पहचान कराने की कोशिश की थी, लेकिन अभी तक उसकी शिनाख्त नहीं हो सकी है। गांव वालों ने आशंका जताई थी कि महिला के साथ दुराचार करने के बाद हत्या की गई है और फिर शव को बंबा में फेंका गया है। पुलिस का आज भी वही रटारटाया जवाब है कि जांच-पड़ताल की जा रही है।

हफ्ता गुजरा, शिनाख्त नहीं

साढ़ थाना क्षेत्र की भीतरगांव पुलिस चौकी क्षेत्र के बेहटा बुजुर्ग गांव के पास से निकले बम्बा में 12 मार्च की सुबह उतराते मिले एक युवक का शव की अभी भी शिनाख्त नहीं हो सकी है। पुलिस ने आसपास के थानों को सूचना भेजी थी, लेकिन उसकी पहचान नहीं हो सकी। युवक ने काले रंग की पैंट, जॉकेट के साथ काले रंग का ही अंडर वियर पहन रखा था, जबकि बाएं हाथ में एक कड़ा और बीच की उंगली में लोहे का छल्ला पहन रखा था। भीतरगांव चौकी प्रभारी ने बताया कि कोई भी व्यक्ति पहचान करने के लिए नहीं पहुंचा है।

अज्ञात ही रह गया शव

सेन पश्चिम पारा थाना क्षेत्र के न्यूआजाद नगर चौकी क्षेत्र के शिव मंदिर के पास नौ मार्च की रात एक 45 वर्षीय युवक का शव पड़ा मिला था। युवक ने काला लोवर और नीली टीशर्ट पहन रखी थी। स्थानीय लोगों के मुताबिक युवक काफी दिनों से आसपास के क्षेत्र में दिख रहा था। थाना प्रभारी राकेश कुमार सिंह ने बताया कि युवक की शिनाख्त कराने के काफी प्रयास किए गए, लेकिन अभी सफलता नहीं मिली।

आलू नहीं बेचने पर पिता-पुत्रों को पीटा

चौबेपुर। क्षेत्र के राजारामपुर गांव में आलू बिक्री न किए जाने पर पिता-पुत्रों के साथ मारपीट की गई। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपियों के खिलाफ एससी-एसटी समेत अन्य धाराओं में मुकदमा पंजीकृत कर कार्रवाई शुरू की है।

राजारामपुर निवासी कमलेश ने पुलिस को दी तहरीर में बताया है कि शनिवार को वह खेत पर आलू की खुदाई करा रहा था। तभी पड़ोसी गांव गबड़हा निवासी लोकेश कटियार व रमन पंडित पहुंचे और आलू खरीदे जाने की बात कही। आलू बेचने से मना करने पर धमकी दी। शाम करीब 6:30 बजे जब वह ट्रैक्टर ट्राली पर आलू लदवा रहा था, तभी लोकेश, रमन पंडित, अवनीश कटियार, पंकज, नीरज, आकाश व आर्यन हॉकी व डंडे लेकर आ पहुंचे और गालियां देते हुए मारपीट शुरू कर दी। इस दौरान बचाव के लिए दौड़े बेटे शिवम ,करन व सुंदरम को भी उक्त लोगों ने हॉकी व डंडों से जमकर पीटा। मारपीट में उसे व उसके तीनों बच्चों को गंभीर चोटें आईं। पुलिस ने सभी घायलों को उपचार के लिए सीएचसी भेजा।

चाचा की हत्या में भतीजे को उम्रकैद

कार्यालय संवाददाता, कानपुर देहात

- घाटमपुर क्षेत्र के तिलसड़ा में सात साल पहले हुई थी घटना
- अदालत ने दोषी पर 10 हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया

अमृत विचार। घाटमपुर क्षेत्र के गांव तिलसड़ा में करीब साढ़े छह साल पहले एक पेड़ के बंटवारे को लेकर हुए विवाद में भतीजे ने अपने ही चाचा की कुल्हाड़ी से हत्या कर दी थी। इस मामले में जिला जज की अदालत ने आरोपी भतीजे को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही उस पर दस हजार रुपये का अर्थदंड भी लगाया है।

जिला शासकीय अधिवक्ता राजू पोरवाल ने बताया कि कानपुर नगर की घाटमपुर कोतवाली क्षेत्र के गांव तिलसड़ा निवासी रामजीवन ने पुलिस में रिपोर्ट दर्ज कराते हुए बताया था कि 20 मई 2017 को गांव के बाहर तेजपुर को जाने वाली रोड पर उसके पारिवारिक रामकुमार उर्फ बग्गड़ का अपने भतीजे मनोज के साथ नीम के पेड़ के बंटवारा को लेकर विवाद हो रहा था। मौके पर उसने और अन्य लोगों ने मनोज को समझाने का प्रयास किया। तभी अचानक मनोज ने अपने हाथ में लिए कुल्हाड़ी से रामकुमार पर हमला कर दिया। जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई थी।

इस मामले में पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। साथ ही विवेचना करते हुए उसके खिलाफ आरोप पत्र अदालत में दाखिल किए थे। मामले की सुनवाई जिला जज जय प्रकाश तिवारी की अदालत में चल रही थी। मंगलवार को अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद आरोपी मनोज को दोषी करार देते हुए आजीवन कारावास की सजा सुना दी।

मांस मिलने पर थाने में हंगामा

संवाददाता, बिधनू

जांच रिपोर्ट का इंतजार

- ग्रामीणों के रोकने पर मांस लदी साइकिल छोड़कर भागे युवक
- पशु चिकित्सक को थाने बुलाकर मांस जांच के लिए भेजा गया

बिधनू थाने में मांस की जांच-पड़ताल करते पशु चिकित्सक। अमृत विचार

अमृत विचार: बिधनू थाना क्षेत्र के शाहपुर गांव में सोमवार देर रात मवेशी का मांस लादकर जा रहे दो साइकिल सवारों को ग्रामीणों ने रोका तो दोनों मांस छोड़कर भाग निकले। ग्रामीणों की सूचना पर पहुंचे बजरंग दल कार्यकर्ताओं ने गोमांश बताते हुए थाने में जमकर हंगामा किया। पुलिस ने पशु चिकित्सक को बुलाकर मांस जांच के लिए भेजा है।

शाहपुर गांव में सोमवार रात करीब 11 बजे दो साइकिल सवार मवेशी का मांस लादकर जा रहे थे। ग्रामीणों ने गोमांश होने की आशंका पर साइकिल सवारों को रोक लिया। मौका पाकर दोनों साइकिल सवार बोरियों में भरा मांस छोड़कर मौके से भाग निकले। ग्रामीणों ने इसी दौरान बजरंग दल के कार्यकर्ताओं को सूचना दे दी।

सूचना पर बजरंग दल के जिला सह संयोजक शुभम शौर्य अग्निहोत्री, योगेन्द्र सोनी, जिला गौरक्षा प्रमुख बीनू बजरंगी समेत एक दर्जन कार्यकर्ता बोरियों में भरा मांस लेकर थाने पहुंच गए। पुलिस ने गोमांस होने से इंकार किया तो बजरंग गल कार्यकर्ता हंगामा करने लगे। पुलिस ने पशु चिकित्सक को बुलाकर मांस को परीक्षण के लिए भेजा। इसके बाद कार्यकर्ता शांत हुए। बोले, जांच रिपोर्ट का इंतजार करेंगे। थाना प्रभारी प्रेम चन्द्र कनौजिया ने कहा कि परीक्षण रिपोर्ट के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

बीज भंडार की गोलक से डेढ़ लाख रुपये पार

संवाददाता, भीतरगांव

- पास के दुकानदार पर चोरी करने का शक जताया
- घटना के बाद से दुकान बंद कर नहीं उठा रहा फोन

अमृत विचार: साढ़ थाना क्षेत्र के पड़री लालपुर गांव में एक बीज भंडार के गोलक से एक लाख 50 हजार रुपये चोरी हो गए। घटना के बाद से पास में ही दुकान चलाने वाले युवक के गायब होने से उसी पर शक गहरा रहा है। पीड़ित के अनुसार कई बार फोन करने के बाद भी उसका फोन नहीं उठ रहा है और न ही दुकान खोल रहा है।

पड़री लालपुर निवासी सौरभ यादव ने बताया कि कस्बा में उसकी बीज भंडार की दुकान है। बगल में नीरज सचान की हार्डवेयर की दुकान है। दो दिन पहले वह जरूरी काम से एक घंटे के लिए दुकान खुली छोड़कर चला गया था, तभी पड़ोसी दुकानदार नीरज सचान ने मौका पाकर काउंटर के गोलक से एक लाख 50 हजार रुपये निकाल लिया और अपनी दुकान बंद कर निकल गया। जब वह दुकान लौटकर आया तो गोलक से रुपये गायब थे। इसके बाद नीरज सचान को फोन किया तो उसने फोन नहीं उठाया। दो दिन तक उसके दुकान खोलने का इंतजार करते रहे, लेकिन न तो उसने अपनी दुकान खोली और न ही फोन उठा रहा है। इससे पूरा शक है कि नीरज सचान ने ही चोरी की है। साढ़ पुलिस का कहना है कि तहरीर प्राप्त हुई है। जांच कर कार्रवाई की जाएगी।

हादसों में महिला समेत तीन घायल

संवाददाता, घाटमपुर

घायल को अस्पताल ले जाते एंबुलेंस कर्मी। अमृत विचार

अमृत विचार: पतारा क्षेत्र में दो अलग-अलग जगहों पर तेज रफ्तार पिकअप ने बाइक सवार को टक्कर मार दी। हादसे में बाइक सवार महिला समेत तीन गंभीर रूप से घायल हो गए। पुलिस ने घायलों को एंबुलेंस से सीएचसी पहुंचाया, जहां से तीनों को गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। हादसे के बाद पिकअप लेकर चालक मौके से भाग निकला।

पहला हादसा पतारा चौकी क्षेत्र के टेनापुर मोड़ के पास हुआ। यहां कानपुर के बर्रा-8 निवासी उमेश सचान अपनी पत्नी ममता सचान के साथ बाइक से घर वापस जा रहे थे। जैसे ही वह टेनापुर मोड़ के पास पहुंचे, तभी पीछे से आ रहा तेज रफ्तार पिकअप टक्कर मारते हुए भाग निकला। हादसे में दंपति गंभीर रूप से घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने दंपति को एंबुलेंस से पतारा सीएचसी पहुंचाया, जहां डाक्टर ने प्रथमिक उपचार कर दंपति को गंभीर हालत में हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया।

दूसरा हादसा पतारा चौकी क्षेत्र के धरमपुर बंबा के पास हुआ। यहां पर जौनपुर के रहने वाले हाल मुकाम बरनाव निवासी 35 वर्षीय राकेश यादव जानवर के डॉक्टर है। वह पतारा से नागेलिनपुर जा रहे थे। जैसे ही वह धरमपुर बंबा के पास पहुंचे तभी तेज रफ्तार पिकअप बाइक सवार युवक को टक्कर मारते हुए भाग निकला। हादसे में राकेश यादव गंभीर घायल हो गए। जिन्हे डॉक्टर ने प्रथमिक उपचार कर गंभीर हालत में कानपुर के हैलट अस्पताल रेफर कर दिया गया। पतारा चौकी इंचार्ज निशांत राना ने बताया घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। तहरीर के आधार पर कार्रवाई की जाएगी।

टैंकरों से डीजल चोरी करने वाला गैंग पकड़ा

संवाददाता, सरसौल

पुलिस ने टैंकर और लोडर पकड़ा।

अमृत विचार: महाराजपुर थाना क्षेत्र के तिवारीपुर और महोली के बीच प्रयागराज हाईवे किनारे टैंकरों से तेल चोरी कर बेचने वाले एक गिरोह का मंगलवार को क्षेत्रीय लोगों ने भंडाफोड़ किया है। सूचना देने के काफी देर बाद भी स्थानीय पुलिस मौके पर नहीं पहुंची। अधिकारियों तक मामला पहुंचने पर पुलिस हरकत में आई और भारत पेट्रोलियम के एक टैंकर के साथ तेल निकालने के उपकरण, एक लोडर, तेल के ड्रम सहित तीन लोगों को हिरासत में ले लिया।

ग्रामीणों को काफी समय से सूचना मिल रही थी कि हाईवे किनारे झाड़ियों में तेल डिपो से आने वाले टैंकरों से सैकड़ों लीटर डीजल निकाल कर उसे बेचे जाने का धंधा चल रहा है। मंगलवार दोपहर लोगों ने रंगे हाथ एक टैंकर और तीन लोगो को पकड़ लिया। इसके बाद पुलिस को सूचना दी। सूचना पर पहुंची पुलिस ने मौके से तीन लोगों के साथ तेल का टैंकर और उपकरण आदि जब्त कर लिया। उन्हें थाने ले आई। थाने में कई रसूखदार और सफेदपोस आरोपियों को छुड़ाने और मामले को रफा दफा करवाने के लिए पहुंच गए। कुछ देर में डीसीपी और एसीपी भी थाने पहुंचे, लेकिन कुछ बोलने से बचते नजर आए।

काली पट्टी बांधकर विरोध जताया

शिक्षक हत्याकांड

संवाददाता,चौबेपुर

शिक्षक की हत्या का विरोध जताते शिक्षक-शिक्षिकाएं। अमृत विचार

अमृत विचार: मुजफ्फरनगर में रविवार रात सिपाही द्वारा शिक्षक की गोली मारकर हत्या किये जाने के विरोध में मंगलवार को बीआरसी में शिक्षकों ने हाथ में काली पट्टी बांध शिक्षण कार्य किया। इस दौरान आक्रोशित शिक्षकों ने आरोपी सिपाही के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग उच्चाधिकारियों से की है।

मुजफ्फरनगर में रविवार रात शिक्षक धर्मेंद्र कुमार की सिपाही ने उस समय गोली मारकर हत्या कर दी थी, जब मृतक शिक्षक धर्मेंद्र शिक्षा विभाग की टीम के साथ वाराणसी से बोर्ड परीक्षा की उत्तर पुस्तकायें लेकर मुजफ्फरनगर के सिविल लाइंस स्थित एस डी इंटर कॉलेज गए थे। यहां कॉलेज का मुख्य द्वार बंद होने से रविवार रात वह कॉलेज गेट के बाहर ही वाहन में सो रहे थे, तभी वहां पहुंचे सिपाही व शिक्षक के बीच हुई कहा सुनी के दौरान सिपाही ने शिक्षक धर्मेंद्र की गोली मारकर हत्या कर दी थी।

जूनियर हाईस्कूल शिक्षक महासभा के संयोजक अनुग्रह त्रिपाठी ने बताया कि सिपाही द्वारा शिक्षक की गोली मारकर हत्या की घटना को लेकर शिक्षकों में रोष बना हुआ है। बताया कि घटना के विरोध में मंगलवार को शिक्षकों ने हाथ में काली पट्टी बांधकर शिक्षण कार्य किया। साथ शासन प्रशासन से दोषी सिपाही के खिलाफ कड़ी से कड़ी कार्रवाई किये जाने की मांग की है। इस मौके पर अवधेश त्रिपाठी, शंकर सिंह ,निर्मल कटियार, सत्य प्रकाश, रचना बंसल, मंजूलता ,अमित, रवि प्रकाश ,माधुरी ,प्रेमलता,सुधा तिवारी नम्रता जायसवाल समेत कई शिक्षक मौजूद रहे।

वार्ड नंबर 3 की रोड का बढ़ गया विवाद

बिल्हौर। वार्ड नंबर तीन के सभासद देवेंद्र उर्फ बउआ ने सड़क तोड़कर दो लाख रुपये के गोलमाल का आरोप लगाया है। मंगलवार शाम फिर सीसी रोड तोड़ने पहुंचे ठेकेदार और सभासद में तू-तू मैं-मैं हो गई।

सभासद का आरोप है कि उन्होंने 20 हजार रुपये से मामूली क्षतिग्रस्त सीसी रोड की मरम्मत का प्रस्ताव दिया था, लेकिन करीब 100 मीटर अच्छी सड़क तोड़ डाली। आरोप है कि आर्थिक लाभ के लिए सड़क को तोड़ डाला। इस मामले में उप जिलाधिकारी रश्मि लांबा ने तकनीकी जांच के आदेश दिए हैं। उन्होंने कहा है कि आरोपों की जांच के लिए तकनीकी जांच कराई जाएगी और जो भी दोषी होगा, उसके खिलाफ कार्रवाई होगी। उन्होंने कहा है कि तकनीकी जांच के साथ ही सड़क को जल्द से जल्द बनवाने के निर्देश दिए गए हैं।

शराब पीकर हुड़दंग किया तो चलेगा डंडा

संवाददाता, बिल्हौर

- एसडीएम और एडीसीपी ने प्रधानों की बैठक में चेताया

अमृत विचार: होली के त्योहार और लोकसभा चुनाव में आदर्श आचार संहिता का पालन कराने के लिए मंगलवार को तहसील सभागार में एसडीएम रश्मि लांबा व एडीसीपी विजेंन्द्र द्विवेदी ने ग्राम प्रधानों के साथ बैठक की और साफ लफ्जों में चेताया कि शराब पीकर हुड़दंग करने वालों पर सख्ती की जाएगी।

बैठक में ग्राम प्रधानों से अवैध शराब व होलिका दहन के दौरान होने वाले विवाद के बारे में जानकारी ली। कहा गया कि तहसील के अरौल,शिवराजपुर,ककवन,चौबेपुर बिल्हौर आदि थाना क्षेत्रों में होलिका दहन और होली में रंग खेलने के दौरान शराब पीकर हुड़दंग करने वाले लोगों को पर प्रशासन का चाबुक चलेगा। इसके लिए ग्राम पंचायतवार सूची बनाई जाएगी। इसके साथ ही अन्य विषयों पर भी अधिकारियों ने थाना प्रभारियों को दिशा-निर्देश दिए। बैठक मे संवेदनशील व अति संवेदनशील होलिका दहन स्थलों के बारे में पहले से सम्बन्धित अधिकारियों को सूचित कर विवाद निपटाने के बारे में बताया गया । चुनावी माहौल में शोरशराबा के साथ डीजे पर पाबंदी रहेगी। बैठक में क्षेत्र के कई ग्राम प्रधान, एसीपी अजय कुमार त्रिवेदी, नायब तहसीलदार सीपी राजपूत, थाना प्रभारी बिल्हौर केशव तिवारी, ककवन अतिरिक्त प्रभारी अबरार खान, अरौल थाना प्रभारी अखिलेश कुमार पाल व शिवराजपुर, चौबेपुर के प्रभारी मौजूद रहे।

सामने आएगी हकीकत

लोक निर्माण विभाग की ओर से कराया जा रहा काम, सड़क खोदकर सामग्री का सैंपल ले गए अफसर

घटिया सड़क निर्माण की जांच करने कुर्मीखेड़ा पहुंची टीम

संवाददाता, शिवराजपुर

सड़क की जांच के लिए पहुंची तीन सदस्यीय टीम। अमृत विचार

अमृत विचार: ग्रामीण क्षेत्रों में लोक निर्माण विभाग जर्जर सड़कों की मरम्मत और निर्माण का काम करा रहा है। कुर्मीखेड़ा की सड़क में घटिया सामग्री का प्रयोग किए जाने की शिकायत पर मंगलवार को जांच के लिए टीम पहुंची। जांच टीम ने सड़क खोदकर देखी और जांच के लिए सामग्री का सैंपल भर ले गए।

सड़कों के निर्माण और मरम्मत में स्थानीय जनप्रतिनिधियों के चहेते ठेकेदारों का हाथ होने से काम ठीक ढंग से नहीं हो रहा है। ग्रामीणों ने इसकी शिकायत उच्चाधिकारियों से की और सड़क का एक वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया था। इसके बाद लोक निर्माण विभाग के अधिकारियों की मिलीभगत भी खुलकर सामने आ गई। ग्रामीणों की शिकायत और लोक निर्माण विभाग के उच्चाधिकारियों के हस्तक्षेप के बाद मंगलवार को पीडब्ल्यूडी और विभाग विकास के अधिकारियों की एक टीम कुर्मीखेड़ा गांव पहुंची सड़क बनाने में उपयोग की जाने वाली सामग्री का सैंपल भरकर जांच के लिए ले गई।

मौजूदा समय में लोक निर्माण विभाग की ओर से क्षेत्र के गौरी, भगवन्तपुर, मुस्ता, कासामऊ संपर्क मार्ग का निर्माण कराया जा रहा है। ग्रामीणों का आरोप है कि सड़क बनाने में नाम मात्र डामर का लेपन किया जा रहा है। गुणवत्ताविहीन सड़क बनाए जाने से ज्यादा दिन टिकाऊ नहीं रहेगी।

डीएम को सौंपी जाएगी जांच रिपोर्ट

बिल्हौर। शिवराजपुर विकास खंड क्षेत्र के कुर्मीखेड़ा गांव में प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना के अंतर्गत बन रही सड़क में धांधली की शिकायत पर डीएम आरके सिंह के निर्देश पर गठित तीन सदस्यीय टीम ने मंगलवार को जांच की। जांच कमेटी के अध्यक्ष एवं ज्वाइंट मजिस्ट्रेट सदर, जिला विकास अधिकारी गजेंद्र सिंह व पीडब्ल्यूडी के अधिशाषी अभियंता ने जांच की। जिला विकास अधिकारी गजेंद्र सिंह ने बताया कि ज्वाइंट मजिस्ट्रेट की अध्यक्षता में जांच की गई है। जल्द ही जांच रिपोर्ट जिलाधिकारी को सौंपी जाएगी।

ग्रामीणों ने इसकी शिकायत कई बार ब्लॉक स्तर के अधिकारियों से की, लेकिन ठेकेदार के सियासी रसूख के चलते कोई सुनवाई नहीं हुई। इसके बाद ग्रामीणों ने वीडियो बनाकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दिया। नाममात्र का डामर और मानकविहीन गिट्टी डालकर कार्य कराया जा रहा है।

लगातार शिकायत होने के बाद उच्चाधिकारियों ने इस मामले को संज्ञान में लिया और एक टीम बनाई, जिसमें एसडीएम सदर, लोक निर्माण विभाग के जेई, खंड विकास अधिकारी चौबेपुर शामिल थे। मंगलवार की दोपहर यह टीम सड़क की जांच करने पहुंची। जांच के दौरान टीम ने सड़क पर कई जगह खोदाई कर जांच के लिए सैंपल भी लिया। ग्रामीण सुधाकर, राजेश, दिनेश ने बताया कि इस सड़क का ठेका जिसके पास है, वह सांसद का खास है। इसीलिए अधिकारी सुनवाई नहीं करते हैं।

सड़क खोद भूल गया जल निगम

संवाददाता, रेउना

लापरवाही

- जल निगम ने पाइप लाइन डालने के लिए खोदी थी सड़क
- छह महीने गुजरने के बाद भी मरम्मत नहीं कराई गई

पाइप लाइन डालने के बाद सड़क की मरम्मत नहीं हुई। अमृत विचार

अमृत विचार: घाटमपुर ब्लॉक क्षेत्र की ग्राम पंचायत रहटी खालसा व उसके मजरे मिलकिनपुर की सड़कें छह माह से खुदी पड़ी हैं। छह किलोमीटर सड़क खुदी पड़े होने से ग्रामीणों को आवागमन करने में परेशानी हो रही है। पाइप लाइन डालने के लिए खोदी गई सड़क यूं ही छोड़ दी गई है।

गांव के राजा यादव, कल्लू, सतीश आदि लोगों ने बताया कि छह माह पहले से हर घर जल योजना के तहत गांव में पाइप लाइन बिछाने का काम किया जा रहा है। इसके लिए सड़कें, खड़ंजा आदि खोदी जा रही हैं। खोदने के बाद जिम्मेदार सड़कें दुरुस्त कराने में रुचि नहीं दिखा रहे हैं, जो ग्रामीणों के लिए परेशानी का सबब बन गई हैं।

घाटमपुर ब्लॉक की रहटी ग्राम पंचायत और उसके मजरे मिलकिनपुर, रहटी डेरा में पानी की पाइप लाइन बिछाने के लिए सड़क खोदी गई थी। छह किलोमीटर पाइप लाइन बिछाई जानी थी। छह माह पहले जल निगम के ठेकेदारों ने खुदाई कर पाइप लाइन तो बिछा दी, मगर सड़कें दुरुस्त नहीं कराईं। हालत यह है कि ईंटें उखड़ी पड़ी हैं, सड़कें धंस गई हैं, इससे जलभराव हो रहा है। लोग आवागमन के दौरान हादसे का शिकार हो रहे हैं। सड़क खुदी होने के चलते गांवों में बीच सड़क पर गंदगी हो गई है।

होलिका को नहीं मिलती लकड़ी

पहले होलिका के बड़े आकार की लगती थी होड़, अब गांवों में भी लकड़ी के पड़े लाले

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। शहर ही नहीं अब गांवों में भी होलिका दहन के लिए लकड़ी जुटाने को युवाओं की टोलियां मशक्कत करती नहीं दिखाई देती हैं। शहर व कस्बों में जहां लकड़ी खरीदकर होलिका तैयार की जाती हैं वहीं गांवों में लकड़ी के स्थान पर झाड़ियों व टहनियों से होलिका सजाई जाती हैं।

कुछ दशक पहले तक शहरी व ग्रामीण युवाओं में होलिका को बड़ा आकार देने की प्रतिस्पर्धा चलती थी। इसके लिए युवा लकड़ी काटने के संसाधन लिए आसपास के पेड़ों की डालें ही नहीं कभी-कभी पूरे पेड़ को होलिका के हवाले कर देते थे। अब अधिकांश युवा करियर के प्रति सजगता से जहां इसमें रुचि नहीं लेते हैं। वहीं हरा पेड़ काटते हुए पकड़े जाने पर जेल जाने का भय भी बना रहता है। इसके चलते अब होलिका में ज्यादातर खरीद कर जुटाई गई लकड़ियों का ही इस्तेमाल होता है।

बोले लोग

शहर के मोतीनगर मोहल्ला निवासी पियूष चौहान ने कहा कि वह क्षेत्रीय लोगों की सुविधा के लिए होलिका दहन के लिए खरीदकर लकड़ी जुटाते हैं। स्वेछा से मिलने वाले सहयोग के बाद कम पड़ने पर खुद खर्च करते हैं।

– पियूष चौहान।

सरांय कटियान गांव निवासी अमित ने बताया कि पेड़ पर कुल्हाड़ी चलते ही कोतवाली पहुंचने के भय से अब लकड़ी खरीदनी पड़ती है। इसके लिये गांव के लोगों से चंदा लेना पड़ता है। जो कम भी पड़ जाता है।

–अमित पाटक।

यूडीए कालोनी निवासी नवीन ने कहा कि शहर में वैसे भी हरियाली का अभाव है। इसलिए इलाकाई लोग चंदा कर होलिका लिए लकड़ी मंगा लेते हैं। इसमें आसपास के लोगों का सहयोग भी प्राप्त होता है।

–नवीन चौधरी।

चकलवंशी निवासी राजन सिंह ने कहा कि अब युवा परंपराओं के निर्वहन से अधिक करियर पर फोकस कर रहे हैं। इसलिए होलिका बढ़ाने को वे लकड़ियां काटने के बजाय लकड़ी खरीदकर होलिका बढ़ाते हैं।

–राजन सिंह चौहान।

होली आते ही खाद्य विभाग हुआ सक्रिय

उन्नाव। होली पर्व पर आम जनमानस को शुद्ध खाद्य व पेय पदार्थ उपलब्ध कराने को खाद्य आयुक्त के निर्देश व डीएम के मार्गदर्शन में अलग-अलग तहसीलों में जाकर खाद्य विभागीय टीमों ने खाने के सामान के नमूने लेकर जांच के लिए भेजने शुरू किये हैं। सहायक आयुक्त (खाद्य) मंजूषा सिंह ने बताया कि पुरवा तहसील क्षेत्र में राजा बाजार से बेसन और मिर्री चौराहा से छेने की मिटाई के नमूने लिए गए। इसी तरह हसनगंज तहसील के शाहरपुर टोंडा से कचरी के दो नमूनों के सैंपल एकत्र किए गए। वहीं बीघापुर तहसील व कस्बे में मैदा, खोया व बेसन के लड्डू के नमूनों को भी जांच के लिए भेजा गया है।

दिव्यांगों ने बढ़ी पेंशन न देने पर जताई नाराजगी

उन्नाव। कांग्रेस विकलांग प्रकोष्ठ की शहर के कलक्टरगंज में हुई बैठक में दिव्यांगजनों को घोषणा के मुताबिक अब तक पेंशन की बढ़ी हुई धनराशि खातों में न भेजने पर पर नाराजगी जताई गई। प्रांतीय महासचिव व प्रवक्ता तन्मय श्रीवास्तव ने आरोप लगाया कि सत्तारूढ़ दल भाजपा ने लोकसभा चुनाव से पूर्व बढ़ी पेंशन न दिलाकर दिव्यांगजनों के साथ अन्याय किया है। बैंक खातों में 1500 के बजाए 100 रुपए ही पेंशन मिल रही है। इस अनदेखी से दिव्यांगों में नाराजगी है। उन्होंने दावा किया कि लोकसभा क्षेत्र में करीब 32 हजार दिव्यांग प्रमाणपत्र जारी हो चुके हैं। जिसमें दिव्यांग पेंशन पाने वालों की संख्या 21500 है। इनमें से 1600 दिव्यांग मतदाता हैं। कहा कि दिव्यांगों के एकजुट वोट संसदीय क्षेत्र के परिणाम में अहम भूमिका निभा सकते हैं। इस दौरान कार्यवाहक अध्यक्ष सुनीता, अरविंद कुमार, सास्वत बाजपेयी, विजय, राज, सोनम, रामू, राहुल, अनुराधा, आर्या, प्रदीप, सुमंत आदि मौजूद थे।

युवती ने फंदे से लटक कर दी जान

संवाददाता फतेहपुर चौरासी उन्नाव

पुलिस हिरासत में आरोपी। अमृत विचार

- प्रेमी सहित सात को पुलिस ने दुष्कर्म व एससी/एसटी एक्ट में भेजा जेल

अमृत विचार। प्रेमी को साथ देख भड़के युवती के परिजनों ने युवक की पिटाई कर दी। घर पहुंची युवती फंदे से लटक गई। परिजन उसे एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। पीड़िता के पिता ने बेटी से दुष्कर्म किए जाने और युवक के सहयोगियों द्वारा इसका वीडियो बनाने से आहत होकर आत्महत्या किए जाने की तहरीर पुलिस को दी। जिसके आधार पर पुलिस ने रिपोर्ट दर्ज कर सात लोगों को गिरफ्तार किया। वहीं युवती के शव का पोस्टमार्टम कराया। दुष्कर्म की आशंका के चलते स्लाइड बनाई गई है।

फतेहपुर चौरासी थानाक्षेत्र के एक गांव निवासी 20 वर्षीय दलित युवती का पड़ोसे के गांव निवासी रोहित निषाद से प्रेम-प्रसंग था। बताते हैं कि बीती शाम दोनों गांव के बाहर एकांत में थे। तभी इसकी जानकारी पर गांव के कुछ लोग पहुंचे और दोनों का मोबाइल से वीडियो बना लिया। विरोध करने पर मारपीट व छेड़छाड़ भी की। वहीं इसकी जानकारी पर युवती के परिजन भी पहुंचे और युवक से मारपीट की। देरशाम घर लौटने पर युवती अपने दुप्पटे का फंदा बनाकर लटक गई। जानकारी पर परिजन उसे कानपुर बिठूर स्थित एक निजी अस्पताल ले गए। जहां डाक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया। इस पर शव लेकर लौटे पिता ने थाना पहुंचकर रोहित पर बेटी के आत्महत्या करने व अन्य छह पर छेड़छाड़ व मारपीट करने सहित एससीएसटी एक्ट की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करते हुए तहरीर दी। पुलिस ने एफआईआर दर्ज कर रोहित सहित गांव निवासी छोटू पुत्र रामकुमार, मोहनलाल पुत्र रामनारायण, विजय पुत्र मुन्नीलाल, रामविलास पुत्र छेदी, विनोद पुत्र सदनू, रजत पुत्र भूरे को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश किया। जहां से उन्हें जेल भेज दिया गया। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर शव परिजनों को सौंप दिया। सूत्र बताते हैं कि पीएम रिपोर्ट में हैंगिंग से मौत होने की पुष्टि हुई है। वहीं, दुष्कर्म की आशंका पर स्लाइड भी बनाई गई है। सीओ ऋषिकांत शुक्ला ने बताया कि युवती के फांसी लगाकर आत्महत्या करने की सूचना पर पुलिस ने जांच कर शव का पोस्टमार्टम कराया है। पिता की तहरीर के आधार पर रिपोर्ट दर्ज की सात लोगों को गिरफ्तार किया गया है। मामले की जांच की जा रही है।

पुलिस ने अभियान चला पकड़े शातिर

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

पुलिस हिरासत में आरोपी। अमृत विचार

अमृत विचार। होली पर्व व लोकसभा चुनाव में शांति व्यवस्था कायम रखने की मंशा से एसपी ने जरायम में लगे लोगों के विरुद्ध अभियान चलाने के निर्देश दिए हैं। सीओ सफीपुर ऋषीकांत शुक्ला के नेतृत्व में दरोगा राकेश तिवारी, जितेंद्र पांडेय व कल्लू राम यादव नें तीन अलग-अलग टीमें बनाकर क्षेत्र में चेकिंग अभियान चलाकर परियर-बिठूर मार्ग पर खड़े संदिग्ध के पास एक तमंचा व दो कारतूस बरामद किये।

पकड़े गए युवक की पहचान कानपुर के ग्वालटोली थानाक्षेत्र के पहाड़ीपुर निवासी गुड्डू पुत्र शिवराम के रूप में हुई। वहीं परियर व पावा गांव के बीच कानपुर के थाना ग्वालटोली क्षेत्र के रामपुर निवासी कौशल पुत्र बुलाकी व गुड्डू पुत्र शिवराम निवासी पहाड़ीपुर ग्वालटोली कानपुर को गिरफ्तार कर उनके पास से दो तमंचा व चार कारतूस बरामद किये। इसी प्रकार परियर गंगा पुल से अजय पुत्र देवीदीन निवासी गगनीखेड़ा गंगाघाट को 1 किलो 150 ग्राम गांजा के साथ और अंकित पुत्र दिनेश निवासी गौरी को 20 लीटर कच्ची शराब के साथ शारदा नहर पुलिया के पास से गिरफ्तार किया। पुलिस ने मामला दर्जकर कोर्ट में पेश किया।

विवाहिता ने लगाया मायके आकर पीटने का आरोप

बांगरमऊ। कोतवाली क्षेत्र के गांव भिखारीपुर पतासिया निवासी राम विलास राठौड़ की बेटी रत्ना देवी ने अपने देवर पर मायके आकर लात-घूंसों से पीटने का आरोप लगाया है। रत्ना देवी ने पुलिस को दी तहरीर में कहा कि उसका पति विजय पुत्र रामपाल बीते चार-पांच माह से उसे विदा कराने नहीं आ रहा है। इसीलिए उसके पिता ने ससुरालियों के विरुद्ध एसपी को शिकायती पत्र दिया था। मंगलवार को उसके ससुर रामपाल, देवर कुलदीप और फूफा लालता उसे विदा कराने मायके आए। तभी उसके और ससुरालियों में विवाद होने लगा। इस पर उसके देवर कुलदीप ने उसकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। पुलिस तहरीर के आधार पर जांच कर रही है।

14 कोसीय परिक्रमा में शामिल हुए हजारों भक्त

संवाददाता परियर उन्नाव

राम दरबार की झांकी की आरती करते श्रद्धालु। अमृत विचार

अमृत विचार। दशमी तिथि को जानकीकुंड से शुरू होने वाली 14 कोसीय परिक्रमा में हजारों की तादात में लोगों ने परिक्रमा प्रारम्भ कर मां जानकी व बाबा बलखंडेश्वर महादेव के दर्शन करते हुए शंखनाद किया। परिक्रमा का समापन तीसरे दिन बिठूर में होता है।

बीते काफी समय से फाल्गुन माह की दशमी पर चली आ रही परंपरागत के तहत 14 कोसीय पैदल परिक्रमा में जानकी कुंड की परिक्रमा कर बिठूर तीर्थ की ओर प्रस्थान किया। जानकीकुंड आश्रम के व्यवस्थापक रमाकांत त्रिपाठी ने बताया कि मान्यता के अनुसार फाल्गुन माह की दशमी को जानकी कुंड से शुरू होकर बिठूर होते हुए बड़े हनुमान तक लोग 14 कोसीय परिक्रमा पैदल पूरी करते हैं। जिसके बाद वापसी में बिठूर आकर ब्रम्हावर्त की खूंटी पर दीपक जलाकर गंगा जल लेकर घर वापस होते हैं। जानकी कुंड में परिक्रमा के दौरान लोग बांस की छड़ी लेकर परिक्रमा करते हैं। लोगों का मानना है ऐसा करने से वंश वृद्धि होती है और समृद्धि मिलती है। मान्यता है कि भगवान राम ने जब सीता का परित्याग किया था तो उन्हें यहीं बाल्मीकि आश्रम में आश्रय मिला था। यहीं पर लव व कुश का जन्म हुआ था। अन्य वर्षो की तुलना में इस वर्ष परिक्रमा के दौरान श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी। बिठूर से परियर तक कई जगह भंडारा व प्रसाद वितरण चलता रहा। जानकी कुंड आश्रम में पूरे दिन सुंदरकांड चलता रहा।

जानकी कुंड पहुंची राम दरबार व लड्डू गोपाल की रथयात्रा

परियर। अति प्राचीन बाल हनुमान मंदिर बिठूर से भव्य राम दरबार, लडडू गोपाल डोला, राधा-कृष्ण, भोले बाबा की झांकी व रथयात्रा डीजे, बैंड बाजा व डोल के साथ बिठूर मंदिर होते हुए परिक्रमा परियर बाबा बलखंडेश्वर मंदिर होते हुए जानकी कुंड आश्रम पहुंची। जिसमें जगह-जगह रथ में मौजूद राम दरबार, लड्डू गोपाल की लोगों ने पूजा व आरती की। इसके बाद परिक्रमा वापस बिठूर पहुंची। रथ यात्रा में मुख्य रूप से विमल दीक्षित, रविशंकर मिश्रा, हरिनारायण, प्रसून, रजनी दीक्षित, प्रवीण, देवीप्रसाद, दिलीप आदि रहे।

वाहन की टक्कर से बाइक सवार युवक की मौत

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- अजगैन क्षेत्र में सोमवार देर शाम हुआ था हादसा

अभिषेक।

अमृत विचार। दोस्त के साथ जन्मदिन की पार्टी में जाते समय अजगैन कोतवाली क्षेत्र के लखनापुर फाटक के पास अज्ञात वाहन ने बाइक सवार युवकों को टक्कर मार दी। इसमें दोनों गंभीर घायल हो गए। अस्पताल ले जाते समय एक युवक की मौत हो गई। वहीं दूसरे का लखनऊ ट्रामा सेंटर में इलाज चल रहा है। मंगलवार को पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराकर परिजनों के सुपुर्द किया। हसनगंज कोतवाली क्षेत्र के न्योतनी कस्बा के मोहल्ला केशव नगर निवासी अभिषेक (23) दोस्त शिवम के साथ सोमवार देरशाम बाइक से अजगैन कोतवाली क्षेत्र के मेहुरा गांव में किसी मित्र के जन्मदिन की दावत में शामिल होने गया था। अजगैन कोतवाली क्षेत्र के लखनापुर फाटक के पास तेज रफ्तार अज्ञात वाहन ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। इसमें दोनों सड़क पर गिरकर गंभीर घायल हो गए। राहगीरों की सूचना पर पुलिस पहुंची और उन्हें नवाबगंज सीएचसी लाई। हालत गंभीर देख उन्हें जिला अस्पताल भेजा गया। लेकिन वहां पहुंचने से पहले अभिषेक की मौत हो गई। वहीं शिवम को परिजनों ने लखनऊ के ट्रामा सेंटर में भर्ती कराया है। मंगलवार को पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव परिजनों को सौंप किया। शिवम तीन भाइयों में बड़ा था। उसकी मौत से छोटे भाई रिशू, आयुष व बहन वैशाली आदि परिजन बेहाल हो गए।

बेटी को भगा ले जाने का आरोप रिपोर्ट हुई दर्ज

पुरवा। कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी महिला ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि बीती 18 मार्च को क्षेत्र के एक गांव में पिता की तबियत खराब होने के चलते वह पति के साथ गई थी। घर पर उसकी 24 वर्षीय व 12 वर्षीय दो बेटियां थीं। शाम को जब वह घर लौटी तो बड़ी बेटी घर पर नहीं थी। छोटी बेटी से जानकारी की तो उसने बताया कि कुछ काम होने की बात कह वह घर से गई थी। काफी देर तक वापस न आने पर खोजबीन की गई लेकिन उसका पता नहीं चल सका। पीड़ित ने पड़ोसी गांव महाराज खेड़ा निवासी जितेंद्र उर्फ छोटू पर बेटी को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने का शक जताया है। कोतवाल कुंवर बहादुर सिंह ने बताया कि तहरीर के आधार पर आरोपी युवक पर बहला-फुसलाकर भगा ले जाने की धारा में रिपोर्ट दर्ज हुई।

मतदाताओं को किया गया जागरूक

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

अतिथियों का स्वागत करते विद्यालय स्टाफ के लोग। अमृत विचार

अमृत विचार। स्थानीय इंदिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय के राष्ट्रीय सेवा योजना के अंतर्गत आयोजित सात दिवसीय विशेष-शिविर का मंगलवार को समापन हुआ। इसमें शामिल स्वयं सेवकों ने नगर के मोहल्ला सैय्यदबाड़ा के नागरिकों की समस्याओं के निराकरण का आश्वासन दिया। मतदाता जागरूकता विषय पर टीम-2 ने नाटक प्रस्तुत किया। टीम-7 द्वारा देशभक्ति गीत प्रस्तुत किया गया। इसमें पारुल, शशि, कविता, नंदिनी राठौर, अपूर्वा, शशि आदि छात्र-छात्राओं ने प्रतिभाग कर नाटक के माध्यम से सैय्यदबाड़ा के निवासियों को जागरूक किया।

द्वितीय सत्र में विशेष-शिविर के समापन की घोषणा की गई। इस मौके पर रश्मिप्रभा, रजिस्ट्रार तहसील बांगरमऊ उपस्थित रहीं। कार्यक्रम अधिकारी ने पुष्पगुच्छ देकर व डा. सुमन देवी ने माल्यार्पण कर रजिस्ट्रार का स्वागत किया। प्राचार्य का स्वागत माल्यार्पण करके धर्मेंद्र द्विवेदी व सभी अतिथियों को बैच लगाकर स्वागत किया गया। स्वागत गीत रागिनी, आंचल, सलोनी, नैना छात्राओं ने प्रस्तुत किये। इसके बाद कार्यक्रम अधिकारी द्वारा विशेष शिविर की आख्या प्रस्तुत की गयी। जिसमें सात दिवसों में हुए कार्यों का विवरण दिया गया। मतदाता जागरुकता नाटक टीम-1 द्वारा प्रस्तुत किया गया। छात्रा नंदिनी व छात्र सुजीत ने अनुभव पेश किया। छात्रा साधना ने सारे तीर्थ गुरु आपके चरणों में गीत प्रस्तुत किया गया। ओ देश मेरे तेरी शान पे सदके गीत छात्राओं निर्मला, शिवानी, शशि, खुशी, नेहा ने प्रस्तुत किया। मुख्य अतिथि ने स्वावलंबन को परिभाषित करते हुए छात्र-छात्राओं को जागरूक किया। इस दौरान महाविद्यालय के प्राध्यापक डा. अभय राजपूत, डा. सुमन देवी, डा. ब्रज किशोर गुप्ता व कर्मचारियों में प्रेम कुमार गौतम, संदीप अवस्थी व कन्हैया लाल आदि मौजूद

छत के रास्ते दुकान में घुसे चोर, नकदी ले गए

संवाददाता बांगरमऊ उन्नाव

चोरों द्वारा तोड़ी गई आलमारी।

अमृत विचार। नगर के स्टेशन रोड स्थित एक दुकान व गोदाम की संयुक्त छत पर चढ़कर चोरों ने किसी तरह जीने का दरवाजा खोल लिया और गोदाम में दाखिल हो गए। चोरों ने दुकान में रखी आलमारी का लाक तोड़कर उसमें रखे करीब एक लाख रुपए के सिक्के व नोट चोरी कर भाग निकले। मंगलवार सुबह दुकान खोलने पर मालिक को घटना की जानकारी हुई। पीड़ित ने इसकी तहरीर कोतवाली में दी है।

नगर के मोहल्ला गढ़ी निवासी गौरव पुत्र सोमचंद्र गुप्ता ने कोतवाली में दी तहरीर में बताया कि उसका गोदाम व दुकान नगर के स्टेशन मार्ग पर स्थित है। जहां से वह चिप्स व पापड़ आदि का थोक व्यापार करता है। बीते सोमवार रोज की भांति वह देरशाम दुकान बंद कर घर चला आया था। मंगलवार सुबह जब उसने दुकान खोली तो देखा कि आलमारी खुली थी और जीने का दरवाजा भी खुला था। उसके गोदाम व पड़ोसी मकान की छत से पांच व 10 के कुछ सिक्के बिखरे पड़े मिले। दुकानदार के अनुसार चोर जीने के रास्ते से किसी तरह गोदाम में घुसे और अलमारी का लाक तोड़कर उसमें रखे करीब एक लाख रुपए के सिक्के व नोट चोरी कर भाग निकले। पुलिस तहरीर के आधार पर घटना की जांच व चोरों की तलाश कर रही है।

बदहाली सफीपुर विधानसभा क्षेत्र सीमा के प्रवेश द्वार की हो रही अनदेखी

राष्ट्रपिता के नाम से बना स्मृति द्वार दुर्दशा ग्रस्त

संवाददाता सफीपुर उन्नाव

सफीपुर विधानसभा क्षेत्र की सीमा पर बना द्वार। अमृत विचार

- जंग लगने से मिटे, छूटे पेंट को रोजाना देखते हैं जिम्मेदार

अमृत विचार। नेताओं व जन प्रतिनिधियों द्वारा जनता को लुभाने और दिखाने के लिए यूं तो कई महापुरुषों व नायकों के नाम से स्मृति द्वार बनवा दिए जाते हैं लेकिन, वह अब किस दिशा में हैं इसकी सुध लेना तक वे जरूरी नहीं समझते हैं।

इसी क्रम में उन्नाव-हरदोई मार्ग पर सफीपुर विधानसभा क्षेत्र की शुरुआत होते ही चकलवंशी के पास लगे महात्मा गांधी स्मृति द्वार की हालत बेहद जर्जर है। चूंकि इस स्मृति द्वार पर क्षेत्रीय विधायक के नाम का भी अनुकरण है लेकिन, फिर भी पानी व जंग से मिटे व छूटे पेंट से शायद अब इसे आसानी से पढ़ना मुश्किल हो गया है। किस बोर्ड पर क्या लिखा है यह समझ में नहीं आता है। वहीं, राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से बनाए गए इस स्मृति द्वार की सुध लेने वाला फिलहाल अभी कोई नहीं है।

इसी मार्ग से निकलते हैं जनप्रतिनिधि व अफसर

हरदोई-उन्नाव मार्ग से रोज अफसरों व जनप्रतिनिधियों का आना जाना होता है। लेकिन, इस महात्मा गांधी स्मृति द्वारा के नीचे से गुजरने वाले किसी भी प्रतिनिधिव शासन-प्रशासन के अफसर का ध्यान इस ओर नहीं जाता। इससे यह स्मृति द्वार बेहद जर्जर होता जा रहा है। महात्मा गांधी इंटर कॉलेज के पूर्व प्रवक्ता पंडित दिवाकर द्विवेदी ने मांग कि है कि राष्ट्रपिता महात्मा गांधी के नाम से लगे स्मृति द्वार का जन प्रतिनिधियों या पर्यटन विभाग द्वारा सौंदर्यीकरण कराया जाना चाहिये। ताकि स्मृति गेट देखकर उनके महान व्यक्तित्व का गौरव व स्मृति अनुकरण हो सके।

रमजान का मंझला रोजा होता है महत्वपूर्ण

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। इस्लाम में रमजान माह के बीच के जुमा जिसे मंझला रोजा भी कहा जाता है खास महत्व है। इस दिन जहां रोजागुसाई (पहली बार रोजा रखना) वाले बच्चों की जहां हौसला फजाई की जाती है। वहीं बड़ी संख्या में सामूहिक इफ्तार भी कराया जाता है।

पाक रमजान माह में वैसे तो बालिगों को रोजा रखने को जरूरी बताया गया है लेकिन, आठ से 14 वर्ष तक के बच्चे रोजा रख सकते हैं। आमतौर पर मंझले रोजा से ही पहली बार रोजा रखवाया जाता है। लेकिन अगर किसी बच्चे ने इससे पहले ही रोजा रखना शुरू कर दिया है तो मंझले रोजा पर परिवार की ओर से उसकी हौसला आफजाई के लिए रिश्ते नातेदारों व पड़ोसियों को इफ्तार में बुलाया जाता है। इस दौरान रोजेदार बच्चे को न सिर्फ माला पहनाया जाता है बल्कि माता-पिता सहित परिवार के अन्य बड़े लोग कपड़े भी भेंट करते हैं। यही नहीं इस दौरान सभी को इफ्तार सहित खाना भी खिलाया जाता है। बच्चे की रोजा गुसाई न होने पर भी मंझले रोजा पर इफ्तार कराने वालों को अल्लाह नेमतें बख्शता है। मुस्लिम परिवारों द्वारा रोजेदारों को इफ्तार पर बुलाया जाता है।

सार-संक्षेप

देवर पर नशे में मारपीट का आरोप

बांगरमऊ। कोतवाली क्षेत्र के गांव मदार नगर निवासी रोशनी का पति चुन्नीलाल अन्य शहर में रहकर मजदूरी करता है। पत्नी रोशनी घर में अकेले रहती है। आरोप है कि उसका देवर मंगलवार शाम नशे में धुत होकर आया और चप्पल से उसे मारने दौड़ा। उसकी बेटी के बीच-बचाव करने पर चुन्नीलाल ने उसे भी गंदी-गंदी गालियां दीं। रोशनी के अनुसार उसका देवर अक्सर नशे में गालियां देता है। पीड़िता ने पुलिस को तहरीर देकर अपने देवर के विरुद्ध कार्रवाई की मांग की है।

तीन लोगों पर पीटने का आरोप

बांगरमऊ। कोतवाली क्षेत्र के गांव भिखारीपुर रुल्ल निवासी मोनू, राहुल व बुद्धीलाल मंगलवार को अपने मकान के सामने आम रास्ते के दूसरी ओर स्थित शिवप्रकाश की चरनी फावड़े से गिराने लगे। शिव प्रकाश की गैरमौजूदगी में उसकी पत्नी बबली ने इसक विरोध किया तो तीनों ने उसकी लात-घूंसों से पिटाई कर दी। इसमें बबली घायल हो गई। पीड़िता ने घटना की तहरीर कोतवाली पुलिस को दी है। पुलिस मामले की जांच कर रही है।

वाहन चोर समझ कर युवक को पीटा

उन्नाव। मित्र की बाइक लेकर मां को जिला अस्पताल लेकर आया युवक गलती से दूसरे की बाइक लेकर चला गया। जानकारी होने पर वह वापस लौटा और बाइक खड़ी कर रहा था तभी उसे दूसरी बाइक स्वामी ने चोर समझ कर अन्य लोगों की मदद से पकड़ लिया। इस दौरान किसी ने उसकी बात नहीं सुनी और हाथ साफ किया। सभी उसे पकड़ कर चौकी लाए जहां पूरी बात सुनने के बाद उसकी बाइक भी खड़ी देख पुलिस ने दोनों पक्षों में समझौता करा दिया। मारपीट का वीडियो भी शोसल मीडिया पर वायरल हुआ। वहीं लोगों में चर्चा रही कि मारपीट करने वाले अस्पताल चौकी पुलिस के नजदीकी हैं।

मानसिक विक्षिप्त से दुष्कर्म में युवक को उम्रकैद और 52 हजार का जुर्माना

बदरका गांव में घूमते हुए पहुंची थी महिला, झाड़ियों में खींचकर किया था दुराचार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। अचलगंज थानाक्षेत्र के बदरका गांव में कही से घूमते हुए पहुंची मानसिक विक्षिप्त महिला से युवक ने दुष्कर्म किया था। इस केस की सुनवाई पूरी होने के बाद कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी करार देते हुए उसे आजीवन कारावास के साथ 52 हजार का अर्थदंड के निर्देश दिये।

अचलगंज थानांतर्गत बदरका गांव निवासी कैलाश मोहन ने 27 सितंबर-2022 को गांव के मुकेश रैदास पुत्र रामऔतार के विरुद्ध मानसिक विक्षिप्त महिला से दुष्कर्म करने व उसे जान से मारने की धमकी देने के आरोप में रिपोर्ट दर्ज कराई थी। पुलिस को दी तहरीर में कैलाश मोहन ने बताया था कि 22 सितंबर को एक मानसिक विक्षिप्त महिला गांव के आनंदी माता मंदिर आ गई थी। तभी गांव निवासी मुकेश रैदास उसे झाड़ियों में खींच ले गया और उससे दुष्कर्म किया। जानकारी पर ग्रामीण पहुंचे तो वह महिला को जान से मारने की धमकी देते हुए भाग निकला था।

पुलिस ने कैलाश मोहन की तहरीर पर आरोपी मुकेश को गिरफ्तार किया और पीड़िता का मेडिकल कराया। आईओ सियाराम राजपूत ने जांच पूरी कर एक माह में आरोपी के विरुद्ध चार्जशीट कोर्ट में दाखिल कर दी थी। मंगलवार को एडीजे-3 कोर्ट में मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। शासकीय अधिवक्ता विनय शंकर दीक्षित की दलील व साक्ष्य के आधार पर एडीजे ममता सिंह ने मुकेश को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास के आदेश दिये। इसके साथ ही उस पर 52 हजार का अर्थदंड भी लगाया। वहीं, मारपीट व धमकी देने में छह माह की सजा व 2000 का अर्थदंड भी लगाया।

किशोरी से दुष्कर्म में युवक को 20 साल की सजा

अमृत विचार उन्नाव। बीघापुर कोतवाली अंतर्गत किशोरी से दुष्कर्म के मामले में कोर्ट ने आरोपी युवक को दोषी ठहराते हुए 20 साल की सजा सुनाने के साथ 55 हजार रुपए का जुर्माना भी लगाया है। बता दें कि बीघापुर कोतवाली क्षेत्र के एक गांव निवासी किशोरी की मां ने 29 अप्रैल-2022 को तहरीर देकर बताया था कि 27 फरवरी-2022 की दोपहर में उसकी नाबालिग बेटी खेत में चारा लेने गई थी। तभी परिवार के ही बिंदादीन पुत्र मंगल ने उसका पीछा किया और सुनसान जगह पर उससे दुष्कर्म किया। घर आकर बेटी ने घटना की जानकारी मां को दी थी। पिता के नौकरी के सिलसिले में बाहर होने के कारण मां ने उस वक्त घटना की जानकारी पुलिस को नहीं दी थी। पति के लौटने पर कोतवाली में शिकायत दर्ज कराई थी। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया था। आईओ हीरा सिंह ने आरोपी के विरुद्ध 19 जुलाई-2022 को कोर्ट में चार्जशीट पेश की थी। मंगलवार को मुकदमे की अंतिम सुनवाई पूरी हुई। जहां शासकीय अधिवक्ता कविता सिंह की ओर से पेश की गई दलीलों को सुनने के बाद एडीजे विवेकानंद विश्वकर्मा ने बिंदादीन को 20 साल का कठोर कारावास और 55 हजार रुपए का जुर्माना लगाया।

त्योहार से पहले 32 के कटे कनेक्शन घरों में अंधेरा रहा

शुक्लागंज उन्नाव। मार्च माह को देखते हुये बिजली विभाग इन दिनों बड़े बकायेदारों के खिलाफ अभियान चला रहा है। इधर होली के त्योहार से पहले एसडीओ के निर्देश पर चलाये गये अभियान के दौरान कई बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे गये। जिससे त्योहार से पहले उनके घरों में अंधेरा छा गया।

मंगलवार को एसडीओ राजेन्द्र प्रसाद के निर्देश पर अवर अभियंता विष्णु शुक्ला, अक्षय तिवारी, मीटर जेई मनोज मिश्रा ने बड़े बकायेदारों की सूची के अनुसार अभियान चलाया। जहां उनके नेतृत्व में बिजली कर्मियों की टीम रामनगर, डाकतार कालोनी, अवस्थी फार्म, ऋषि नगर, गोताखोर, मनसुख खेड़ा, चंपापुरवा मोहल्ले में पहुंची। जहां बड़े बकायेदारों के कनेक्शन काटे। इसके साथ ही बिना बिजली का बिल जमा किये बगैर कनेक्शन जोड़ने पर कार्यवाही करने की बात कही। जिससे त्योहार से पहले उनके घरों में अंधेरा छा गया। जेई ने बताया कि अभियान के दौरान 32 बकायेदारों की बिजली काटी गई।

अधिवक्ता व उसके दो साथियों पर रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

- एक पक्षीय कर्रवाई होने से अधिवक्ताओं में रोष, किया कार्य का बहिष्कार

अमृत विचार। अधिवक्ता व नायब तहसीलदार के निजी चालक में हुई मारपीट में दोनो पक्षों ने एक दूसरे पर आरोप लगाए थे। देररात नायब तहसीलदार की तहरीर पर हसनगंज कोतवाली पुलिस ने अधिवक्ता व उसके दो साथियों पर रिपोर्ट दर्ज कर ली। पुलिस की एक पक्षीय कार्रवाई से अधिवक्ताओं में आक्रोश रहा। तहसील बार एसोसिएशन ने इसके विरोध में कार्य बहिष्कार की घोषणा की है।

बता दें कि हसनगंज तहसील में नायब तहसीलदार पूर्णिमा तिवारी की कोर्ट में अधिवक्ता सुधीर सिंह की नायब तहसीलदार के निजी चालक से मारपीट हुई थी। अधिवक्ता का आरोप था कि दाखिल खारिज की फाइल सुनने को 25 हजार की रिश्वत न देने पर उनके चालक ने मारपीट की थी। वहीं नायब तहसीलदार ने अधिवक्ता पर आरोप लगाया था कि उन्होंने अपने दो साथियों के साथ शनिवार व सोमवार को उनके कार्यालय में घुसकर मारपीट की और सरकारी कार्य में बाधा डाली। सुलह के प्रयास सफल नहीं हुए तो देररात नायब तहसीलदार की तहरीर पर पुलिस ने अधिवक्ता सुधीर सिंह निवासी रसूलपुर बकिया, अखिलेश यादव व एक अज्ञात युवक पर सरकारी कार्य में बाधा, आचार संहिता का उल्लंघन, मारपीट व जान से मारने की धमकी देने की धाराओं में रिपोर्ट दर्ज कर ली। रिपोर्ट दर्ज होने पर अधिवक्ता संघ का प्रतिनिधि मंडल एसएचओ से मिला और अधिवक्ता की तहरीर पर भी रिपोर्ट दर्ज करने की मांग करते हुए कार्य बहिष्कार कर दिया। तहसील बार एसोसिएशन के अध्यक्ष सजीवन सिंह, महामंत्री राजीव सिंह, राम नाथ, प्रमोद यादव, रोहित सिंह, विजय सिंह, रोहित यादव आदि ने पुलिस की एक पक्षीय कार्रवाई की निंदा करते हुए रिपोर्ट दर्ज न होने तक कार्य बहिष्कार की बात कही।

तार बदले, आधा दर्जन मोहल्ले की बिजली रही गुल

शुक्लागंज उन्नाव। नगर के कई मोहल्लों में जर्जर तारों से विद्युत आपूर्ति हो रही है। जिसे देखते हुये रीवैंप योजना के तहत जर्जर पोल और तार बदलने का काम किया जा रहा है। मंगलवार को कार्य के चलते आधा दर्जन मोहल्लों की सुबह से शाम तक बिजली गुल रही।

मंगलवार को कंचन नगर मोहल्ले में एबीसी लाइन और जर्जर पोल बदलने के लिये कार्यदायी संस्था के कर्मचारी पहुंचे। जहां सुबह ग्यारह बजे शट डाउन लिया गया। जिसके बाद जर्जर तार और पोल बदलने का काम किया गया। बिजली नहीं आने से लोगों को काफी मुश्किलों का सामना करना पड़ा।

इस दौरान बजे कंचन नगर, सर्वोदव नगर, आदर्श नगर, मंशा खेड़ा, रहमत नगर की बिजली गुल रही। शाम करीब साढ़े पांच बजे कार्य समाप्त होने के बाद आपूर्ति चालू हो सकी। इसी तरह ब्रम्ह नगर में तार बदलने के कारण सुबह साढ़े ग्यारह बजे से शाम साढ़े पांच बजे तक गुल रही। जिससे लोगों को परेशानी उठानी पड़ी।

बहू से झगड़कर सास ने लगाई फांसी, मौत

शुक्लागंज। गंगाघाट क्षेत्र के रहमत नगर के पास रहने वाली एक महिला का मंगलवार सुबह बहू से मामूली बात को लेकर विवाद हो गया। जिससे क्षुब्ध होकर महिला ने फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद परिजनों की उसपर नजर पड़ी तो उनका रो रो कर बुरा हाल हो गया। सूचना पर पहुंची पुलिस ने जांच पड़ताल कर शव को पीएम के लिये भेजा है।रहमत नगर मकइया तालाब के निकट रहने वाले सरफराज कुरैशी की पत्नी नगमा (55) का पति कई सालों पहले कहीं चला गया था। जिस पर वह अपने जुड़वा बेटे शमशाद, उसकी पत्नी और दिलशाद के साथ रहती है। मंगलवार सुबह नगमा का बहू से घरेलू बात को लेकर विवाद हो गया। जिस पर दोपहर के समय वह कमरे में पहुंची। जहां उसने दुपट्टे से फांसी लगाकर खुदकुशी कर ली। कुछ देर बाद परिजनों की नजर पड़ी तो उनकी चीख निकल आई।

वार्षिकोत्सव में एडीजे ने बच्चों को दिये टिप्स

संवाददाता शुक्लागंज

बच्चों को पुरस्कृत करतीं जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, गुब्बारा छोड़तीं मेयर प्रमिला पांडे, अपर जज मनीष निगम व पूनम निगम।

- एडीजे, महापौर, जिला पंचायत अध्यक्ष, पालिकाध्यक्ष ने बच्चों को किया पुरस्कृत

अमृत विचार। सहजनी स्थित महर्षि दयानंद पब्लिक स्कूल में मंगलवार को वार्षिकोत्सव, पुरस्कार वितरण का आयोजन किया गया। जहां बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। इसके साथ ही विद्यालय में लगे झूलों का भी बच्चों ने लुत्फ उठाया। वहीं कार्यक्रम के समापन के बाद गुब्बारे भी छोड़े गये।

एमडीपीएस स्कूल में वार्षिकोत्सव समारोह पुरस्कार वितरण व सांस्कृतिक कार्यक्रम के दौरान कानपुर महापौर प्रमिला पाण्डेय, अपर जिला जज पूनम निगम, मनीष निगम, जिला पंचायत अध्यक्ष शकुन सिंह, पालिकाध्यक्ष कौमुदी पांडेय, प्रतिनिधि संदीप पांडेय पहुंचे। जहां प्रबंधक मयंक शुक्ला ने मुख्य अतिथियों को पुष्प गुच्छ भेंट कर स्वागत किया। मुख्य अतिथियों ने दीप प्रज्ज्वलित कर रिबन काटकर शुभारंभ किया। महापौर ने कहा कि विद्यालय में शासन व अनुशासन दोनों ही रहते हैं। जिसकी वजह से विद्यालय निरन्तर गतिमान है और गतिमान रहेगा। जिला जज ने कहा कि विद्यालय के छात्रों द्वारा प्रस्तुत कार्यक्रमो को देखकर यह एहसास हुआ कि शिक्षा के साथ साथ संस्कार भी दिया जा रहा है। यह विद्यालय अपना उत्कृष्ट प्रदर्शन कर रहा हैं। इसी तरह विद्यालय खूब उन्नति और प्रगति करे। यह विद्यालय जनपद ही नहीं बल्कि प्रदेश और राष्ट्र में स्वर्णिम अक्षरों में विद्यालय का नाम हो मेरी शुभकामनाएं हैं। इस दौरान बच्चों ने सांस्कृतिक कार्यक्रम प्रस्तुत किये। वहीं प्रेम शांति सौहार्द और भाई चारे की भावना को समाज में बढ़ाने हेतु गुब्बारे छोड़े गए। हनुमान झांकी ने सभी को मंत्रमुग्ध कर दिया। अन्तिम आकर्षक कड़ी के रुप में फूलों की होली खेली गई। राष्ट्रगान के साथ कार्यक्रम का समापन हुआ। इस दौरान संरक्षक पीएन शुक्ला के अलावा स्कूल के शिक्षक-शिक्षिकाएं मौजूद रहीं।

समय से अस्पताल नहीं पहुंचते चिकित्सक, जिम्मेदार बेपरवाह

संवाददाता नवाबगंज उन्नाव

कक्ष में खाली पड़ी डाक्टरों की कुर्सियां। अमृत विचार

- इलाज के लिए पहुंचे मरीजों को घंटों करना पड़ता इंतजार

अमृत विचार। प्रदेश के स्वास्थ्य मंत्री व उप मुख्यमंत्री बृजेश पाठक के निर्देश के बावजूद चिकित्सकों की कार्यशैली में सुधार नहीं आ रहा है। स्थानीय सीएचसी में 11 बजे तक महिला चिकित्सक के न पहुंचने से मरीज परेशान दिखे।

बता दें कि प्रदेश के उपमुख्यमंत्री व स्वास्थ्य मंत्री बृजेश पाठक द्वारा प्रदेश के सभी स्वास्थ्य विभाग के उच्च अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए गए हैं कि चिकित्सकों को समय पर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र व प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र में पहुंचकर वहां आने वाले मरीजों का सही उपचार किया जाए। लेकिन, चिकित्सक उनके निर्देशों की खुलेआगम धज्जियां उड़ा रहे हैं। इसका जीता-जागता उदाहरण मंगलवार को नवाबगंज सीएचसी में देखने को मिला। जहां तैनात महिला चिकित्सक डा. ऋचा श्रीवास्तव 11 बजे तक स्वास्थ्य केंद्र नहीं पहुंची। इससे महिला मरीज उनके केबिन के बाहर खड़े इंतजार करती रहीं और महिला चिकित्सक की कुर्सी खाली पड़ी रही। जिसकी फोटो क्षेत्रीय लोगों ने खींचकर सोशल मीडिया पर वायरल कर दी। हालांकि ऐसी किसी फोटो की पुष्टि अमृत विचार नहीं करता है। इसे लेकर सीएमओ डा. सत्य प्रकाश ने कहा कि फोटो वायरल होने का मामला संज्ञान में आया है। इसकी जांच कराएंगे। जो भी दोषी होगा उसके विरुद्ध कठोर कार्रवाई की जाएगी।

युवक की पहचान, पकड़ से दूर हत्यारा

फॉलोअप

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

अमृत विचार। औरास थानांतर्गत सोमवार देरशाम हुई युवक की निर्मम हत्या के बाद उसके आधार कार्ड में दर्ज नंबर से परिजनों को घटना की सूचना दी गई। भाई ने पुलिस के साथ मोर्चरी पहुंचकर पहचान की। इसके बाद मंगलवार को शव का पोस्टमार्टम कराया गया। जिसमें चोटों व अत्यधिक रक्तस्राव से मौत की पुष्टि हुई। परिजनों ने गंगातट पर उसका अंतिम संस्कार कर दिया। लेकिन 24 घंटे से अधिक बीतने के बाद भी पुलिस हत्यारे और हत्या की वजह का पता नहीं लगा सकी।

गर्दन कटने से हुई मौत

पहचान होने के बाद औरास पुलिस ने शव का पोस्टमार्टम कराया। पोस्टमार्टम रिपोर्ट में धारदार हथियार से गर्दन काटने से अधिक रक्तस्राव होने से मौत होने की पुष्टि हुई है। उसके सिर में सात व हाथ में एक और गर्दन पर कई वार किए गए थे। उसके सिर की दो हड्डियां भी टूटी मिली हैं।

बता दें कि औरास थानाक्षेत्र के औरास-मोहान मार्ग स्थित जमाल नगर व आलमखेड़ा गांव के बीच बरमबाबा टीला पर रहने वाले साधू मैकू साईं के चेला की सोमवार शाम बांके से गर्दन काट हत्या कर शव को सड़क किनारे खंती में फेंक दिया था। बताया जा रहा है कि नशेबाजी को लेकर दोनों के बीच विवाद हुआ और उसके बाद साथी ने वारदात को अंजाम देकर भाग निकला था। जांच दौरान पुलिस ने अज्ञात बाबा के पास से निकले आधार कार्ड से शव की पहचान कराई गई और परिजनों को सूचना दी। जानकारी पर छोटे भाई राजन मिश्र ने शव की पहचान अपने बड़े भाई अजीत (39) पुत्र लालजीत उर्फ लगन मिश्र निवासी कुबेरा भुवाल पट्टी मिश्रौली थाना विशुनपुरा जिला कुशीनगर के रूप में की है। परिजनों के पोस्टमार्टम हाउस पहुंचने पर पुलिस से आवश्यक कार्रवाई की गई। सीओ बांगरमऊ अरविंद कुमार ने बताया कि भाई ने तहरीर पर साथी बबलू के विरुद्ध हत्या का केस दर्ज किया।

कार्यालय व बाइक में लगी आग

संवाददाता आसीवन उन्नाव

अमृत विचार। मियागंज ब्लाक सभागार में अचानक आग लगने से हड़कंप मच गया। मौजूद कर्मचारियों ने आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन सफल नहीं हुए। सूचना पर पहुंचे दमकल कर्मियों ने कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया। लेकिन तब तक पंचायत निर्वाचन संबंधित अभिलेख जलकर राख हो गए।

मियागंज ब्लाक सभागार में पीछे बने कमरे में मंगलवार दोपहर अचानक धुआं उठता देख कर्मचारी सभागार का ताला खोलकर अंदर पहुंचे तो आग की लपटें देख उनके होश उड़ गए। मौजूद कर्मचारियों ने हैंडपंप से पानी डालकर आग बुझाने का प्रयास किया लेकिन, आग ने विकराल रूप ले लिया। एडीओ पंचायत निर्मल यादव ने हसनगंज फायर बिग्रेड के साथ आसीवन पुलिस को घटना की सूचना दी। दमकल की गाड़ियां वहां पहुंची और जवानों ने पानी की बौछार कर आग पर काबू पाया। इस दौरान अभिलेख, सामान जलकर राख हो गया। एडीओ पंचायत ने बताया कि आग से पंचायत चुनाव निर्वाचन संबंधी अभिलेख व अन्य सामग्री जल गयी है।

कमरे में लगी आग बुझाते दमकल कर्मी।

आग से दो घरों की गृहस्थी व बाइक जली

उन्नाव। अचलगंज थानाक्षेत्र के गड़सर गांव में अचानक लगी आग से दो घरों की गृहस्थी व एक बाइक जलकर राख हो गई। सुपासी गांव के मजरा गड़सर निवासी रामबाबू रैदास पुत्र बुद्धीलाल व बलराम पुत्र मैकू के पड़ोसी है। मंगलवार शाम अचानक बुद्धीलाल के घर में रखे छप्पर से लपटें उठने लगीं। इस पर ग्रामीण दौड़े और निजी संसाधनों से आग बुझाने का प्रयास किया। लेकिन फूस का छप्पर होने से आग भड़क गई और पड़ोसी बलराम के घर को अपनी चपेट में ले लिया। जानकारी पर पुलिस पहुंची और दमकल विभाग को सूचना दी। लेकिन उससे पहले ग्रामीणों ने आग पर काबू पा लिया था। बुद्धीलाल ने बताया कि घर के सारे कपड़े, बर्तन व बाइक समेत 3000 रुपये जले हैं। वहीं बलराम की भी गृहस्थी, 5000 रुपये जल गए हैं।

सड़क हादसे में घायल हुए युवक ने तोड़ा दम

उन्नाव। दही थानांतर्गत रविवार को पैदल जाते समय कार की टक्कर से घायल हुए युवक ने कानपुर के हैलट अस्पताल में इलाज के दौरान दम तोड़ दिया। मौत की सूचना मिलते ही परिजनों में कोहराम मच गया।

दही थानांतर्गत बीती रविवार दोपहर 12 बजे मुर्तजा नगर गांव निवासी श्रीधर रावत (55) पुत्र स्व. लल्लू को कानपुर-लखनऊ हाईवे पर लखनऊ जा रही तेज रफ्तार कार ने टक्कर मार दी थी। हादसे के वक्त वह पैदल अपने घर लौट रहा था। राहगीरों की मदद से उसे पहले जिला अस्पताल फिर वहां से कानपुर के हैलट में भर्ती कराया गया था। जहां मंगलवार को उसकी इलाज के दौरान मौत हो गई। इसकी सूचना पर परिजनों में कोहराम मच गया। बेटे विशाल की तहरीर पर पुलिस ने कार चालक पर एफआईआर दर्ज की है।

सार-संक्षेप

अनुराग बाजपेई बने कांग्रेस के जिला सचिव

कांग्रेस के जिला सचिव अनुराग बाजपेई।

शुक्लागंज उन्नाव। लोकसभा चुनाव से कांग्रस ने गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर गांव में रहने वाले अधिवक्ता को कांग्रेस का जिला सचिव मनोनीत किया गया है। उनके मनोनयन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने हर्ष व्यक्त किया है। उत्तर प्रदेश कांग्रेस कमेटी के प्रदेश अध्यक्ष अजय राय एवं जिलाध्यक्ष आरती बाजपेयी की संस्तुति पर जिला गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के शंकरपुर में रहने वाले अनुराग बाजपेई को जिला कांग्रेस कमेटी का जिला सचिव मनोनीत किया गया। उनके मनोनयन पर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने खुशी जाहिर की। इसके साथ ही अधिवक्ताओं ने लड्डू खिलाकर मुंह मीठा कराया। इस दौरान अनुराग बाजपेई ने कहा कि पार्टी न उनपर भरोसा जताते हुये सचिव बनाया है। वह पार्टी को और मजबूत बनाने का काम करेंगे।

अभद्र टिप्पणी करने पर शिक्षक दंपति समेत चार पर रिपोर्ट

शुक्लागंज, उन्नाव। गंगाघाट कोतवाली क्षेत्र के रहने वाली एक मोहल्ले में रहने वाले नाबालिक बच्चे कानपुर में एक बड़े स्कूल में पढ़ते थे, जहां स्कूल शिक्षिका ने उनके बेटे को प्रेमजाल में फंसाकर धर्म परिवर्तन कराने का दबाव डाला। जिस पर कानपुर में मुकदमा दर्ज है। उसी मामले को लेकर कानपुर में रहने वाले तीन शिक्षक और एनजीओ संचालिका फोन पर धमकी देने के साथ ही सोशल साइटों पर अभद्र टिप्पणी कर रहे हैं। जिस पर पुलिस ने दंपति शिक्षक समेत दो अन्य लोगों के खिलाफ आईटी एक्ट व धमकाने की धारा में मुकदमा दर्ज किया है। मोहल्ले में रहने वाले एक कारोबारी ने मंगलवार को गंगाघाट कोतवाली पुलिस को तहरीर देते हुये बताया कि उनका बेटा कानपुर के एक बड़े स्कूल में पढ़ता था। जहां स्कूटी की एक शिक्षिका ने बेटे को अपने प्रेमजाल में फंसा लिया और उसका धर्म परिवर्तन कराने का दबाव डालने लगी। जिसमें स्कूल प्रशासन भी शामिल रहा। इसके चलते उन्होंने कानपुर कैंट में में इस मामले की बावत स्कूली टीचर समेत कई लोगों के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था। उसी को लेकर कारोबारी ने आरोप लगाया कि शिक्षक रोहित गौरव केलव, उसकी पत्नी ऑलिव रोज केलव निवासी किदवई नगर नौबस्ता के अलावा शिक्षक देवेन्द्र शर्मा व एक एनजीओ संचालिका कुशुम शिप्नी अलग-अलग नंबरों से फोन कर धमकी देते हैं। इतना ही नहीं सोशल साइड पर नाबालिग बच्चों के खिलाफ अभद्र भाषा का प्रयोग कर बदनाम कर रहे हैं। जिस पर पुलिस ने रोहित गौरव केलब, ऑलिव रोज केलव, देवेन्द्र शर्मा, कुशुम शिल्पी के खिलाफ एफआईआर दर्ज की है। कोतवाली प्रभारी रामफल प्रजापति ने बताया कि तहरी के आधार पर चार लोगों के खिलाफ आईटी एक्ट एवं धमकाने की एफआईआर दर्ज की गई है।

डीएम साहब! खनन माफिया से हमारी जमीनों को बचाओ

सोहरामऊ उन्नाव। पुरवा तहसील क्षेत्र के कई गावों के किसानों ने डीएम को प्रार्थनापत्र देकर बताया कि खनन माफिया हमारी जमीनों को रातोंरात खोद रहे हैं। विरोध करने पर धमकाते हैं व मारपीट पर अमादा हो जाते हैं। डीएम ने प्रार्थनापत्र के आधार पर जांच कराकर कार्यवाही का आश्वासन किसानों को दिया है। बता दें कि तहसील क्षेत्र के गांव नरसिंहपुर निवासी किसान चंद्रपाल, बुद्धीललाल, रामकुमार, रमाकांत, दशरथ, धर्मावती, रमेश व संजय आदि किसानों ने डीएम गौरांग राठी से मिलकर उन्हें प्रार्थनापत्र दिया। जिसमें किसानों ने बताया कि कानपुर नगर निवासी एक खनन माफिया ने जिन खाता नंबरों में खनन करने की अनुमति ली है उन नंबरों पर खनन न करके हमारे खेतों में जेसीबी व पोकलैंड लगाकर छह-छह फिट तक मिट्टी खोद डाली है। ग्रामीणों के अनुसार उनकी जमीनों के अलावा खनन माफियाओं ने इसके पास स्थित बंजर भूमि में दर्ज एक जमीन के बड़े हिस्से को भी खोद डाला है। आरोप है कि यह सब प्रशासनिक अफसरों की सूचना और लेखपालों की मिलीभगत से हो रहा है।

खेत में मिट्टी खोदकर डंपर में भरती पोकलैंड।

आक्रोश मृतक आश्रित को एक करोड़ रुपये सहायता, एक को नौकरी व सेवानिवृत्ति तक वेतन दिया जाए

शिक्षक को श्रद्धांजलि, मूल्यांकन का किया बहिष्कार

कार्यालय संवाददाता उन्नाव

श्रद्धांजलि सभा को संबोधित करते शिक्षक नेता। अमृत विचार

अमृत विचार। माध्यमिक शिक्षक संघ (शर्मा गुट) के नेताओं ने शहर में हो रहे माध्यमिक शिक्षा परिषद के मूल्यांकन केंद्रों पर पहुंचकर आरक्षी सिपाही की गोली के शिकार हुए बनारस के शिक्षक के चित्र पर पुष्प अर्पित कर श्रद्धांजलि अर्पित की। साथ ही संघ से जुड़े शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य का बहिष्कार भी किया।

संगठन द्वारा बहिष्कार का आह्वान करने के बाद भी चारों मूल्यांकन केंद्रों पर ज्यादातर शिक्षक-शिक्षिकाएं मूल्यांकन करने पहुंचे। वहीं संघ के जिले में रहने वाले प्रांतीय व जिला पदाधिकारियों ने केंद्रों पर पहुंचना शुरू कर दिया। उन्होंने साथ लाए दिवंगत शिक्षक का चित्र केंद्र परिसर में एक मेज पर रखकर श्रद्धांजलि देने का सिलसिला शुरू कराया। इस दौरान मूल्यांकन कार्य छोड़कर शिक्षक-शिक्षिकाओं ने दिवंगत की आत्मा की शांति के साथ परिजनों को दुख से उबरने की सामर्थ्य देने की ईश्वर से प्रार्थना की। श्रद्धांजलि देने के बाद शिक्षकों ने मूल्यांकन कार्य नहीं किया। श्रद्धांजलि सभाओं में शिक्षक नेता उमाशंकर तिवारी कौशल, किशोर मिश्रा, हनुमंत सिंह, सतीश चंद्र मिश्र, शिवभान सिंह, दिनेश गुप्ता व शैलेश पाल आदि ने कहा कि मुख्यमंत्री के जीरो टॉलरेंस के दावे के बीच अब पुलिस द्वारा बेकसूरों पर भी गोलियां बरसाने का सिलसिला शुरू हो गया है। उन्होंने दिवंगत के परिवार को एक करोड़ रुपए अहेतुक सहायता, परिवार के एक सदस्य को सरकारी नौकरी व मृतक के परिवार को उसकी सेवानिवृत्ति की तिथि तक वेतन की मांग की है।

रहा आंशिक असर: डीआईओएस

डीआईओएस एसपी सिंह ने कहा कि संघ के बहिष्कार के चलते सुबह तो मूल्यांकन हुआ, लेकिन संगठन के पदाधिकारियों द्वारा श्रद्धांजलि सभा करने के बाद शिक्षकों ने उत्तर पुस्तिकाएं नहीं जांची। इसलिए बहिष्कार का आंशिक प्रभाव रहा। कहा कि एक दिन के बहिष्कार का आह्वान था। इसलिए बुधवार को पहले की तरह मूल्यांकन कार्य होगा। साथ ही उम्मीद जताई कि जिम्मेदार पेशे से जुड़े शिक्षक बहिष्कार दिवस की भरपाई के लिए आगे के दिनों में अधिक तेजी से कार्य करेंगे। विभागीय अधिकारी ने स्वीकार किया कि बहिष्कार के चलते डा. जी नाथ जी. दयाल बालिका इंटर कालेज में श्रद्धांजलि सभा के बाद एक भी उत्तर पुस्तिका नहीं जांची गई। शहर में राजकीय इंटर कालेज, राजकीय बालिका इंटर कालेज, अटल बिहारी इंटर कालेज आदि को मूल्यांकन केंद्र बनाया गया है।

यह था मामला

माध्यमिक शिक्षा परिषद ने बनारस से मूल्यांकन को उत्तर पुस्तिकाएं मुजफ्फर नगर भेजी। पुलिस अभिरक्षा में उत्तर पुस्तिकाओं के साथ शिक्षक सहित अन्य स्टाफ भी गया था। रात में मुजफ्फर नगर पहुंचने से पहले केंद्र के बाहर सभी को रुकना पड़ा। तभी किसी बात पर नाराज होकर आरक्षी ने कार्बाइन से गोलियां बरसानी शुरू कर दीं। इसमें घायल बनारस में कार्यरत शिक्षक धर्मेंद्र को जिला अस्पताल पहुंचाने पर चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया था।

अमृत विचार
www.amritvichar.com

यस्य पुत्रो वशीभूतो भार्या छन्दानुगामिनी।
विभवे यस्य सन्तुष्टिस्तस्य स्वर्ग इहैव हि ॥

जिसका पुत्र वशीभूत हो, पत्नी वेदों के मार्ग पर चलने वाली हो और जो वैभव से सन्तुष्ट हो, उसके लिए यहीं स्वर्ग है ।

संपादकीय

भारत-रूस संबंध

चुनाव में मिली जीत के बाद रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने कहा कि रूस यूक्रेन में अपने आक्रमण से पीछे नहीं हटेगा और उसकी सीमा पार हमलों से रक्षा करने के लिए एक 'बफर जोन' बनाने की योजना है। उन्होंने चेताया कि रूस और नाटो के बीच संभावित संघर्ष से दुनिया तीसरे विश्व युद्ध से महज 'एक कदम दूर' रह जाएगी। यानि अपनी व्यापक जीत के साथ पुतिन संभवतः और अधिक ताकत का प्रदर्शन करेंगे और यथास्थिति बनाए रखेंगे। यह निर्विवाद है कि दो वर्ष पूर्व यूक्रेन युद्ध शुरू करने के चलते पूरी दुनिया के निशाने पर आने वाले पुतिन का अपने देश रूस में एकछत्र राज है। पुतिन ने यूक्रेन में युद्ध का घरेलू और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर अपने आलोचकों की अपेक्षा से बेहतर मुकाबला किया है। पश्चिमी देशों की सुविधा के अनुरूप लाई गई उदारीकरण व खुलेपन की वैश्विक नीतियों से सोवियत संघ के बिखराव के बाद आहत रूसी राष्ट्रवाद को पुतिन ने अपने तरीके से सींचा। सोमवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पुतिन को पुनः निर्वाचित होने पर बधाई देते हुए कहा कि भारत और रूस के बीच समय की कसौटी पर खरी उतरी, विशेष और विशिष्ट रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत बनाने के लिए आने वाले वर्षों में वे एक साथ काम करने को लेकर उत्साहित हैं। वास्तव में भारत के लिए पुतिन का पुनः चुना जाना एक महत्वपूर्ण रिश्ते की स्थिरता सुनिश्चित करेगा। रूसी नेता ने भारत के स्वतंत्र इतिहास के लगभग एक तिहाई समय तक उसके साथ संबंध बनाए रखा है और अभी तक उसका काम पूरा नहीं हुआ है। जानकारों का कहना है कि पश्चिमी देश रूस को लेकर चाहे कितना ही सख्त रुख अपना लें लेकिन भारत दोस्ती के बाद भी उनका पिछलग्गू नहीं बनने जा रहा है।

2010 से भारत-रूस के बीच खास और विशेषाधिकार प्राप्त रणनीतिक साझेदारी मज़बूत इतिहास की ठोस बुनियाद पर विकसित हुई है और ये राजनीतिक ज़रूरत के माध्यमों से बनी हुई है। रूस ने शंघाई सहयोग संगठन में भारत की सदस्यता का समर्थन किया और संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद में सुधार और इसमें भारत को शामिल करने की अपील की। इस तरह रूस ने व्यापक रूप से अंतर्राष्ट्रीय कार्यक्षेत्र में भारत की बढ़ती भूमिका को स्वीकार किया। तकनीकी संकीर्णता की तरफ अमेरिका के धीरे-धीरे लेकिन साफ झुकाव के बीच भारत की कंपनियां रूस के साथ सहयोग को लेकर सावधानी बरत रही हैं। इसके अलावा रूस से आयात में बढ़ोतरी के साथ-साथ भारतीय निर्यात में बढ़ोतरी नहीं हुई। इसलिए दोनों देशों के संबंधों को विक्रेता-खरीदार रिश्तों के रूप से हटकर अधिक रणनीतिक बुनियाद पर एक आदर्श बदलाव की आवश्यकता है।

विज्ञान कथाओं की कोख से ही निकलेगी स्पेस-शब्दावली

रणवीर सिंह फोगाट
सेवानिवृत्त अधिकारी
स्वास्थ्य अनुसंधान विभाग
आईसीएमआर

विज्ञान लेखन की लोकप्रिय शैली में नई शब्दावली का प्रयोग अच्छी बात है। हिंदीतर और विदेशी भाषाओं से शब्द उधार लेने या भावार्थिक हाइब्रिड शब्द बनाने में दिक्कत नहीं है, खासतौर से जब भारत के बहुभाषी लोग 'एस्ट्रोनॉट' और 'कॉस्मोनॉट' दोनों ही शब्दों से अच्छे से परिचित हैं।

इंडियन स्पेस रिसर्च आर्गेनाइजेशन (इसरो) की कार्य प्रणालियों की रिपोर्टिंग और इसकी उपलब्धियों और इतिहास के बारे में हिंदी मीडिया में लेखन के विविध पाठ पढ़ने से टर्मिनोलॉजी को लेकर कुछ सवाल उठने स्वाभाविक हैं। शब्द सामर्थ्य के अनुसार अपनी शैली में विषय से संबंधित सामग्री का प्रस्तुतिकरण आमजन के लिए एक लेखक जब करता है तब भारतीय भाषाओं में लिखी हुई इबारत में तद्भव वैज्ञानिक और तकनीकी शब्दों के प्रयोग करने को कितनी उदारता से प्रयोग करना चाहिए? साइंस एंड टेक्नोलॉजी से संबंधित शब्दावली से सामना होने पर लोकरुचि लेखन के लिए अतिरिक्त जागरूकता से काम लेने की जरूरत महसूस होने लगी है। विज्ञान की समझ को आमजन में बनाए रखने के लिए यह जरूरी है कि एकाधिक शब्द एक ख़ास संदर्भ में वाक्य रचना के लिए वर्नाक्यूलार स्क्रिप्ट्स में इस्तेमाल किए जाएं। जैसे कि स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी की गूढ़तम बातों को लोकशैली में समझाने के लिए जब अपरिहार्य कारण मौजूद हैं तब नए शब्द गढ़ने की जरूरत नहीं होनी चाहिए। उदाहरण के लिए अमरीका ने अपने अंतरिक्ष यात्रियों के लिए 'एस्ट्रोनॉट' टर्म गढ़ी थी और पूर्ववर्ती सोवियत संघ ने कॉस्मोनॉट। सन 1905 में रूसी साम्राज्य में पैदा हुए एक पोलिश इंजीनियर एरी स्टर्नफेल्ड ने 'कॉस्मोनॉटिका' शब्द गढ़ा था जो कि रूसी भाषा के उपयुक्त शब्द का अंग्रेजी में निकटतम विकल्प है जबकि कुछ विज्ञान इतिहासकारों के कहना है कि 'कॉस्मोनॉट' शब्द को निकिता ख्रुश्चेव ने गढ़ा था। एक रूसी शब्द 'ज्वेदोप्लावनी' है जिसका अर्थ एस्ट्रोनॉमी है। भारत के हिंदी भाषा के एक समाचार पत्र में एक लेखक ने 'गगननॉट' शब्द इस्तेमाल किया है जिसने मुझे इस आशय के अन्य शब्द ढूंढने के लिए प्रेरित किया। भारतीय लोग ही क्यों अंतरिक्ष अध्ययन और अंतरिक्ष में टेक्नोलॉजिकल उपस्थिति दर्ज करने वाले सभी समर्थ देश अपनी सांस्कृतिक विरासत में प्रत्येक नए कार्य के लिए ऐसे शब्दों की तलाश करते हैं जो इनके सांस्कृतिक परिवेश के अनुकूल प्रतीत होते हैं।

साइंस फिक्शन या विज्ञान कथानकों के ताने-बाने में कुछेक ऐसी अपरिचित और जटिल-सी प्रतीत होने वाली शब्दावली जैसे कि 'क्वांटम जंप', 'लूप जंप', 'टेक्यान', 'हाइपरक्यूब', 'पॉज़िट्रान ब्रेन' एवं बहुत से अन्य शब्द जो पात्रों के अजीब से नाम रखने के लिए और ऐसे शब्द-युग्म जो किसी घटना या परिस्थिति विशेष के बारे में बताने के लिए, गढ़े गए का इस्तेमाल किया जाता रहा है। पाठकों का इन अजीबोगरीब शब्दों से परिचय नहीं होता। न ही ये आम प्रचलित शब्दकोष में मिलते हैं।

विज्ञान लेखन की लोकप्रिय शैली में नई शब्दावली का प्रयोग अच्छी बात है। हिंदीतर और विदेशी भाषाओं से शब्द उधार लेने या भावार्थिक हाइब्रिड शब्द बनाने में दिक्कत नहीं है, खासतौर से जब भारत के बहुभाषी लोग 'एस्ट्रोनॉट' और 'कॉस्मोनॉट' दोनों ही शब्दों से अच्छे से परिचित हैं। इसरो द्वारा प्रस्तुत स्पेस साइंस एंड टेक्नोलॉजी से संबधित एक 'ग्लोसरी' में विज्ञान कथा साहित्य से कोई शब्द लिया गया है, मुझे नहीं लगा। एस्ट्रोनॉट्स के भारतीय नामकरण के लिए 'गगननॉट' एक नवीन और हाइब्रिड शब्द है। एक सम-ध्वन्यात्मक शब्द की स्वीकार्यता तब तक नहीं बनेगी जब तक यह लोकप्रचलन में न आए। हमारे एस्ट्रोनॉट्स के लिए 'गगनदेव' या '-देवी' और 'व्योमबाला' या'- पुरुष' शब्द भी हो सकते हैं। समुद्र और आकाश में दो बिंदुओं के बीच की दूरी को नापने की इकाई 'नॉट' है जिसका मूल ग्रीक भाषा में है। यह नॉटिकल की शार्ट फॉर्म है अर्थात, नेविगेशन करने वाला व्यक्ति या नाविक। स्पेस ट्रेवलर के लिए नाविक शब्द हम इस्तेमाल कर सकते हैं क्योंकि एस्ट्रोनॉट की भूमिका में वे नेविगेटर अर्थात स्पेस शिप के चालक और मार्गदर्शक की भूमिका में होने के अलावा अन्य कार्य भी करते हैं। एक समुद्री मील और अन्तरिक्षीय मील का नाप का नाप धरती के मील के नाप से हमेशा अधिक लंबाई का होता है जिसे 'नॉट' में नापा जाता है। 'कॉसमॉस' या ब्रह्माण्ड में विचरण करते हुए स्पेस शिप के लिए दूरी नापने हेतु 'नॉट' शब्द का प्रयोग होता है। थ्योरेटिकल फिजिसिस्ट अलबर्ट आइंस्टीन के भौतिकी विषय में दर्शन से जो व्यक्ति परिचित हैं और वे जिन्होंने स्टीवन हॉकिन्ग रचित 'अ ब्रीफ हिस्ट्री ऑफ़ टाइम' पढ़ी है, स्पेस स्पेस ट्रेवल और समय और प्रकाश की गति के आशय को शीघ्र समझ लेंगे।

सन 1979 में प्रोग्रेस पब्लिशर्स मास्को से प्रकाशित 'इंग्लिश एंड अमरीकन शार्ट स्टोरीज' नाम से विज्ञान कथा संग्रह दिल्ली के पीपल्ज़ पब्लिशिंग हाउस से मैंने खरीदा था जिसमें सत्रह लेखकों की कहानियों की कथा-वस्तु नवीनतम आइडियाज से सराबोर और अत्यंत रोमांचक प्रतीत हुई थी। संग्रहकर्ता ने 16 पेज में रूसी भाषा में इसके लिए भूमिका लिखी। रूसी मैं नहीं पढ़ पाया। इस समस्या को आईआईटी दिल्ली के प्रो. वागीश शुक्ल ने दो साल बाद, 13 दिसंबर सन 1981 के, साप्ताहिक हिन्दुस्तान के अंक में अपने लेख -'विज्ञान, विज्ञान कथाओं का', प्रकाशन से सुलझाया और बताया कि रूसी भाषा में लिखी गई भूमिका का आशय क्या है।

साइंस फिक्शन या विज्ञान कथानकों के ताने-बाने में कुछेक ऐसी अपरिचित और जटिल-सी प्रतीत होने वाली शब्दावली जैसे कि 'क्वांटम जंप', 'लूप जंप', 'टेक्यान', 'हाइपरक्यूब', 'पॉज़िट्रान ब्रेन' एवं बहुत से अन्य शब्द जो पात्रों के अजीब से नाम रखने के लिए और ऐसे शब्द-युग्म जो किसी घटना या परिस्थिति विशेष के बारे में बताने के लिए, गढ़े गए का इस्तेमाल किया जाता रहा है। पाठकों का इन अजीबोगरीब शब्दों से परिचय नहीं होता। न ही ये आम प्रचलित शब्दकोष में मिलते हैं। इनके बेहतरीन उदाहरण आईज़क एसिमौफ़ जैसे लेखकों की कथाओं और उपन्यासों के अलावा यूनाइटेड किंगडम के ख्यात लेखन फिलिप के. डिक की कथाओं में तो मिलेंगे ही, रशियन साइंस फिक्शन लेखक के बहुपठनीय उपन्यास 'एंड्रोमेडा स्ट्रेन' के अलावा पोलिश साइंस फिक्शन लेखकों की कहानियों और उपन्यासों में भी मिलेंगे। आकाश शब्द के लिए क्षुद्र या तात्कालिक अर्थरूप में ब्रह्मांड का प्रयोग असावधानीवश ही सही, अनुपयुक्त है। भारत में संस्कृत, हिंदी में अधिक उपयुक्त शब्द अंतरिक्ष, ब्रह्मांड और आकाश ही हैं जिनकी वर्तनी अलग तरीके से है। 'एस्ट्रो' और 'कॉस्मो' के पर्याय बनाने के लिए नए शब्द निर्माण का सामर्थ्य अन्य भारतीय भाषाओं में या फिर हिंदू वांग्मय में कहीं हो सकता है, लेकिन हमें अभी मालूम नहीं। गगनयान के कवचयुक्त पैसेंजर मॉडयूल को धरती के ऊपर के आकाश में 450 किलोमीटर के उच्चतम बिंदु (एपोजी) पर स्थापित किए जाने की योजना है। निकट अंतरिक्ष में धरती की परिक्रमा करने वाले एक स्पेस स्टेशन की ऊंचाई धरती के ज्योग्राफिकल ध्रुवों (पेरिजी) पर घट कर 175-250 किलोमीटर ही रह जाती है। अंतरिक्ष नाविकों का स्पेस शिप हमारे सोलर सिस्टम से बाहर अगर जाता है तब उसमें बैठे हुए मानव को आकाशयात्री नहीं अपितु ब्रह्मांड यात्री कहेंगे। पृथ्वी की कक्षा में 400-500 किलोमीटर की ऊंचाई पर एक अपेक्षाकृत-स्थिर प्रतीत होने वाले स्पेश स्टेशन में से जो मानव सुरक्षित कवच पहन कर मॉडयूल से बाहर आकर आकाश विचरण करता है तभी इसे अंतरिक्ष विचरण कहेंगे। हमारे सोलर सिस्टम से परे गहन या सुदूर अंतरिक्ष में यात्रा करने वाले को हम ब्रह्माण्ड यात्री कह सकते हैं, परन्तु अंतरिक्ष में रहकर मंगल गृह तक की दूरस्थ यात्रा को भी अभी संभव नहीं बनाया जा सकता है। धरती से दूर की यात्रा की समयावधि को प्रकाशवर्ष में मापने वाले विज्ञान कथाकार हमारा सामना अद्भुत स्थितियों से करवाते रहे हैं। यह भी मानव अपनी और नित विकसित होते अद्भुत बौद्धिक क्षमताओं से अनजानी और अद्भुत समस्यायों से कैसे निपटता है।

प्रसंगवश

बैलट में बुराई क्या

रघोत्तम शुक्ला
सेवानिवृत्त पीसीएस

चुनाव की रणभेरी बज चुकी है। मतदान ईवीएम मशीनों से ही होने जा रहा है। इस पद्धति पर ऊंगलियां उठती रही हैं। यहां तक कि 2019 के लोकसभा चुनाव परिणामों को एक वर्ग ने शंकास्पद दृष्टि से देखा था। परिणाम घोषित हो जाने पर जनता किसी की सुनती नहीं है, इसलिए विपक्ष ने मौन रहना ही श्रेयस्कर समझा था। हां! दबी जुबान शत्रुघ्न सिन्हा कुछ यों बोले थे, 'कुछ है तो जरूर लेकिन अब तो!' बात आई गई हो गई थी। संप्रति इस मुद्दे पर विपक्ष पस्त है। चुनाव आयोग पर सरकारी शिकंजा इस कदर है कि पिछले आठ मास से विपक्ष उससे मिलने का समय मांगता रहा, जो नहीं दिया गया, तब फिर नीतिगत मामले में उनकी क्या चलेगी। ऐसे में यह चुनाव अब विवादास्पद ईवीएम से ही होना है। लालू यादव बिहार के प्रादेशिक चुनाव अधिकारियों से बार-बार यह कह रहे हैं कि मतगणना पहले पोस्टल बैलटों की करा ली जाय, फिर मशीन के वोटों की। लेकिन अभी तक उनकी यह बात भी नहीं मानी गई है। जमीनी सच्चाई उपर्युक्तानुसार होते हुए भी, मैं समझता हूं बैलट पेपर से चुनाव कराना श्रेयस्कर रहता। दुनियां में लगभग सौ देशों में वोट पद्धति से चुनाव होते हैं, जिनमें केवल 25 में ही मशीनों का प्रयोग होता है। शेष बैलट का ही प्रयोग करते हैं। अमेरिका विश्व का सर्वाधिक समृद्ध लोकतांत्रिक देश है, जहां आधुनिकतम तकनीक विद्यमान है, किंतु चुनाव बैलट से ही होते हैं। एक बात यह भी है कि जब ऊंगली उठ जाय, और पद्धति संदेह के घेरे में हो, तो निर्विवाद पद्धति अपनाने में हर्ज क्या है? न्याय की दुनियां का एक मशहूर सिद्धांत है कि 'न्याय न सिर्फ किया जाना चाहिए, बल्कि ऐसी प्रतीति भी कराई जानी चाहिए कि न्याय किया जा रहा है'। भगवान कृष्ण पर भी जब सत्राजित की स्यमंतक मणि के अपहृत करने का मिथ्या आरोप लगा था,तो उन्होंने उस आवाज़ का दमन नहीं किया था, बल्कि सच्चाई का पता लगाकर समाज के सामने रख दिया था। जब वर्तमान सरकार परंपराओं और पुरातन संस्कृति को सहेजने वाले कार्य कर रही है और सिंगोल(प्राचीन राजदंड) को नए संसद भवन भें स्थापित कर चुकी है, तो बैलट वाली मतदान की पारंपरिक पद्धति अपनाने में क्या हर्ज है? शंका और विवाद की कोई गुंजाइश ही क्यों रखा जाए।

आज के दौर में पूंजी का एक बड़ा हिस्सा बांझ

डॉ. हेमंत कुमार झा
एसोसिएट प्रोफेसर, पाटलिपुत्र विवि, पटना (बिहार)

किसी देश की विकास दर का अधिकतम हिस्सा कुछ खास मुट्ठियों में कैद हो जाए तो यह सिर्फ शोषण से संभव नहीं, इसके लिए ठगी की भी जरूरत है।

मोबाइल या लैपटॉप के कुछ बटन टीपिये, पलक झपकते लाखों करोड़ों रुपये इधर से उधर। तकनीक में आई इस क्रांति ने अर्थव्यवस्था को नई ऊंचाइयां दी तो वित्तीय शक्तियों और राजनीति के अनैतिक गठजोड़ ने इसी क्रांति के गहरे अंधेरों में नई रहस्यमयी दुनिया का सृजन भी किया। अब तो ऐसा है कि न जाने कितनी कंपनियां लैपटॉप में ही जन्म लेती हैं, करोड़ों, अरबों का वारा न्यारा करती हैं और फिर लैपटॉप में ही खत्म हो जाती हैं। गीता में वर्णित आत्मा की तरह पूंजी किसी नई कंपनी के रूप में पुनर्जन्म ले लेती है।

कंपनी... अब के दौर में इसका अर्थ व्यापक हो गया है। पहले के जमाने में, जिसे औद्योगिक दौर कहा जाता था, कंपनी का मतलब था कोई भौतिक ढांचा, जिसमें लोग काम करते थे, रोजी रोजगार पाते थे। लोग-बाग उस कंपनी को जानते थे। वह जन्म लेती थी तो कितने घर रोशन होते थे, मरती थी तो कितने घरों में अंधेरा छा जाता था। अब उत्तर औद्योगिक दौर है। विश्लेषक कहते हैं कि यह "फाइनांसियलाइजेशन" का दौर है। वित्त का असीमित और अबाध प्रवाह है। सत्ता और कारपोरेट की जुगलबंदी हो जाए तो वित्त का यह प्रवाह कानून की आंखों में धूल झोंकते पल भर में जाने कहां से कहां तक की यात्रा कर लेता है। अब ऐसी कंपनियां भी हैं जो नजर ही नहीं आती, लेकिन हैं। वे हैं और अरबों की पूंजी के साथ हैं। लेकिन न वे देश के लिए हैं, न मानवता के लिए हैं। वित्तीय शक्तियां अपने छद्म के साथ नए रूप में सामने आई हैं। अलग स्वभाव, अलग चरित्र के साथ। अब के दौर में पूंजी का एक बड़ा हिस्सा बांझ है। वह रोजगार पैदा नहीं करती। वह किसी कंपनी का रूप लेती है लेकिन किसी को रोजगार नहीं देती। उसका होना रहस्य को जन्म देता है, उसका मरना अगले रहस्य की ओर ले जाता है। बटन की टीप पर जन्म लेने वाली कंपनियों में पूंजी का यह रहस्यमय प्रवाह न जाने कितने गोरखधंधों की राह आसान करता है। ऐसी ऐसी कंपनियां, जिनमें पूंजी तो हजारों करोड़ है, लेकिन कर्मचारी एक भी नहीं। ऐसी अधिकतर कंपनियां अक्सर किसी फ्रॉड अरबपति की उंगलियों पर चलती हैं, नाचती हैं और फिर खत्म कर दी जाती हैं। टैक्स की चोरी और अवैध पूंजी को वैध का कुर्ता पहनाने में ऐसी कंपनियां बहुत काम आती हैं। कई बड़े कारपोरेट घराने ऐसी कंपनियों का खेल खेलते हैं और संस्थाओं की आंखों में धूल झोंक कर, या उन्हें बेबस करके जनता के पैसों की लूट करते हैं। टीवी पर एक किसान नेता एक हाथ में आलू और दूसरे हाथ में किसी ब्रांडेड चिप्स का रैपर लिए बोल रहे थे, 'हमसे चार रुपये किलो आलू खरीद कर कंपनियां उसके कई गुने दाम पर मुनाफा कमाती हैं।' बड़ी आबादी की आहों को समेटते इस मुनाफे का अर्थशास्त्र कोई जटिल मामला नहीं है। सब समझते हैं लेकिन जैसे किसी जकड़बंदी में यह सभ्यता बेबस सी नजर आ रही है। सारे आलम को आंदोलन विरोधी, बौद्धिक विमर्श विरोधी बना देने की साजिशों का पहला शिकार भारत का मिडिल क्लास है, दूसरा शिकार रील्स में डूबा हाशिए के तबकों का बेरोजगार युवा वर्ग है। ये मिल कर सुनिश्चित करते हैं कि कारपोरेट और राजनीति की जुगलबंदी से अमानवीय बनते जा रहे सिस्टम के खिलाफ कोई आंदोलन जोर न पकड़े। चंद बटनों पर उंगलियों के स्पर्श से जन्म लेने वाली और तिरोहित होने वाली कंपनियों से सिर्फ अरबों की टैक्स चोरी ही नहीं होती, वैध को अवैध और अवैध को वैध बनाने का खुला खेल ही नहीं होता, ये कंपनियां राजनीतिक दलों को करोड़ों का चंदा भी देती हैं। अब तो आरोप लग रहे हैं कि गोरखधंधा बदस्तूर चलता रहे, इसके लिए भी इलेक्टोरल बांड के माध्यम से हजारों करोड़ इधर उधर किए गए। ऊपर के लेवल पर वित्त का यह तीव्र और सघन प्रवाह नीचे के लेवल पर घोर शोषण और ठगी से ऊर्जा प्राप्त करता है। अब शोषण ही पर्याप्त शब्द नहीं है। यह शब्द औद्योगिक दौर में केंद्र में था। उत्तर औद्योगिक दौर में तो शोषण के साथ ठगी भी अर्थव्यवस्था की मुख्यधारा में आ चुकी है। यह संगठित ठगी का दौर है।

किसी देश की विकास दर का अधिकतम हिस्सा कुछ खास मुट्ठियों में कैद हो जाए तो यह सिर्फ शोषण से संभव नहीं, इसके लिए ठगी की भी जरूरत है। तकनीकी क्रांति और तीव्र वित्तीय प्रवाह ने इस ठगी को बेहद आसान बना दिया है। पूंजी और राजनीति की जुगलबंदी अगर नापाक होने पर उतारू हो जाए तो शोषण और ठगी, दोनों अर्थव्यवस्था के केंद्रीय कारक बन ही जाएंगे। तभी तो, इस देश के किसान, श्रमिक से लेकर बेरोजगार युवाओं के साथ ठगी इस दौर की एक मुख्य प्रवृत्ति बन गई है। और, खुद को सयाना समझ रहा मिडिल क्लास भी इस शोषण और ठगी का कितना बड़ा शिकार है, यह आंखें और दिमाग खोलते ही समझ में आने लगता है। तभी तो, आंखों पर पर्दा और दिमाग पर कब्जा करने का खेल सांस्थानिक रूप अख्तियार कर चुका है।

सोशल फोरम

धोखा

मटुक नाथ चौधरी
सेवानिवृत्त प्रोफेसर

कभी-कभी लोग धोखा शब्द का अर्थ समझने में भी धोखा खा जाते हैं। इसलिए नहीं कि धोखा का अर्थ कठिन है। इसलिए कि अपना अर्थ समझना कठिन है। अपने को समझना कठिन है। धोखा शब्द के प्रयोक्ता अपने को समझने में चूक जाते हैं, इसलिए धोखा का सही अर्थ नहीं समझ पाते हैं। धोखा का सीधा अर्थ है, जो दिखाई पड़ रहा है, वह सच नहीं है। जो छिपा है, वही सच है। जब उचित समय पर छिपा प्रकट हो जाता है, तब एहसास होता है कि जा.. मैं तो धोखा खा गया।

धोखा वहीं होता है, जहां किसी न किसी प्रकार का संबंध होता है। जहां संबंध नहीं, वहां धोखा भी नहीं। व्यापारिक और प्रेम संबंधों में धोखे की चर्चा ज्यादा होती है। व्यापार से भी ज्यादा प्रेम में धोखे की संभावना रहती है, क्योंकि प्रेम के नशे में हम अंदरूनी सच नहीं देख पाते। व्यापारिक संबंध में हम जब प्रेम को घुसा देते हैं तो धोखे का खतरा काफी बढ़ जाता है। प्रेम के कारण आप उनके सामने रुपए नहीं गिनेंगे, बाद में गिनेंगे, हो सकता है वह कम निकले। प्रेम के कारण आप वस्तु तो दे देंगे, लेकिन पैसे मांगने में संकोच कर जाएंगे। हो सकता है बाद में वह पैसा आपको न मिले। तो व्यापारिक संबंध और प्रेम संबंध को अलग कर देना चाहिए।

नकली प्रेम में धोखे पाए जाते हैं, असली प्रेम में धोखे का नामोनिशान नहीं होता। टिकाऊ होना असली प्रेम की पहचान नहीं है। असली प्रेम की पहचान है बेशर्त होना। एक-दूसरे को पूरी स्वतंत्रता देना। जहां शर्त है, वहां धोखे की संभावना है।

कल्पना कर लीजिए कि स्त्री-पुरुष आपस में प्रेम कर रहे हैं। यह प्रेम दो प्रकार से हो सकता है। एक बंधन वाला प्रेम, दूसरा स्वतंत्रता देने वाला प्रेम। बंधन वाले प्रेम में धोखे की संभावना है। दोनों में से कोई एक दूसरे की तरफ आकृष्ट होकर पहले को छोड़ सकता है। यहां कहा जाएगा कि एक ने दूसरे के साथ धोखा किया। लेकिन जहां स्वतंत्रता है, कभी भी कोई किसी के साथ जा सकता है, इस तरह की अंडरस्टैंडिंग है, वहां धोखा कहां? हां, यह बात अलग है कि इस तरह का प्रेम करने वाला विरला ही होता है। इसलिए ऐसे प्रेम के अलगाव को जन सामान्य धोखा ही नाम देते हैं, क्योंकि उन्हें इस तरह के प्रेम का अनुभव नहीं होता।

-फेसबुक वॉल से

काशी में शिव की रंगभरी यात्रा

प्रो. विवेकानंद तिवारी
अध्यक्ष, आंबेडकर पीठ
एचपीयू, शिमला

भक्तगण खुद भी रंगों में रंग जाते हैं। नगाड़े बजाते हैं। हर-हर महादेव का जयघोष करते हैं। वे डमरू बजाते हैं। तरह-तरह के वाद्य यंत्र बजाते हैं। इनकी धुनों पर भक्त खूब थिरकते और झूमते हैं।

काशी में रंगभरी एकादशी का विशेष महत्व है। जिस तरह होलाष्टक से ब्रज में होली उत्सव शुरू होता है, उसी तरह काशी में रंगभरी एकादशी से होली पर्व की शुरुआत होती है, जो लगातार छह दिनों तक चलता है। रंगभरी एकादशी शिव के स्वागत में ही मनाई जाती है। यह वह दिन है, जब वाराणसी की सड़कों पर गुलाल बरसते हैं। शिव इसी दिन माता पार्वती को विदा कराकर ले जाने के लिए शादी के बाद पहली बार बनारस आए थे।

पौराणिक मान्यताओं के मुताबिक जब माता सती ने आत्मदाह कर लिया था, तो उसके बाद शिव क्रुद्ध हो गए थे और वे बड़े दुखी भी हुए थे। यही वजह थी कि इसके बाद उन्होंने चिर साधना शुरू कर दी थी। उनकी यह साधना तब तक जारी रही, जब तक कि माता पार्वती के रूप में माता सती ने फिर से जन्म नहीं ले लिया। शिव जिस दिन उन्हें विदा कराकर ले जाने के लिए यानी कि गौने की रस्म करवाने के लिए पहली बार वाराणसी पहुंचे थे, उसी दिन से रंगभरी एकादशी मनाने की शुरुआत हुई थी। रंगभरी एकादशी काशी के लोगों के लिए बड़ी मायने रखती है, क्योंकि वाराणसी में होली के उत्सव का आरंभ इसी दिन से हो जाता है। माता पार्वती के गौने की वजह से इस दिन का वाराणसी के लोगों के लिए खास महत्व है और इस दिन व्रत करके और उत्सव मनाकर लोग अपने जीवन में न केवल अपने घरों में खुशियां और समृद्धि के आगमन को निमंत्रण देते हैं, बल्कि पूरे उत्साह और धूमधाम के साथ इसे मना कर शिव और माता पार्वती का आशीर्वाद भी प्राप्त करते हैं। खासकर शादीशुदा जोड़े रंगभरी एकादशी को विशेष रुप से मनाते हैं, क्योंकि ऐसी मान्यता है कि पूरी श्रद्धा के साथ इस त्योहार को मनाने से उनकी जिंदगी प्यार से भर जाती है और शिव एवं माता पार्वती की कृपा हमेशा उन पर बनी रहती है।

शुरुआत काशी विश्वनाथ मंदिर के महंत के घर से होती है और शिव की रजत यानी चांदी वाली मूर्ति को त्योहार के एक दिन पहले शाम को महंत के घर पहुंचा दिया जाता है और रात भर शिव यही महंत के घर में विराजमान रहते हैं। इसके बाद सूर्योदय से पहले भगवान शिव और माता पार्वती की मूर्तियों का पुजारियों द्वारा दूध से अभिषेक किया जाता है। इनकी मूर्तियों का पंचामृत से भी अभिषेक होता है और इस तरह से रुद्राभिषेक का कार्यक्रम चलता है। इसके बाद फूलों और आभूषणों से दोनों मूर्तियों का श्रृंगार किया जाता है बाबा विश्वनाथ को विशेष पोशाक पहनाई जाती है और श्रृंगार किया जाता है। बाबा विश्वनाथ की रजत प्रतिमा को राजशाही पगड़ी और धोती-कुर्ता एवं दुपट्टा पहनाया जाता है। इस दौरान परंपरागत गीत भी महिलाओं द्वारा गाए जाते हैं।

जैसे-जैसे दोपहर का वक्त आता है, बारात निकालने की तैयारी पूरी हो जाती है। एक पालकी पर शिव और माता पार्वती की मूर्तियों को सजा कर रखा जाता है और इस बारात की शुरुआत महंत के घर से होती है, जो कि काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचकर समाप्त होती है। इस पालकी को शिव के भक्त उठाते हैं, जिन्हें कि बम के नाम से हम जानते हैं। काशी विश्वनाथ मंदिर पहुंचने से पहले यह पालकी शहर के कई हिस्सों में घूमती है और इस दौरान पूरे रास्ते में भक्तगण गीत गाते हैं। शिव और माता पार्वती पर लोग खूब अबीर-गुलाल उड़ाते हैं।

भक्तगण खुद भी रंगों में रंग जाते हैं। नगाड़े बजाते हैं। हर-हर महादेव का जयघोष करते हैं। वे डमरू बजाते हैं। तरह-तरह के वाद्य यंत्र बजाते हैं। इनकी धुनों पर भक्त खूब थिरकते और झूमते हैं। इस दौरान पूरा वातावरण खुशी से सराबोर हो जाता है। हर-हर महादेव के जयकारे से काशी नगरी गूंज उठती है। कुंवारी महिलाएं इस दौरान खासकर भगवान शिव को रंग लगाने की कोशिश करती हैं और वे उन्हीं के जैसा वर प्राप्त करने का आशीर्वाद भी उनसे मांगती हैं। वाराणसी में होली की यह न केवल धमाकेदार, बल्कि बेहद पवित्र शुरुआत होती है, जिसका साक्षी बनने के लिए केवल अपने देश से ही नहीं, बल्कि दुनिया के कोने-कोने से श्रद्धालु वाराणसी पहुंचते हैं। यह उत्सव धुलंडी तक जारी रहता है।

लड़कियों की नौकरी : मुसीबत का सबब

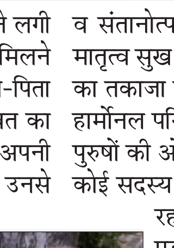

शिवनाथ भारती
सदस्य, वरिष्ठ नागरिक सलाहकार परिषद

इन दिनों एक नई सामाजिक समस्या उत्पन्न होने लगी है जिसकी घुटन अब अधिकांश घरों में देखने को मिलने लगी है। बेटी को विवाह पूर्व नौकरी करवाना माता-पिता व बेटियां दोनों के लिए ही अब एक बड़ी मुसीबत का सबब बनता जा रहा है। आज अधिकांश लोग अपनी पुत्रियों से विवाह पूर्व बहुराष्ट्रीय कंपनियों में उनसे नौकरी करवाकर अपने लिए एक समस्या तैयार कर रहे हैं। ऐसा करने के कारण ऐसी लड़कियों के विवाह में जो समस्याएं आती हैं, उसका हल निकालना उनके लिए अब दुष्कर होने जा रहा है। नौकरियों में उनका वेतन अधिक होने से उनसे कम वेतन वाले लड़के प्रायः उन्हें पसन्द नहीं आते हैं। अन्य शहर में नौकरी कर अकेले रहने के कारण, घर से दूर होने के कारण उन्हें लोक-लाज़ का भय भी नहीं रह जाता है।

एक बार नौकरी करने पर वे नौकरी छोड़ने को तैयार नहीं होती। वह जिस शहर में नौकरी करती हैं, उन्हें उसी शहर में ही कार्यरत उनसे अधिक पैकेज वाला सजातीय वर चाहिए जिसे ढूंढ़ पाना माता-पिता के लिए एक जटिल समस्या है। शादी से पहले पढ़-लिखकर, नौकरी पकड़ने की मानसिकता के कारण ऐसे ही विवाह में देरी हो जाती है, ऐसे वरों की तलाश में उनकी विवाह की उम्र ही निकल जाती है।

फिर होती है बेमेल शादियां जिस कारण गृहस्थी बसने से पहले उजड़ने की संभावना रहती है। अगर शादी टिक भी गई तो अधिक उम्र के कारण गर्भ धारण व संतानोत्पत्ति में भी समस्याएं आने लगती हैं और मातृत्व सुख से वंचित रहने के आसार बढ़ जाते हैं। उम्र का तकाजा कहें या शारीरिक बदलाव, बच्चियों में हुए हार्मोनल परिवर्तन और समय पर शादी नहीं होना उसे पुरुषों की ओर आकर्षित करते हैं। उसके साथ घर का कोई सदस्य नहीं होने से उन पर कोई रोक-टोक नहीं रहती जिससे वे अक्सर गलत मार्ग पर चल पड़ती हैं। ये उचित और अनुचित मार्ग का निर्णय नहीं ले पाती। आज के माता-पिता, जो यह सोचते हैं कि कन्या को कुछ वर्ष नौकरी करा लेते हैं, फिर उनकी शादी कर देंगे, उनकी यह सोच उन पर आगे चलकर भारी पड़ने लगती है। मेरा मानना है कि लड़कियों को पढ़ाने-लिखाने में कोई बुराई नहीं है पर शादी से पहले उन्हें नौकरी करने से रोकना चाहिए। अगर लड़की को कोई सरकारी नौकरी मिल गई है तब तो उस पर जरूर विचार किया जा सकता है।

अतः लड़कियों को खूब पढ़ाएं-लिखाएं, उन्हें खूब स्किल फुल बनाएं पर शादी से पहले नौकरी को यथासंभव टालें। डिग्री के साथ ही अगर नॉलेज व स्किल भी होगा तो नौकरी तो जरूरत पड़ने पर शादी के बाद भी की जा सकती है। इसलिए बेटियों का विवाह स्वयं के विवेक से सही समय (21 से 25) पर करें और भविष्य में आने वाली समस्याओं से बचें। विवाह के उपरांत जॉब करने व पढ़ाई जारी रखने में कोई समस्या नहीं आती।

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र: 10 में 10 जीतने का ब्लूप्रिंट तैयार

● महेश शर्मा, कानपुर

यूपी में मिशन 80 फतह के लिए भाजपा ने 2019 के चुनाव की तरह कानपुर-बुंदेलखंड की 10 लोकसभा सीटों पर एक बार फिर भगवा फहराने की तैयारी कर ली है। पिछली बार सभी 10 सीटें जीती थी। इसमें कन्नौज लोकसभा सीट भी है जहां से स्व.मुलायम सिंह यादव की बहू अखिलेश यादव की पत्नी डिम्पल यादव 2014 में सांसद चुनी गयीं थी। पर उन्हें भी 2019 में भाजपा के सुब्रत पाठक ने शिकस्त दे दी थी। डिम्पल मैनपुरी सीट से प्रत्याशी हैं। कन्नौज से अखिलेश यादव के लड़ने की चर्चा है। उनके आने का असर पड़ सकता है।

मिशन 80 को पूरा करने के लिए जहां एक तरफ भाजपा फूंक-फूंक कर कदम रख रही है तो वहीं सपा-कांग्रेस गठबंधन भी चुनावी रणनीति की धार पैनी कर रहा है। कानपुर सीट पर न भाजपा और न ही विपक्षी गठबंधन का प्रत्याशी अब तक घोषित किया गया है। जीत की रणनीति के तहत भाजपा ने छह महीने पहले ही 10 लोकसभा क्षेत्रों और इनमें आने वाले 52 विधानसभा क्षेत्रों में विस्तारकों की तैनाती कर दी है।

कानपुर-बुंदेलखंड की 10 लोकसभा सीटों को तीन क्लस्टर में बांटा गया है। कानपुर स्थित भाजपा क्षेत्रीय कार्यालय में बैठकों, कार्यशाला, संपर्क कार्यक्रम के साथ क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल सघन दौरा कर रहे हैं। संगठन ने तीन क्लस्टर में क्षेत्र को बांटा है। बांदा क्लस्टर में हमीरपुर, बांदा और फतेहपुर लोकसभा की सीट शामिल हैं। कानपुर क्लस्टर में कानपुर महानगर, अकबरपुर, कन्नौज, फर्रुखाबाद और इटावा लोकसभा क्षेत्र को रखा गया है। झांसी क्लस्टर में झांसी व जालौन लोकसभा सीटें हैं। इनके केंद्रीय चुनाव कार्यालय जनवरी में ही खोल दिए गए थे।

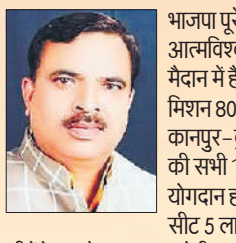

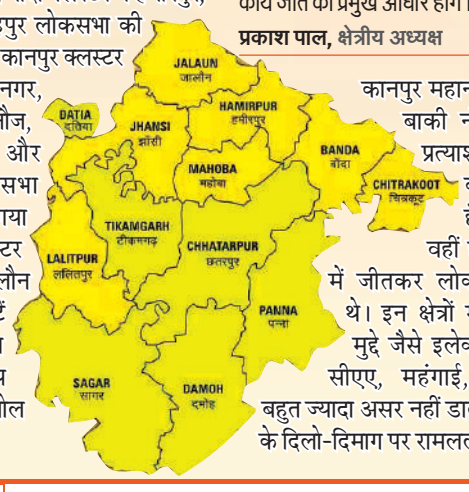

भाजपा पूरे आत्मविश्वास के साथ मैदान में है। यूपी का मिशन 80 पूरा करने में कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की सभी 10 सीटों का योगदान होगा। यहां हर सीट 5 लाख के अंतर से जीतेंगे। माहौल राममय, मोदीमय है। सरकार के कार्य जीत का प्रमुख आधार होंगे।

प्रकाश पाल, क्षेत्रीय अध्यक्ष

कानपुर महानगर छोड़कर बाकी नौ सीटों पर प्रत्याशी भी घोषित कर दिए गए हैं। प्रत्याशी वहीं हैं जो 2019 में जीतकर लोकसभा पहुंचे थे। इन क्षेत्रों में विपक्ष के मुद्दे जैसे इलेक्टोरल बॉंड, सीएए, महंगाई, बेरोजगारी बहुत ज्यादा असर नहीं डालते हैं। लोगों के दिलो-दिमाग पर रामलला मंदिर बसा हुआ है। इसके अलावा लाभार्थी वोट बैंक बहुत ज्यादा इस चुनाव में भी प्रभावी है जो भाजपा को मजबूती दे सकता है। अकबरपुर लोकसभा क्षेत्र में भाजपा के ठाकुर, और गठबंधन के पिछड़ा प्रत्याशी के मुकाबले बसपा ने ब्राह्मण प्रत्याशी उतारकर त्रिकोणीय संघर्ष जैसी स्थिति बना दी है। हालांकि सपा-कांग्रेस गठबंधन चुनाव आचार संहिता लागू होने के बाद बसपा के भी विपक्षी फोल्ड में आने की उम्मीद पाले बैठा है। लेकिन इस क्षेत्र में राम मंदिर की काट आसानी से ढूंढ़ पाना विपक्ष के लिए थोड़ा मुश्किल दिखता है।

दूसरे भाजपा की तैयारियां जमीन पर हैं तो विपक्ष अभी प्रत्याशी चयन में ही उलझा हुआ है। क्षेत्रीय अध्यक्ष प्रकाश पाल पांच लाख के अंतर से सभी 10 सीटें जीतने का लक्ष्य निर्धारित कर चुके हैं। 2019 में सपा-बसपा का गठबंधन था तो अबकी सपा-कांग्रेस का। मीडिया प्रभारी मोहित पांडे कहते हैं कि भाजपा के प्रति वोटरों के विश्वास के चलते समाजवादियों कन्नौज इटावा जैसे गढ़ में 2019 में भगवा फहरा दिया था। 10 में 10 जीत ली थी। अबकी भी यही रिजल्ट होगा। इनती तैनाती 2019 लोस और 2022 विस चुनाव में विस्तारकों की भूमिका कारगर साबित रही। यहां की 52 विधासभा सीटों में से भाजपा ने 41 जीत ली थी। जबकि 11 सपा ने जीती। विस्तारकों की तैनाती छह महीने पहले ही सभी 10 लोकसभा क्षेत्रों व इनमें आने वाली 52 विधानसभा क्षेत्रों में की जा चुकी है। यानी 62 विस्तारक भेजे जा चुके हैं। यह कार्य लखनऊ से एमएलसी विजयबहादुर पाठक और उनकी टीम करती है। विधायक, सांसद, पार्टी के जिम्मेदार पदाधिकारी, बूथ कमेटी, पन्ना प्रमुख का कामकाज कैसा है, विस्तारक फीडबैक लेकर इसकी रिपोर्ट बनाकर संगठन को भेजते हैं। क्षेत्र के नौ लोकसभा क्षेत्रों में सांसदों को ही टिकट देने का फैसला विस्तारकों की रिपोर्ट के आधार पर लिया बताया जाता है। फिलहाल अखिलेश यादव के कन्नौज से लड़ने की चर्चा भाजपा के लिए थोड़ा परेशानी का सबब है।

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की लोकसभा सीटों नतीजा 2014

लोकसभात्र	विजयी प्रत्याशी	प्राप्त मत	पराजित प्रत्याशी	प्राप्तमत
फर्रुखाबाद	मुकेश राजपूत(भाजपा)	4,06,195	रामेश्वर यादव(सपा)	2,55,693
इटावा (सु)	अशोक दोहरे (भाजपा)	4,31,646	प्रेमदास कठेरिया(सपा)	2,66,700
कन्नौज	डिंपल यादव (सपा)	4,89,164	सुब्रत पाठक (भाजपा)	4,69,258
कानपुर	एमएम जोशी (भाजपा)	4,74,712	एसपी जायसवाल(कांग्रेस)	2,51,766
अकबरपुर	देवेंद्रसिंह भोले(भाजपा)	4,81,584	अनिलशुक्ल वारसी(बसपा)	2,02,587
जालौन(सु)	भानुप्रताप वर्मा(भाजपा)	5,48,631	ब्रजलाल खाबरी (बसपा)	2,61,429
झांसी	उमा भारती (भाजपा)	5,75,889	चंद्रपाल यादव (सपा)	3,85,422
हमीरपुर	पुष्पेंद्र चंदेल (भाजपा)	4,53,884	विश्वंभर निषाद (सपा)	1,87,095
बांदा	भैरोप्रसाद मिश्र(भाजपा)	3,42,066	आरके पटेल (बसपा)	2,26,278
फतेहपुर	निरंजनज्योति (भाजपा)	4,85,954	अफजाल (बसपा)	2,98,778
मिश्रिख(आंशिक)	अंजूबाला(भाजपा)	4,12,575	अशोक रावत(बसपा)	3,25,212

कानपुर-बुंदेलखंड क्षेत्र की लोकसभा सीटों नतीजा 2019

लोकसभात्र	विजयी प्रत्याशी	प्राप्त मत	पराजित प्रत्याशी	प्राप्त मत
फर्रुखाबाद	मुकेश राजपूत(भाजपा)	5,69,880	मनोजअग्रवाल(बसपा)	3,48,178
इटावा (सु)	आरएसकठेरिया (भाजपा)	5,22,119	कमलेश कठेरिया(सपा)	4,57,682
कन्नौज	सुब्रतपाठक (भाजपा)	5,63,087	डिंपलयादव(सपा)	5,50,734
कानपुर	सत्यदेव पचौरी (भाजपा)	4,68,937	एसपी जायसवाल(कांग्रेस)	3,13,003
अकबरपुर	देवेंद्रसिंह भोले(भाजपा)	5,81,282	निशा सचान (बसपा)	3,06,140
जालौन(सु)	भानुप्रताप वर्मा(भाजपा)	5,81,763	अजयसिंह पंकज(बसपा)	4,23,386
झांसी	अनुराग शर्मा(भाजपा)	8,09,272	श्यामसुंदर यादव (सपा)	4,43,589
हमीरपुर	पुष्पेंद्र चंदेल (भाजपा)	5,75,122	दिलीप सिंह (बसपा)	3,36,470
बांदा	आरके सिंह पटेल भाजपा)	4,77,996	श्यामचरण गुप्ता (सपा)	2,26,278
फतेहपुर	निरंजनज्योति (भाजपा)	5,66,040	सुखदेव वर्मा (बसपा)	3,67,835
मिश्रिख(आंशिक)	अशोक रावत(भाजपा)	5,34,429	नीलू सत्यार्थी(बसपा)	4,33,757

चुनाव कमाल का...

- 1951-52 में हुए पहले आम चुनाव से लेकर इंदिरा गांधी और राजीव गांधी के दौर तक कोई भी पार्टी कांग्रेस को कड़ी टक्कर नहीं दे सकी थी।
- 1962 का आम चुनाव पंडित जवाहर लाल नेहरू और लाल बहादुर शास्त्री के देहांत से लेकर इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्री बनने का गवाह रहा। कांग्रेस ने 494 सीटों में से 361 सीटें जीतीं।
- 1984 में हुए आम चुनावों में कांग्रेस ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कीर्तिमान स्थापित कर दिया था। इस चुनाव में 415 सीटों पर जीत हासिल कर कांग्रेस इतिहास में रिकॉर्ड दर्ज कर चुकी है।

चुनावी तीर

यह विडंबना है कि वायनाड में राहुल गांधी की उम्मीदवारी के बारे में

शिकायत करने वाली भाकपा तिरुवनंतपुरम में भाजपा की तरफ से खेल रही है। पिछले सप्ताह भाकपा महासचिव डी राजा ने कहा था कि राहुल गांधी को केरल के वायनाड से चुनावी मैदान में उतारना कांग्रेस का विशेषाधिकार है, लेकिन जनता की राय है कि उनके कद के नेता को ऐसी सीट से चुनाव लड़ना चाहिए था, जहां वह सीधे तौर पर भाजपा को चुनौती दे सकें।

- शशि थरूर, वरिष्ठ कांग्रेसी नेता

भाजपा को लगता है कि जिस समन को वह बार-बार भेज रही थी वह अदालत में विचाराधीन है इसलिए एक नए केस में नया समन भेजा गया। भाजपा के पास अदालत के फैसले का इंतजार करने का भी समय नहीं बचा है क्योंकि चुनावी बॉन्ड के जरिए भाजपा की चंदा चोरी की सच्चाई सामने आ चुकी है। आज पूरे देश में तानाशाही का राज चल रहा है, जिसको जब मर्जी जैसे भी उठा लो। भाजपा को अशोक चौहान की फाइल भी निकालवानी चाहिए।

-गोपाल राय, प्रदेश संयोजक, आप

इस बार का लोकसभा चुनाव प्रधानमंत्री मोदी बनाम संपूर्ण भारत होगा। विपक्षी गठबंधन इंडिया को केंद्र में सरकार बनाने के लिए स्पष्ट बहुमत मिलेगा, कांग्रेस को छत्तीसगढ़ की 11 लोकसभा सीटों में से आधी से ज्यादा पर जीत मिलेगी। प्रधानमंत्री मोदी 400 के पार जाने का दावा खोखला है।

- भूपेश बघेल, पूर्व मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़

मतदाताओं की बेरूखी बढ़ा रही सियासी दलों की बेचैनी

● बृजेश तिवारी, अल्मोड़ा

अमृत विचार। कुमाऊं मंडल के हिमालयी रीजन की अल्मोड़ा सीट पर पिछले 67 सालों के इतिहास में हुए 18 लोकसभा चुनावों में मतदाताओं की मतदान को लेकर बेरूखी सियासी दलों के रणनीतिकारों की पेशानी पर हमेशा से बल डालती आई है। इस सीट पर सिर्फ एक बार के मिथक को छोड़ दें तो कभी भी सांसद चुनने के लिए कुल पंजीकृत मतदाताओं में से पचास प्रतिशत मतदाताओं तक ने अपने मत का प्रयोग नहीं किया। मतदाताओं की यह बेरूखी कई बार दोनों मुख्य दलों की उम्मीदों पर पानी भी फेर चुकी है।

आजादी के बाद की बात करें तो अल्मोड़ा सीट पर पहली बार 1952 में सांसद चुनने के लिए पहली बार चुनाव कराए गए और इस चुनाव में महज 27 फीसद मतदान हुआ। मतदान के प्रतिशत को देखते हुए वर्ष 1957 में हुए स्वतंत्र मतदान में प्रतिशत बढ़ाने के लिए तमाम प्रयास किए गए। लेकिन परिणाम बेहतर आने के बजाय निराशाजनक साबित हुए और इस बार मतदान का प्रतिशत केवल 19 फीसद रहा। उसके बाद 1962 में 27.30 प्रतिशत, 1967 में 28 प्रतिशत, 1971 में 29 प्रतिशत, 1977 में 44 प्रतिशत, 1980 में 38 प्रतिशत, 1984 में 45 प्रतिशत, 1989 में 44 प्रतिशत, 1996 में 43.38 प्रतिशत, 1998 में 46.45 प्रतिशत और 1999 में केवल 41.82 प्रतिशत लोगों ने लोकसभा चुनावों में अपने मताधिकार का प्रयोग किया।

वर्ष 2000 में पृथक उत्तराखंड राज्य बनने के बाद यहां वर्ष 2004 में लोकसभा चुनाव हुए। राज्य के इस पहले चुनाव में 49.89 प्रतिशत मतदाताओं ने बूथों तक पहुंचकर अपने मत का प्रयोग किया। फिर 2009 में हुए दूसरे चुनाव में यह आंकड़ा घटकर 46.75 प्रतिशत पर रह गया। आखिरकार वर्ष 2014 के चुनावों में आधे कम मतदान का मिथक टूट और इस बार रिकार्ड 53.22 प्रतिशत मतदाताओं ने अपने मत का प्रयोग किया। लेकिन नवोदित राज्य के चौथे चुनाव में यह आंकड़ा आगे बढ़ने के बजाय फिर पीछे खिसक गया और 2019 के चुनावों में फिर 48.78 प्रतिशत मतदाता ही मतदान के लिए अपने घरों से बाहर निकले। लोकसभा चुनावों के प्रति मतदाताओं की यह बेरूखी इस बार भी सियासी दलों के गले की हड्डी बनी हुई है।

2014 में टूटा मिथक तो पहली बार 53.22 प्रतिशत लोगों ने डाले वोट

सांसदों की अनदेखी बनी खलल

लोकसभा चुनावों में मतदान कम होने का एक कारण मतदाताओं के प्रति सांसदों की बेरूखी भी है। चुनाव के वक्त भले ही प्रत्याशी सड़क मार्गों वाले गांव कस्बों तक पहुंच जाते हों। लेकिन चुनाव जीतने के बाद वह दोबारा वहां जाना भी मुनासिब नहीं समझते। बात अल्मोड़ा लोकसभा के दुर्गम क्षेत्रों में बसे गांवों में रहने वाले मतदाताओं की करें तो आज भी अनेक ऐसे मतदाता होंगे। जिन्होंने अपने सांसद को सिर्फ तस्वीरों में ही देखा होगा।

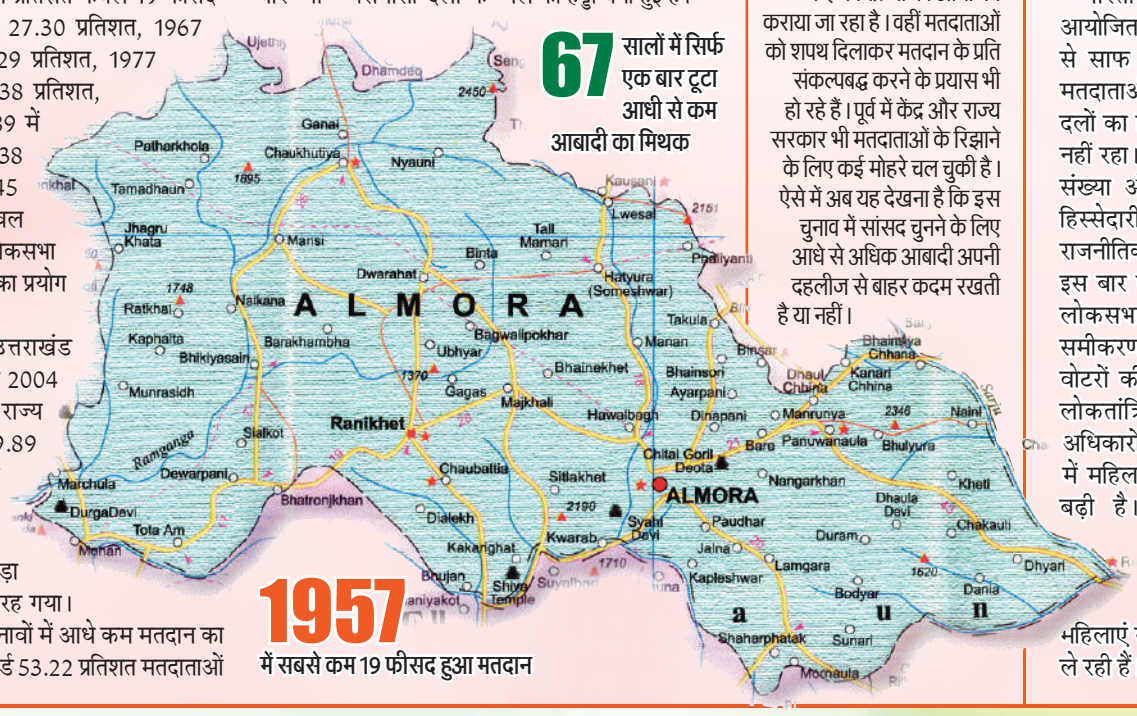

67 सालों में सिर्फ एक बार टूटा आधी से कम आबादी का मिथक

1957 में सबसे कम 19 फीसद हुआ मतदान

चक्रव्यूह भेदने से कम नहीं होगा 75 प्रतिशत का लक्ष्य

लोकसभा चुनाव में प्रत्येक सीट पर मत प्रतिशत बढ़ाने के लिए राजनीतिक दल ही नही बल्कि निर्वाचन आयोग भी पूरी मशक्कत में जुटा हुआ है। लेकिन निर्वाचन के पुराने आंकड़ों पर गौर करें तो यह काम किसी चक्रव्यूह को भेदने से कम नहीं है। निर्वाचन विभाग ने इस बार लोकसभा चुनाव में उत्तराखंड की पांचों सीटों पर 75 प्रतिशत मतदान कराने का लक्ष्य रखा है। नए और युवा मतदाताओं को रिझाने के लिए स्वीप के तहत कई कार्यक्रमों का आयोजन कराया जा रहा है। वहीं मतदाताओं को शपथ दिलाकर मतदान के प्रति संकल्पबद्ध करने के प्रयास भी हो रहे हैं। पूर्व में केंद्र और राज्य सरकार भी मतदाताओं के रिझाने के लिए कई मोहरे चल चुकी है। ऐसे में अब यह देखना है कि इस चुनाव में सांसद चुनने के लिए आधे से अधिक आबादी अपनी दहलीज से बाहर कदम रखती है या नहीं।

बदायूं में आधी आबादी ने निभाई पूरी जिम्मेदारी

- पिछले लोकसभा चुनाव में पुरुषों के बराबर महिलाओं ने किया था मतदान
- हर विधानसभा में 57 से 58 फीसदी महिलाओं ने किया था मताधिकार का प्रयोग

● प्रदीप सक्सेना, बदायूं

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव को लेकर कभी भी डुगडुगी पिट सकती है। प्रशासन से लेकर राजनैतिक पार्टियां तैयारी में जुट गई हैं। हर बार की तरह इस बार भी बदायूं लोकसभा सीट पर चुनाव रोचक होने वाला है। जिसमें महिलाओं की भूमिका अग्रणी रहेगी। पिछली बार महिलाओं ने पुरुषों के कंधों से कंधा मिलाकर मतदान किया था। इस बार भी सभी दलों के प्रत्याशी जीत के लिए महिलाओं को रिझाने में कोई कोर कसर नहीं छोड़ेंगे। जो चुनावी राजनीति में महिलाओं के बढ़ते दबदबे का संकेत है।

भारतीय जनता पार्टी द्वारा आयोजित किए जा रहे आयोजनों से साफ जाहिर है कि महिला मतदाताओं की तरफ राजनीतिक दलों का इतना ध्यान पहले कभी नहीं रहा। महिला मतदाताओं की संख्या और मतदान में उनकी हिस्सेदारी भी लगातार बढ़ी है। राजनीतिक जानकारों के मुताबिक इस बार का चुनाव खास होगा। लोकसभा चुनाव में जातीय समीकरण के साथ-साथ महिला वोटरों की भूमिका अहम होगी। लोकतांत्रिक और संवैधानिक अधिकारों के इस्तेमाल के मामले में महिला वोटरों में जागरूकता बढ़ी है। पहले मतदान को लेकर महिलाओं में बहुत उत्साह नहीं होता था। लेकिन अब महिलाएं खुलकर मतदान में भाग ले रही हैं।

8 लाख 64 हजार 244 महिलाएं पहुंची बूथ तक

वर्ष 2019 के लोकसभा चुनाव में मतदाताओं की संख्या 23 लाख 79 हजार 17 थी। उस समय कुल मतदान 57.15 प्रतिशत हुआ था। जिसमें 8 लाख 64 हजार 244 महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया था।

24,01,020
कुल मतदाता

12,87,880
पुरुष मतदाता

11,12,024
महिला मतदाता

116 थर्ड जेंडर हैं बदायूं लोकसभा में

2019 में 56 से 58 प्रतिशत महिलाओं ने किया था मतदान

वर्ष 2019 में हुए लोकसभा चुनाव में पुरुषों ने 55 से लेकर 58 फीसद तक मतदान किया था। वहीं महिलाओं का वोट प्रतिशत भी कम नहीं था। बिसौली विधानसभा क्षेत्र में पुरुषों ने 58.84 फीसद मतदान किया था। वहीं 58.71 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मताधिकार का प्रयोग किया। इसी तरह सहसवान में 57.40 प्रतिशत पुरुष, 56.15 प्रतिशत महिलाओं, बिल्सी में 55.28 प्रतिशत पुरुष और 55.50 प्रतिशत महिलाएं तथा बदायूं विधानसभा क्षेत्र में 57.77 फीसद पुरुष और 56.95 प्रतिशत महिलाओं ने अपने मत का प्रयोग किया था।

हर दल के प्रत्याशी को भेजा संसद पर बसपा के हाथ खाली

● सलमान खान, मुरादाबाद

- आजादी के बाद से 17 लोकसभा चुनाव में से 11 बार जीते मुस्लिम प्रत्याशी
- भाजपा के सामने पाने और सपा को सीट बचाने की चुनौती, बसपा ने उतारा है मुस्लिम प्रत्याशी

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की तारीखों की घोषणा जल्द होनी है। इसे लेकर पार्टियां पूरी ताकत के साथ तैयारियों में जुटी हैं। मुरादाबाद लोकसभा सीट से आजादी के बाद से आज तक जनता ने सभी दलों के प्रत्याशियों को जीत दिलाकर संसद भेजा, लेकिन बसपा पर मेहरबानी नहीं की। बहुजन समाज पार्टी को आज भी जीत का इंतजार है। 2014 में जीत का खाता खोलने वाली भाजपा इस बार फिर से यह सीट वापस पाने में जुटी हैं। लेकिन बसपा को छोड़कर किसी पार्टी ने अपना प्रत्याशी अभी घोषित नहीं किया है।

पीतल नगरी से पूरे विश्व में अपनी पहचान बनाने वाला जिगर का शहर चुनाव की सियासत में भी अपनी खास पहचान रखता है। यहां से भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान अजहरूद्दीन भी 2009 में सांसद रह चुके है। लोकसभा चुनाव में पक्ष या हो विपक्ष दोनों को वोटों का ध्रुवीकरण सुहाता है। यहां की जनता बसपा को छोड़कर लगभग सभी प्रमुख दलों के चेहरों को चुनकर संसद भेज चुकी है। जनपद में अल्पसंख्यकों की आबादी लगभग 45 प्रतिशत है। नतीजों पर भी इसका साफ असर नजर आता है। अब तक हुए 17 चुनावों में 11 बार मुस्लिम चेहरों ने यहां की नुमाइंदगी की है। अंग्रेजों की गुलामी से आजाद होने के बाद हुए पहले दो चुनाव पर इसका रंग भी था।

कांग्रेस के रामसरन को लगातार दो बार जीत मिली। लेकिन 1962 में यहां पहला बदलाव हुआ और सैयद मुजफ्फर हुसैन को जनता ने निर्दलीय चुनकर संसद भेजा। जनता का फिर मन बदला और 67 और 71 में जनसंघ के प्रत्याशी को जीत दिलाकर सांसद बनाया। 77 में जनता पार्टी की आंधी में मुरादाबाद भी बहा और जनता पार्टी के गुलाम मोहम्मद खान सांसद बने। अगले चुनाव में भी जनता ने उन्हें ही मौका दिया।

1984 में कांग्रेस ने फिर जीती बाजी

13 अगस्त 1980 को ईद के दिन फैली एक अफवाह ने पीतल नगरी को दंगों की आग में झोंक दिया था। दंगे की वजह और जिम्मेदार जो भी रहे हों, लेकिन इसने यहां का मिजाज बदल दिया। सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के सुर सियासी फिजा में मुखर होने लगे। इंदिरा गांधी की हत्या के बाद 1984 में हुए चुनाव में जीत तो कांग्रेस के हाफिज मोहम्मद ने हासिल की, लेकिन चार साल पहले अस्तित्व में आई भाजपा तीसरे नंबर पर पहुंच गई और उसे 83 हजार से अधिक वोट मिले। 1989 और 91 में जनता दल के टिकट पर मुरादाबाद से गुलाम मोहम्मद खान को फिर मौका मिला लेकिन 91 के बाद यहां भाजपा स्थायी प्रतिद्वंद्वी हो गई। अब भाजपा फिर से इस सीट पर कमल खिलाने की जुगत में है।

भाजपा और सपा के बीच सिमटी लड़ाई

90 के दशक में मंडल और कमंडल के प्रयोग के बीच राजनीति में नए खिलाड़ी उभरे। अगले तीन दशक की लड़ाई एकाध मौकों को छोड़कर इनकी नुमाइंदगी करने वाले पार्टियों के बीच ही सिमट गई। मुस्लिम-यादव वोटों की जमीन पर खड़ी हुई मुलायम सिंह यादव की समाजवादी पार्टी के लिए मुरादाबाद की गणित माकूल थी। 96 में सपा के टिकट पर शफीकुर्रहमान बर्क ने जीत हासिल कर इसे साबित कर दिया, लेकिन उनकी जीत का अंतर महज दो हजार वोटों का ही था। इसके पीछे बड़ी वजह बसपा के मुस्लिम उम्मीदवार को भी 1.12 लाख वोट मिलना था। 1998 में फिर सपा और भाजपा में मुकाबला हुआ और इस बार भी शफीकुर्रहमान बर्क 36 हजार वोटों से जीते थे। साल 1999 में भाजपा ने इस सीट पर नया प्रयोग किया और अपना उम्मीदवार खड़ा न कर अखिल भारतीय लोकतांत्रिक कांग्रेस के चंद्रविजय सिंह को समर्थन दिया था। जिससे सपा के बर्क को 1.53 लाख वोट मिले और बसपा के मोहम्मद अकील को 1.23 लाख वोट। बहुसंख्यक वोटों का एका चंद्रविजय के पक्ष में गया और 2.53 लाख वोट से वह चुनाव जीते।

2009 में क्रिकेटर अजहर ने की बैटिंग

बल्लेबाजी के लिए चर्चित भारतीय किक्रेट टीम के पूर्व कप्तान मोहम्मद अजहरुद्दीन को कांग्रेस ने 2009 में मुरादाबाद की पिच पर उतारा था। अजहरूद्दीन को यहां की जनता का भरपूर सहयोग मिला था और 25 साल बाद यहां कांग्रेस ने फिर जीत हासिल की। भाजपा दूसरे और बसपा तीसरे नंबर पर खिसक गई। सपा प्रत्याशी महज दो प्रतिशत वोट हासिल जमानत भी गंवा बैठे।

मोदी लहर से 2014 में खिला कमल

2014 में भाजपा की जीत का इंतजार मोदी लहर में खत्म हुआ। चुनाव में मोदी लहर और मुजफ्फरनगर दंगों से बदली हवा के बीच वोटों के जबरदस्त ध्रुवीकरण ने भाजपा के सर्वेश सिंह को लगभग 88 हजार वोटों से जीत दिलाकर पीतलनगरी में कमल खिला दिया। सपा के डॉ. एसटी हसन 3.97 लाख वोट पाकर भी हार गए।

2019 में सपा-बसपा गठबंधन को मिली जीत

2019 में 2014 में हुए बिखराव को रोकने के लिए सपा-बसपा ने मिलकर चुनाव लड़ा था और डॉ. एसटी हसन को प्रत्या शी बनाकर मैदान में उतारा था। सपा को यहां चौथी बार जीत मिली और भाजपा 98 हजार वोटों से पिछड़ गई। जबकि कांग्रेस के इमरान प्रतापगढ़ी की जमानत जब्त हो गई थी। 96 से हर चुनाव में बसपा ने उम्मीदवार खड़े किए वह तीसरे नंबर पर रही, लेकिन पहला नंबर तय होने में उसके प्रदर्शन की भूमिका अहम रही।

इस बार सपा के लिए सीट बचाने की लड़ाई

सपा के सामने सीट बचाने और भाजपा के सामने दूसरी बार कमल खिलाने की लड़ाई है। मुरादाबाद से सपा ने अब तक उम्मीदवार घोषित नहीं किया है। मौजूदा सांसद डॉ. एसटी हसन की मजबूत दावेदारी है। भाजपा से पिछली बार सर्वेश सिंह लड़े थे। सर्वेश सिंह इस बार भी मजबूती से टिकट की लाइन में लगे हैं। लेकिन भाजपा प्रत्याशी चयन में कोई रिस्क नहीं लेना चाहती है। वह हर हाल में इस सीट को अपनी झोली में डालना चाहती है। बसपा ने मुस्लिम प्रत्याशी को उतार कर दूसरों के लिए चुनौती पेश की है।

अमेठी के गांव में उठा नारा... 'रोड नहीं तो वोट नहीं'

मतदान का किया बहिष्कार

अमेठी (उप्र)। अमेठी जिले के गौरीगंज तहसील स्थित एक गांव में सड़क का निर्माण नहीं होने से नाराज स्थानीय लोगों ने आगामी लोकसभा चुनाव में मतदान के बहिष्कार का ऐलान किया है। अर्से से वीवीआईपी जिला माने जाने वाले अमेठी की तहसील गौरीगंज के जामो विकासखंड में पूरे अल्पी तिवारी ग्रामसभा स्थित सरमें पुरवा के निवासियों ने गांव के बाहर एक बैनर लगाया है, जिसमें 'रोड नहीं तो वोट नहीं' के नारे के साथ 'नेताओं, शर्म करो। आजादी के बाद से हम लोग नारकीय जीवन जीने को मजबूर हैं लिखा है।

सरमें पुरवा गांव के निवासी ओमप्रकाश ओझा, राम अभिलाष ने मंगलवार को बताया कि गांव में जाने-आने का पक्का रास्ता न होने के कारण बहुत मुश्किल होती है और बारिश के मौसम में स्थिति बदतर हो जाती है। हालात यह है कि गांव के लोगों को अपने बच्चों की शादी का आयोजन मजबूरन किसी दूसरी जगह करना पड़ता है। उन्होंने कहा कि पीने के पानी का भी सही बंदोबस्त नहीं है। यह गांव उस अमेठी लोकसभा क्षेत्र का हिस्सा है जो कई दशकों तक केन्द्र की सत्ता में दबदबा रखने वाले नेहरू-गांधी परिवार का सियासी गढ़ रहा और पिछले पांच साल से केन्द्रीय मंत्री स्मृति ईरानी यहां से सांसद हैं। लगातार उपेक्षा से तंग आकर अब ग्रामीणों ने पूरी तरह से मन बना लिया है कि जब तक समस्याओं का समाधान नहीं हो जाता है तब तक आगामी लोकसभा चुनाव का पूरी तरह से बहिष्कार किया जाएगा। गौरीगंज के उप जिलाधिकारी दिग्विजय सिंह ने इस बारे में पूछे जाने पर बताया कि उन्हें प्रकरण की जानकारी मिली है तथा मामले की जांच कराई जा रही है।

संविधान में नहीं है आदर्श चुनाव आचार संहिता का उल्लेख

- आदर्श चुनाव आचार संहिता राजनीतिक दलों एवं प्रत्याशियों के लिये बनायी गयी एकनियमावलीहै जिसका पालन चुनाव के समय आवश्यक है। चुनाव आचार संहिता चुनाव की तिथि की घोषणा से लागू होता है और यह मतदान के परिणाम आने पर समाप्त हो जाता है। इसका भारतीय संविधान में कोई उल्लेख नहीं है।
- सरकार लोक लुभावन घोषणाएँ नहीं करेगी।
- सरकारी मशीनरी का दुरुपयोग की पाबंदी।
- जाति, धर्म व क्षेत्र से संबंधित मुद्दे नही उठा सकेंगे राजनीतिक दल
- चुनाव के दौरान धन-बल व बाहु-बल के प्रयोग पर रोक।
- आदर्श आचार संहिता लागू होने के बाद किसी भी व्यक्ति को धन का लोभ न देना।
- आचार संहिता लागू हो जाने के बाद किसी भी योजनाओ को लागू नहीं कर सकते।

मेरा पहला वोट

विकास के मुद्दे पर करेंगे वोट

लोकतंत्र के महासमर में पहली बार मतदान को लेकर उत्साहित हूं। मुझे पहली ही बार में केंद्र की सरकार चुनने का मौका मिल रहा है। पहला वोट विकास के मुद्दे पर करुंगा। जिले में रोजगार के अवसर सृजित करने वाला सांसद और केन्द्र में शिक्षा, समानता, सुरक्षा व रोजगार दे सकने सक्षम सरकार चुनने के लिए मतदान करुंगा।

अरिन कुमार पांडेय
बझना, सदर विधानसभा क्षेत्र सुलतानपुर

बसपा को लोकसभा में चमत्कार की उम्मीद

टिमटिमा रही है दलित चेतना की लौ, बसपा की रणनीति पर टिकी राजनीतिक दलों की निगाहें

● लखनऊ कार्यालय

अमृत विचार : तत्कालीन प्रधानमंत्री नरसिम्हा राव ने जिस बहुजन समाज पार्टी के प्रदर्शन को लोकतंत्र के चमत्कार की संज्ञा दी थी। वह चमत्कार 2022 के विधानसभा चुनाव में नहीं दिखा। कारण काशीराम ने दलित चेतना की जो मशाल जलाई थी। वह अब दीपक बनकर टिमटिमा रहा है। बावजूद इसके सभी राजनीतिक दलों की निगाहें बसपा की रणनीति पर टिकी हुई हैं।

तीन बार उत्तर प्रदेश में सरकार बना चुकी बसपा 2022 के विधानसभा चुनाव में मात्र एक सीट पर सिमट गई थी। उसके समक्ष 2024 के लोकसभा चुनाव में 2019 का प्रदर्शन दोहराने के लिए चमत्कार करने जैसी चुनौती होगी। आंकड़े बताते हैं कि बसपा की दलित वोट बैंक पर वह पकड़ नहीं रही जो 2009 के लोकसभा चुनाव तक थी।

2014 के लोकसभा चुनाव में बसपा का खाता भी नहीं खुला था। हालांकि उसे 19.43 प्रतिशत वोट हासिल हुए थे। 2019 के लोकसभा चुनाव में जब उसने समाजवादी पार्टी के साथ गठबंधन किया तो जरूर उसके सीटों की संख्या 10 तक पहुंच गई। चुनाव खत्म होते ही या गठबंधन टूट गया। जिसका खामियाजा बसपा को विधानसभा चुनाव में उठाना पड़ा। 2024 का लोकसभा चुनाव आते-आते बसपा की टिकट पर चुनाव जीतने वाले सांसद दूसरे दलों में भागने लगे। कोई भाजपा में गया तो कोई कांग्रेस में तो किसी ने समाजवादी पार्टी का दामन थाम लिया। जो बचे हैं वह भी जाने की जुगत लगा रहे हैं। अब ऐसे सांसदों को चुनाव मैदान में शिकस्त देने के लिए बसपा चुनावी बिसात हर दांव आजमा रही है। यह चुनाव सिर्फ़ मायावती के लिए ही नहीं बल्कि उनके भतीजे जिसे उन्होंने अपना उत्तराधिकारी घोषित किया है के लिए भी अग्नि परीक्षा साबित होने जा रहा है। प्रत्याशी में घोषणा में सबसे आगे रहने वाली बसपा इस चुनाव में अभी तक चंद सीटों पर ही अपना उम्मीदवार उतार सकी है।2019 के लोकसभा चुनाव में बसपा ने अंबेडकर नगर, अमरोहा, बिजनौर, गाजीपुर, घोसी, जौनपुर लालगंज, सहारनपुर, श्रावस्ती तथा नगीना सीट जीती थी। इन सीटों पर फिर से काबिज होने के लिए बसपा की जद्दोजहद जातीय समीकरणों पर ही टिकी हुई है। बसपा इस बात के लिए पूरा प्रयास कर रही है कि जो सांसद पार्टी छोड़कर गए वह किसी तरह भी दोबारा सदन में न पहुंच सकें। फिलहाल बहुजन समाज पार्टी इस बार पूरे उत्तर प्रदेश में अकेले दम पर चुनाव लड़ने जा रही हैं। इसका मूल कारण यह है कि समाजवादी पार्टी के समर्थन से चुनाव लड़ने के दौरान उनके कई नेता और कार्यकर्ता समाजवादी पार्टी के ही होकर रह गए। पार्टी एक बार फिर से नए सिरे से पूरे प्रदेश में संगठन खड़ा करना चाहती है। ताकि अगले विधानसभा चुनाव में वह पूरे दमखम के साथ चुनाव मैदान में उतर सके।

बसपा का प्रदर्शन एक नजर में

1996	6 सीट	20.6
1998	4 सीट	20.9
1999	14 सीट	22.08
2004	19 सीट	24.67
2009	20 सीट	27.42
2014	00 सीट	19.77
2019	10 सीट	19.43

2019 में बसपा से जीते सांसद

अंबेडकर नगर	रितेश पांडे
अमरोहा	कुंवर दानिश अली
बिजनौर	चौधरी बृजेंद्र सिंह
गाजीपुर	अफजाल अंसारी
घोसी	अतुल कुमार सिंह
जौनपुर	श्याम सिंह यादव
लालगंज	संगीता आजाद
सहारनपुर	हाजी फजलुर रहमान
श्रावस्ती	राम शिरोमणि
नगीना	गिरीश चंद्र

विधानसभा उपचुनाव की सभी सीटों पर लड़ेंगे सपा के प्रत्याशी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ। लोकसभा के साथ प्रदेश की खाली विधानसभा सीटों पर हो रहे उप चुनाव में कांग्रेस व सपा के बीच सीटों को लेकर अभी समझौता नहीं हुआ है, पर सभी सीटों पर सपा प्रत्याशियों को चुनाव मैदान में उतारे जाने की चर्चा है। प्रदेश की लोकसभा की 80 सीटों के साथ ही विधानसभा की खाली पड़ी चार सीटों पर उप चुनाव होने हैं। खाली सीटों में राजधानी की लखनऊ पूर्व सीट के साथ ही ददरौल, बलरामपुर की गैंसड़ी और सोनभद्र की दुद्धी सेट शामिल है। ददरौल में चौथे चरण में 13 मई को मतदान होगा। लखनऊ पूर्वी सीट पर पांचवें चरण 20 मई को मतदान होगा। वहीं गैंसड़ी में छठे चरण में 25 मई को मतदान होगा। दुद्धी सीट पर आखिरी और सातवें चरण 1 जून में मतदान होगा। विधानसभा उपचुनाव का परिणाम भी 4 जून को आएगा।

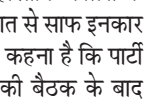

सूत्रों के अनुसार कांग्रेस व सपा के बीच विधानसभा सीटों को लेकर समझौता न होने पर सभी सीटों पर सपा के प्रत्याशियों के लड़ाई जाने की चर्चा हो रही है। हालांकि कांग्रेस के नेता चर्चाओं की बात से साफ इनकार कर रहे हैं। उनका कहना है कि पार्टी के केंद्रीय नेतृत्व की बैठक के बाद स्थिति साफ होगी।

साइकिल से वोट मांगते थे रामप्रकाश

कार्यालय संवाददाता, कन्नौज

अमृत विचार। किसी भी चुनाव में अब प्रत्याशी के साथ कारों का काफिला होता है और सैकड़ों लोग उसके आगे-पीछे होते हैं। हाईटेक प्रचार होता है तो सोशल मीडिया पर मनुहार होती है। पहले ऐसा नहीं होता था। प्रत्याशी अपने कुछ समर्थकों के साथ गांव जाते थे और पैदल घर-घर जाकर और खेत-खलिहानों में वोट मांगते थे। कन्नौज से सांसद रहे रामप्रकाश त्रिपाठी तो साइकिल से वोट मांगने जाते थे और जहां रात हो जाती थी, उसी गांव में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाते थे।

बात 1977 के लोकसभा चुनाव की है। कन्नौज लोकसभा क्षेत्र से लोकदल से रामप्रकाश त्रिपाठी उम्मीदवार थे। क्षेत्र के बुजुर्ग बताते थे कि रामप्रकाश त्रिपाठी ने नामांकन करने के बाद घर का मुंह नहीं देखा था और साइकिल से ही क्षेत्र का भ्रमण करते थे। वह साइकिल से कुछ कार्यकर्ताओं के साथ सुबह निकलते थे। उस समय अधिकतर लोग खेतों और खलिहानों में रहते थे तो वोट मांगने के लिए वहां जाना पड़ता था। जिस गांव में रात हो जाती उनका डेरा वहीं जम जाता था। रात में ग्रामीणों के साथ चौपाल लगाकर चुनावी चर्चा करते थे। यही वजह थी कि उस चुनाव में वह सबसे अधिक वोटों से जीते थे।

पूर्व मंत्री रामप्रकाश त्रिपाठी।

गुड़ व सत्तू साथ लेकर चलते थे

भारतीय जनसंघ के पूर्व कार्यकर्ता 88 वर्षीय मन्नीलाल द्विवेदी बताते हैं कि रामप्रकाश त्रिपाठी हमेशा अपने साथ देसी गुड़ और सत्तू लेकर चलते थे। प्रचार के दौरान भूख लगने पर किसी कुएं या रहट के पास सत्तू बनाकर खाते थे। उनके साथ कार्यकर्ता भी सत्तू खाकर अपनी भूख मिटाते थे।

पेट्रोमेक्स की रोशनी में लगती थी चौपाल

राजकिशोर द्विवेदी बताते हैं कि पहले गांवों में बिजली नहीं थी। ऐसे में रात के समय किसी सार्वजनिक स्थान पर चौपाल लगती थी, जिसमें रोशनी के इंतजाम के लिए गांव के लोग मिट्टी के तेल से जलने वाली पेट्रोमेक्स जलाते थे, जिसमें रेशम के धागों से बना मेंटल बर्नर लगता था और पंप से हवा भरी जाती थी। गांव के मुखिया इसका इंतजाम करते थे।

विरोधियों में दिखता था राजनीतिक शिष्टाचार

भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के अध्यक्ष देवप्रकाश पालीवाल बताते हैं कि उस दौर में विरोधियों में राजनीतिक शिष्टाचार प्रबल था। लोकदल प्रत्याशी रामप्रकाश त्रिपाठी और जनता दल के प्रत्याशी छोटे सिंह यादव जब प्रचार के दौरान आमने-सामने आ जाते थे, तो छोटे सिंह उनके पैर छूकर जीत का आशीर्वाद मांगते थे और सहृदय रामप्रकाश त्रिपाठी उन्हें खुले मन से आशीर्वाद दे देते थे।

55 साल से मचल रही रियासत की सियासत

अरुण कुमार मिश्र, गोंडा

अमृत विचार : लोकसभा के 72 साल के चुनावी सफर में बाहर से लेकर अंदर तक के कई सूरमा आए और जीत कर इतिहास रचा, लेकिन इस 72 साल के इतिहास में 55 साल पहले मनकापुर रियासत की राजनीति में इंट्री हुई तो आज तक जारी है। पहले चार कार्यकाल मनकापुर के कुंवर आनंद सिंह फिर उनके पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह सियासत के मैदान में उतरे। पिता के बराबर कीर्तिवर्धन सिंह भी चार बार सांसदी का चुनाव जीत चुके हैं। 1998 में राजनीतिक सफर शुरू करने वाले कीर्तिवर्धन सिंह को दो बार हार का भी सामना करना पड़ा। अब 2024 में सातवीं बार भाजपा के टिकट पर फिर मैदान में हैं। इस बार हैट्रिक लगेगी या नहीं यह मतदाताओं के मूड पर है।1951-52 में जब पहला चुनाव हुआ तो वैरिस्टर हैदर हुसैन, 1957 में दिनेश प्रताप सिंह, 1962 में रामरतन गुप्ता, 1967 में सुचेता कृपलानी ने जीत हासिल की। ये सभी लोग गोंडा जिले के बाहर के थे। लेकिन मनकापुर रियासत के राजा कुंवर आनंद सिंह का चुनाव में प्रवेश हुआ और 1971 में कांग्रेस के टिकट पर उन्होंने जीत हासिल की। आनंद सिंह भारतीय जनता दल के प्रत्याशी रहे देवेंद्र प्रताप सिंह से मात्र 631 मत से जीते और राजनीति में अपनी भागीदार तय कर दी। लेकिन 1977 में बीएलडी से प्रत्याशी रहे सत्यदेव सिंह से चुनाव हार गए। सत्यदेव सिंह ने आनंद सिंह को 71 हजार के करीब वोटों से शिकस्त दी। लेकिन राजनीति के इस उतार चढ़ाव में आनंद सिंह ने हौसला नहीं छोड़ा और 1980 में गोंडा सीट पर फिर काबिज हो गए। इस बार उन्होंने जेएनपी से कौशलेंद्र दत्त को भारी मतों से शिकस्त दी। इसके बाद 1984 तथा 1989 में भी हैट्रिक लगाकर चुनाव जीत गए। 1984 में एलकेडी से लड़ रहे दीप नरायन को चुनाव हराया और 89 में जनता दल से फजलुलबारी उर्फ बन्ने भाई को शिकस्त दी। 1991 भारतीय जनता पार्टी का पूरी तरह से उदय हो गया और राम जन्मभूमि आंदोलन में शिरकत करने वाले बृजभूषण शरण सिंह की राजनीति में इंट्री हुई। इसमें बृजभूषण शरण सिंह ने आनंद सिंह से कुर्सी छीन ली। इसके बाद कुंवर आनंद सिंह कांग्रेस छोड़ समाजवादी पार्टी में चले गए और 1996 में सपा के टिकट पर चुनाव लड़े। इस बार भी उन्हें बृजभूषण शरण सिंह की पत्नी केतकी सिंह के हाथ से शिकस्त मिली। इसे देख राजनीति के पितामह कहे जाने वाले आनंद सिंह के पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह ने राजनीति में प्रवेश किया। और 1998 में कीर्तिवर्धन सिंह ने बृजभूषण शरण सिंह को हराकर अपने पिता की हार का बदला ले लिया। कीर्तिवर्धन सिंह ने सपा से चुनाव लड़ा था। लेकिन एक साल बाद 1999 में फिर हुए चुनाव में कीर्तिवर्धन सिंह को बृजभूषण सिंह ने फिर चुनाव हरा दिया। 2004 के आते ही भाजपा ने बृजभूषण सिंह को बलरामपुर सीट से चुनाव लड़ाया और गोंडा से घनश्याम शुक्ला भाजपा से चुनाव लड़े लेकिन इसमें कीर्तिवर्धन सिंह चुनाव जीत गए। 2009 में हुए परिसीमन से गोंडा लोकसभा का परिदृश्य बदल गया। इसमें बेनी मात्र 23 हजार वोट से जीत गए। इसके बाद रियासत खानदान को बसपा रास नहीं आई और वह 2014 में पलटी मारते हुए भाजपा का दामन थाम लिया। 2014, 2019 में वह भाजपा के टिकट पर चुनाव जीते और भाजपा के टिकट पर तीसरी बार मैदान में हैं। जिनका मुकाबला इस बार इंडिया गठबंधन की प्रत्याशी बेनी प्रसाद वर्मा की पौत्री श्रेया वर्मा से होगा।

पिता पुत्र के हाथ में रही आठ बार सांसद की कुर्सी

कुंवर आनंद सिंह।

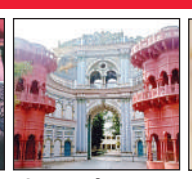

रियासत की इमारत।

कीर्तिवर्धन सिंह।

भगवा प्रेम में गंवानी पड़ी थी राजा को कुर्सी

2014 में समाजवादी पार्टी की सूबे में सपा की सरकार थी। इसमें कुंवर आनंद सिंह कृषि मंत्री रहे और सपा में उनकी कद्दावर नेताओं में गिनती थी। लेकिन पुत्र कीर्तिवर्धन सिंह के भगवा प्रेम के कारण आनंद सिंह को कृषि मंत्री पद से इस्तीफा देना पड़ा था। इसके बाद आनंद सिंह ने राजनीति से सन्यास ही ले लिया।

वर्ष	सांसद	दल
1951	चौधरी हैदर हुसैन	कांग्रेस
1957	दिनेश प्रताप सिंह	कांग्रेस
1962	राम रतन गुप्ता	कांग्रेस
1967	सुचेता कृपलानी	कांग्रेस
1971	आनंद सिंह	कांग्रेस
1977	सत्यदेव सिंह	बीएलडी
1980	आनंद सिंह	कांग्रेस
1984	आनंद सिंह	कांग्रेस
1989	आनंद सिंह	कांग्रेस
1991	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
1996	केतकी सिंह	भाजपा
1998	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
1999	बृजभूषण शरण सिंह	भाजपा
2004	कीर्तिवर्धन सिंह	सपा
2009	बेनी प्रसाद वर्मा	कांग्रेस
2014	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा
2019	कीर्तिवर्धन सिंह	भाजपा

85 साल, 17 लोकसभा चुनाव, संसद पहुंची मात्र दो महिलाएं

गंगादेवी पहली तो प्रियंका रावत चुनीं गईं थी दूसरी महिला सांसद

आधा आबादी का प्रतिनिधित्व करने का पार्टियों में नहीं रहा विश्वास

बाराबंकी

अमृत विचार: बाराबंकी लोकसभा सीट अनुसूचित जाति के लिए सुरक्षित है। इस समय यह सीट भारतीय जनता पार्टी के कब्जे में है। पहले इस सीट को कांग्रेस का मजबूत गढ़ माना जाता था। इस आम चुनाव में कांग्रेस के वरिष्ठ नेता पी एल पुनिया की साख दांव पर लगी हुई है। प्रमुख दलों की बात करें तो इसमें से पांच बार कांग्रेस ने इस सीट पर विजय पताका फहरायी है। दो बार समाजवादी पार्टी ने जीत हासिल की है जबकि दो बार भारतीय जनता पार्टी को जीत मिली है। एक बार बसपा प्रत्याशी भी यहां से जीतने में कामयाब रहा है। अब तक सिर्फ दो बार महिलाएं सांसद के रुप में चुनकर संसद पहुंची हैं। बाराबंकी लोकसभा सीट पर

आधी आबादी को पूरी भागीदारी का वादा भले ही सभी राजनीतिक दल कर रहे हों। लेकिन आजादी के बाद हुए सत्रह चुनाओं में सिर्फ दो बार महिलाओं को प्रतिनिधित्व करने का मौका मिला। उनमें भी जीतकर सदन में पहुंची महिला सांसद को दोबारा चुनाव लड़ने का अवसर ही नहीं दिया गया। प्रस्तुत है बाराबंकी से **रीतेश श्रीवास्तव की रिपोर्ट...**

सबसे पहले 1952 में गंगा देवी चुनाव जीत कर संसद पहुंचने वाली पहली महिला बनीं थी। 62 साल के इंतजार के बाद 2014 में भाजपा के टिकट पर प्रियंका रावत ने जीत हासिल कर इस सूखे को खत्म किया था। 1989, 1991 और 1996 में रामसागर रावत ने इस सीट पर जीत दर्ज करके जीत की हैट्रिक लगाई थी। वर्ष 1998 में पहली बार भाजपा का इस सीट पर खाता खुला था। तब बैजनाथ रावत ने भाजपा उम्मीदवार के रूप में जीत हासिल की थी। अगले चुनाव में राम सागर रावत ने सपा प्रत्याशी के रूप में जीत दर्ज की थी। 2004 के चुनाव में यहां से बसपा के कमला प्रसाद को जीत मिली थी लेकिन 2009 में कांग्रेस के पीएल पुनिया 25 साल बाद इस सीट से जीत दर्ज करके सांसद निर्वाचित हुए। लेकिन 2014 में भाजपा की प्रियंका रावत ने इस सीट पर कब्जा जमा लिया।

पिंक पन्ना

गंगा देवी

प्रियंका सिंह रावत

53 लोकसभा सीट बाराबंकी से अब तक चुने गए सांसद

वर्ष	प्रत्याशी का नाम	पार्टी	वोट
2019	उपेंद्र सिंह रावत	भाजपा	5,35,917
2014	प्रियंका सिंह रावत	भाजपा	4,54,214
2009	डॉ.पीएल पुनिया	कांग्रेस	328418
2004	कमला प्रसाद	बीएसपी	1,96,370
1999	राम सागर	समाजवादी	2,10,958
1998	बैजनाथ रावत	भाजपा	2,28,368
1996	राम सागर	समाजवादी	1,80,912
1991	राम सागर	जेपी	1,21,803
1989	राम सागर	जेडी	1,99,180
1984	कमला प्रसाद	कांग्रेस	2,02,790
1980	राम किंकर	जेएनपी(एस)	1,35,481
1977	राम किंकर	बीएलडी	2,06,061
1971	कुंवर रुद्र प्रताप सिंह	कांग्रेस	1,52,477
1967	आर एस यादव	एसएसपी	1,18,233
1962	राम सेवक यादव	एसओसी	76,545
1957	स्वामी रामानंद	कांग्रेस	1,58,270
1952	गंगा देवी	कांग्रेस	1,23,427

इंडिया गठबंधन का ट्रंप कार्ड बन सकते हैं वरुण

- अखिलेश यादव ने स्वामी प्रसाद मौर्य और वरुण को लोस चुनाव लड़ाने के दिए संकेत
- गांधी परिवार की परंपरागत सीट अमेठी से वरुण के पिता संजय गांधी भी चुनाव लड़ चुके हैं

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार। समाजवादी पार्टी नेतृत्व से स्वामी प्रसाद मौर्य ने भले नाराजगी जताकर अपनी अलग पार्टी बना ली हो पर अखिलेश यादव उनको लेकर 'सॉफ्ट कॉर्नर' रखते हैं। यही कारण है कि अखिलेश उनको अपना लोकसभा प्रत्याशी बनाने की संभावनाओं से इंकार नहीं कर रहे। वहीं, सपा प्रमुख अगर वरुण गांधी को भी ट्रंपकार्ड बनाकर सामने ले आएं तो आश्चर्य न होगा।

दरअसल, सपा प्रमुख अखिलेश यादव ने मंगलवार को यहां पत्रकारों से बातचीत करते हुए लोकसभा चुनाव में पार्टी पद से इस्तीफा देने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य को सपा से टिकट देने के संकेत दिए हैं। इस दौरान अखिलेश ने वरुण गांधी को भी टिकट देने से इंकार नहीं किया।

अखिलेश ने स्वामी प्रसाद को टिकट देने पर उल्टा सवाल किया किया कि, क्या स्वामी प्रसाद कभी सपा छोड़कर गए थे? वहीं, जब उनसे पूछा गया कि आपने स्वामी प्रसाद का इस्तीफा स्वीकार कर लिया तो वो बोले, हमारी कमेटी विचार कर रही होगी। मुझे इसकी जानकारी नहीं है। उधर, स्वामी प्रसाद ने भी बीते दिनों अखिलेश को लेकर नर्म रुख अपनाते हुए कहा था कि उन्हें अखिलेश से कुछ भी शिकायत नहीं है।

इस बीच दो कयास चर्चा में हैं। एक तो इंडिया गठबंधन उम्मीदवार के रूप में वरुण गांधी के अमेठी या पीलीभीत सीट से चुनाव लड़ने और दूसरा मुलायम सिंह यादव की छोटी बहू अपर्णा यादव के भाजपा के टिकट पर मैनपुरी से चुनावी मैदान में आने की चर्चा है। दोनों के लेकर भाजपा-सपा नेताओं से सवाल भी पूछे जा रहे हैं।

रामपुर में मो. आजम खां की चलेगी

लखनऊ। संकेत मिल रहे हैं कि समाजवादी पार्टी अपने घोषित कुछ प्रत्याशियों को बदलना चाहती है। वहीं मुरादाबाद और रामपुर संसदीय सीट के लिये उम्मीदवार तय करने में जेल में कैद आजम खान की सुनी जायेगी। उनकी इच्छा से ही प्रत्याशी तय किये जायेगें। हालांकि लोकसभा चुनाव के पहले चरण के लिए नामांकन 20 मार्च यानि बुधवार से शुरू होंगे, पर अभी तक सपा ने रामपुर, मुरादाबाद और पीलीभीत के टिकट फाइनल नहीं किए हैं।

हाईप्रोफाइल सीट सुलतानपुर में मेनका या फिर कोई और ...

भाजपा प्रत्याशी पर टिकीं सबकी निगाहें

गठबंधन से सपा ने भीम निषाद को बनाया है उम्मीदवार, भाजपा की जारी दो सूची में मेनका गांधी का नाम न होने से मिल रही हवा

मनोज कुमार मिश्र, सुलतानपुर

अमृत विचार: लोकसभा चुनाव की अधिसूचना जारी हो चुकी है। सभी राजनीतिक दलों में प्रत्याशियों के नाम पर मंथन तकरीबन अंतिम चरण में है। भाजपा की दो सूची में सांसद मेनका गांधी का नाम नहीं होने से सुलतानपुर लोकसभा सीट सर्वाधिक चर्चित सीटों में शुमार हो गई है। भाजपा के दावेदारों से लेकर अन्य दलों तक की निगाह भाजपा के शीर्ष नेतृत्व के रुख पर टिकी है। सब पर पल-पल भारी पड़ रहा है। चर्चाओं का बाजार गर्म है।

पूर्व में अमेठी का जिला मुख्यालय होने के कारण गांधी-नेहरू फैमिली की आमद-रफ्त यहां होती रही है। संजय गांधी, राजीव गांधी, सोनिया गांधी से लेकर राहुल गांधी तक नामांकन के लिए यहां आते रहे हैं। अमेठी से बिल्कुल सटी होने के कारण इसका खास रुतबा रहा। रायबरेली, अमेठी के साथ ही इस सीट के

मां मेनका गांधी के साथ वरुण गांधी।

प्रत्याशी पर भी गांधी नेहरू परिवार ही अंतिम मुहर लगाता था। वरुण गांधी और मेनका गांधी के यहां से चुनाव लड़ने के बाद सियासी लिहाज से यह सीट और अहम हो गयी। वर्तमान में मेनका संजय गांधी यहां से सांसद हैं, लेकिन मौजूदा चुनाव में उनकी उम्मीदवारी चर्चा का विषय बनी है। नेपथ्य में इसकी वजह उनके पुत्र वरुण गांधी को माना जा रहा है। पिछले पांच सालों में उन्होंने कई बार अपनी ही सरकार के खिलाफ बोलकर पार्टी को असहज किया है। वरुण के रुख से भाजपा में ही मेनका गांधी के विरोधियों के साथ ही नए दावेदार भी टिकट के लिए एड़ी चोटी का जोर लगाए हैं। यहां से भाजपा प्रत्याशी के रूप में सरोजनीनगर लखनऊ के विधायक राजेश्वर सिंह, पिछली बार गठबंधन से बसपा उम्मीदवार रहे पूर्व विधायक चंद्रभद्र सिंह सोनू, रायबरेली के ऊंचाहार सीट से विधायक मनोज पांडेय, लंभुआ के पूर्व भाजपा विधायक देवमणि द्विवेदी, भाजपा के राष्ट्रीय प्रवक्ता व जिले के मूल निवासी प्रेम शुक्ला, पूर्व लोकसभा प्रत्याशी व पूर्व विधान परिषद सदस्य डा. वीणा पांडेय समेत कुछ अन्य नाम चर्चा में हैं। फिलहाल भाजपा यहां से अगर फिर जीतती है तो उसकी हैट्रिक के साथ ही एक नया रिकॉर्ड भी बनेगा।

दो बार भाजपा ने दर्ज की जीत

2014	
वरुण फिरोज गांधी भाजपा	4,10,348
पवन पांडेय बसपा	2,31446
शकील अहमद सपा	2,28144
अमिता सिंह कांग्रेस	41,983
2019	
मेनका संजय गांधी भाजपा	4,58,196
चंद्रभद्र सिंह सोनू बसपा	4,44,670
डॉक्टर संजय सिंह कांग्रेस	41,681

कब कौन बना सांसद

सन	विजयी प्रत्याशी	पार्टी
1952	काजिम अली	कांग्रेस
1957	गोविंद मालवीय	कांग्रेस
1961	गनपत सहाय (उप चुनाव)	निर्दलीय
1962	कुंवर कृष्ण वर्मा	कांग्रेस
1967	गनपत सहाय	निर्दलीय
1969	श्रीपति मिश्र (उप चुनाव)	बीकेडी
1971	केदारनाथ सिंह	कांग्रेस
1977	जुल्फिकार उल्ला	जनता पार्टी
1980	गिरिराज सिंह	कांग्रेस
1984	राज करन सिंह	कांग्रेस
1989	रामसिंह	जनता दल
1991	विश्वनाथ दास शास्त्री	भाजपा
1996	देवेंद्र बहादुर राय	भाजपा
1998	देवेन्द्र बहादुर राय	भाजपा
1999	जयभद्र सिंह	बसपा
2004	मो. ताहिर खान	बसपा
2009	संजय सिंह	कांग्रेस
2014	वरुण गांधी	भाजपा
2019	मेनका संजय गांधी	भाजपा

सपा ने भीम निषाद पर लगाया दांव तो बसपा कर रही इंतजार

समाजवादी पार्टी अपने पीडीए के फार्मूले के तहत सुलतानपुर लोकसभा सीट से भीम निषाद को प्रत्याशी घोषित कर इसमें सबसे आगे चल रही है। हालांकि, भीम निषाद मूलतः अंबेडकरनगर के निवासी है। यहां के लिए उनका सियासी सफर नया है। फिर भी इंडिया गठबंधन से सपा के टिकट पर निषादों का नेता माने जाने वाले भीम निषाद यहां कितना असर डाल पाएंगे, यह वक्त ही बताएगा। बहुजन समाजवादी पार्टी की निगाह भी भाजपा के प्रत्याशी पर लगी है। माना जा रहा है कि भाजपा प्रत्याशी की घोषणा के बाद ही बसपा अपने पत्ते खोलेगी।

एक नजर

सपा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव, कार्यकारिणी सदस्य नामित

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी ने मंगलवार को दूधनाथ पटेल (प्रयागराज) और आशीष कुमार मौर्य (कौशाम्बी) को सपा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव जबकि गोविन्द त्रिपाठी (कानपुर ग्रामीण), सुधाकर त्रिपाठी (औरैया) और रंगीलाल यादव (प्रयागराज) को सपा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश कार्यकारिणी सदस्य नामित किया गया है। वहीं, पुष्पेन्द्र सिंह यादव निवासी उन्नाव, रिंकू यादव निवासी गोमती नगर लखनऊ, मोहसिन रज़ा निवासी बरेली और अनिल यादव निवासी जौनपुर को समाजवादी युवजन सभा की राज्य कार्यकारिणी में प्रदेश सचिव नामित किया गया है।

1.16 अरब भुगतान, किसानों की संख्या का पता नहीं

कृषि निदेशालय ने खरीफ फसलों के क्षतिपूर्ति की मांगी रिपोर्ट

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार : प्रदेश में प्रधानमंत्री फसल बीमा योजना में सख्ती के बाद भी कंपनियों की मनमानी जारी है। इस वजह से योजना में पारदर्शिता नहीं आ रही है।

कंपनियों ने अधिकांश जिलों में बीमित खरीफ (2023-24) फसल धान, तिल, मक्का, बाजरा, उड़द, ज्वार आदि का 1.16 अरब रुपये किसानों को भुगतान किया है। यह क्षतिपूर्ति क्रॉप कटिंग यानी कटाई के दौरान आकलन कर दी गई है। लेकिन, क्षतिपूर्ति कितने किसानों को मिली उनकी संख्या

▸▸ कंपनियों ने किसान व सरकार से लिया था 600.95 करोड़ प्रीमियम

योजना के संबंधित कृषि विभाग को नहीं दी है। इससे विभाग के लिए यह बताना मुश्किल है कि कितने जिलों में कितने किसानों को कितना भुगतान हुआ।

हवाला यह भी कंपनियों द्वारा दिया गया कि दूसरे चरण में

खरीफ फसल 2023-24 में बीमा की स्थिति

▸▸ किसान	23.54 लाख
▸▸ बीमित क्षेत्रफल	16.09 लाख हेक्टेयर
▸▸ बीमित राशि	9056.64 करोड़
▸▸ कृषक प्रीमियम	181.13 करोड़
▸▸ राज्य अनुदान	209.91 करोड़
▸▸ केंद्र अनुदान	209.91 करोड़
▸▸ कुल प्रीमियम	600.95 करोड़

और भुगतान करेंगे। हालांकि कृषि निदेशालय ने कंपनियों से नुकसान, क्लेम और पहले व बाद में किए जाने भुगतान की विधिवत रिपोर्ट मांगी है। उप निदेशक उमाशंकर सिंह ने बताया कि एक सप्ताह पहले भुगतान किया गया है। इसकी कंपनियों से रिपोर्ट मांगी है।

रबी की कटाई में खरीफ का क्लेम : खरीफ 2023-24 की फसलें अप्रैल से जुलाई तब बीमित की गईं थीं और कटाई नवंबर से दिसंबर तक हुई थी। कटाई के दौरान क्षतिपूर्ति का आकलन किया गया था। जिसका भुगतान इस रबी फसल की कटाई के दौरान किया गया है। भुगतान में भी देरी हुई।

मंगलवार को पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में सपा प्रमुख अखिलेश यादव का माला पहनाकर स्वागत करते समाजवादी व्यापार सभा के पदाधिकारी व कार्यकर्ता। अमृत विचार

सरकार न नीति बनाएगी न करेगी नया कार्य

आचार संहिता : केंद्र व राज्य की सरकारों को खास गाइड लाइन पर कार्य करने का निर्देश

धीरेंद्र सिंह, लखनऊ

अमृत विचार : भारत निर्वाचन आयोग ने चुनावी अवधि के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता और गैर-पक्षपातपूर्णता के सिद्धांतों का पालन कराने के लिए खास गाइड लाइन भेजी है। इस दौरान सरकार को नीति बनाने और नियुक्ति-प्रतिनियुक्ति, नए कार्य और घोषणाओं के जरिए मतदाताओं को प्रभावित करने वाले सभी कार्यों से 4 जून तक रोका गया है। यदि चुनावी आचार संहिता के दौरान किसी तरह की नीति संबंधी एलान जरूरी है, तो राज्य या केंद्र सरकार को चुनाव आयोग से अनुमति लेनी होगी।

लोकसभा की चुनावी आचार संहिता 16 मार्च से लागू हो गई है। यह 4 जून तक प्रभावी रहेगी। लोकसभा चुनाव 19 अप्रैल से 1 जून के बीच 7 चरणों में होना है। आचार संहिता लागू होने के बाद अब देशभर से शासनिक-प्रशासनिक अधिकारी की सत्तादल के लिए पक्षपात करने समेत मंत्रियों को लेकर मतदाता को प्रभावित करने की आशंकाओं की तमाम शिकायतें शुरू हो गई है। निर्वांचन आयोग की ओर से इसी परिप्रेक्ष्य में मुख्यमंत्री के सचिव का काम देखते हुए गृह विभाग का मुखिया बने छह राज्यों के आईएएस

▸▸ चुनावी अवधि के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता और गैर-पक्षपातपूर्णता के सिद्धांतों का पालन कराता है चुनाव आयोग

अफसरों से गृह विभाग वापस लेकर संदेश भी दिया गया है। यही नहीं पं बंगाल के डीजीपी को बदलने के बाद भी पैनल में शामिल जिस अधिकारी की नियुक्ति हुई, उसके खिलाफ राज्य सरकार के लिए मतदान प्रभावित करने की शिकायतों पर फिर बदलाव करना पड़ा।

दरअसल, चुनावी आचार संहिता मौजूदा सरकारी गतिविधियों पर किसी तरह की रोक नहीं लगाती है, लेकिन किसी तरह के नए एलान या नई नीति के लिए नई सरकार के गठन तक इंतजार करना पड़ेगा। भले ही किसी विशिष्ट योजना के लिए बजट प्रावधान आवंटित किया गया हो या उसे पहले ही मंजूरी दे दी गई हो, चुनाव अवधि के दौरान घोषणा या उद्घाटन निषिद्ध है। आपातकालीन या अप्रत्याशित आपदाओं से निपटने के लिए, जैसे कि सूखा, बाढ़, महामारी या अन्य प्राकृतिक आपदाओं से प्रभावित लोगों को राहत प्रदान करना, साथ ही वृद्धों और अशक्तों के लिए कल्याणकारी उपायों को लागू करने को लेकर सरकार चुनाव से पूर्व अनुमोदन के साथ ही पहल कर सकती है। गेहूं और अन्य कृषि उत्पादों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य निर्धारित करने के मामले में कोई भी निर्णय लेने से पहले चुनाव आयोग से परामर्श किया जाना जरूरी है। यह एहतियाती कदम यह सुनिश्चित करता है कि ऐसे महत्वपूर्ण आर्थिक निर्णय चुनावी विचारों से प्रभावित न हों। चुनावी प्रक्रिया की अखंडता बनाए रखने के लिए चुनावों की घोषणा होने के बाद मंत्रियों और अन्य अधिकारियों को विवेकाधीन निधि से अनुदान या भुगतान को मंजूरी देने से प्रतिबंधित किया गया है। इसके अतिरिक्त किसी भी योजना के लिए सांसदों/विधायकों/एमएलसी स्थानीय क्षेत्र विकास निधि के तहत धन जारी करना चुनावी प्रक्रिया पूरी होने तक निलंबित है। इन उपायों का उद्देश्य चुनावी अवधि के दौरान निष्पक्षता, पारदर्शिता और गैर-पक्षपातपूर्णता के सिद्धांतों को बनाए रखना है।

सरकारों के लिए खास गाइडलाइंस

आयोग के नियमों के मुताबिक मंत्रियों और अन्य अथॉरिटी को किसी तरह के फाइनेंशियल ग्रांट की घोषणा करने या ऐसा कोई वादा करने की अनुमति नहीं होती है। मंत्री और अन्य अथॉरिटी विवेकाधीन फंड से किसी तरह के ग्रांट/भुगतान की मंजूरी नहीं देंगे। अधिकारियों को छोड़कर मंत्री या अन्य अथॉरिटी किसी भी तरह की परियोजना की आधारशिला नहीं रखेंगे। वे विकास से जुड़ी किसी भी परियोजना को शुरू नहीं कर सकते, मसलन सड़कों का निर्माण, पेय जल सुविधाओं आदि। सरकार या पब्लिक सेक्टर इकाइयों में तात्कालिक आधार पर किसी भी तरह की नियुक्ति की अनुमति नहीं होगी, इसके जरिये मतदाताओं को प्रभावित किया जा सकता है।

अब ऑनलाइन अनुरोध की सुविधा

पहले पिछले चुनावों में नियमों में ढील और आचार संहिता उल्लंघन के सभी मामले मैन्युअल तरीके से देखे जाते थे, जिसमें बहुत ज्यादा वक्त लगता था। लेकिन 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान इन अनुमतियों की प्रक्रिया को आसान बनाने के लिए विशेष पोर्टल बनाया गया। केंद्र या राज्य सरकार के मंत्रालय या विभाग सीधे तौर पर ऑनलाइन अनुरोध कर सकते हैं।

पदोन्नति और वेतनमान को लेकर भेदभाव का आरोप

अमृत विचार, लखनऊ : मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस के पदोन्नति और वेतनमान बढ़ाने में भेदभाव के आरोप लग रहे हैं। इसे लेकर मांगी गई एक सूचना के मामले में मुख्यमंत्री कार्यालय से प्रमुख सचिव गृह को पत्र लिखकर जवाब मांगा गया है।

विमल कुमार द्विवेदी (अधिवक्ता हाईकोर्ट) ने आरटीआई के माध्यम से मुख्यमंत्री कार्यालय से सूचना मांगी है। सूचना में 1998 में आरक्षी भर्ती, 2008 में मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस एवं मुख्य आरक्षी सशस्त्र पुलिस परीक्षा हुई थी। 2015 में सभी को एक साथ स्टार लगाया गया और सभी कार्मिक एक ही जनपद में नियुक्त भी रहे हैं। लेकिन विभागीय अधिकारियों ने दिसंबर 2016 में नागरिक पुलिस मुख्य आरक्षियों को उपनिरीक्षक पद पर पदोन्नति और 4200 का ग्रेड पे दे दिया। जबकि उसी जनपद में नियुक्त सशस्त्र पुलिस मुख्य आरक्षियों को न तो पदोन्नति दी गई और न ही ग्रेड पे। वकौल अधिक्ता विमल के मुताबिक 2015 में उत्तर प्रदेश पुलिस आरक्षी एवं मुख्य आरक्षी सेवा नियमावली 2015 बनाई गई थी। जिसके अनुसार पुलिस एक्ट धारा-2 के अंतर्गत भर्ती सभी सदस्य नियमावली के सदस्य माने गए हैं। फिर भी पीएसी में स्थानांतरित कर दिया गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि इस प्रकरण में एक उच्च अधिकारी की भूमिका रही है।

बाजार में ग्राहकों से प्रत्याशियों के पक्ष में चर्चा करना न भूलें

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

▸▸ अखिलेश यादव ने समाजवादी व्यापार सभा की बैठक को किया संबोधित

▸▸ सपा प्रमुख ने समाजवादी व्यापार सभा की विवरण पुस्तिका का किया विमोचन

अमृत विचार : समाजवादी पार्टी प्रमुख अखिलेश यादव ने कहा कि लोकसभा चुनाव में व्यापारी वर्ग अपनी दुकानदारी करते हुए भी बाजार में ग्राहकों से समाजवादी पार्टी के प्रत्याशियों के पक्ष में चर्चा करना न भूलें। देश में लोकतंत्र, संविधान और आजादी को बचाना है।

अखिलेश यादव मंगलवार को पार्टी मुख्यालय के डॉ. राममनोहर लोहिया सभागार में समाजवादी व्यापार सभा की बैठक को संबोधित कर रहे थे। इस बैठक में एकमत से बूथस्तर तक अपनी भूमिका तय करते हुए लोकसभा चुनाव 2024 में संकल्प लिया गया कि पीडीए की विचारधारा पर आधारित इंडिया गठबंधन के प्रत्याशियों को विजयी बनाने में व्यापारी कसर नहीं छोड़ेंगे।

बैठक में अखिलेश यादव ने दानदाता भामाशाह के चित्र पर माल्यार्पण कर नमन किया। बैठक की अध्यक्षता व्यापार सभा के प्रदेश अध्यक्ष प्रदीप जायसवाल ने की और कार्यक्रम का संचालन अभिमन्यु गुप्ता ने किया। इस दौरान सपा प्रमुख ने समाजवादी व्यापार सभा के मुख्य प्रस्ताव और सपा सरकार में हुए महत्वपूर्ण कार्यों की विवरण पुस्तिका का विमोचन किया तथा सदस्यता प्रमाण पत्र दिए।

बैठक में मुख्यरूप से अजय सूद, वोट सिंह यादव, विजय जायसवाल, यासिर सिद्दीकी, हरदीप सिंह राखड़ा, अजय चौरसिया, रामेश्वर दयाल गुप्त आदि की मौजूदगी रही।

मैनपुरी के अफसरों पर चुनाव आयोग कर सकता है कार्रवाई

अमृत विचार, लखनऊ : समाजवादी पार्टी की शिकायत पर मैनपुरी में तैनात पुलिस व प्रशासन के अफसरों पर कार्रवाई होने की संभावना है। मुख्य निर्वाचन अधिकारी नवदीप रिणवा ने सपा की ओर से दिए गए शिकायती पत्र को भारत निर्वाचन आयोग को भेज दिया है। सपा ने बीते दिन अपने शिकायती पत्र में राज्य सरकार पर मैनपुरी में चुनाव को प्रभावित करने की कोशिश का आरोप लगाया था। साथ ही प्रदेश में स्वतंत्र, निष्पक्ष व निर्भीक चुनाव की दृष्टि से मैनपुरी से जिलाधिकारी अविनाश कृष्ण, अपर जिलाधिकारी रामजी मिश्रा, उप जिलाधिकारी संध्या शर्मा, पुलिस अधीक्षक विनोद कुमार, क्षेत्राधिकारी करहल संतोष कुमार, प्रभारी निरीक्षक करहल ललित भाटी व एसएसआई थाना किशनी मैनपुरी अंकित कुमार को तत्काल जिले से बाहर स्थानांतरित करने की मांग की थी। सूत्रों के अनुसार, निर्वाचन आयोग की ओर से इस प्रकरण में जल्द कार्रवाई हो सकती है। निर्वाचन से जुड़े अधिकारियों कहना है कि वर्ष 2022 में हुए लोकसभा के उप चुनाव में सपा नेता रामगोपाल यादव ने मैनपुरी के अफसरों के खिलाफ शिकायत की थी, इस पर आयोग ने संबंधित अफसरों को हटाने के निर्देश दिए थे।

विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना ही शिक्षक अतुल का लक्ष्य

बोर्ड परीक्षा की कॉपियां चेक करने में बहाने बनाने वाले शिक्षकों के लिए नजीर हैं बीकेटी इंटर कॉलेज के अतुल

रविशंकर गुप्ता, लखनऊ

अमृत विचार : यूपी बोर्ड परीक्षा समाप्त होने के बाद कॉपियों का मूल्यांकन जारी है। निर्धारित समय में मूल्यांकन हो इसके लिए विभाग से लेकर निदेशालय स्तर के अधिकारी लगातार मॉनीटरिंग कर रहे हैं। एक ओर जहां अधिकांश शिक्षक बीमारी का बहाना बनाकर मूल्यांकन कार्य से दूरी बना रहे हैं। वहीं बख्शी का तालाब एडेड इंटर कॉलेज के दिव्यांग शिक्षक अतुल मिश्रा मिसाल बनते दिख रहे।

गणित का अध्यापन करने वाले शिक्षक अतुल को कॉपियों का मूल्यांकन करते हुए देखकर जेडी मध्यामिक डॉ. प्रदीप कुमार भी हैरान रह गये। ऐसे में उनकी ओर से ये कहना ही पड़ा कि मिश्रा जी आप मूल्यांकन छोड़कर कुछ दिन

दिव्यांग शिक्षक की स्थिति को देखकर जेडी माध्यमिक डॉ. प्रदीप कुमार अवकाश लेने की सलाह देते हुए। अमृत विचार

▸▸ जेडी ने शिक्षक से कहा, मिश्रा जी आप मूल्यांकन छोड़कर कुछ दिन अवकाश क्यों नहीं ले लेते

अवकाश क्यों नहीं ले लेते हैं? इस पर शिक्षक ने जवाब दिया कि सर ये मेरा कार्य है और बच्चों के हित में मूल्यांकन समय पर पूरा हो ऐसी मेरी कोशिश है। मेरे जीवन का उद्देश्य ही है विद्यार्थियों के हितों की रक्षा करना।

दरअसल, जेडी माध्यमिक डॉ प्रदीप कुमार की ओर से मूल्यांकन केन्द्रों का दौरा जारी है। मंगलवार को वह गोमती नगर स्थित राजकीय बालिका इंटर कॉलेज में मूल्यांकन कार्य का जायजा लेने के लिए पहुंचे थे। इस दौरान उन्होंने देखा कि एक शिक्षक केन्द्र के बाहर कार में बैठकर कॉपियां जांच रहे हैं। बाहर कॉपी जांचने की बात पर केन्द्र के कर्मचारियों ने जेडी को बताया कि उक्त शिक्षक दिव्यांग हैं, वे क्लास में कॉपी नहीं जांच सकते। जेडी ने जब पास जाकर देखा तो शिक्षक अतुल की कर्तव्यपरायणता के कायल हो गए। बताया गया कि अतुल 'मस्कुलर डिस्ट्रॉफी' से पीड़ित हैं। वह मूल्यांकन ड्यूटी से कभी पीछे नहीं रहते हैं।

> उत्तर पुस्तिकाओं के मूल्यांकन के समय जब लोग तरह-तरह के बहाने बनाकर ड्यूटी कटवाने में लगे रहते हैं तो अपने दायित्व के प्रति इस तरह की प्रतिबद्धता गौरवान्वित और रोमांचित करती है। ऐसे शिक्षक माध्यमिक शिक्षा विभाग के गौरव हैं। मैं इनके जज्बे और अपने दायित्व के प्रति इनके समर्पण को सलाम करता हूं। इनके सुखद और समृद्धि भविष्य की कामना करता हूं।
>
> -डॉ. प्रदीप कुमार, जेडी, माध्यमिक लखनऊ मंडल

शिक्षक ने अवकाश लेने से किया इनकार

जेडी ने शिक्षक अतुल मिश्रा के बारे में बीकेटी इंटर कॉलेज से जानकारी कराई तो पता चला कि वह नियमित विद्यालय आकर बच्चों को पढ़ाते हैं। जल्दी अवकाश भी नहीं लेते हैं। जेडी शिक्षक के हौसले को देखकर दंग रह गए। जेडी ने दोबारा भी कहा आप कृपया मूल्यांकन से छुट्टी ले लीजिए, लेकिन शिक्षक ने अवकाश लेने से इनकार कर दिया।

वर्ग पहेली-15

बाएं से दाएं

1. एक वजनी धातु जो मटमैले रंग की होती है, (लेड)।
3. 1. (पुराण) दुर्गा का एक रूप
6. काशी की परिक्रमा जिसमें पांच पड़ाव हैं- कंदवा
7. 1. मकड़ी द्वारा बनाया गया जाला 2. जाल, जंजाल 3. किसी के द्वारा किया गया षड्यंत्र, साजिश, फ़रेब।
9. 1. पंथ, संप्रदाय 2. जमात, समुदाय 3. वर्ग 4. गुट, दल, गिरोह, जत्था 5. जाति।
10. 1. शनि नामक ग्रह, शनैश्चर 2. (ज्योतिष) एक देवता 3. शनिवार 4. जिसके आने से कार्य में व्यवधान उत्पन्न होता हो।

ऊपर से नीचे

2. 1. (काव्यशास्त्र) आर्या छंद का तेइसवां भेद जिसमें पांच गुरु और अड़तालीस लघु मात्राएं होती हैं 2. मादा सारस पक्षी।
4. 1. चमकीला, जिसमें ख़ूब चमक-दमक हो, भड़कीला 2. अलंकृत, शब्दाडंबरपूर्ण।
5. 1. जो चलायमान या गतिशील हो, चपल, जिसमें स्थायित्व न हो 2. जो किसी एक स्थिति या एक स्थान पर न रहता हो, जो स्थिर न हो
6. पंजाब राज्य की भाषा।
8. 1. पूछने वाला व्यक्ति 2. आदर करने वाला व्यक्ति 3. देखरेख या ख़ोज-ख़बर लेने वाला व्यक्ति।

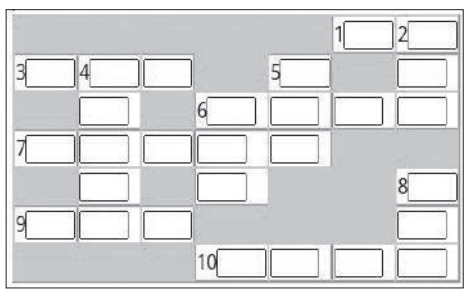

वर्ग पहेली -14 का हल

	1 रो	2 मि	3 ल		4 ब	
5 रू		6 स	ट	क	ना	
ह			के		ना	
	7 स	8 ज़ी	दा			9 घ
		10 न	र	मा	ह	ट
11 पू	जि	त				वा
			12 ब	रा	ब	र

सुडोकू-94

सुडोकू एक तरह का तर्क वाला खेल है, जो एक वर्ग पहेली की तरह होता है। जब आप इस खेल को खेलना सीख जाते हैं तो यह बहुत ही सरलता से खेला जा सकता है। सुडोकू खेल में बॉक्स में 1 नंबर से 9 नंबर तक आने वाले अंक दिए हैं। इसमें कुछ बॉक्स खाली हैं, जिन्हें आपको भरना है। कोई भी अंक दोबारा नहीं आना चाहिए। एक सीधी लाइन और एक खड़ी लाइन तथा बॉक्स में नंबर रिपीट नहीं होना चाहिए।

		5	9		2		3	
	3							9
		8				5	4	
6		2		8		3		
		1			3	9		
		4		7				2
5	8					2		
7							1	
	1		3		6	4		

सुडोकू -93 का हल

1	3	2	6	9	5	4	7	8
9	7	4	3	8	1	5	6	2
8	6	5	7	4	2	9	3	1
3	5	9	8	6	7	1	2	4
6	4	8	2	1	3	7	9	5
2	1	7	9	5	4	6	8	3
7	8	1	5	3	6	2	4	9
4	2	3	1	7	9	8	5	6
5	9	6	4	2	8	3	1	7

आज का भविष्यफल

-पं.डॉ. ज्ञानेन्द्र शर्मा

आज की ग्रह स्थिति : 20 मार्च, बुधवार 2024 संवत-2080, शक संवत 1945 मास-फाल्गुन, पक्ष-शुक्ल पक्ष, तिथि-एकादशी 21 मार्च 02.22 तक तत्पश्चात द्वादशी।

आज का पंचांग

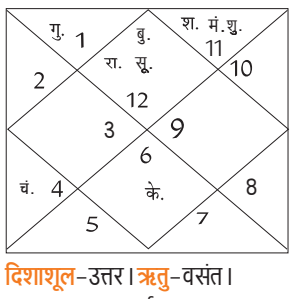

दिशाशूल-उत्तर। ऋतु-वसंत। चन्द्रबल-वृषभ, कर्क, कन्या, तुला, मकर, कुम्भ।
ताराबल-अश्विनी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, पुष्य, आश्लेषा, मघा, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, अनुराधा, ज्येष्ठा, मूल, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, उत्तराभाद्रपद, रेवती। नक्षत्र-पुष्य 22.38 तक तत्पश्चात अश्लेशा।

मेष आज अपने स्वास्थ्य का ध्यान रखना चाहिए। किसी काम को करने में जल्दबाजी न करें। आपकी योजनाओं में अचानक बदलाव आने से काम बिगड़ सकते हैं। शरीर में कोई समस्या या कमजोरी महसूस हों तो चिकित्सकीय परामर्श अवश्य लें।

वृष आज आपको व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ हो सकता है। जीवनसाथी के साथ आपके संबंध मधुर होंगे। आपका आत्मविश्वास पहले से मजबूत होगा। अपने बुद्धि-विवेक और कौशल का परिचय देंगे। अनावश्यक खर्चों में नियंत्रण पा लेंगे।

मिथुन आज प्रशासन से जुड़े लोगों को उच्च पद प्राप्त हो सकता है। फाइनेन्स को लेकर स्थिति मजबूत होगी। घर-परिवार के साथ आप अच्छा समय बितायेंगे। लोग पीठ-पीछे आपकी आलोचना करेंगे। अपनी गुप्त बातें किसी से शेयर न करें।

कर्क आज कार्यशैली में सार्थक बदलाव ला सकते हैं। ऑफिस में आपको सीनियर्स का सहयोग प्राप्त होगा। शिक्षा में आ रही परेशानी दूर होगी। आज समस्याओं का समाधान होने से आपका तनाव दूर होगा। कार्यक्षेत्र में आपको बहुत अच्छे परिणाम मिलेंगे।

सिंह आज का दिन आपको काफी परेशान कर सकता है। अपने काम पर आपको काफी ध्यान देने की आवश्यकता है। लंबी दूरी की यात्रा आज न करें। लवमेट्स से किसी बात को लेकर झगड़ा हो सकता है। अपने खानपान को लेकर सावधानी रखें।

कन्या आज संपत्ति प्राप्त होने के योग बन रहे हैं। आपको शरीर को काफी आराम देने की आवश्यकता है। लोग आपकी बातों से काफी प्रभावित रहेंगे। बच्चों की सफलता से आपको गौरव की अनुभूति होगी। दोस्तों की सलाह आपके लिए काफी काम आने वाली है।

तुला आज आपको पिता के साथ अच्छे संबंध रखने चाहिए। अपने काम की गुणवत्ता पर सुधार करना पड़ेगा। कार्यक्षेत्र में आपकी प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। अपने कारोबार को लेकर बड़ा लक्ष्य बनायेंगे। उच्च शिक्षा संस्थान के प्रवेश में आ रही बाधा दूर होगी।

वृश्चिक आज धार्मिक यात्राओं की प्लानिंग कर सकते हैं। आज अपने प्रेमी से दिल की बात कह सकते हैं। यदि आप नौकरी बदलना चाह रहे हैं तो यह दिन बहुत ही अच्छा है। बॉस से आपके संबंध अच्छे रहेंगे। आध्यात्मिक विचारों के प्रभाव में रहेंगे।

धनु आज नई संपत्ति में बड़ा निवेश करने से आपको बचना चाहिए। कार्यक्षेत्र में आपके काम के बिगड़ने कि संभावना है। आपके विचारों में नकारात्मकता जगह ले सकती है। सेहत में थोड़ी खराबी आने की आशंका है। अपनी गलतियों को लेकर पछतावा हो सकता है।

मकर आज आप अपने कार्यों को तय समय पर पूरा कर लेंगे। जीवनसाथी आपसे काफी आकर्षित रहेगा। अविवाहित जातकों का विवाह तय हो सकता है। व्यापार में बड़ा आर्थिक लाभ होने से आपके आत्मविश्वास में वृद्धि होगी।

कुंभ आज पुराना कर्ज चुकाने के लिए दिन अनुकूल है। रक्त विकार उत्पन्न हो सकते हैं। जॉब में आपको नयी टीम के साथ काम करना पड़ सकता है। धैर्यवान होकर अपना काम करें फिलहाल ज्यादा अपेक्षा रखना उचित नहीं है।

मीन आज कार्यक्षेत्र में आपके रचनात्मक विचारों और सुझाव की प्रशन्सा होगी। शाम के समय परिजनों की किसी बात पर आपको गुस्सा आ सकता है। किसी भी तरह के व्यसन व बुरी आदत से दूर रहें। रचनात्मक कार्यों में सफलता मिलेगी।

आज की फिल्में

B4U MOVIES	देवता दोपहर : 12.00 धड़कन शाम : 06.59
SONY SMAX	बाटला हाउस सुबह : 11.06 फैंटम रात : 09.23
SONY PIX	जुमांजी : द नेक्स्ट लेवल सुबह : 11.26 जस्टिस लीग शाम : 06.54
ZEE CINEMA	अपहरण सुबह : 10.30 अनजाना अनजानी रात : 07.30
colors CINEPLEX	चमत्कार सुबह : 08.24 आर राजकुमार रात : 09.36

आज की सुपरहिट फिल्म

सोनी मैक्स पर रात : 09.23 बजे

जोक्स ऑफ द डे

पति- आज ये रोटियां जली हुई कैसी हैं?
पत्नी- क्योंकि मैं आजकल खूबसूरत होती जा रही हूं।
पति- तुम्हारे खूबसूरत होने से रोटी जलने का क्या लेना-देना है?
पत्नी- रोटियां भी मेरी खूबसूरती को देखकर जलने लगी हैं।
पत्नी की बात सुनकर पति रह गया दंग।

अध्यापक ने एक छात्र से पूछा - बताओ, शाहजहां कौन था?
छात्र- जी, वह एक मजदूर था...
अध्यापक- कैसे?
छात्र- आपने ही तो कहा था कि शाहजहां ने कई इमारतों का निर्माण किया था...

मैंथा बाजार भाव

रामपुर-शिवालिक 1015 फ्लैग 1120 डीएमओ 895 बोल्ड 1185, सम्भल-चन्दौसी-शिवालिक 1010 फ्लैग 1130 बोल्ड 1180 डीएमओ 900।

कानपुर मंडी

अनाज (प्रति क्वि.)-

गेहूंदड़ा	2525-2550
आरआर 21	2700-2750
गेहूंफ़ारम	2800-2850
जौ	2000 -2100
ज्वार	2600 -4000
बाजरा	2125-2175
मकाई	2000 -2200

दलहन (प्रति क्वि.)

लोकल	मिल डिलीवरी
चना	5800 -5900
अरहर	7500 -8000
मसूर	5500 -5600
मटर	3700 -4000
उड़दहरा	10000 -10200
उड़दकाला	6000 -8000
मूंग	8500 -8800

दाल (प्रति क्वि.)

अरहरफूल	14500-14700
अरहरस्पेशल1	12200-12300
चनादाल	7100-7200
मटरदाल	4950-5050
मसूरमलका	7000-7100
मसूरदाल	7100-7200
उड़द्दाल	9000- 12000
उड़द धोवा	10500- 13000
मूँगदाल	8800 -10300
मूँग धोवा	9800-11500

चावल (प्रति क्वि.)

अरवा	2000 - 2300
बासमती नं.1	8500 - 10000
सेला	2500 - 3000
बासमती नं.2	6500 - 7500

आटा-मैदा (प्रति 50 किग्रा.)

आटा	1490-1550
मैदा	1450-1500
सूजी	1500-1550

चक्कीआटा (ब्राण्डेड 50 किग्रा.)

शाहपसंद	1430-1475

तिलहन (प्रति क्वि.)

लाही	4900-4950
अलसी	4500 -4600 रुपये।

भारत की 8% की वृद्धि दर रहेगी कायम

भारतीय रिजर्व बैंक के बुलेटिन लेख में कहा गया-इससे ऊपर भी जा सकती है जीडीपी

मुंबई, एजेंसी

भारत सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) की आठ प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर को कायम रख सकता है या इससे भी आगे निकल सकता है। भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के मंगलवार को जारी 'अर्थव्यवस्था की स्थिति' पर मार्च के बुलेटिन में कहा गया है कि देश का अनुकूल वृद्धि आर्थिक माहौल वृद्धि दर को आगे बढ़ाने का आधार बन सकता है। देश की आर्थिक वृद्धि दर 2021-24 की अवधि में औसतन आठ प्रतिशत से अधिक रही है।

आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देबब्रत पात्रा की अगुवाई वाली एक टीम द्वारा लिखे गए लेख में कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है, कुछ सबसे मजूबत अर्थव्यवस्थाओं और उच्च आवृत्ति संकेतकों में वृद्धि धीमी हो रही है। यह आने वाले समय में चीजों के और सुस्त पड़ने का इशारा कर रहे हैं।

भारत की 2023-24 की अक्टूबर-दिसंबर तिमाही में वास्तविक जीडीपी वृद्धि छह तिमाहियों के उच्चतम स्तर पर थी। मजबूत रफ्तार, बेहतर अप्रत्यक्ष कर संग्रह और सब्सिडी में कमी की वजह से यह वृद्धि हासिल हो सकी है। लेख में कहा गया है कि संरचनात्मक मांग और कंपनियों तथा बैंकों का मजबूत बही-खाता आगे चलकर वृद्धि को और गति देने में भूमिका निभाएंगे। इसमें कहा गया-दुनिया ढांचे और धारणा में बड़े बदलावों का सामना कर रही है। ये या तो चल रहे हैं या आने वाले हैं। लेख में कहा गया है कि माहौल में अनिश्चितता फैली हुई है, जो भू-राजनीतिक और मौसम से संबंधित जोखिमों की वजह से और बढ़ गई है।

मुद्रास्फीति को लक्ष्य तक लाने में खाद्य कीमतें बाधा

मुद्रास्फीति को तेजी से घटाकर चार प्रतिशत तक लाने के भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) के लक्ष्य की दिशा में खाद्य कीमतें बाधा बन रही हैं। केंद्रीय बैंक के मार्च महीने के बुलेटिन 'स्टेट ऑफ इकनॉमी' में मंगलवार को यह बात कही गई। उपभोक्ता मूल्य सूचकांक (सीपीआई) आधारित खुदरा मुद्रास्फीति दिसंबर से घट रही है और फरवरी में यह 5 .09 प्रतिशत थी। आरबीआई के डिप्टी गवर्नर माइकल देवव्रत पात्रा की अगुवाई में एक टीम ने अपने लेख में कहा-भले ही प्रमुख मुद्रास्फीति में व्यापक नरमी के साथ महंगाई लगातार घट रही है, लेकिन खाद्य कीमतों के दबाव के चलते इसे तेजी से चार प्रतिशत पर लाने में बाधा पैदा हो रही है। लेख में आगे कहा गया कि वैश्विक अर्थव्यवस्था गति खो रही है और कुछ सबसे जुझारू अर्थव्यवस्थाओं में वृद्धि धीमी है। उच्च आवृत्ति संकेतक आने वाले समय में इसके और सुस्त होने की ओर इशारा कर रहे हैं। भारत में वित्त वर्ष 2023-24 की तीसरी तिमाही में सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर छह तिमाही के उच्चस्तर पर थी।

विदेशी निकासी से सेंसेक्स 736 अंक गिरा

मुंबई, एजेंसी

- टीसीएस में हुई भारी बिकवाली निफ्टी 22,000 से नीचे आया

टाटा कंसल्टेंसी सर्विसेज (टीसीएस), इन्फोसिस और रिलायंस इंडस्ट्रीज जैसी बड़ी कंपनियों के शेयरों में भारी बिकवाली, अन्य एशियाई बाजारों में गिरावट और विदेशी कोषों की निकासी के बीच मंगलवार को प्रमुख शेयर सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी एक-एक प्रतिशत तक टूट गए। जापान के केंद्रीय बैंक के 17 साल में पहली बार ब्याज दरों को बढ़ाने के फैसले से भी बाजार पर दबाव बना। बीएसई का 30 शेयरों वाला सूचकांक सेंसेक्स 736.37 अंक यानी 1.01 प्रतिशत गिरकर 72,012.05 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 815.07 अंक फिसलकर 71,933.35 अंक तक आ गया था। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज का निफ्टी 238.25 अंक यानी 1.08 प्रतिशत गिरकर 21,817.45 अंक पर बंद हुआ।

निफ्टी के 50 शेयरों में 41 शेयर नुकसान में रहे। विश्लेषकों ने कहा कि इस सप्ताह अमेरिकी फेडरल रिजर्व के ब्याज दर पर फैसले से पहले निवेशक सतर्कता का रुख अपना रहे हैं। सेंसेक्स के शेयरों में टीसीएस में चार प्रतिशत से अधिक की गिरावट दर्ज की गई। कंपनी की प्रवर्तक टाटा संस ने एक थोक सौदे में इसके लगभग 2.3 करोड़ शेयर यानी 0.65 प्रतिशत इक्विटी हिस्सेदारी बेची है। इसके अलावा इंडसइंड बैंक, विप्रो, नेस्ले, एचसीएल टेक्नोलॉजीज, इन्फोसिस, पावर ग्रिड, आईटीसी, टेक महिंद्रा, टाटा मोटर्स और अल्ट्राटेक सीमेंट में भी उल्लेखनीय गिरावट हुई।

गिरावट से निवेशकों की 4.86 लाख करोड़ रुपये की पूंजी डूबी

नई दिल्ली। शेयर बाजार में मंगलवार को भारी गिरावट से निवेशकों की 4 .86 लाख करोड़ रुपये की पूंजी कम हो गई। शेयर बाजार में गिरावट से बीएसई की सूचीबद्ध कंपनियों का बाजार पूंजीकरण 4,86,777 .98 करोड़ रुपये घटकर 3,73,92,545 .45 करोड़ रुपये रह गया। जियोजीत फाइनेंशियल सर्विसेज के शोध प्रमुख विनोद नायर ने कहा कि बैंक ऑफ जापान (बीओजे) के 17 साल बाद ब्याज दरें बढ़ाने के फैसले के बाद एशियाई बाजारों की धारणा प्रभावित हुई।

सर्राफा

कानपुर	
चाँदी 999 (प्रति किलो)	75,900
चांदी सिक्का (प्रति सैकड़ा)	82,500
चांदी सिक्का (सैकड़ा) बिकवाल	87,500
सोना बिस्कुट (दस ग्राम)	67,250
गिन्नी (प्रति नग)	50,100-50,300
लखनऊ	
सोना स्टैंडड (प्रति 10 ग्राम)	65,950
सोना रवा (प्रति 10 ग्राम)	65,800
गिन्नी (प्रति 10 नग)	42, 500
चांदी (999)	75,000
चांदी तैयार	75,100
चांदी का सिक्का (प्रति सैकड़ा)	80, 000
बरेली	
सोना जेवरात पक्के	65,750
सोना जेवरात गिन्नी	64,750
चांदी पक्की	740 (अनुमानित)
मुरादाबाद	
सोना 24 कैरेट	65,800
चांदी आभूषण	75,000।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने अमेरिका में रिश्वतखोरी की जांच की बात मानी

नई दिल्ली। अडाणी समूह की अधिकांश कंपनियों ने अमेरिका में रिश्वतखोरी के आरोप की जांच को लेकर नोटिस मिलने से इनकार किया है लेकिन समूह की ही नवीकरणीय ऊर्जा कंपनी अडाणी ग्रीन एनर्जी ने इस जांच से अवगत होने की बात कही है।

अडाणी ग्रीन एनर्जी ने मंगलवार को कहा कि एक असंबद्ध तीसरे पक्ष द्वारा अमेरिकी भ्रष्टाचार विरोधी कानूनों के संभावित उल्लंघन की जांच से वह परिचित है। हालांकि, कंपनी ने कथित तीसरे पक्ष के साथ कोई संबंध होने से इनकार किया है।

सरफेसी, डीआरटी कानूनों में संशोधन पर उच्चस्तरीय समिति कर रही विचार

नई दिल्ली, एजेंसी

कर्ज वसूली प्रक्रिया को तेज करने के लिए वित्त मंत्रालय ने सरफेसी और डीआरटी अधिनियमों में संशोधन पर सुझाव देने के लिए एक समिति बनाई है जिसमें देनदारों को ई-नोटिस को कानूनी मान्यता देने का प्रावधान भी शामिल है। सूत्रों ने यह जानकारी दी।

सूत्रों ने कहा कि अतिरिक्त सचिव की अध्यक्षता वाली इस समिति ने कई बैठकें की हैं और इस संबंध में चर्चा उन्नत चरण में है। पिछले महीने वित्त मंत्रालय ने कर्जों की शीघ्र वसूली के लिए ऋण वसूली न्यायाधिकरणों (डीआरटी) की दक्षता बढ़ाने के लिए बैंकों और डीआरटी के शीर्ष अधिकारियों के साथ व्यापक विचार-विमर्श किया था। सूत्र ने कहा कि हमने प्रासंगिक संशोधनों पर निर्णय लेने के लिए अतिरिक्त सचिव के नेतृत्व में एक समिति गठित की है। इसका उद्देश्य ऋण वसूली प्रक्रिया में दिक्कतों को कम करना और इसे अधिक प्रभावी बनाना है। सूत्रों ने कहा कि हम ई-नोटिस को कानूनी मान्यता देने के लिए एक प्रावधान पेश करने की भी योजना बना रहे हैं ताकि बैंकों द्वारा भेजे गए एसएमएस और ई-मेल को वैध नोटिस माना जा सके। इससे कर्ज की तेजी से वसूली में मदद मिलेगी।

बीओआई ने आवास ऋण पर ब्याज दर 0.15 प्रतिशत घटाई

मुंबई। सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक ऑफ इंडिया (बीओआई) ने मंगलवार को नए आवास ऋण पर ब्याज दर को 8.45 प्रतिशत से 0.15 प्रतिशत घटाकर 8.3 प्रतिशत करने की घोषणा की। सीमित अवधि की यह योजना इस महीने के अंत तक यानी 31 मार्च तक लागू रहेगी। इसमें किसी तरह का प्रसंस्करण शुल्क नहीं लगेगा। बैंक ने दावा किया कि 8.3 प्रतिशत की ब्याज दर उसके प्रतिद्वंद्वियों के बीच इस श्रेणी में सबसे कम दर है। बैंक ने कहा कि भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) और एचडीएफसी बैंक जैसे अग्रणी बैंकों में न्यूनतम दर 8.4 प्रतिशत है। यह पेशकश सिर्फ 31 मार्च तक है।

चालू वित्त वर्ष में भारत का निर्यात 450 अरब डॉलर तक संभव

नई दिल्ली, एजेंसी

- फियो के अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने जताई उम्मीद

लाल सागर संकट जैसी भू-राजनीतिक चुनौतियों के बावजूद चालू वित्त वर्ष के अंत तक देश का वस्तुओं का निर्यात 450 अरब अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने की उम्मीद है। निर्यातकों के शीर्ष संगठन फियो के निर्वाचित अध्यक्ष अश्विनी कुमार ने मंगलवार को यह बात कही। उन्होंने कहा कि लाल सागर संकट से पैदा हुई चुनौतियों का समाधान समुद्री बीमा और माल ढुलाई शुल्क में तर्कसंगत वृद्धि करके किया जा सकता है।

कुमार ने कहा कि देश के निर्यात को बढ़ावा देने के लिए निर्यात क्षेत्र को आसान और कम लागत वाले ऋण तथा विपणन समर्थन की जरूरत है। ब्रिटेन और ओमान के साथ मुक्त व्यापार समझौतों को जल्द अंतिम रूप देने से भी निर्यात को मदद मिलेगी।

राष्ट्रीय

एक नजर

1.83 करोड़ से अधिक के मादक पदार्थ जब्त

जयपुर। राजस्थान के जालोर जिले में मंगलवार को जिला पुलिस की विशेष टीम और भीनमाल थाना पुलिस ने संयुक्त कार्रवाई करते हुए एक व्यक्ति को गिरफ्तार करके उसके पास से एक करोड़ 83 लाख रुपये से अधिक के मादक पदार्थ बरामद किए हैं। पुलिस उपमहानिरीक्षक (पाली रेंज) ओम प्रकाश ने बताया-गुप्त सूचना पर एक टीम ने भीनमाल थाने क्षेत्र के निंबावास गांव में एक घर पर छापा मारा और एक करोड़ 83 लाख रुपये से अधिक मूल्य के मादक पदार्थ की 45,960 गोलियां बरामद करके आरोपी छगन राम चौधरी को स्वापक औषधि एवं मन प्रभावी पदार्थ अधिनियम (एनडीपीएस) की धाराओं के तहत गिरफ्तार किया है।

नागपुर में बीबीए की छात्रा ने आत्महत्या की

नागपुर। महाराष्ट्र के नागपुर में 'बैचलर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (बीबीए)' की 19 वर्षीय छात्रा ने 'जंक फूड' खाने के लिए पिता द्वारा डांटे जाने के बाद घर में फांसी लगाकर कथित तौर पर आत्महत्या कर ली। पुलिस ने मंगलवार को यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पीड़िता की पहचान भूमिका विनोद धनवानी के तौर पर की गयी है, वह शहर के सिंधी कॉलोनी इलाके में रहती थी। प्रताप नगर पुलिस अधिकारी ने बताया-भूमिका बीबीए की छात्रा थी और उसे 'थायराइड' की समस्या थी। उसके पिता ने उसे 'जंक फूड' खाने के लिए डांटा था, जिससे परेशान होकर उसने रसोई में एक लंबे कपड़े का इस्तेमाल कर फांसी लगा ली।

तमिलनाडु में आयोजित रैली में इंडिया गठबंधन पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का हमला

जो शक्ति का विनाश चाहते, वे खुद बर्बाद हो जाएंगे

सलेम, (तमिलनाडु), एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सलेम में लोकसभा चुनाव से पहले एक सार्वजनिक बैठक के दौरान महिलाओं से मुलाकात की। ● एजेंसी

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने तमिलनाडु के सलेम जिले में कांग्रेस नेता राहुल गांधी की 'शक्ति' वाली टिप्पणी को लेकर मंगलवार को विपक्षी गठबंधन 'इंडियन नेशनल डेवलपमेंटल इन्क्लूसिव अलायंस' (इंडिया) पर एक बार फिर तीखा हमला बोला और आरोप लगाया कि द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) समेत उसके सहयोगी दल इसका (शक्ति का) 'विनाश' करना चाहते हैं लेकिन वे खुद ही 'बर्बाद' हो जाएंगे।

कांग्रेस और उसकी दक्षिणी सहयोगी, तमिलनाडु की सत्तारूढ़ द्रमुक पर हमला बोलते हुए उन्होंने दोनों दलों को 'सिक्के के दो पहलू' करार दिया और उनके खिलाफ भ्रष्टाचार तथा वंशवाद की राजनीति करने के आरोप लगाए।

राहुल गांधी के 'शक्ति के खिलाफ लड़ाई' वाले बयान पर सोमवार को विवाद खड़ा हो गया था और मोदी ने उस पर कड़ा जवाब देते हुए कहा था कि हर मां और बेटी उनके लिए शक्ति का रूप हैं और वह उनकी सुरक्षा के लिए अपना जीवन खपा देंगे। मोदी ने कहा-इंडी गठबंधन के लोग वाले बार-बार, जानबूझकर हिंदू धर्म का अपमान करते हैं।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल में किया रोड शो

पलक्कड़ (केरल)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने केरल में भाजपा के लोकसभा चुनाव अभियान के तहत पलक्कड़ लोकसभा सीट से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (राजग) के उम्मीदवार सी. कृष्णकुमार के समर्थन में मंगलवार सुबह रोड शो किया। श्री मोदी सुबह 10 :25 बजे कोयंबटूर से हेलिकॉप्टर से मर्सी कॉलेज मैदान में उतरे। भाजपा के केरल प्रभारी प्रकाश जावड़ेकर, प्रदेश अध्यक्ष के सुरेंद्रन और पलक्कड़ नगरपालिका अध्यक्ष ई. कृष्णकुमार के नेतृत्व में पार्टी नेताओं ने मर्सी कॉलेज मैदान में उनका जोरदार स्वागत किया।

चेन्नई के एक कॉलेज में मंगलवार को लोकसभा चुनाव से पहले मतदाता जागरूकता अभियान के दौरान अपने चेहरे पर पेंट से विभिन्न आकृति बनाकर तस्वीरें खिंचवातीं छात्राएं। ● एजेंसी

शेफाली होंगी केंद्र सरकार की प्रवक्ता

नई दिल्ली, अमृत विचार: सूचना एवं प्रसारण मंत्रालय ने 1990 बैच की भारतीय सूचना सेवा की अधिकारी शेफाली शरण को केंद्र सरकार का प्रवक्ता बनाया है। वे एक अप्रैल को पत्र सूचना कार्यालय (पीआईबी) के प्रधान महा निदेशक पद का कार्यभार संभालेंगी। इस पद पर तैनात मनीष देसाई 31 मार्च को अवकाश ग्रहण कर रहे हैं। इससे पहले शेफाली, भारतीय निर्वाचन आयोग में सूचना महानिदेशक रह चुकी हैं। केंद्र सरकार का प्रवक्ता बनने वाली शेफाली पांचवीं महिला अधिकारी होंगी। अब तक इस पद पर जे कृष्णा, शकुंतला महावल, नीलम कपूर एवं दीपक संधू काम कर चुकी हैं। 2019 के लोकसभा चुनाव के दौरान शेफाली, निर्वाचन आयोग की प्रवक्ता थीं। आयोग, सरकार एवं मीडिया के बीच उनके समन्वित कामकाज की अभी तक सराहना की जाती है।

केरल में एनआईए ने मुख्य आरोपी को किया गिरफ्तार

नई दिल्ली, एजेंसी

आरएसएस नेता की हत्या का मामला

राष्ट्रीय अन्वेषण अभिकरण (एनआईए) ने केरल में 2022 में राष्ट्रीय स्वंयसेवक संघ (आरएसएस) के एक नेता श्रीनिवासन की हत्या के मुख्य आरोपी शफीक को गिरफ्तार किया है। एक आधिकारिक बयान में मंगलवार को यह जानकारी दी गई।

बयान के मुताबिक, 16 अप्रैल, 2022 को पलक्कड़ में श्रीनिवासन की हत्या के बाद से शफीक फरार था, जिसे एनआईए की एक टीम ने राज्य के कोल्लम जिले से ढूंढ निकाला। एनआईए ने बयान में बताया कि मामले में आरोपी की संलिप्तता के लिए सोमवार को आतंकवाद निरोधक एजेंसी ने उसे हिरासत में लिया। बयान के मुताबिक, शफीक प्रतिबंधित पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का एक प्रमुख सदस्य था, जो पिछले काफी समय से फरार था। हत्या की साजिश रचने के हिस्से के रूप में कुल 71 लोगों की पहचान की गई है और एनआईए पहले ही दो आरोपपत्र दाखिल कर चुकी है। एनआईए ने पिछले साल 17 मार्च और छह नवंबर को आरोपपत्र दाखिल किया था। केरल के मलप्पुरम जिले का रहने वाला शफीक पीएफआई का एक प्रमुख सदस्य था।

राकांपा-शरदचंद्र पवार नाम से चुनाव लड़ेगा शरद गुट

नई दिल्ली, एजेंसी

- सुप्रीम कोर्ट ने उसके चिह्न तुरही बजाता आदमी को भी दी मान्यता
- अजित गुट को झटका, पार्टी के घड़ी चुनाव चिह्न पर फैसला नहीं

सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार को आगामी लोकसभा और विधानसभा चुनावों में इस नाम का उपयोग करने की अनुमति दे दी। न्यायमूर्ति सूर्यकांत और न्यायमूर्ति विश्वनाथन की पीठ ने वरिष्ठ नेता शरद पवार की अगुवाई वाले राकांपा के धड़े को 'तुरही बजाता आदमी' को उसके चुनाव चिह्न के रूप में इस्तेमाल करने की भी अनुमति दे दी। पीठ ने शरद पवार के नेतृत्व वाले समूह की याचिका पर यह आदेश पारित किया, जिसमें अजित पवार गुट को निर्वाचन आयोग द्वारा आवंटित ''घड़ी'' चुनाव चिह्न का उपयोग करने से इस आधार पर रोकने की मांग की गई थी कि यह समान अवसर को बाधित कर रहा है। शरद पवार द्वारा स्थापित राकांपा के विभाजन से पहले इसका चुनाव चिह्न 'घड़ी' था। अब यह चिह्न अजित पवार की अगुवाई वाली पार्टी के पास है।

पीठ ने निर्वाचन आयोग और राज्य निर्वाचन आयोग (एसईसी) को 'राष्ट्रवादी कांग्रेस पार्टी-शरदचंद्र पवार' और उसके चुनाव चिह्न 'तुरही बजाता आदमी' को मान्यता देने का निर्देश दिया। उसने आयोग को यह निर्देश भी दिया कि किसी अन्य पार्टी या निर्दलीय उम्मीदवार को यह चुनाव चिह्न आवंटित नहीं किया जाए। न्यायालय ने महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री अजित पवार के नेतृत्व वाली पार्टी के धड़े से अंग्रेजी, हिंदी और मराठी में अखबारों में यह सार्वजनिक नोटिस जारी करने को कहा कि 'घड़ी' चुनाव चिह्न अदालत में विचाराधीन है और इसका उपयोग फैसले के आधार पर होगा। पीठ ने अजित पवार के धड़े से चुनाव से संबंधित सभी दृश्य-श्रव्य विज्ञापनों और बैनर तथा पोस्टर आदि में भी इसी तरह की घोषणा करने को कहा। उसने अजित पवार की पार्टी को वास्तविक राकांपा मानने के निर्वाचन आयोग के छह फरवरी के आदेश के खिलाफ शरद पवार गुट की याचिका पर अजित पवार खेमे से चार सप्ताह में अपना जवाब दाखिल करने को कहा है।

हरियाणा के मुख्यमंत्री सैनी ने पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया

चंडीगढ़, एजेंसी

- मुख्यमंत्री ने अपने मंत्रिमंडल में आठ मंत्री शामिल किए

हरियाणा में नायब सिंह सैनी सरकार ने मंगलवार को आठ विधायकों को मंत्री बनाकर पहला मंत्रिमंडल विस्तार किया। सैनी और पांच मंत्रियों ने पिछले सप्ताह शपथ ली थी। राज्यपाल बंडारू दत्तात्रेय ने यहां राजभवन में नये मंत्रियों को पद और गोपनीयता की शपथ दिलाई।

हिसार से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) विधायक कमल गुप्ता ने सबसे पहले कैबिनेट मंत्री के रूप में शपथ ली। गुप्ता ने संस्कृत में शपथ ली। वह पूर्ववर्ती मनोहर लाल मंत्रिमंडल में भी मंत्री थे। इसके बाद फरीदाबाद के बड़खल से विधायक सीमा त्रिखा, पानीपत ग्रामीण से विधायक महिपाल ढांडा, अंबाला शहर से विधायक असीम गोयल, महेंद्रगढ़ के नांगल चौधरी से विधायक अभय सिंह यादव, कुरुक्षेत्र के थानेसर से विधायक सुभाष सुधा, भिवानी के बवानी खेड़ा से विधायक बिशंबर सिंह वाल्मीकि और गुरुग्राम के सोहना से विधायक संजय सिंह ने राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) पद की शपथ ली। मंत्रियों के शपथ ग्रहण समारोह में पूर्व मुख्यमंत्री मनोहर लाल भी मौजूद रहे।

केजरीवाल कानून के लंबे हाथों से बच नहीं सकते : पात्रा

नई दिल्ली, एजेंसी

भाजपा ने प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के कई समन की तामील नहीं करने पर मंगलवार को दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल पर निशाना साधा और कहा कि जब तक कथित आबकारी नीति घोटाले में उनकी संलिप्तता के सबूत हैं, तब तक वह कानून के 'लंबे हाथों' से बच नहीं सकते।

भाजपा मुख्यालय में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए पार्टी के राष्ट्रीय प्रवक्ता संबित पात्रा ने इसी मामले में ईडी द्वारा गिरफ्तार भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता का बचाव करने के लिए भी आम आदमी पार्टी (आप) की आलोचना की और कहा कि जांच एजेंसियों की कार्रवाई सबूतों पर आधारित है।

पात्रा ने कहा-राजनीतिक दल जांच एजेंसियों का गठन नहीं करते हैं। भाजपा की यह प्रतिक्रिया आम आदमी पार्टी (आप) द्वारा ईडी को भाजपा की राजनीतिक शाखा बताए जाने और इसके राष्ट्रीय संयोजक केजरीवाल के खिलाफ जांच एजेंसी के आरोपों को खारिज किए जाने के एक दिन बाद आई है। केजरीवाल ने दिल्ली जल बोर्ड में कथित अनियमितताओं से जुड़े धनशोधन के एक मामले में सोमवार को ईडी के समन की अनदेखी की थी। आप ने ईडी के समन को 'अवैध' करार दिया और आरोप लगाया कि केंद्र की भाजपा नीत सरकार केजरीवाल को निशाना बनाने और लोकसभा चुनाव में उनको प्रचार करने से रोकने के लिए जांच एजेंसी का 'इस्तेमाल' कर रही है।

राजनीतिक हथियार बन गई है ईडी: आतिशी

दिल्ली सरकार की मंत्री आतिशी ने मंगलवार को प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) पर 'राजनीतिक हथियार' बनने का आरोप लगाते हुए दावा किया कि उच्चतम न्यायालय ने एजेंसी के इस आरोप को खारिज कर दिया था कि बीआरएस नेता के. कविता अब समाप्त हो चुकी आबकारी नीति में लाभ के लिए आम आदमी पार्टी के नेताओं को 100 करोड़ रुपये का भुगतान करने में शामिल थीं।

आतिशी ने संवाददाता सम्मेलन में आरोप लगाया कि ईडी का मकसद दिल्ली के मुख्यमंत्री और आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल को लोकसभा चुनाव में प्रचार करने से रोकना है।

एक दशक बाद कमेंट्री बॉक्स में वापसी करेंगे सिद्धू

नई दिल्ली, एजेंसी

आईपीएल के जरिए एक दशक बाद कमेंट्री बॉक्स में वापसी के लिए तैयार पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने कहा कि इस लीग से केवल भारत ही नहीं बल्कि अन्य देशों को भी अपनी टी-20 विश्व कप टीम के चयन में मदद मिलेगी। कमेंट्री बॉक्स में वापसी से तीन दिन पहले हमेशा की तरह उत्साहित सिद्धू ने कहा कि क्रिकेट मेरा पहला प्यार है। अगर आपका शौक आपका पेशा बन जाए तो इससे बेहतर कुछ नहीं। एक बत्तख का बच्चा कभी तैरना नहीं भूलेगा, मैं कमेंट्री में उसी तरह उतरूंगा जैसे मछली पानी में उतरती है।

सिद्धू ने कमेंट्री में खास पहचान बनाई थी लेकिन इसके बाद वह राजनीति में व्यस्त हो गए थे। अब वह आईपीएल के साथ अपनी पुरानी पारी शुरू करने को तैयार हैं।

● इस लीग से भारत ही नहीं अन्य देशों को भी टी-20 विश्व कप टीम के चयन में मिलेगी मदद

आईपीएल के तुरंत बाद जून में अमेरिका और वेस्टइंडीज में टी-20 विश्व कप खेला जाएगा। सिद्धू ने कहा कि आईपीएल विश्व कप के लिए माहौल तैयार करेगा। इस दौरान कोई अन्य क्रिकेट टूर्नामेंट नहीं होगा। दुनिया की नजरें आईपीएल पर टिकी रहेंगी। इस टूर्नामेंट में अच्छा प्रदर्शन करने पर केवल भारत ही नहीं बल्कि विदेशी खिलाड़ी भी टी-20 विश्व कप के लिए अपनी टीम में जगह बना सकते हैं।

सिद्धू ने भारतीय टीम के पिछले वनडे विश्व कप में प्रदर्शन के बारे में कहा कि विश्व कप में वे बहुत अच्छा खेले। केवल एक मैच उनके अनुकूल नहीं रहा। एक खराब मैच से टीम का भविष्य तय नहीं हो सकता है। भारतीय टीम लंबे समय तक राज करेगी क्योंकि क्रिकेटरों को तैयार करने की प्रणाली बहुत अच्छी और अनुकूल है। हमारे समय में खराब फॉर्म के बावजूद खिलाड़ी को टीम में रखा जाता था क्योंकि कोई नया खिलाड़ी तैयार नहीं रहता था। अब हार्दिक पंड्या मुंबई इंडियंस में कप्तान के रूप में भारतीय कप्तान की जगह ले रहा है क्योंकि उसने बहुत अच्छा प्रदर्शन किया है।

रोहित और विराट के टी-20 भारतीय टीम में चुने जाने की पैरवी की

रोहित शर्मा और विराट कोहली ने पिछले टी-20 विश्व कप के बाद इस प्रारूप में बहुत अधिक मैच नहीं खेले हैं, लेकिन उनकी आगामी विश्व कप के लिए भारतीय टीम में चुने जाने की संभावना है। सिद्धू ने इन दोनों का टीम में चयन का समर्थन किया। उन्होंने कहा कि इन दोनों की वहां जरूरत पड़ेगी। वह क्रिकेट जगत के दिग्गज खिलाड़ी हैं। फॉर्म सुबह की ओस की तरह होती है जो कुछ समय के लिए रहती है, लेकिन कौशल हमेशा बना रहता है। मैं कोहली को भारत के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों की सूची में शामिल करूंगा और इसका एकमात्र कारण उनकी फिटनेस है। उम्र बढ़ने के साथ वह अधिक फिट होते जा रहे हैं। तकनीकी तौर पर वह शानदार बल्लेबाज हैं तथा तीनों प्रारूप में खुद को ढालने की उनकी क्षमता अद्भुत है। यही बात रोहित पर भी लागू होती है।

आईपीएल जीतकर कैसा महसूस होता है, यह जानना मेरा सपना है: कोहली

बेंगलुरु, एजेंसी

विराट कोहली ने उम्मीद जताई कि वे आरसीबी के डब्ल्यूपीएल की जीत का अनुकरण करने और टीम की कैबिनेट में आईपीएल ट्रॉफी जोड़ने की कोशिश करेंगे। आरसीबी ने रविवार को दिल्ली को हराकर डब्ल्यूपीएल के दूसरे चरण में ही खिताब जीत लिया। लेकिन पुरुष टीम 16 वर्षों से खिताब जीतने का इंतजार कर रही है। एम चिन्नास्वामी स्टेडियम में कोहली ने कहा कि उनका ट्राफी जीतना शानदार था। जब उन्होंने खिताब जीता तो हम देख रहे थे। उम्मीद है कि हम ट्रॉफियों को दोगुना करेंगे जो सच में बहुत खास होगा। इस साल रॉयल चैलेंजर्स बेंगलोर का नाम 'रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु' किया गया है जो शहर की परंपरा का प्रतीक है। कोहली का यह आईपीएल आरसीबी के साथ 17वां चरण होगा। उन्होंने कहा कि यह जानना मेरा सपना है कि आईपीएल ट्रॉफी जीतने का अहसास कैसा होता है। मैं उस टीम का हिस्सा बनना चाहता हूं जो पहली बार ट्रॉफी जीतेगी।

कोहली ने जो हासिल किया वह उल्लेखनीय है: मंधाना

नई दिल्ली। आरसीबी की कप्तान स्मृति मंधाना का मानना है कि डब्ल्यूपीएल खिताबी जीतने के संदर्भ में विराट कोहली की फ्रेंचाइजी के लिए हासिल की गई उपलब्धियों को कम आंकना गलत होगा। मंधाना की अगुवाई में आरसीबी ने डब्ल्यूपीएल के दूसरे सत्र में ही चैंपियन बनने का गौरव हासिल किया जबकि पुरुष टीम खिताब जीतने में नाकाम रही। इस दौरान एक दशक तक कोहली टीम के कप्तान रहे। मंधाना ने कहा कि खिताब अलग चीज है, लेकिन कोहली ने देश के लिए जो हासिल किया है वह उल्लेखनीय है। उन्होंने जो कुछ हासिल किया है, उसे देखते हुए मुझे नहीं लगता की तुलना करना सही है। मैं तुलना करना इसलिए सही नहीं मानती क्योंकि उन्होंने जो हासिल किया है उसका कोई सानी नहीं है।

खेल डायरी

काउंटी चैंपियनशिप में फिर ससेक्स से खेलेंगे उनादकट

होव, एजेंसी। भारतीय तेज गेंदबाज जयदेव उनादकट इस साल काउंटी चैंपियनशिप में इंग्लैंड के क्लब ससेक्स से अंतिम पांच मैचों में खेलेंगे। भारत की तरफ से चार टेस्ट खेलने वाले उनादकट ने पिछले सत्र में ससेक्स से काउंटी चैंपियनशिप में चार मैच में 11 विकेट लिए थे। उनकी टीम तब डिवीजन दो में तीसरे स्थान पर रही थी। उनादकट ने भारत की तरफ से आखिरी मैच पिछले साल वेस्टइंडीज के खिलाफ टेस्ट के रूप में खेला था। सौराष्ट्र ने 2019-20 में उनादकट की अगुवाई में रणजी का खिताब जीता था। पिछले सत्र में उनादकट ने लीस्टरशर के खिलाफ दूसरी पारी में 6 विकेट लेकर टीम को 15 रन से जीत दिलाने में भूमिका निभाई थी और वह फिर से यह प्रदर्शन दोहराने के लिए प्रतिबद्ध हैं।

अंतिम क्वालीफाइंग के लिए चुनी 12 सदस्यीय टीम

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रमंडल खेलों की स्वर्ण पदक विजेता श्रेयसी सिंह, मेराज अहमद खान और विश्व कप विजेता गनेमत सेखों को ओलंपिक के लिए दोहा में 19 से 29 अप्रैल तक होने वाले अंतिम क्वालीफाइंग टूर्नामेंट में भाग लेने के लिए मंगलवार को 12 सदस्यीय शॉटगन टीम में चुना गया। भारतीय राष्ट्रीय राइफल संघ (एनआरएआई) ने जुलाई अगस्त में होने वाले कई अंतर्राष्ट्रीय स्पर्धा के लिए टीम की घोषणा की। इसमें चार कोटा दाव पर लगे होंगे, जिसमें पुरुष और महिला टीम के लिए ट्रैप एवं स्कीट में एक एक कोटा होगे। तीन टीम में पुरुष ट्रैप में पृथ्वीराज टोंडाईमान और विवान कपूर जबकि महिला ट्रैप के लिए श्रेयसी और मनीषा कीर तथा मेराज और शीराज शेख पुरुष स्कीट और महेश्वरी चौहान महिला स्कीट में शामिल होने वाले निशानेबाज हैं।

चोट से अमेरिका में मैत्री मैच नहीं खेल पाएंगे मेसी

ब्यूनस आयर्स, एजेंसी। अर्जेंटीना के दिग्गज फुटबॉलर लियोनेल मेसी दाहिने पांव की मांसपेशियों में खिंचाव से अमेरिका में इस महीने होने वाले दो मैत्री मैचों में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना फुटबॉल संघ ने यह जानकारी दी। मेसी पिछले सप्ताह इंटर मियामी की तरफ से खेलते हुए चोटिल हो गए थे। अर्जेंटीना को शुक्रवार को फिलाडेल्फिया में अल साल्वाडोर के खिलाफ मैच खेलना है जबकि इसके चार दिन बाद वह लॉस एंजेलिस में कोस्टारिका का सामना करेगा। छत्तीस वर्षीय मेसी इन दोनों मैच में नहीं खेल पाएंगे। अर्जेंटीना इस साल जून जुलाई में अमेरिका में होने वाले कोपा अमेरिका की तैयारियों के सिलसिले यह मैच खेल रहा है। अर्जेंटीना के स्ट्राइकर पाउलो डायबाला और मिडफील्डर एक्सक्विल पलासियोस भी चोटिल होने के कारण इन मैचों में नहीं खेल पाएंगे।

नागल ने मियामी ओपन में कनाडा के गैब्रियल डायलो को हराया

नई दिल्ली, एजेंसी। भारतीय टेनिस खिलाड़ी सुमित नागल ने मियामी ओपन में अपने पदार्पण मैच में कनाडा के गैब्रियल डायलो को हराकर शानदार शुरुआत की। इस खिलाड़ी ने क्वालीफायर के पहले दौर में डायलो को 7-6(3) 6-2 से पराजित किया। पिछले महीने चेन्नई ओपन की जीत के बाद विश्व के शीर्ष 100 खिलाड़ियों में जगह बनाने वाले नागल अगले दौर में कोलमैन वोंग का सामना करेंगे। नागल ने पहले सेट को टाई ब्रेकर में जीतने के बाद दूसरे सेट में दबदबा बनाए रखा। उन्होंने इस सेट के पहले और सातवें गेम में डायलो की सर्विस तोड़ी। इस जीत से नागल सर्वश्रेष्ठ 92वीं रैंकिंग पर पहुंच सकते हैं। नागल ने राफेल नडाल के हटने से अपने पिछले टूर्नामेंट इंडियन वेल्स के मुख्य ड्रॉ में जगह बनाई थी लेकिन तब वह पहले दौर में मिलोस राओनिच से हार गए थे। इस खिलाड़ी ने जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन के दूसरे दौर में भी जगह बनाई थी।

रोहित ने हार्दिक और बुमराह का समर्थन किया: पटेल

पार्थिव ने रोहित के नेतृत्व कौशल की तुलना चेन्नई के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से की

मुंबई, एजेंसी

पूर्व क्रिकेटर पार्थिव पटेल ने कहा कि हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह जब आईपीएल में मुंबई की तरफ से संघर्ष कर रहे थे तब रोहित शर्मा ने उनका समर्थन किया था। पार्थिव ने रोहित के नेतृत्व कौशल की तुलना चेन्नई सुपर किंग्स के कप्तान महेंद्र सिंह धोनी से की और कहा कि रोहित ने कभी कोई गलती नहीं की जबकि चेन्नई के कप्तान ने अपने लंबे करियर के दौरान कुछ गलतियां की।

पार्थिव ने कहा कि सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि रोहित ने हमेशा अपने खिलाड़ियों का समर्थन किया। इसका सबसे अच्छा उदाहरण हार्दिक पंड्या और जसप्रीत बुमराह हैं। बुमराह 2014 में मुंबई इंडियंस से जुड़े और 2015 तक उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं था। उन्होंने कहा कि वे यहां तक की आधे सत्र के बाद उन्हें वापस भेजने पर विचार कर रहे थे, लेकिन रोहित शर्मा को उनकी योग्यता पर भरोसा था और 2016 के बाद उनका प्रदर्शन बेहतरीन रहा। पार्थिव ने कहा कि ऐसा ही हार्दिक पंड्या के साथ हुआ। वह 2015 में आया और लोकप्रिय बन गया। 2016 में उनका प्रदर्शन अच्छा नहीं रहा था लेकिन मुंबई इंडियंस ने उन पर भरोसा बनाए रखा। इस पूर्व विकेटकीपर ने रोहित शर्मा की कप्तानी की प्रशंसा भी की। उन्होंने कहा कि मैच में जब तनावपूर्ण पल होते हैं तो कुछ गलत फैसले या गलतियां हो सकती हैं लेकिन रोहित शर्मा की कप्तानी की विशेषता यह है कि पिछले 10 वर्ष में उन्होंने कोई गलती नहीं की। यहां तक की धोनी ने भी गलतियां की, लेकिन आपने रोहित शर्मा को कभी गलती करते हुए नहीं देखा होगा।

हसारंगा निलंबित, आईपीएल के शुरुआती मैचों में होने की उम्मीद

दुबई, एजेंसी। आईसीसी की ओर से दो टेस्ट मैच की शृंखला से निलंबित होने के बाद वानिंदु हसारंगा सनराइजर्स हैदराबाद के शुरुआती मैचों में उपलब्ध हो सकते हैं। हसारंगा ने सफेद गेंद पर ध्यान देने के लिए लंबे प्रारूप से संन्यास की घोषणा की थी लेकिन मंगलवार को उन्होंने संन्यास वापसी कर ली थी। इस खिलाड़ी को दो टेस्ट मैच की शृंखला के लिए श्रीलंका की टीम में चुना गया। आईसीसी ने सूचित किया कि हसारंगा 8 'डिमैरिट अंक' की दहलीज पर पहुंच गए, जिन्हें आचार संहिता के अनुच्छेद 7.6 के अनुसार 4 निलंबन अंक में तब्दील कर दिया जो दो टेस्ट मैच या फिर चार वनडे और टी-20 में निलंबन के बराबर हैं। आईसीसी ने कहा कि हसारंगा को खिलाड़ियों और सहयोगी स्टाफ की आचार संहिता के अनुच्छेद 2.8 के उल्लघंन का दोषी पाया गया जो मैच के दौरान अंपायरों के फैसले के प्रति नाराजगी दिखाने से जुड़ा है। बांग्लादेश के खिलाफ हाल में समाप्त हुए तीसरे वनडे के दौरान 37वें ओवर में हसारंगा ने मैदानी अंपायर के हाथ से अपनी कैप छीनी थी और मैच में अंपायरिंग का मजाक उड़ाया था।

फैसले के लिए 'स्मार्ट रीप्ले' प्रणाली शुरू करेगा आईपीएल

मुंबई। आईपीएल में फैसलों में तेजी और सटीकता के लिए 'स्मार्ट रीप्ले' प्रणाली शुरू होगी। टीवी अंपायर को 'हॉक आई' के दो ऑपरेटरों से सीधे इनपुट मिलेंगे जो उनके साथ एक ही कमरे में बैठेंगे और 8 हाई-स्पीड कैमरों से ली गई फोटो से मदद करेंगे। इस प्रणाली के अंतर्गत टीवी प्रसारण निर्देशक की भूमिका गैर जरूरी होगी जो अंपायर और हॉक-आई ऑपरेटरों के बीच सूचना आदान-प्रदान करने का काम करता रहा है। नई प्रणाली टीवी अंपायर को फोटो विश्लेषण का मौका प्रदान करेगी और हॉक आई ऑपरेटरों के साथ उनकी बातचीत का प्रसारण भी करेगी ताकि दर्शकों को फैसले की प्रक्रिया समझ आ जाए। इस प्रणाली से अंपायर को विभिन्न कोण से अधिक और स्पष्ट फोटो देखने में मदद मिलेगी, जिससे बाउंड्री के पास कैच, पीछे पकड़े कैच, पगबाधा, स्टंपिंग पर फैसला कर पाएंगे। बीसीसीआई के कार्यशाला में 15 अंपायर स्मार्ट रीप्ले प्रणाली का इस्तेमाल करेंगे।

ऋषभ पंत बने दिल्ली के कप्तान

ऋषभ पंत को दिल्ली कैपिटल्स का कप्तान बनाया गया। दिल्ली के अध्यक्ष और सह मालिक पार्थ जिंदल ने कहा कि हमें कप्तान के रूप में ऋषभ का स्वागत करते हुए खुशी हो रही है। हम नए जोश और उत्साह के साथ सत्र का इंतजार कर रहे हैं। बीसीसीआई ने पंत को आईपीएल खेलने की मंजूरी दी थी। बोर्ड ने कहा कि सड़क दुर्घटना के बाद 14 महीने की रिहैबिलिटेशन प्रक्रिया से गुजरने के बाद ऋषभ पंत को अब आईपीएल 2024 के लिए विकेटकीपर बल्लेबाज के रूप में फिट घोषित किया गया है।

कुशाग्र खेलने को बेताब

विशाखापत्तनम। दिल्ली के युवा विकेटकीपर बल्लेबाज के लिए आईपीएल अनुबंध मिलना सपना साकार होना था और अब वह ऋषभ पंत के साथ खेलने को बेताब हैं क्योंकि वह उन जैसे स्टार खिलाड़ियों को खेलते हुए देखकर ही बड़े हुए हैं। झारखंड के बोकारो के कुशाग्र ने 19 प्रथम श्रेणी मैच में 1245 रन बनाए हैं और इस समय वह टीम के मुख्य कोच रिकी पोंटिंग की देखरेख में ट्रेनिंग कर रहे हैं। उन्हें फ्रेंचाइजी ने 7.2 करोड़ में खरीदा था। कुशाग्र के साथ आल राउंडर सुमित कुमार और रिकी भुई टीम के नए खिलाड़ियों में शामिल हैं।

मुंबई के शुरुआती मैच में नहीं खेल पाएंगे सूर्यकुमार

मुंबई। सूर्यकुमार यादव को एनसीए से फिटनेस मंजूरी मिलना बाकी है, जिससे तय है कि वह 24 मार्च को गुजरात के खिलाफ मुंबई के मैच में नहीं खेल पाएंगे। सूर्यकुमार 'स्पोर्ट्स हर्निया' की सर्जरी के बाद 'रिहैबिलिटेशन' के लिए बेंगलुरु स्थित एनसीए में थे। सूर्यकुमार का मंगलवार को एनसीए में फिटनेस टेस्ट भी कराया गया, लेकिन इस खिलाड़ी के फिटनेस के आकलन की जरूरत है। सूर्यकुमार का गुरुवार को फिर एक बार आकलन होगा।

एक्शन को देखते हुए बुमराह को आराम की जरूरत: मैकग्रा

चेन्नई, एजेंसी। पूर्व तेज गेंदबाज ग्लेन मैकग्रा ने चेताया कि जसप्रीत बुमराह को सत्र में ब्रेक की जरूरत है क्योंकि उनका एक्शन ऐसा है कि उनको और अधिक चोटें लग सकती हैं। बुमराह मार्च 2023 में पीठ की 'स्ट्रेस फ्रेक्चर' की सर्जरी कराने के बाद और सितंबर 2022 से पहले भी वह खेल से दूर ही थे। मैकग्रा ने कहा कि बुमराह जैसे गेंदबाज को सत्र के बीच में आराम की जरूरत है क्योंकि वह प्रत्येक गेंद में काफी प्रयास करता है।

लक्ष्य सेन बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में 13वें स्थान पर पहुंचे

नई दिल्ली, एजेंसी

लक्ष्य सेन आल इंग्लैंड चैंपियनशिप में शानदार प्रदर्शन के बूते बीडब्ल्यूएफ रैंकिंग में पांच पायदान की छलांग के साथ 13वें नंबर पर हैं। अल्मोड़ा के लक्ष्य बर्मिंघम में सेमीफाइनल तक पहुंचे और 15वें स्थान में सुधार करने में सफल रहे। अप्रैल में शीर्ष 16 खिलाड़ी ओलंपिक में जगह बनाएंगे। एचएस प्रणय पेरिस की दौड़ में नौवें नंबर पर हैं और सेन के भी कट में जगह बनाने की उम्मीद है। किदाम्बी श्रीकांत 27वें और प्रियांशु राजावत 32वें स्थान पर हैं। महिला एकल में पीवी सिंधू 11वें स्थान पर हैं। सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की जोड़ी शीर्ष पर है जबकि अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो 20वें स्थान पर हैं। त्रिसा जॉली और गायत्री गोपीचंद रैंकिंग में 26वें स्थान पर हैं।

विनेश-साक्षी का पीएम से बृजभूषण को बाहर करने का आग्रह

नई दिल्ली, एजेंसी

विनेश फोगाट और साक्षी मलिक ने मंगलवार को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से बृजभूषण शरण सिंह जैसे लोगों को खेलों से बाहर करने का आग्रह करते हुए भारतीय कुश्ती महासंघ (डब्ल्यूएफआई) को प्रशासनिक अधिकार सौंपने के लिए भारतीय ओलंपिक संघ (आईओए) की निंदा की।

इन दोनों ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर पोस्ट में कड़े शब्दों का उपयोग किया है तथा प्रधानमंत्री से इस हस्तक्षेप की अपील की है। ये दोनों उन प्रदर्शनकारी पहलवानों में थीं जिन्होंने बृजभूषण पर यौन उत्पीड़न करने का आरोप लगाया था। अगले महीने 50 किग्रा भार वर्ग में ओलंपिक क्वालीफायर्स में भाग लेने की तैयारी में जुटी फोगाट ने पोस्ट किया कि प्रधानमंत्री जी स्पिन मास्टर हैं, अपने प्रतिद्वंद्वियों

के भाषणों का जवाब देने के लिए 'महिला शक्ति' का नाम लेकर बात को घुमाना जानते हैं। नरेंद्र मोदी जी, हम महिला शक्ति की असल सच्चाई भी जान लीजिए। महिला पहलवानों का शोषण करने वाला बृजभूषण फिर से कुश्ती पर काबिज हो गया है। उम्मीद है कि आप महिलाओं को ढाल बनाकर इस्तेमाल नहीं करेंगे, बल्कि खेल संस्थाओं से ऐसे अत्याचारियों को बाहर करने के लिए कुछ करेंगे। साक्षी मलिक ने कहा कि महासंघ के पदाधिकारी ऐसा व्यवहार कर रहे हैं जैसे वे कानून से ऊपर हैं। इतिहास गवाह है कि इस देश के ताकतवर लोगों ने महिलाओं के सम्मान से खिलवाड़ किया है, लेकिन संपन्न दुराचारी इतना ताकतवर है कि वो सरकार, संविधान और न्यायपालिका सबसे ऊपर है। सरकार द्वारा कुश्ती संघ को निलंबित करने के बाद बृजभूषण व संजय सिंह ये बयान देते रहे कि यह निलंबन सिर्फ़ दिखावा है, कुछ दिन बाद हम बहाल हो जाएंगे और हमारा ही कुश्ती संघ पर क़ब्ज़ा रहेगा। साक्षी ने कहा कि ये बात सच साबित हुई और संघ के पत्र ने इस पर मुहर लगाया कि इस नये भारत में भी नारियों के अपमान की पुरानी परंपरा क़ायम रहेगी। इन पहलवान की यह कड़ी प्रतिक्रिया भारतीय ओलंपिक संघ द्वारा देश में कुश्ती का संचालन करने वाली तदर्थ समिति को भंग करने और बृजभूषण के करीबी सहयोगी संजय सिंह के नेतृत्व में डब्ल्यूएफआई को बागडोर सौंपने के एक दिन बाद आई है।

बॉलीवुड हलचल

कुणाल ने लिखा फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का गाना हम यहीं...

मुंबई, एजेंसी। बॉलीवुड अभिनेता कुणाल खेमू के निर्देशन में बनी फिल्म 'मडगांव एक्सप्रेस' का गाना हम यहीं रिलीज हो गया है। कुणाल मडगांव एक्सप्रेस के साथ निर्देशन के क्षेत्र में डेब्यू करने जा रहे हैं। इस फिल्म में दिव्येंदु शर्मा, प्रतीक गांधी और अविनाश तिवारी की मुख्य भूमिका है। फिल्म मडगांव एक्सप्रेस का गाना हम यहीं रिलीज हो गया है।गाना के साथ कुणाल ने गायन-गीत लेखन के क्षेत्र में डेब्यू किया है। हम यहीं गाना कुणाल द्वारा सह-संगीतबद्ध, गाया और लिखा गया है। गाना हम यहीं दोस्तों के अनमोल यादों को याद दिलाता है, जिसमें साझेदारी और खुशी का एहसास है। गाने का संगीत अंकुर तिवारी कंपोज किया है। रितेश सिधवानी और फरहान अख्तर के प्रोडक्शन हाउस में बनी मडगांव एक्सप्रेस एक कॉमेडी फिल्म है, जो तीन दोस्तों के एक अतरंगी रोड ट्रिप पर आधारित होगी। फिल्म में तीन बचपन के दोस्त गोवा की यात्रा पर निकलते हैं, बीच रास्ते में उनके साथ क्या-क्या गुजरती है इसे हलकी-फुलकी कॉमेडी के रूप में इस फिल्म में पेश किया गया है। मडगांव एक्सप्रेस 22 मार्च, 2024 को रिलीज होगी।

फिल्म बड़की माई में नजर आएंगी मणि और रक्षा

मुंबई, एजेंसी। जी बायोस्कोप प्रस्तुत फिल्म बड़की माई में जय यादव के साथ बंगाली ब्यूटी मणि भट्टाचार्य और रक्षा गुप्ता मुख्य किरदार में नजर आएगी। फिल्म के निर्माता दीपक शाह जबकि निर्देशक सुजीत वर्मा हैं। निर्माता दीपक शाह ने कहा कि बड़की माई शानदार फिल्म है और इसमें जय यादव की भूमिका महत्वपूर्ण है। जय यादव इंडस्ट्री के बेहतरीन कलाकारों में से है और उनकी फिल्म को दर्शकों से खूब सराहना मिलती है। उम्मीद हैं कि वे फिल्म में भी अपनी अदाकारी से सबों का दिल जीत लेंगे। निर्देशक सुजीत वर्मा ने कहा कि फिल्म की पटकथा दर्शकों को लुभाने वाली है। जय जैसे कलाकार के होने से फिल्म बेहद अच्छी बन रही है। जय का अभिनय इन दिनों दर्शकों में बेहद लोकप्रिय है और उनके साथ सेट पर काम करने वाले लोग भी बेहद सहज हैं। इसलिए हमें लगता है कि हम सब मिलकर बेहतरीन फिल्म लेकर आने वाले हैं जो भोजपुरी बॉक्स ऑफिस पर धमाल मचाएगी। वहीं, जय ने बताया कि बड़की माई की कहानी सामाजिक सरोकारों से जुड़ी है और यह दर्शकों के दिलों दिमाग पर छा जाने वाली है। उन्होंने कहा कि इस फिल्म में हर किरदार जरूरी है और जिसका एक दूसरे के साथ सामान्य से भी बेजोड़ देखने को मिलेगा। निर्देशक सुजीत वर्मा के साथ काम करने का अनुभव बेहद खास होने वाला है। वह इससे पहले कई हिट फिल्में दे चुके हैं और अब हम लोग एक बड़े प्रोजेक्ट पर पूरे की जान से लगे हैं। उम्मीद करते हैं कि जब यह फिल्म सिनेमाघर में रिलीज होगी। फिल्म बड़की माई में विमल पांडे, माया यादव, राजेश तोमर और नीलम पांडे की भी अहम भूमिका है।

सुमन राज और काजल त्रिपाठी का नया गीत रिलीज

मुंबई, एजेंसी। गायिका सुमन राज और अभिनेत्री काजल त्रिपाठी का नया होली गीत 'रंग डलले बा ईयरवा' रिलीज हो गया है। होली गीत वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स भोजपुरी के ऑफिसियल यूट्यूब चैनल पर है। इस गाने को सुमन राज ने गाया है जबकि काजल त्रिपाठी पर फिल्माया गया है। वर्ल्डवाइड रिकॉर्ड्स प्रस्तुत भोजपुरी होली गीत 'रंग डलले बा ईयरवा' के निर्माता रत्नाकर कुमार हैं। इस गाने को शुभदयाल सोहरा एवं कृष्णा संगम ने लिखा है, जबकि संगीतकार विक्की वॉक्स हैं। वीडियो डायरेक्टर सुनील बाबा, कोरियोग्राफर गोल्डी जायसवाल, सनी सोनकर, डीओपी गौरव राय, राजन, एडिटर आलोक गुप्ता हैं। मिक्स एवं मास्टर अंकित अहीर, डीआई रोहित सिंह ने किया है। प्रोडक्शन पंकज सोनी का है।

हिंदुस्तान के साथ अमेरिका में 29 को रिलीज होगी महादेव का गोरखपुर

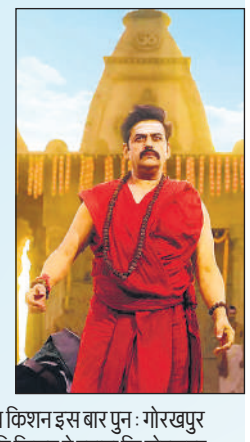

मुंबई, एजेंसी। भोजपुरी, हिंदी, तमिल, तेलुगु और कन्नड़ भाषा में बनी भोजपुरी सिनेमा के मेगा स्टार रवि किशन की मल्टीलैंग्वेज फिल्म महादेव का गोरखपुर हिंदुस्तान के साथ अमेरिका में भी 29 मार्च को रिलीज होगी। रवि किशन अभिनीत फिल्म महादेव का गोरखपुर 29 मार्च से एक-साथ देश-विदेश में प्रदर्शन के लिए तैयार है। फिलहाल इस फिल्म को बिहार में 72, उत्तरप्रदेश में 52, पश्चिम बंगाल और आसाम के 23 थियेटर में सिनेपोलिस द्वारा रिलीज किया जा रहा है। आगामी लोकसभा चुनावों में महादेव भक्त रवि किशन इस बार पुन: गोरखपुर संसदीय क्षेत्र से चुनाव मैदान में हैं। रवि किशन ने बताया कि गोरखपुर वास्तव में शिव जी की ही नगरी है और फिल्म महादेव का गोरखपुर में महादेव प्रभु की जिस तरह से भक्ति स्तुति की गई है, वह अवर्णनीय है। पूरी शूटिंग गोरखपुर और आसपास के लोकेशन पर ही की गई है, जिसमें महादेव की गोरखपुर के प्रति आस्था भी बखूबी दिखाई गई है। महादेव का गोरखपुर एक बेहद ही शानदार फिल्म है और इसमें दर्शकों को भरपूर आनंद भी मिलेगा। रवि किशन के होम प्रोडक्शन रवि किशन प्रोडक्शन्स और वाया फिल्म्स के बैनर तले बनी फिल्म के लेखक साई नारायण हैं, फिल्म का निर्देशन दक्षिण भारतीय फिल्मों के मशहूर निर्देशक राजेश मोहनन ने किया है। महादेव का गोरखपुर के निर्माता प्रितेश शाह और सलिल शंकरन, वहीं फिल्म के सह निर्माता अरविंद सिंह, अमरजीत दहिया ,एक्जीक्यूटिव प्रोड्यूसर शंकर नारायण, सिनेमेटोग्राफर अरविंद सिंह हैं। संगीत निर्देशन अगम अग्रवाल और रंजिम राज ने किया है।

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक शंभू दयाल वाजपेयी द्वारा प्लाट नं.-42, निकट बद्री नगर,इंडस्ट्रियल एरिया, नादरगंज, लखनऊ-226008 (उ.प्र.) से मुद्रित एवं 14/76-एल सिविल लाइन्स, कानपुर नगर 208001 (उ.प्र.) से प्रकाशित।
संपादक-शंभू दयाल वाजपेयी, 0512-2548300 (कार्यालय), **ईमेल-** amritvicharkanpur@gmail.com. **आर.एन.आई नं0**-UPHIN/2022/85730 (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र कानपुर होगा)।

दो दशक बाद पूर्व पुलिसकर्मी को उम्रकैद

मुंबई, एजेंसी

फर्जी मुठभेड़ मामला

- **बॉम्बे हाईकोर्ट ने बरकरार रखा निचली अदालत का फैसला,13 पुलिसकर्मी समेत 22 पर था आरोप**

बॉम्बे हाईकोर्ट ने 2006 में गैंगस्टर छोटा राजन के करीबी सहयोगी रामनारायण गुप्ता की फर्जी मुठभेड़ के मामले में मंगलवार को पूर्व पुलिसकर्मी प्रदीप शर्मा को दोषी ठहराया व उम्रकैद की सजा सुनाई है।

न्यायमूर्ति रेवती मोहिते डेरे और न्यायमूर्ति गौरी गोडसे की खंडपीठ ने शर्मा को बरी करने के सत्र न्यायालय के 2013 के फैसले को गलत और अस्थिर करार देते हुए रद कर दिया। दो दशक बाद अदालत ने कहा, ट्रायल कोर्ट ने शर्मा के खिलाफ उपलब्ध भारी सबूतों को नजरअंदाज कर दिया था। सबूतों की सामान्य श्रृंखला मामले में उनकी संलिप्तता को स्पष्ट रूप से साबित करती है। पीठ ने शर्मा को तीन सप्ताह में संबंधित सत्र अदालत के समक्ष सरेंडर करने का निर्देश दिया। उच्च न्यायालय ने पुलिसकर्मियों सहित 13 व्यक्तियों को निचली अदालत द्वारा दी गई दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को भी बरकरार रखा और छह अन्य आरोपियों की दोषसिद्धि और आजीवन कारावास की सजा को रद कर दिया और उन्हें बरी कर दिया है। हत्या के लिए 13 पुलिसकर्मियों सहित बाईस लोगों पर आरोप लगाया गया था। 2013 में सत्र न्यायालय ने सबूतों के अभाव में प्रदीप शर्मा को बरी कर दिया और 21 आरोपियों को दोषी ठहराया और उन्हें आजीवन कारावास की सजा सुनाई। 21 आरोपियों में से दो की हिरासत में मौत हो गई। जहां अभियुक्तों ने अपनी दोषसिद्धि को चुनौती देते हुए उच्च न्यायालय में अपील दायर की, वहीं अभियोजन पक्ष और मृतक के भाई रामप्रसाद गुप्ता ने प्रदीप शर्मा को बरी करने के फैसले के खिलाफ अपील दायर की। मीडिया के मुताबिक, विशेष लोक अभियोजक राजीव चव्हाण ने तर्क दिया था कि वर्तमान मामले में, जो अधिकारी कानून और व्यवस्था के संरक्षक थे, वे स्वयं एक चरणबद्ध निर्मम हत्या में शामिल थे। मामले में शर्मा को दोषी ठहराने की मांग करने वाले अभियोजन पक्ष ने तर्क दिया था कि पूर्व पुलिसकर्मी अपहरण और हत्या के पूरे ऑपरेशन का मुख्य साजिशकर्ता और प्रमुख था। 11 नवंबर, 2006 को लखन भैया का फर्जी एनकाउंटर हुआ था। 33 साल के वसई मुंबई के रहने वाले लखन भैया पर गैंगस्टर एक्ट के तहत मामला दर्ज था, उसे 11 नवंबर, 2006 को मुंबई पुलिस की एक टीम ने छोटा राजन गैंग के संदिग्ध सदस्य के रूप में हिरासत में लिया था उसी दिन शाम को मुंबई में लखन भैया का एनकाउंटर हो गया था।

प्रशासनिक बैठक में शामिल होने पर विवादों में घिरे नवाज

इस्लामाबाद। आम चुनाव के बाद से गायब पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) सुप्रीमो नवाज शरीफ ने पंजाब सरकार की तीन प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता की। बैठक में उनकी उपस्थिति ने कई लोगों को आश्चर्यचकित कर दिया। दरअसल, नवाज के पास मौजूदा समय में कोई आधिकारिक पद नहीं है।

तीन बार के पूर्व मुख्यमंत्री नवाज शरीफ ने सोमवार को अपनी बेटी मरियम शरीफ के नेतृत्व वाली पंजाब सरकार की प्रशासनिक बैठकों की अध्यक्षता की। इस बैठक के बाद एक हैंडआउट जारी किया गया, जिसमें बताया गया कि नवाज ने अधिकारियों को परियोजनाओं के लिए निर्देश जारी किए। ऐसे में उनका बैठक की अध्यक्षता करना कई सवाल खड़े करता है।

निष्क्रिय डीमैट अकाउंट क्लोज कराएं नहीं तो देनी होगी फीस

अगर आप अपने डीमैट खाते का लगातार इस्तेमाल नहीं करते हैं तो ऐसे में आपका अकाउंट इनएक्टिव हो सकता है या फिर आपको अकाउंट के लिए मेंटेनेंस फीस चुकानी पड़ सकती है। इस तरह के अनावश्यक खर्चों से बचने के लिए बेहतर है कि इसे बंद करा दें।

कब निष्क्रिय होता है खाता

एनएसई के नियम के मुताबिक, यदि किसी ट्रेडिंग अकाउंट में 12 महीने से कोई लेनदेन नहीं होता तो स्टॉक ब्रोकर को उस ट्रेडिंग और डीमैट अकाउंट को निष्क्रिय के रूप में वर्गीकृत करना होगा। एनएसई द्वारा जारी सर्कुलर अन्य स्टॉक एक्सचेंजों पर भी लागू होता है।

कैसे बंद करें डीमैट खाता

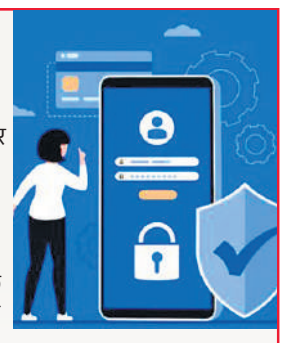

पहले अपने सभी शेयर बेचें या दूसरे डीमैट खाते में ट्रांसफर करें। कोई चार्ज या फीस बकाया है तो उसका सेटलमेंट करें। इसके बाद अपने डिपॉजिटरी पार्टिसिपेंट (डीपी) डीपी से क्लोजर फॉर्म लेकर भरें। पैन कार्ड की कॉपी, एड्रेस प्रूफ और आइडेंटिटी प्रूफ जैसे डॉक्यूमेंट अटैच करें। वेरिफिकेशन के बाद क्लोजिंग प्रोसेस शुरू हो जाएगी

खाता फिर से कैसे करें सक्रिय

डीमैट खाता फिर चालू करना यदि ट्रेडिंग/डीमैट अकाउंट 12 से 24 महीने तक निष्क्रिय रहा है तो अपने स्टॉक ब्रोकर को कॉल करके या ईमेल के जरिए अनुरोध करके उसे फिर से शुरू करवाया जा सकता है। इसमें ओटीपी के जरिए वेरिफिकेशन होती है। यदि निष्क्रियता 24 महीने से ज्यादा है तो री-केवाईसी और इन-पर्सन वेरिफिकेशन प्रोसेस की जरूरत पड़ सकती है। यह प्रक्रिया लगभग नए अकाउंट खोलने जितनी ही जटिल और लंबी हो सकती है। बता दें, डीमैट खाता को बंद करने की रिक्वेस्ट करने के बाद आपका खाता कुल 10 दिन के भीतर बंद कर दिया जाएगा। ध्यान देने वाली बात ये है कि इस खाते को बंद करने में आपको किसी तरह का चार्ज नहीं देना होगा। वहीं अगर आपके खाते में कुछ पैसे बकाया है तो उस शुल्क को देने के बाद ही आप अकाउंट को बंद कर सकते हैं।

एक नजर

अल-शिफा अस्पताल पर हमले में आईडीएफ सैनिक की मौत

गाजा। गाजा शहर में अल-शिफा अस्पताल परिसर पर सोमवार तड़के इजराइली सेना की। छापेमारी के दौरान एक इजराईली सैनिक की मौत हो गई, जबकि हमले में कई गाजावासी भी मारे गए हैं। आईडीएफ के अनुसार, इजराइली लोगों की मौतों की कुल संख्या 593 हो गई है। वहीं हमास ने कहा- अल-शिफा अस्पताल में घुसपैठ कर रहे इजराइली बलों के साथ झड़पों में कई लड़ाकों की मौत हुई है। हमास ने कहा- सैन्य वाहनों को निशाना बनाया जिससे मौतें हुईं। बता दें, आईडीएफ सैनिक गाजा के सबसे बड़े अस्पताल में ऑपरेशन कर रहे हैं। सेना ने 80 लोगों को गिरफ्तार किया गया।

बलूचिस्तान प्रांत में आया 5.4 तीव्रता का भूकंप, कोई हताहत नहीं

कराची। पाकिस्तान के बलूचिस्तान प्रांत में मंगलवार को 5.4 तीव्रता का मध्यम भूकंप आया। इस दौरान और किसी के हताहत होने की कोई जानकारी सामने नहीं आई है। इस घटना की सूचना अधिकारियों ने दी। मौसम विभाग के एक अधिकारी ने कहा, भूकंप का केंद्र क्वेटा से 150 किलोमीटर उत्तर पश्चिम में 35 किलोमीटर की गहराई में था। विवरण के अनुसार, भूकंप के झटके राजधानी क्वेटा, नोशकी, चागी, चमन, किला अब्दुल्ला, दलबादीन, पिशिन और प्रांत के कुछ अन्य इलाकों में महसूस किए गए। पाकिस्तान मौसम कार्यालय ने कहा कि भूकंप के झटके पाकिस्तान-ईरान सीमा क्षेत्रों में भी महसूस किए गए।

भारतीय-अमेरिकी पेशेवरों ने मोदी की जीत के लिए किया हवन

वाशिंगटन। सिलिकॉन वैली के भारतीय-अमेरिकी तकनीकी पेशेवरों ने भारत में लोकसभा चुनाव में प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की जीत के लिए एक मंदिर में हवन-पूजन कराया। ओवरसीज फ्रेंड्स ऑफ बीजेपी (ओएफबीजेपी) और यूएसए सैन फ्रांसिस्को बे एरिया चैप्टर द्वारा आयोजित हवन में बड़ी संख्या में लोग शामिल हुए। मीडिया के अनुसार, यह केवल एक अनुष्ठान नहीं था बल्कि अधिकांश भारतीयों और प्रवासी भारतीयों की इच्छाओं की पूर्ति के लिए एक सामूहिक आह्वान था।

सर्जरी के बाद पहली बार केट व प्रिंस विलियम सार्वजनिक रूप से दिखे

लंदन। प्रिंस विलियम और उनकी पत्नी कैथरीन का उनके विंडसर स्थित घर के पास एक दुकान का वीडियो सामने आया है, जो दो महीने पहले केट की पेट की सर्जरी के बाद उनका यह पहला फुटेज है। मीडिया की खबर के मुताबिक बताया गया है कि लंदन के पश्चिम में विंडसर में यह वीडियो शनिवार को बनाया गया। सोमवार को एक छोटा क्लिप जारी किया जिसमें विलियम और केट को मुस्कराते हुए, हाथ में खरीदे गए सामान के थैले लेकर चलते हुए देखा जा सकता है। वीडियो में केट खुश दिख रही हैं। हालांकि, दोनों के केनसिंगटन पैलेस स्थित कार्यालय ने इस बारे में कोई टिप्पणी नहीं की है।

अरुणाचल पर निराधार तर्क दोहराने से दावों पर वैधता नहीं मिलती: भारत

विरोध के बावजूद नहीं रुका चीन, रणधीर बोले-भारत का अविभाज्य हिस्सा

नई दिल्ली, एजेंसी

अरुणाचल प्रदेश पर चीन के 'बेतुके दावों' को विदेश मंत्रालय ने खारिज कर दिया है। उन्होंने कहा कि 'बार-बार इस संबंध में निराधार तर्क दोहराने से ऐसे दावों को कोई वैधता नहीं मिलती है।' विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जयसवाल ने कहा कि अरुणाचल प्रदेश हमेशा भारत का अभिन्न और अविभाज्य हिस्सा रहेगा।

जयसवाल का बयान चीनी रक्षा मंत्रालय के प्रवक्ता कर्नल झांग शियाओगांग की टिप्पणियों पर मीडिया के सवालों के जवाब में आया है। दरसअल, चीनी प्रवक्ता ने अरुणाचल प्रदेश पर बीजिंग के दावे को दोहराया और इस क्षेत्र को चीन के क्षेत्र का स्वाभाविक हिस्सा बताया था। जब झांग से अरुणाचल प्रदेश में सेला सुरंग के माध्यम से भारत की सैन्य तैयारी बढ़ाने के बारे में पूछा गया, तो उन्होंने कहा कि जिजांग का दक्षिणी भाग (तिब्बत का चीनी नाम) चीन के क्षेत्र का एक अंतर्निहित हिस्सा है और बीजिंग इसे 'कभी स्वीकार नहीं करता और दृढ़ता से विरोध नहीं करता। बता दें कि भारत ने अरुणाचल प्रदेश पर चीन के क्षेत्रीय दावों को बार-बार खारिज किया है और कहा है कि राज्य देश का अभिन्न अंग है। नई दिल्ली ने क्षेत्र को 'मनगढ़ंत' नाम देने के बीजिंग के कदम को भी खारिज कर दिया है और कहा है कि इससे वास्तविकता में कोई बदलाव नहीं आया है।

प्रधानमंत्री मोदी के दौरे के बाद चीन नहीं सोया चैन की नींद

9 मार्च को, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अरुणाचल प्रदेश में 13,000 फीट की ऊंचाई पर बनी सेला सुरंग को राष्ट्र को समर्पित किया था। यह रणनीतिक रूप से स्थित तवांग को हर मौसम में कनेक्टिविटी प्रदान करेगी और सीमांत क्षेत्र में सैनिकों की बेहतर आवाजाही सुनिश्चित करने की उम्मीद है। चीन, अरुणाचल प्रदेश को नियमित रूप से भारतीय नेताओं के राज्य के दौरों पर आपत्ति जताता है। यहां तक की बीजिंग ने इस क्षेत्र का नाम भी जांगनान रखा है।

क्या है विवाद

- दोनों देशों में 3488 किलोमीटर लंबी एलएसी (लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल) को लेकर विवाद है। हालांकि, चीन अरुणाचल प्रदेश वाले हिस्से को भी विवादित मानता है।
- अरुणाचल प्रदेश की 1126 किलोमीटर लंबी सीमा चीन के साथ और 520 किलोमीटर लंबी सीमा के साथ मिलती है।
- चीन का दावा है कि अरुणाचल पारंपरिक तौर पर दक्षिणी तिब्बत का हिस्सा है, वहीं भारत अक्साई चिन इलाके को अपना बताता है।
- 1962 के युद्ध में चीन ने अक्साई चिन वाले हिस्से पर कब्जा कर लिया था।

चीन ने अरुणाचल के स्थानों के नाम बदले

इससे पहले चीन ने अप्रैल 2023 में अपने नक्शे में अरुणाचल प्रदेश की 11 जगहों के नाम बदल दिए थे। चीन ने पिछले 5 साल में तीसरी बार ऐसा किया है। इसके पहले 2021 में चीन ने 15 जगहों और 2017 में 6 जगहों के नाम बदले थे। भारत चीन की इस हरकत पर पलटवार करता रहा है।

मुर्मू ने तेलंगाना की राज्यपाल सौंदरराजन का इस्तीफा स्वीकारा

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने तेलंगाना की राज्यपाल और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार संभाल रहीं तमिलिसाई सौंदरराजन का इस्तीफा स्वीकार कर लिया।

अब उनकी जगह झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन को तेलंगाना के गवर्नर और पुडुचेरी के उपराज्यपाल का अतिरिक्त प्रभार सौंपा गया है। राष्ट्रपति भवन की ओर से जारी रिलीज के मुताबिक, राधाकृष्णन तेलंगाना-पुडुचेरी में नियमित नियुक्तियां होने तक प्रभार संभालेंगे। गौरतलब है कि तमिलिसाई ने राज्यपाल और उपराज्यपाल पद से इस्तीफे के बाद कहा था कि उनके ऊपर ऐसा करने का कोई दबाव नहीं था। उन्होंने कहा कि राज्यपाल के रूप में उन्होंने अपने कार्यकाल का आनंद लिया है। इस दौरान जब उनसे पूछा गया कि उनका अगला कदम क्या होगा और क्या वह आगामी लोकसभा चुनाव लड़ेंगी? इस पर उन्होंने कहा कि वह अपनी योजनाओं के बारे में बाद में बताएंगी।

हनुमान चालीसा बजाने पर दुकानदार को पीटा, हंगामा

बेंगलुरु, एजेंसी

- **बेंगलुरु में व्यापारी पर हमले के खिलाफ भाजपा का विरोध प्रदर्शन सांसद समेत पांच लोग गिरफ्तार**

बेंगलुरु के नगरथपेटे में मंगलवार को तनाव काफी बढ़ गया है। दरअसल, रविवार को अजान के दौरान अपनी दुकान में हनुमान चालीसा बजाने को लेकर कुछ लोगों ने एक व्यापारी को बेहरमी से पीटा था, इसको लेकर भाजपा ने विरोध में प्रदर्शन किया। इस घटना के सिलसिले में अब तक पांच लोगों की गिरफ्तारी हो चुकी है।

केंद्रीय मंत्री शोभा करंदलाजे और भाजपा विधायक एस सुरेश कुमार उन लोगों में शामिल थे, जिन्हें पुलिस ने एहतियातन हिरासत में ले लिया। पुलिस ने कहा कि घटना के सिलसिले में पांच लोगों को गिरफ्तार किया गया है, जिनमें से दो को मंगलवार को गिरफ्तार किया गया है। भाजपा ने पीड़ित मुकेश की दुकान से शांतिपूर्ण जुलूस निकालने का आह्वान किया था, जिसमें लोगों ने 'हनुमान चालीसा' का जाप किया गया था। दरअसल, कुछ युवाओं ने रविवार को जुमा मस्जिद रोड पर अपनी दुकान में 'अजान' के दौरान लाउडस्पीकर पर मुकेश द्वारा 'हनुमान चालीसा' बजाने पर आपत्ति जताई और इसके बाद उसके साथ मारपीट की। सुरेश कुमार ने आरोप लगाया, "हनुमान चालीसा बजाने वाले व्यापारी पर इस तरह का हमला होते देखना बेहद दर्दनाक है। समाज में शांति भंग करने की कोशिश की जा रही है।

बेंगलुरु में मंगलवार को सड़कों पर उतरे भाजपा कार्यकर्ता।

दरअसल, बेंगलुरु में भाजपा सांसद तेजस्वी सूर्या भी इस विरोध प्रदर्शन में शामिल हुए, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें गिरफ्तार कर लिया है। विरोध प्रदर्शन के दौरान पुलिस ने लॉ एंड ऑर्डर मेंटेन करने के लिए हल्का बल प्रयोग भी किया।

वायुसेना बनी दूत...

लेह: खराब मौसम के कारण लेह में फंसे नागरिकों को बचाने के लिए अब भारतीय वायु सेना आगे आई है। भारतीय वायु सेना के एएन-32 विमान से हताहतों को एयरलिफ्ट किया गया। अधिकारियों ने मंगलवार को बताया कि इस विमान की मदद से घायलों को लेह से चंडीगढ़ पहुंचाया गया है। बता दें, बर्फ और खराब मौसम के कारण सड़कें बंद हो गई। इस वजह से भारतीय वायु सेना लद्दाख और उसके आसपास के दूरदराज के क्षेत्रों में फंसे हमारे नागरिकों के लिए एकमात्र जीवन रेखा बनी हुई है।

पिता की छोड़ी सीट से आसिफा ने भरा नामांकन

इस्लामाबाद, एजेंसी। पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी की छोटी बेटी आसिफा अली जरदारी ने पाकिस्तान की राजनीति में कदम रखा है। उन्होंने सिंध प्रांत की नेशनल असेंबली सीट पर उपचुनाव लड़ने के लिए अपनी उम्मीदवारी दाखिल की।

उन्होंने अपनी पिता की छोड़ी सीट से नामांकन दाखिल किया है। 31 वर्षीय आसिफा पिछले कुछ समय से राजनीति में काफी सक्रिय है, लेकिन उनके पिता और पाकिस्तान के राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने उन्हें अबतक संसदीय राजनीति से दूर रखा था। आसिफा ने रविवार को सिंध प्रांत के शहीद बेंजीराबाद जिले के एनए 207 निर्वाचन क्षेत्र से उपचुनाव के लिए अपना नामांकन भरा। बता दें कि आसिफ अली जरदारी ने यहां से चुनाव जीता था, लेकिन राष्ट्रपति बनने के बाद उन्होंने यह सीट खाली कर दी।

अवैध निर्माण ढहाने के आदेश में हाईकोर्ट का दखल देने से इनकार

कोलकाता, एजेंसी

- **कोर्ट ने कहा-अनाधिकृत ढांचों पर रोक वाली याचिका पर सामान्य प्रक्रिया से ही होगी सुनवाई**

कलकत्ता उच्च न्यायालय ने मंगलवार को अवैध इमारतों ढहाने के आदेश में दखल देने से इनकार किया। अदालत ने कहा कि वह याचिका पर तत्काल सुनवाई नहीं करेगी। याचिका में अनाधिकृत ढांचों को ढहाने के आदेश पर रोक लगाने की मांग की गई है। बता दें कि एक दिन पहले कोलकाता में एक निर्माणाधीन बहुमंजिला इमारत ढहने से नौ लोगों की मौत हो गई।

जबकि कई लोग घायल हो गए। न्यायमूर्ति अमृता सिन्हा ने विभिन्न नगर निकायों में कथित अवैध इमारतों को गिराने के आदेश में दखल देने से इनकार किया। याचिकाकर्ताओं की ओर से तीन वकील अदालत में पेश हुए। उन्होंने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की। उच्च न्यायालय ने कहा कि वह ऐसे मामलों की सुनवाई सामान्य प्रक्रिया से ही करेगा। जब एक वकील ने याचिका पर तत्काल सुनवाई की मांग की तो अदालत ने कहा कि वह अभी विध्वंस के किसी भी मामले में सुनवाई की अनुमति नहीं दे रही है। वकील ने दावा किया कि विध्वंस की तारीख 20 मार्च है और अगर मामला बाद में सुनवाई के लिए आता है तो यह पूरी तरह कवायद व्यर्थ हो जाएगी। इस पर न्यायमूर्ति सिन्हा ने कहा, इसे व्यर्थ ही रहने दें, पहले इंसानों का जीवन बचाया जाए। अदालत दखल नहीं दे रही है। न्यायमूर्ति सिन्हा ने इसी तरह की परिस्थितियों का दावा करने वाली एक अन्य याचिका पर कहा, विध्वंस जारी रहने दिया जाए। अदालत दखल देने नहीं जा रही है।

ट्रंप मौलिक स्वतंत्रता के लिए खतरा : उप राष्ट्रपति हैरिस

वाशिंगटन, एजेंसी

अमेरिका में इस साल राष्ट्रपति चुनाव होना है। इस चुनावी दौड़ में राष्ट्रपति जो बाइडन और पूर्व राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के बीच टक्कर होती दिख रही है। ऐसे में आरोप-प्रत्यारोप का दौर जारी है। अब ट्रंप पर अमेरिकी उप राष्ट्रपति कमला हैरिस ने निशाना साधा है।

उन्होंने पूर्व राष्ट्रपति को लोकतंत्र और मौलिक स्वतंत्रता के लिए 'खतरा' बताया और रो बनाम वेड को बहाल करने, मतदान के अधिकारों की रक्षा करने और बंदूक हिंसा के मुद्दों को हल करने का संकल्प लिया। एक्स पर हैरिस ने कहा, 'डोनाल्ड ट्रंप हमारे लोकतंत्र और मौलिक स्वतंत्रता के लिए खतरा हैं। राष्ट्रपति जो बाइडन और मैं फिर से रो को बहाल करेंगे, मतदान अधिकारों की रक्षा करेंगे और अंत में

बंदूक हिंसा मुद्दे पर बात करेंगे। इस पर आखिर विरोध क्यों हो रहा है यह फिलहाल स्पष्ट नहीं हो सका है। रिपोर्ट के अनुसार, अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अभियान प्रवक्ता जेम्स सिंगर ने कहा था कि ट्रंप छह जनवरी की घटना फिर दोहराना चाहते हैं। क्योंकि पूर्व राष्ट्रपति ने कहा था, 'अगर अब मैं चुना नहीं जाता हूं तो यहां खून-खराबा होगा। कम से कम यह होगा ही। खून-खराबा देश के लिए होने जा रहा है। साल 2021 में जब ट्रंप चुनाव में हार गए थे, तब लोगों की भीड़ छह जनवरी 2021 में कैपिटल हिल में जबरन घुस आई थी।

विज्ञान लाल ग्रह की धरती पर पैदल चलने को लेकर नासा के वैज्ञानिकों ने शुरू की तैयारी

मंगल पर 3.1 मील प्रति घंटे का सफर तय कर पाएगा इंसान

नैनीताल कार्यालय

अमृत विचार : लाल ग्रह मंगल की धरती पर पैदल चलने को लेकर वैज्ञानिकों ने तैयारी शुरू कर दी है। मंगल की धरती पर इंसान कितने किमी चल पाएगा। नासा के वैज्ञानिकों के अनुसार मंगल पर इंसान शुरुआत में 3.1 मील प्रति घंटे का सफर तय कर पाएगा। मंगल बियावान रेत का जंगल है।

जहां पृथ्वी की तरह ऊंचे पर्वत और मैदान हैं। विशाल रेगिस्तान हैं और गड्ढे भी हमारी धरती की तरह ही हैं, लेकिन नही है तो हरियाली है। साथ ही नीले महासागरों का नितांत अभाव है। इसी क्रम में वहा का वातावरण भी हमसे कुछ हद तक जुदा है। जिस कारण मंगल का

मंगल ग्रह पर इंसान का प्रतिकात्मक चित्र।

मंगल ग्रह पर ऑक्सीजन साथ लेकर ही जा सकते हैं

मंगल पर न कोई सड़क होगी न पानी भोजन या वाहन की कोई व्यवस्था होगी। साथ ही ऑक्सीजन की अलग समस्या होगी। लिहाजा इंसान को पर्याप्त ऑक्सीजन, पानी और भोजन साथ लेकर चलना होगा। यह चुनौती उसी प्रकार की होगी, जैसा कि आदि काल में मानव को झेलनी पड़ी थी। लिहाजा उन परिस्थितियों को ध्यान में रखना होगा, जो पृथ्वी पर आदिकाल मे रही थी।

शुरुवाती चरण बेहद चुनौतीभरा रहने वाला है। मगर शुरुआत तो करनी ही होगी। इस मार्ग पर आने वाली कठिनाइयों को लेकर पूर्व में जानकारी जरूरी होने के कारण वैज्ञानिकों ने अनुमान लगाना शुरू कर दिया है।

इस कड़ी में वैज्ञानिकों का पहला सर्वे मंगल ग्रह के चारों ओर पैदल घूमने में समय का पता लगाना है। जॉर्ज मेसन विश्वविद्यालय के खगोल वैज्ञानिक प्रो एर्डल यिगिट के अनुसार इस दिशा में अनिवार्य रूप से दो मापदंडों पर ध्यान देने की सर्वाधिक जरूरत होगी। जिसमें अंतरिक्ष यात्री की गति और दिशा के साथ और दूरी को शामिल किया गया है। मंगल ग्रह के भूमध्य रेखा के चारों ओर घूमने के लिए लगभग 21400 किलोमीटर चलना होगा। इतनी लंबी यात्रा के लिए कितनी गति से मानव को चलना होगा। किस गति से चलना होगा। वहा की परिस्थितियों पर निर्भर करता है। ऐसे पड़ाव भी आएंगे, जहां ठंड से गुजरना होगा। पहले अनुमान में यह तय किया गया कि सिर्फ लगभग 3.1 मील प्रति घंटे का सफर तय कर पाएगा।

एच-1बी वीजा पंजीकरण की घोषणा, जारी की गाइडलाइन

वाशिंगटन, एजेंसी

भारतीय आइटी पेशेवरों में लोकप्रिय अमेरिकी एच-1बी वीजा की वित्तीय वर्ष 2025 के लिए प्रारंभिक पंजीकरण की तिथि 22 मार्च को खत्म हो रही है। अमेरिकी संघीय एजेंसी ने बताया कि यह सुविधा यूएससीआईएस की साइट पर ऑनलाइन उपलब्ध है।

अमेरिकी तकनीकी कंपनियां हर वर्ष भारत और चीन जैसे देशों के हजारों एच-1बी वीजा धारक कर्मचारियों की भर्ती करती हैं। अमेरिकी नागरिकता व आव्रजन सेवा (यूएससीआईएस) ने सोमवार को बताया कि तय तिथि तक संभावित आवेदकों और कानूनी प्रतिनिधियों को चयन प्रक्रिया के लिए हर लाभार्थी का पंजीकरण करने और पंजीकरण शुल्क भुगतान करने के लिए दिए गए ऑनलाइन अकाउंट का उपयोग करना होगा। एच-1बी वीजा एक गैर-आप्रवासी वीजा है, जो अमेरिकी तकनीकी कंपनियों को विदेशी कामगारों की एक निश्चित अवधि के लिए नियुक्ति करने की अनुमति देता है। मीडिया को जारी विज्ञप्ति में कहा गया है कि गैर-आप्रवासी कर्मचारियों के लिए फार्म आइ-129 और प्रीमियम प्रोसेसिंग सेवा के लिए आइ-907 फार्म यूएससीआईएस पर आनलाइन उपलब्ध है। यूएससीआईएस ने बताया कि एक अप्रैल से एच-1बी कैप आवेदनों के लिए फार्म की ऑनलाइन आवेदन स्वीकार शुरू कर दिया जाएगा।